2015-16

7वीं वार्षिक प्रतिवेदन

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाडा

School of Planning and Architecture, Vijayawada

An Institute of National Importance, MHRD, Govt. of INDIA.

विषय-वस्तु

अध्यक्षके डेस्क से 4

निदेशकका संदेश 5

I) एस. पी. ए. वी. के संबंध में 6-24

1.1विद्यालय के संबंध में 7

1.1.1. शैक्षणिक गतिविधियाँ 7

1.2 मानव संसाधन 8

1.2.1. वास्तुकला विभाग: संकाय 8

1.2.2.योजना विभाग संकाय 10

1.1.3. प्रशासन 11

1.3 एस. पी. ए. वी. उपक्रम 12

1.4अनुसंधान और विकास 13

1.5 सम्मेलन, कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम 15

1.6 स्पर्धाए 17

1.6.1.एस. पी. ए. वी. घटनाओं की कवरेज 18

1.6.2. प्रवेशरू रिपोर्टिंग के रूपमें एसपीए और सत्यापन केंद्र 19

1.7छात्र गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ 19

1.8अवसंरचना विकास 20

1.8.1.एस. पी. ए. वी. परिसर विकास 21

1.8.2. पुस्तकालय 26

1.8.3. कंप्यूटर नेटवर्किंग और सुरक्षा 22

1.8.4. कंप्यूटर और सीएडी लैब 22

1.8.5. जीआईएस प्रयोगशाला 23

1.8.6. सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला 23

1.8.7. सामग्री संग्रहालय 24

1.8.8. पर्यावरण प्रयोगशाला सह जलवायुविज्ञान शास्त्र 24

2). वास्तुकला विभाग 25-48

2.1 वास्तुकला और डिजाइन लैब्स:सारांश 26

2.2 वास्तुकला विभाग:संकाय गतिविधियाँ 46

2.3 प्रकाशन 46

2.4 वास्तुकला विभाग व्यावहारिक प्रशिक्षण 48

2.5 2015-16में उत्तीर्ण छात्रों की सूची 48

3).योजनाविभाग		**51-76**
3.1	योजना और डिजाइन लैब्स: सारांश	52
3.2	योजना विभाग: संकाय गतिविधियाँ	74
	3.2.1 प्रकाशन	75
3.3	योजनाविभाग: व्यावहारिक प्रशिक्षण	76
3.4	2015-16 में उत्तीर्ण छात्रों की सूची	76
4). बोर्डों और समितियों		**79-89**
4.1	शासकीयसंघ	80
4.2	शैक्षणिक परिषद	81
4.3	भवन और निर्माण समिति	83
4.4	वित्त समिति	84
4.5	अध्ययनसंघ (वास्तुकला)(2014-16)	85
4.6	अध्ययनसंघ (योजना)(2014-16)	86
4.7	विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति(2014-16)	87
4.8	विभागीय शोध समिति(वास्तुकला) (2016)	88
4.9	विभागीय शोध समिति(योजना) (2016)	89
5).	**वार्षिक वित्त**	**90**

अध्यक्ष के डेस्क से

एआर. वृन्दा सोमया
अध्यक्ष

मूल संरचनात्मक के साथ भारत में आज ढांचागत विकास हो रही है और अगले कुछ दशकों में ऐसा ही जारी रहेगा, इस प्रक्रिया में वास्तुकारों,योजनाकारों और शहरी डिजाइनर के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता। इसमें राष्ट्रीय संस्थानों जैसे योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के छात्र अपनी विशेषता तथा चुनौती को स्वीकार कर के हमारे राष्ट्र को आगे ले जाने की भूमिका में अग्रगण्य होगी

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के बोर्ड ऑफ गवनर्स के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया जो राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान है यह मेरे लिए एक सम्मान है।
यह स्थित इतिहास के इस महत्वपूर्ण समय में,आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के कास में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करेगा यह एक दुर्लभ अवसर होगा एसपीएवी हेतू और मुझे आशा है कि कुछ के सहयोग से सभी के लिए लाभ मिलेगा

मैं 138 स्नातक और स्नातकोत्तरछात्रों को बधाई देती हूँ जिन्होंने 30 सितंबर, 2016 को आयोजित दूसरे दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्राप्त किये।एसपीएवी के परिसर के निर्माण में तेजीलानेके लिए प्रयास किए गए हैं तथा कई दलों के सहयोग इस परियोजना में शामिल है, मुझे आशा है कि समय सीमा का पालन करते हुये प्रगतिशील नए परिसर में अगले दो वर्षों के भीतर स्थानांतरण कर लिया जायेगा इसके अलावा, सामान्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर हमारे छात्रों और संकाय के बीच बातचीत का विस्तार तथा मुझे आशा है इससे उन सभी को फायदा होग जो इससे संबंधित हैं। और इसलिए कार्यशालाओं, सम्मेलनों और सेमिनारोंका आयोजन किया गया है।

यह सभी संकाय और स्टाफकी प्रतिबद्धता के द्वारा ही संभव हुआहैऔरमैंसभीकोबधाईदेतीहूँऔरआशाकरतीहूँ कीएसपीएवीअपनीउपलब्धि और प्रतिष्ठा के मामलेमेंउच्च स्तर परपहुँचे।
मैं शासकीय बोर्ड तथा अन्य विभिन्न समितियों और मानव संसाधन विकास मंत्रालय धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने पिछले कुछ महीनों के दौरान मुझे बोर्ड ऑफ गवनर्स की अध्यक्ष के रूपमेंसाथ दिये।

B Somaya

वृन्दा सोमया

निदेशक का संदेश

डॉ. मिनाक्षी जैन
निदेशक, एसपीए, विजयवाड़ा

वित्तीय वर्ष 2015-16 योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के लिए एक अद्भुत वर्ष रहा है। इसके दौरान इस वर्ष में हमारे कई संकाय सदस्यों के आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की विभिन्न समितियों के लिए तकनीकी सदस्य और सलाहकार के रूप में नामित किया गया जिससे एसपीए के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा। हमारे संकाय सदस्यों ने भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में योजना और वास्तुकला के विभिन्न पहलुओं में अपने कार्य को प्रस्तुत किए। हमारे छात्रों ने एसपीएवी के लिए ख्याति अर्जित किये उन्होंने विभिन्न छात्र घटनाओं में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से देश के सम्मेलनों में अपनी पत्रों की प्रस्तुति दिये। एसपीएवी वास्तुकला और योजना के अन्य विभिन्न उप-क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति आने वाले वर्षों में विस्तार करेगा जिससे इसकी स्थानीय पहचान और राष्ट्रीय पहचान हासिल होगा। आने वाले वर्षों में उम्मीद है कि यह अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए अपनी शक्ति का निर्माण करेगा।

Dr. Minakshi Jain

एस. पी. ए. वी. के संबंध में

- विद्यालय के संबंध में
- मानव संसाधन
- एस. पी. ए. वी. उपक्रम
- अनुसंधान और विकास
- सम्मेलन, कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम
- स्पर्धाएँ
- छात्र गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ
- आधारिक संरचना एवं विकास

1-1 विद्यालय के संबंध में

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाडा मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा योजना तथा वास्तुकला के क्षेत्र में षिक्षा व अनुसंधान को बढावा देने के उद्देष्य से 7 जुलाई 2008 को स्थापित किया गया एक स्वायत्तषासी संस्थान है । योजना तथा वास्तुकला विद्यालय अधिनियम 2014 के अंतर्गत संसद द्वारा विद्यालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है।

1.1.1) शैक्षणिक गतिविधियॉ

एस.पी.ए.वी का विषेष ध्यान स्थिरता पर है । शैक्षणिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक उद्देष्य डिजाइन सृजनात्मकता और निष्पक्षता का अनूठा मिश्रण है।विद्यार्थी केवल आवष्यक कौषल ही नहीं सीखते वरन् बौद्धिक प्रेरणादायक सत्र द्वारा अपने विचार भी उजागर करते हैं जिसमें स्टूडियो, फील्ड ट्रिप व अनुसंधान परियोजनांए शामिल हैं। संस्थान ज्ञान की प्रगति के लिए स्वतंत्र और विद्वानों के योगदान को विकसित करने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान को बढावा देता है

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाडा योजना तथा वास्तुकला के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्नातक स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यकम प्रस्तुत करता है। वर्तमान में विद्यालय के पास दो विभाग हैं 1. वास्तुकला विभाग 2. योजना विभाग। दो स्नातक डिग्री प्रोग्राम, तीन स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यकम चलाए जा रहे हैं । दो स्नातक कार्यकमः प्रत्येक विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2008**और**09 में शुरू किया गया। तीन स्नातकोत्तर कार्यकमः योजना पर्यावरणीय योजना और प्रबंधन की शुरूआत शैक्षणिक वर्ष 2013और14 में हुई। षहरी और क्षेत्रीय योजना और सत्त वास्तुकला शैक्षणिक वर्ष 2014 और15 में शुरू किए गए।डिग्री कार्यक्रम भविष्य निर्वाह हासिल किया जा सके भौतिक, सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों, और पता करने के लिए डिजाइन किए गए थे और इसलिए करने के लिए विशिष्ट को पूरा करने के लिए उद्योग और शिक्षा की जरूरत है। इन पाठ्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है पर्याप्त समझ विभिन्न पर्यावरण निर्मित करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ छात्रों से लैस करने के लिए संबंधित मुद्दों और मानव बस्तियों के भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और पारिस्थितिकी आयामों का विश्लेषण करने लिए।डिग्री कार्यक्रमों के निर्माण के क्षेत्र में पेशेवरों की दिशा में योगदान करना चाहतेहैं। कार्यक्रम के दौरान, छात्र विषय विशेषज्ञों, प्रासंगिक संगठनों, आदि, के साथ रूप उन्हें समझते हैं और मौजूदा सर्वोत्तम प्रथाओं को अद्यतन बनाने के लिए बातचीत करनेके लिए पर्याप्त अवसर केसाथ प्रदानकीजाती हैं। कार्यक्रम चलरहे या लाइव परियोजनाओं में उनकी भागीदारी के माध्यमसे वास्तविक समय का अनुभव हासिल करनेके लिए छात्रों को सक्षम करें। इसके अलावा, डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पीएचडी कीडिग्री करनेके लिए अग्रणी शैक्षणिक वर्ष 2012 और 13में शुरूकीगई थी।वर्तमानमें, कुल 16पीएचडी विद्वानों के साथ एसपीए नामांकित कर रहे हैं। मन, सांस्कृतिक विविधता और समान अवसर में रखतेहुए, स्कूल एक समावेशी नीति विकसित करनेके लिए सभी छात्रों के लिए एक मंच प्रदान करता है।

1.2) मानव संसाधन

प्रो.(डॉ.) एन.श्रीधरन

निदेशक

01.07.2013 to 31.08.2015

यू.बी.देशाइ

निदेशक

(प्रभार)

31.08.2015 to 29.02.2016

प्रो. (डॉ.) रमेश श्रीकोंडा

निदेशक (प्रभार)

(29.02.2016 से 17.11.2016)

अध्यन प्रधान (मार्च 2015 से)

विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग (मई 2016 तक)

प्राध्यापक , वास्तुकला विभाग

डॉक्टरेट, पीजीडीइइ, एमटीपी, बी.आर्क.

Email: ramesh.srikonda@spa.ac.in

1.2.1) वास्तुकला विभाग: संकाय

वेंकट कृष्ण कुमार एस

संयुक्त प्राध्यापक

एम .प्लान.(गृहप्रबंध), बी.आर्क.

Email: krishnakumar.sv@spa.ac.in

कार्तिक गुटरू

सहायक प्राध्यापक

एम .आर्क.(शहरी डिजाइन), बीआर्क.

Email: karteek.g@spa.ac.in

रंगानागा सत्यनारायण मुर्ति

सहायक प्राध्यापक

एम.प्लान. (पर्यावरणीय योजना), बी.आर्क.

Email: murthy.rns@spa.ac.in

अनिल कुमार चिलकपति

सहायक प्राध्यापक

एम.आर्क., बीआर्क.

Email: anil.ch@spa.ac.in

नागाराजू कजा

सहायक प्राध्यापक

एम .इ.(निर्माण प्रबंधन), बी.आर्क.

Email: nagaraju.kaja@spa.ac.in

क्रांति कुमार मैनेनी

सहायक प्राध्यापक

एम.एससी.(निर्माण प्रबंधन), बी.आर्क.

Email: kranti.myneni@spa.ac.in

श्रीनिवास दाकेती
सहायक प्राध्यापक
एम .प्लान .(गृहप्रबंध), बीर्कआ ..
Email: srinivas.d@ spa.ac.in

जगत कुमारी डी
सहायक प्राध्यापक
एम.ई.(संरचनात्मक इंजीनियरिंग और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन), बी.ई.(सिविल इंजी.(एमआइई
Email: kumari.dungi@ spa.ac.in

संकाय (तदर्थ)

डॉ. तथागत चटर्जी
प्राध्यापक
पीएचडी,(क्वींसलैंड), एमआर्क.(शहरी डिजाइन), बीआर्क..
Email: tathagata@ spa.ac.in

डॉ. फैज अहमद
सहायक प्राध्यापक
एमप्लान., एमयुआरपी (फ्रांस), बीआर्क..
Email: faizahmed@ spa.ac.in

जी. साईं सनथ
सहायक प्राध्यापक
एम. टेक., (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना), बी.आर्क.Email: sanath@ spa.ac.in

जोनू जौन थॉमस
सहायक प्राध्यापक
एमप्लान.(शहरी योजना), बीआर्क..
Email: john.thomas@ spa.ac.in

मिलिंद अशोक काम्बले
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(शहरी डिजाइन), बीआर्क..
Email: milind.kamble@ spa.ac.in

बी.एन. कृति नायडु
सहायक प्राध्यापक
एम आर्क.(पर्यावरणीय आर्क.), बीआर्क...
Email: keerthi@ spa.ac.in

टी. माधव राव
सहायक प्राध्यापक
एमयूआरपी, बी. आर्क.
Email: madhav@ spa.ac.in

समीक्षा श्रीचन्दन
सहायक प्राध्यापक
एम. आर्क. (वास्तु संरक्षण)
Email: samiksha@ spa.ac.in

1.2.2) योजना विभाग: संकाय

प्रो. (डॉ.) अब्दुल रजाक मोहम्मद

प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष, योजना विभाग

(मई 2016 तक)

एम ए एम फील समाजशास्त्र एम. टी. पी, पीएमएडीपीएस, पीजीडीएचाआरएम., डॉक्टरेट(ऑस्ट्रेलिया)., ईशासन- में कार्यकारी स्नातकोत्तर (इपीएफएल,स्विट्ज़रलैंड)

Email: razak@ spa.ac.in

डॉ. अयन कुमार तरफदार

संयुक्त प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष, योजना विभाग (मई 2016 से)

डॉक्टरेट (नार्वे), एमएस-युइपी,बी. योजना (एसपीए दिल्ली)

Email: ayon.tarafdar@एसपीए.ac.in

डॉ. नटराज क्रांति

संयुक्त प्राध्यापक

डॉक्टरेट (हैदराबाद), एमयुआरपी, बी. आर्क.।

Email: natraj@ spa.ac.in

वल्लियपन ए.एल.

संयुक्त प्राध्यापक

एम .प्लान .(गृहप्रबंध), बीआर्क ..।

Email: valliappan.al@ spa.ac.in

प्रशांत वर्धन

सहायक प्राध्यापक

एम .प्लान .(बुनियादी ढांचे की योजना),बी.प्लान.।

Email: prasanth@spa.ac.in

मकबूल अहमद

सहायक प्राध्यापक

एम .प्लान .(शहरी योजना), बी.प्लान .

Email: maqbool@ spa.ac.in

श्वेता शर्मा

सहायक प्राध्यापक

एम .एससी.(परिवहन योजना), एम .टेक(शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)।

Email: shweta@ spa.ac.in

संकाय (तदर्थ)

अंजू जॉन
सहायक प्राध्यापक
एम.एससी(भूगोल), एम. योजना
(औद्योगिक क्षेत्र योजना और प्रबंधन)

शेख आयशा बेगम
सहायक प्राध्यापक
एम.टेक. (यूआरपी), बी.टेक
(सीविल)
Email: aayesha@ spa.ac.in

साकेरी रामया
सहायक प्राध्यापक
एमसीपी, बी.टेक (योजना)
Email:ramya@ spa.ac.in

1.2.3) प्रशासन

क्रम सं..	**नाम**	पदनाम
1	डॉ. पी. कृष्ण मोहन	कुलसचिव (आध्र प्रदेश सरकार में प्रतिनियुक्ति पर)
2	श्री डी. वेंकट राम मोहन राव	उप कुलसचिव एवं कुलसचिव (प्रभार)
3	डॉ. वाइ. एस. श्रीनिवास राव	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
4	श्रीमति सीएच, शैलजा	सहायक कुलसचिव
5	श्री पी.वी.एस. श्याम कुमार	सहायक कुलसचिव
6	मलयैवेल गोविन्दन के	तंत्र प्रशासक
7	श्री प्रमोद	सहायक अभियंता व परियोजना अधिकारी (सिविल)
8	श्री वी. पवन कुमार	लेखाकार
9	श्री पी. लीलावर प्रसाद	लेखाकार
10	कु. नीलम भट्ट	बहु कौशल सहायक (यूआइडीआइ में प्रतिनियुक्ति पर)
11	श्री जनार्दन रेड्डी	बहु कौशल सहायक
12	श्री एन. राजीव	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
13	सरिता कुमारी	पुस्तकालय सहायक
14	श्री वेंकट नारायण वल्लूरू	प्रयोगशाला परिचारक

1.3) एस. पी. ए. वी. उपक्रम

दुनिया में सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए हमारे छात्रों को एक्सपोजर प्रदान करने के लिए, हमारे स्कूल समझौता ज्ञापन में छात्र एवं संकाय विनिमय कार्यक्रमों केलिए कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रवेश किया है।

1. कार्यक्रम से संस्थाओं के बीच संस्थागत समझौते 2014-20 इंटर और साथी देशों (नार्वे विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी) एनटीएनयू 29 जनवरी, 2016 को हस्ताक्षरित कि गया था।
2. समझौता ज्ञापन के साथ आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एपीसीआरडीए) 17 अप्रैल, 2015 को, एक अनुसंधान सेल एसपीए में सेट करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया था।
3. 24 मार्च 2015 को आईआईटी बॉम्बे के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया था और एसपीए डिजाइन और नवाचार केंद्र जिसके तहत कई गतिविधियों बाहर किए जा रहे हैं के लिए एक कील के रूप में कार्यकरता है।
4. 03 दिसम्बर, 2014 हाफेनसिटी विश्वविद्यालय, हैम्बर्ग, जर्मनी के साथ सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर किए।
5. समझौता ज्ञापन के साथ नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) हस्ताक्षरित कियाग याथा 30 अक्टूबर, 2014 को, भुवन एनयूआईएस शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) और अन्य अधिकारियों पर कुशल समर्थन को सक्षम करने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करने केलिए, / एजेंसियां लगे में स्थानिक योजना की तैयारी।
6. इकोले बुलू पेरिस के साथ समझौता ज्ञापन: अंतरराष्ट्रीय डिजाइन स्कूल एक्सचेंज प्रोग्राम, पेरिस, फ्रांस 14 अप्रैल 2014 को साइनकिया था।
7. 25 फरवरी, 2014 में विश्वविद्यालय के फ्रांकोइस राबेलाइस पर्यटन, फ्रांस के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
8. संयुक्त अनुसंधान और छात्रों, संकाय संस्थान के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान और एसपीए के बीच के आदान प्रदान को लेने के लिए 09 जनवरी, 2014 को कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ समझौताज्ञापन परहस्ता क्षर किए।
9. 10 दिसंबर, 2013 पर डीआइडीए के बीच संघ के ज्ञापन परहस्ताक्षर किए।
10. उद्योग शहरी एवं क्षेत्रीय योजना, आवास और पर्यावरण के क्षेत्र में संस्थागत इंटरफ़ेस बनाने के लिए 06 दिसम्बर, 2013 पर, आंध्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स और उद्योग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
11. एसपीए, दिल्ली और एसपीए, भोपाल के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर 20 सितम्बर, 2013, संयुक्तअनुसंधान परियोजनाओं, छात्र और एसपीए के बीच संकाय आदान-प्रदान करनेके लिए और वास्तुकला और योजना के क्षेत्र में एक साझा मंच बनाने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।
12. संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, छात्र और फ्लोरेंस विश्वविद्यालय के वास्तुकला विभाग और योजना और यो जना और वास्तुकला के क्षेत्र में एसपीए के बीच संकाय आदान-प्रदान करनेके लिए सितम्बर 12, 2013 पर विश्वविद्यालय के फ्लोरेंस, इटली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

1.4) अनुसंधान और विकास

एसपीए निरंतर योजना और वास्तुकला के माध्यमसे अपने अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करनेके लिए कामकर रहा है। यह शोध गतिविधियों बाहर ले गया है और एक डिजाइन सेंटर की स्थापना की। निम्नलिखित चल रही परियोजनाओं प्रगति में हैं

1. डिजाइन और नवाचार केंद्र (डीआइसी) एसपीए सीखने और नवाचार को बढ़ावा देने और भारत के दक्षिण पूर्वी भागों में पारंपरिक कला और शिल्प के संवर्धन की दिशा में योगदान के लिए एक केन्द्र के रूपमें फंक्शन करने के लिए पर स्थापित किया गया था। यह राष्ट्रीय डिजाइन का एक हिस्सा है और नवाचार कार्यक्रम द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, और एसपीए, दिल्ली, जो हब है करने के लिए एक कील के रूप में कार्य करता है। डीआइसी के भाग, के रूप में परियोजनाओं दस्तावेज अभिनव प्रथाओं क्षेत्र में और परे करने के लिए किया जा रहा हैं, और निर्मित पर्यावरण के डिजाइन में अपने आवेदन का पता लगाने।

2. निर्माण समावेशी समुदाय (बीन्यूकोम), एक इरास्मस प्लस जहाँ तीन यूरोपीय विश्वविद्यालय (डेन्यूब विश्वविद्यालय, क्रीम्स, ऑस्ट्रिया, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन और ट्वेंटी विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स) योजना तथा वास्तुकला, विजयवाड़ा, घूमने के अलावा,
अहमदाबाद, कार्पगं विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर और केआरवीआइए , मुंबई) चार भारतीय

विश्वविद्यालयों के साथ कर रहे हैं में शामिल हो गए परियोजना है एक साथ समावेशी शहरी समुदायों के निर्माण की ओर वास्तुकला और योजना पाठ्यक्रम को मजबूत करने के लिए। परियोजना यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा वित्त पोषित है। बीन्यूकोम के एक भाग के रूपमें एक राष्ट्रीय सम्मेलन पर परियोजना श्अनौपचारिक बस्तियों भारतीय शहरोंय वास्तुकला और शहरी योजना शिक्षा में नवाचार के लिए उद्यमी 01–04 सितम्बर 2016 से कोयंबटूर में आयोजित किया गयाथा।एसपीए ष्अनौपचारिक निर्मित

पर्यावरण और संयुक्त शहरी समुदायों पर चयनित वास्तुकला पाठ्यक्रम भारत में मेंष सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुति प्रतिनिधियों ने व्यापक रूप से सराहना की थी। वर्तमानमें एसपीए टीम तीन मामलों का अध्ययन जो बाद में बैठक में चर्चा केलिए प्रस्तुत किया जाएगा विजयवाड़ा में अनौपचारिक बस्तियों पर पर काम कर रहा है।

1. 'सड़कों की ग्रिड' परियोजना एसपीए की एक परामर्शी परियोजना है। परियोजना चेन्नई महानगर विकास प्राधिकरण (सीएमडीए), चेन्नई, तमिलनाडु की सरकार द्वारा प्रायोजित है।जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी द्वारा चेन्नई बेहतर गतिशीलता कीओरदक्षिणी पेरी-शहरी क्षेत्रों में स्थित 29 गांवों में घरों के स्तर पर परियोजना के उद्देश्यसे।

1.5) सम्मेलन, कार्यशालाएं, संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम

एसपीए विजयवाड़ा ही दोनों स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीयस्तर की कार्यशालाओं, सेमिनार, सम्मेलनों और अतिथि व्याख्यान श्रृंखला काआयोजन में महत्वपूर्ण प्रयास किए। इस तरह की कार्यशालाओं में से कुछ निम्नलिखित हैं:

1. मार्च 26, 2016: एक्सपो: एसपीएवी विजयवाड़ा में योजना और वास्तुकला छात्रों द्वारा एक प्रदर्शनी।

2. मार्च 22, 2016: एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एसपीए विजयवाड़ा में विश्व पानी दिवस 2016 के अवसरपर।

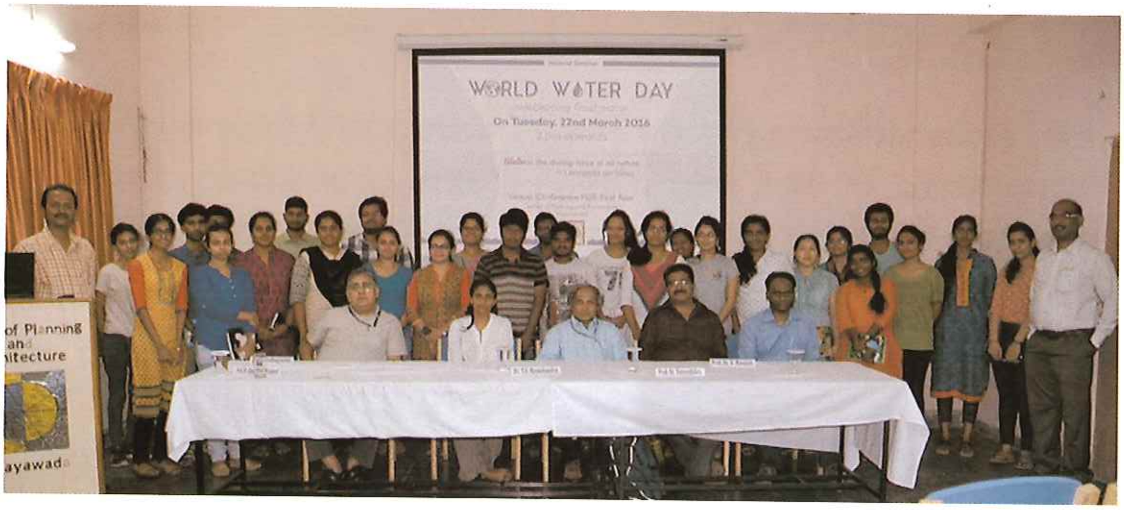

3. मार्च, 04, 2016: 'सतत आतिथ्य स्थानों' पर कार्यशाला आयोजित वास्तुकार डीन डे क्रूज द्वारा।

4. मार्च 2016: इंटरफ़ेस बैंकरों नवाचार क्लब के सदस्य और नवीन आविष्कारों की कार्यशाला

5. फरवरी 26, 2016: 'उन्नत मॉडलिंग राइनो का उपयोग तकनीक' पर कार्यशाला

6. फरवरी 25, 2016: व्याख्यान श्रृंखला 'मेरी दुनिया मेरे शब्दों में 'संकाय के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र और एसपीए विजयवाड़ा में छात्रों।

7. फरवरी 04, 2016: यूनिवर्सल डिजाइन पर एक दिन की कार्यशाला।

8. नवम्बर 18, 2015: 'उत्थान आवास और समुदायों को मजबूत बनाना', विश्व दिवस-2015 पर एसपीए विजयवाड़ा नगर पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

9. अक्टूबर 10, 2015: 'पारंपरिक ज्ञान और स्थिरता अवधारणा-पारंपरिक भारतीय शहरों में जल संरक्षण प्रथाओं' पर एक दिवसीय कार्यशाला।

10. सितम्बर 30, 2015: एक दिन राज्य स्तर की कार्यशाला 'मास्टर प्लान निर्माण एनयूआईएसभुवन आंध्र प्रदेश राज्य के अंतर्गत' एनाअरएससी और टीसीपीओ के साथ सहयोग से विजयवाड़ा में।

11.अप्रैल 17, 2015: विश्वधरोहरदिवस 'एसपीए परएकथीम, 'कला, स्थापत्य, शिल्प और संस्कृति का संगम' के साथ मनाया गया। विभिन्न प्रख्यात पुरातत्वविद और आंध्र प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश\ और गुजरात से शिल्प व्यक्तियों से कलाकारों प्रदर्शन दिया और छात्रों और संकाय के लिए व्याख्यान दिया। इस अवसर के दौरान, आंध्र प्रदेश के पुरातत्व और मछिलिपटणं पर किताबें रिलीज़ किया गयाथा।

1.6 स्पर्धाए

विभिन्न स्कूल आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों और विजयवाड़ा में स्टाफ के सदस्यों द्वारा उत्साहसे मनाया गया।विश्व विरासत दिवस, विश्व पर्यावास दिवस, स्वच्छ भरत अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, सद्भावना दिवस आदि जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं के विभिन्न स्कूल परिसर मेंमनाया गया। निम्नलिखित घटनाओं आयोजित दिखारहा तस्वीरों की एक गैलरी है:

	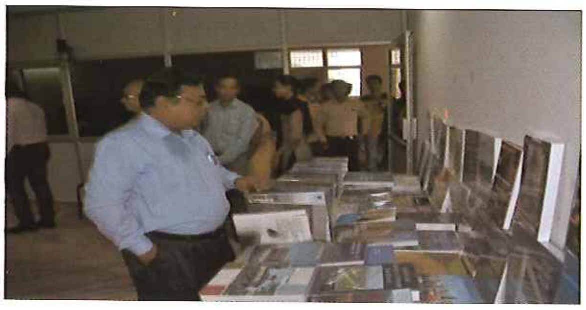
कैम्पस चयन 23 फ़रवरी, 2016	18-19 फरवरी, 2016 के दौरान बुक मेला

जनवरी, 2016 में स्वच्छ भरत

गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2016

29 अक्टूबर, 2015 को विश्वपर्यावास दिवस

प्रदर्शन एक गायन घंटाशाला बौद्धस्तूप, कृष्णा जिला, एपी, 30 अगस्त, 2015 के छात्रों के एसपीए और कुचिपुड़ी कला अकादमी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2015

विश्व विरासत दिवस समारोह, अप्रैल 17, 2015

1.6.1)एस. पी. ए. वी. घटनाओं की कवरेज

05 09 2015 Andhra Jyothy

ఉండవల్లి గుహలను సందర్శించిన ఆర్కిటెక్ట్ విద్యార్థులు

छात्रों की उंडावल्ली गुफाओं (आंध्र ज्योति, सितम्बर 05, 2015) पर देखें

THE HINDU

NATIONAL » ANDHRA PRADESH

SPA-V to prepare village tourism circuit plan

• Staff Reporter

© The Hindu

निदेशक और छात्रों द्वारा मुक्कोलालुपाडु गांव, कृष्णा जिला (हिंदू, 02 अगस्त, 2015) पर देखें

11 08 2015 Deccan Chronicle

Students of School of Planning and Architecture in a joyful mood after receiving the medals and degrees at the first convocation in Vijayawada on Monday. —DECCAN CHRONICLE

Students receive degrees at SPAV convocation

DC CORRESPONDENT

एसपीए अपने पहले दीक्षांत (डेक्कन क्रॉनिकल, अगस्त 10, 2015) में डिग्री प्राप्त करने के छात्र

13 09 2015 Eenadu

ఆర్కిటెక్చర్ కళాశాల భవనాన్ని పరిశీలించిన వెంకయ్య, ఎంపీ

భవన నిర్మాణాన్ని పరిశీలిస్తున్న వెంకయ్యనాయుడు

शहरी विकास श्रीएम. वेंकैया नायडू के लिए माननीय केंद्रीय मंत्री औ रसांसदश्री केसिनेनी नानी (इनाडू, 13 सितंबर, 2015) के द्वारा यात्रा

01 10 2015 Eenadu

బృహత్తర ప్రణాళిక తయారీపై శిక్షణ

విజయవాడ స్పాల్‌లో ఒక రోజు కార్యశాల

एनयुआईएस भुवन के तहत मास्टर प्लान तैयारकरने' पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला (इनाडू, 01 अक्टूबर, 2015)आंध्र प्रदेश राज्य केलिए

1.6.2). प्रवेश: एसपीए विजयवाड़ा 'रिपोर्टिंग और सत्यापन केंद्र के रूपमें' संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण

एसपीए विजयवाड़ा 'रिपोर्टिंग और सत्यापन केंद्र के रूपमें' संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जोसा- 2015) के अंतर्गत मंत्रालय के मानव संसाधन विकास (मानव संसाधन विकास मंत्रालय), भारत सरकार, के लिए जेईई साधन एसपीए,एनआईटी, आइआइटी और अन्य जीएफटी के लिए प्रवेश केलिए मानवसंसाधनविकासमंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षाओं के तहत स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश केलिए कार्यकिया। एसपीए विजयवाड़ा श्रेणी 'ए' छह राउंड और प्रसंस्कृत प्रवेश औपचारिकताओं के लिए 2500 से अधिक पूरे भारत में प्रवेश पानेके इच्छुक छात्रों के लिए केंद्र था। एसपीए विजयवाड़ा भी 'रिपोर्टिंग और सत्यापन केंद्र के रूप में' केंद्रीकृत परामर्श केलिए एम.टेक/ एम.आर्क/ एम.योजना के लिए कार्य किया। प्रवेश (सीसीएमटी) 2015 में जो संस्था मास्टर्स डिग्री कार्यक्रमों केलिए प्रवेश प्रक्रिया एसपीए, आईआईटी और एनआईटी केलिए जो राष्ट्रीय स्तर गेट परीक्षा के लिएयोग्य पात्र उम्मीदवारों केलिए मदद की।

1.7) छात्र गतिविधियॉ एवं उपलब्धियॉ

हमारेछात्र देश में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और भी देश भरमें एसपीए की दृश्यता बनाने पारितषि एसपीए के छात्र खेल, शिक्षाविदों और पाठ्येतर गतिविधियों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में चमक के लिए जारी रखें:

- बी. आर्क (अंतिम वर्ष) के दो छात्रों पर 'विरासत शहर' अक्टूबर 2015 में मैसूर, भारत में मैसूर विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कागजात प्रस्तुत किया। इन कागजात अपने शैक्षणिक कार्य का एक भाग के रूप में विकसित किए गए।
- आर्किटेक्चर के छात्र जोनासा (राष्ट्रीय एसोसिएशन के छात्रों की वास्तुकला की जोनल इकाई) में भाग लिया और डिजाइन ट्राफी जीतली और जीता--जगह घटनाओं जैसे टीशर्ट डिजाइन की तरहमें प्रशंसा पत्र, फैशन और लघु फिल्म में विशेष रूप से उल्लेख।
- योजना के छात्रों नोसप्लान (राष्ट्रीय संगठन के छात्रों की योजना) में भाग लिया और जैसे फोटोग्राफी, फैशन, बहस और प्रश्नोत्तरी--जगह घटनाओं में पुरस्कार जीता।

- स्नातक कार्यक्रमों, यानी, सुश्री साई वर्षा, श्री साई प्रसाद और श्री रोहित मण्डल के तीन छात्रोंके व्यावहारिक प्रशिक्षण के भाग के रूपमें विदेशोंमें संगठनों में इंटर्नशिप करानापड़ा।

  एसपीए के पूर्वछात्र एक सक्रिय शरीर, जो एसपीए की शैक्षणिक और पेशेवर आउटरीच समर्थन कर रहे हैं।

निम्नलिखित गैलरी की तस्वीरें दिखा रहा है छात्रों की गतिविधियों का आयोजन:

बाल सहायता फाउंडेशन

ओणम महोत्सव समारोह

जातीय दिवस समारोह

होली समारोह

1.8) अवसंरचनात्मक विकास

1.8.1) एसपीएवीपरिसर विकास- प्रस्तावित परिसर 53,578 वर्गमीटर क्षेत्र में बना हुआ है साथ ही यह 9.66 एकड़ क्षेत्र भर में फैला हुआ है। यह परिसर शैक्षणिक और प्रसासनिक भवन हेतू 29,246 वर्गमीटर (साथ में तहखाने सहित, 200 कार तथा` 500 दुपहियों हेतू पार्किंग) में है, भोजन सह अतिथि प्राध्यापक हेतू 4,243 वर्गमीटर (उच्च भवन) में, छात्र तथा छात्राएँ हेतू भवन 20,089 वर्गमीटर (कम वृद्धि ब्लॉक) में है जिसमें 777 छात्र निवास कर सकते हैं इस समग्र परियोजना की लागत '148 करोड़ रु होने का अनुमान है। परिसर इमारतों में आर्ट प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं, केन्द्रीय पुस्तकालय, सम्मेलन कक्ष और सभागार जिसमें 600 क्षमता के साथ है।

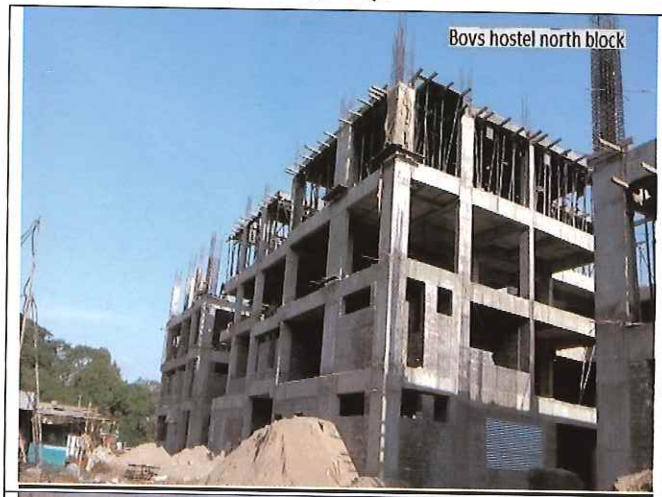

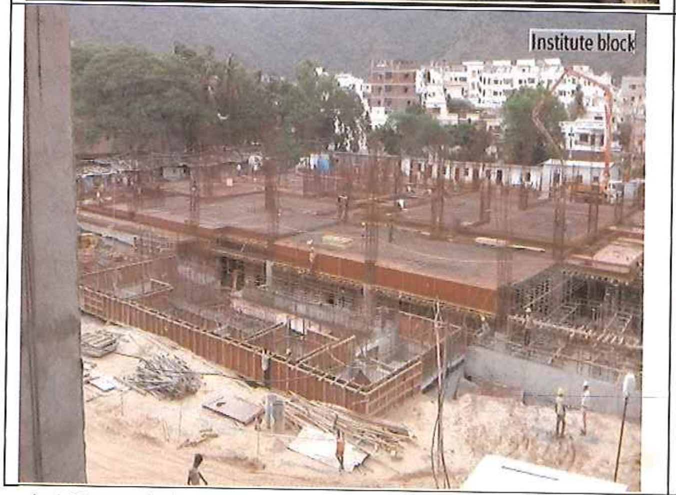

संशोधित प्रोजेक्ट शेड्यूल के अनुसार, हॉस्टल ब्लॉक फरवरी 2017 तक पूरा करनेके लिए शेड्यूल किए गए हैं। संस्थान ब्लॉक और डाइनिंग ब्लॉक जून 2017 तक पूरा किया जा करने के लिए शेड्यूल किए गए हैं। निर्माण कार्य में पूर्ण प्रगति है और संस्थान अगले शैक्षणिक वर्ष के बाद से नए परिसर से परिचालन शुरू हो सकताहै।

1.8.2) पुस्तकालय- एक मिशन के साथ शैक्षिक समर्थन और अनुसंधानिक गतिविधियों को बौद्धिक और भौतिकसूचनओं के माध्यम से जानकारी देने के प्रावधान हेतू, यह पुस्तकालय एसपीएवी का एकअभिन्न शैक्षणिक प्रणाली का हिस्सा है जिसका प्राथमिक कार्य सिर्फ छात्र, शोधकर्ताओं,प्राध्यापक और कर्मचारियों के लिए स्थापित की गयी है। पुस्तकालय ने एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (लिब्सिस 7 और वेब-आधारित सार्वजनिक पहुँच सूचीपत्र) को स्थापित किया है। पुस्तकालय वाईफ़ाई और ब्रॉड बैंड कनेक्टिविटी

दोनो प्रकार के इंटरनेट सुविधाओं से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2015-16 में पुस्तकालय के पास लगभग (173) पुस्तक, पत्रिकाओं (प्रिंट-100 और इलेक्ट्रॉनिक - 29), ई पुस्तकें-(2000) दो मुक्त डेटाबेस, और शोध पत्रिका की संख्या 136` (स्नातक और स्नातकोत्तर) दोनों
वास्तुकला और योजना पुस्तकालय संग्रहक के लिए जोड़ा गया । एक इंट्रानेट आधारित ऑनलाइन सूचीपत्र प्रणाली उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप से पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों को खोजने में मदद करने के लिए बनाया गया था। इसके अलावा, पुस्तकालय भी ऑनलाइन पत्रिकाएं और किताबें मंच के लिए अन्य एसपीए के साथ एक कंसोर्टियम विकसित किया गया है।

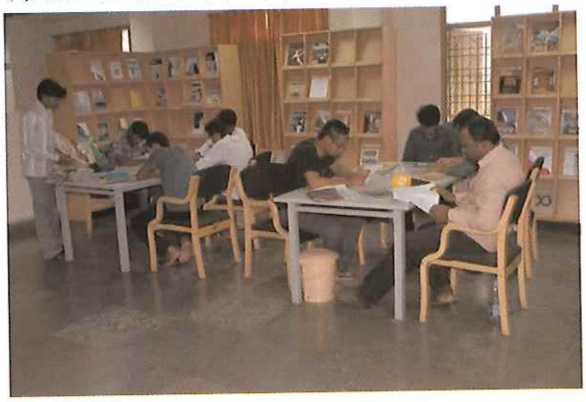

1.8.3) संगणक नेटवर्किंग तथा सुरक्षा - विद्यालय के पास आधुनिक संगणक प्रयोगशाला और जीआईएस प्रयोगशाला है, जो छात्रों,प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों को वायरलेस नेटवर्क प्रदान करता है। लैन, परिसर में लगभग 800 उपयोगकर्ताओं को एक-समय उपयोग करने की सुविधा वायरलेस नेटवर्क के माध्यम से प्रदान करता है। विद्यालय ने लिब्सिस (पुस्तकालय सॉफ्टवेयर) का क्रय किया है जो मुख्य डोमेन के साथ जुड़ा है। एसपीएवी ने संरक्षा और सुरक्षा हेतू जैव-समर्थित उपस्थिति उपकरण और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को स्थापित किया है। ए-दृश्य (ऑडियो विजुअल) भवन से छात्रों और प्राध्यापकों के लिए ई-लर्निंग सेवा प्रदान की जाती है। प्रमुख बिजली बैकअप के लिय 31 केवीए केंद्रीयकृत यूपीएस और जनरेटर प्रणाली के माध्यम से उपयोग किया जाता है।

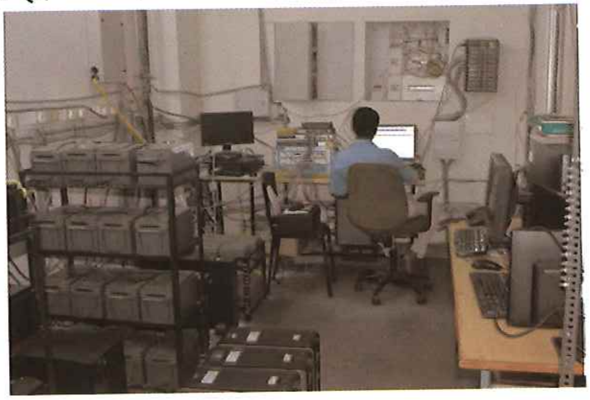

1.8.4) संगणक तथा ऑटो कैड प्रयोगशाला -संगणक /ऑटो कैड प्रयोगशाला पूरी तरह से एयरकंडीशनिंग और 24 डेल और एचपी डेस्कटॉप के साथ सुसज्जित है। यह अधिकार प्राप्त उच्चगति आकृति के संगणक हैं जिसमें ऑटो कैड सॉफ्टवेयर मौजूद हैं, जिससे छात्रों को उच्च दक्षतापूर्वक अभिकल्पना बनाने में सहायता मिलती है। संगणक/ऑटो कैड प्रयोगशाला के पास दो एचपी डिजाइनजेट केप्लॉटर है। प्रयोगशाला मे विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर हैं, जैसे ऑटोकैड, ऑटोडेस्क **3** डी मैक्स , ऑटोडेस्क रेवीट और सुरक्षासॉफ्टवेयर।

1.8.5) जीआईएस प्रयोगशाला- योजना विभाग ने जीआईएस प्रयोगशाला को स्थापित किया है जिसमें दस आधुनिक संगणक प्रणाली के साथ अधिकार प्राप्त जीआईएस सॉफ्टवेयर भी हैं।इसमें लेसिका टोपो माऊस, स्टिरियोस्कोपिक उपकरण और वायरलेस उपनेत्र जैसे उपकरणों से यह सुसज्जित है।

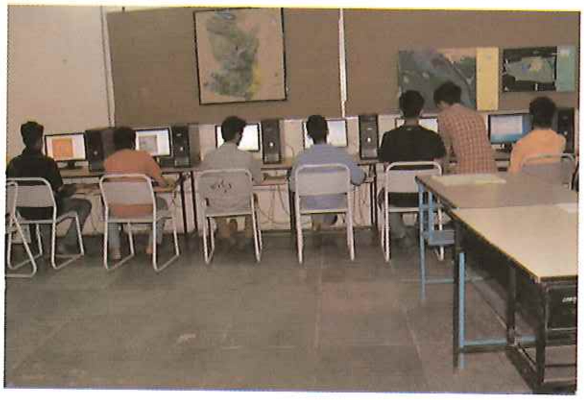
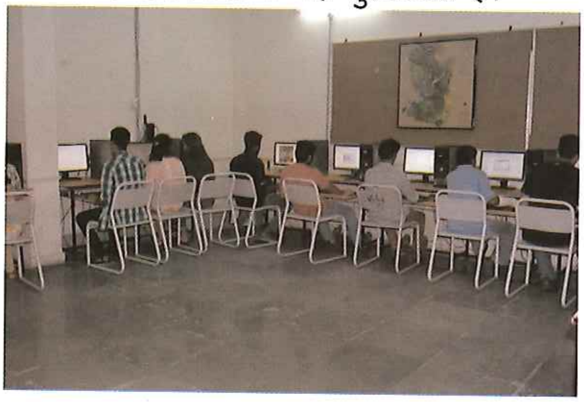

1.8.6) द्रव्यात्मक संग्रहालय-विद्यालय ने पुर्ण कार्यान्वित द्रव्यात्मक संग्रहालय को स्थापित किया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के परिक्षण हेतू निर्माण रचना उपकरण शामिल है।

1.8.7). सामग्री संग्रहालय-निर्माणसामग्री के विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन केलिए एक सामग्री संग्रहालयस्थापित किया गया था |

1.8.8) द्रव्यात्मक परीक्षण प्रयोगशाला-विद्यालय ने विभिन्न निर्माण सामग्री के परीक्षण हेतू एक पूर्ण सामग्री लैब की स्थापना सभी उपकरणों के साथ किया है।

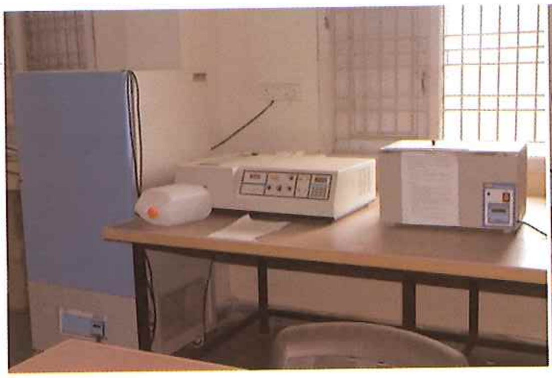

1.8.9) जलवायुविज्ञान प्रयोगशाला-इस प्रयोगशालाका स्थापना नवीनतम उपकरणों के साथ2014 में किया गया था जिसमेंगरम हवा ओवन, गर्म थाली,इनक्यूबेटर, भट्टी ओढ़ना,कनेक्टिविटीमीटर, FPM कंप्रेसर, मेंटल ताप, जल स्नान, फोटो मीटर ,विश्लेषक आदि शामिल हैं।

1.8.10)पर्यावरण प्रयोगशाला -पर्यावरण निगरानी प्रयोगशाला को अत्याधुनिक उपकरणों केसाथविकसित किया गया जो जल, वायु और मिट्टी केप्रदूषण स्तर केनमूनेका परीक्षण किया जा सके।प्रयोगशाला स्थापना का उद्देश्य छात्रों के शहरी गतिशीलता के संबंध मेंपर्यावरण परिवर्तन के लिए योजना बनाने के इरादों को मजबूत बनाना था।यह प्रयोगशाला एम . प्लान के मुख्य विषयों को छात्रों के लिए प्रदान करता है। यह स्नातक स्तर पर भी विभिन्न स्टूडियो परियोजनाओं के लिए भी प्रासंगिक है।यह अनुसंधान औरपरामर्श के क्षेत्र हेतू एक पूर्ण केंद्र बनने की प्रक्रिया में उद्धत है।

वास्तुकला विभाग

- वास्तु डिजाइन चित्रशाला: सारांश
- प्राध्यापक गतिविधियाँ
- अतिथि व्याख्याता
- व्यावहारिक प्रशिक्षण
- उत्तीर्ण छात्रों की सूची

2.1) वास्तुकला डिजाइन चित्रशाला सारांश :

पाठ्यक्रमऔर सेमेस्टर	बी. आर्क,1 वर्ष, 1 सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	चित्रशाला बुनियादीवास्तुकला-1
प्राध्यापक प्रभारी:	डाकेती श्रीनिवास, पुण्यो चोविन, काकुलाल सोहनी, माधव राव
चित्रशाला संक्षिप्त:	

इस विषय का उद्देश्य छात्रों के लिए डिजाइन की बुनियाद और डिज़ाइन शब्दावली का विकास, डिजाइन सोच प्रकार तथा तीन आयामी रचनाओं को विकसित करने की प्रक्रिया को लागू करने केलिए उन्हें सक्षम करने हेतू था

स्टूडियो भी चित्र और मॉडल अवधारणा, संगठन और डिजाइन की प्रक्रिया के बारे में सोचा को आगे बढ़ाने के लिए उपकरण के रूप में परिचय।

इस स्टूडियो ग्राफिक डिजाइन और त्रि-आयामी संरचना की मूल बातें जानने के लिए छात्रों सिखाता है।

स्टूडियो भी ग्राफिक डिजाइन स्टूडियो और वास्तुकला कार्यशाला के साथ एक सीधा अंतरफलकहै।

बिंदु, रेखा, विमान, ठोस और शून्य की तरह डिजाइन के तत्वों का परिचय।डिजाइन के सिद्धांतों संतुलन, सद्भाव, ताल, इसके विपरीत, समरूपता, स्केल, अनुपात, रंग, स्वर, बनावट आदि की तरह के महत्व को समझना।

ठोस और मूर्तिकला प्रपत्र और रिक्त स्थान विकसित करने के लिए रिक्तियों का अध्ययन; प्रकाश और छाया के खेल और रंग के आवेदन का पता लगाने। बाह्य और आंतरिक रूपों, विश्लेषणात्मक मूल्यांकन प्रपत्रों की, उनकी गुणवत्ता का परिचय; स्थान, स्थान, मात्रा और व्यवस्था के बीच आपसी संबंध की अवधारणा; योजनाकार साथ रूपों में बदलाव।

छात्र एक अभ्यास के एक महाविद्यालय एक अवधारणा है, जो अवधारणाओं की एक सूची में से चयनित किया जाएगा के आधार पर विकसित करने के लिए दिया गया था।

महाविद्यालय मुख्य रूप से दृश्य कला में, जहाँ कलाकृति इस प्रकार बनाने के एक पूरे नए के विभिन्न रूपों, के एक संयोजन से बना है प्रयोग किया जाता एक कला उत्पादन की एक तकनीक है।

अखबारों की कतरनों, रिबन, बिट्स रंग के एक महाविद्यालय कभी कभी शामिल हो सकते हैं या हस्तनिर्मित कागज, अन्य कलाकृति या ग्रंथों, फोटो और अन्य पाया वस्तुओं के कुछ भागों को कागजया कैनवस का एक टुकड़ा सरेस से जोड़ा हुआ।

वापस सैकड़ों वर्ष महाविद्यालय के मूल का पता लगाया जा सकता है, लेकिन जल्दी 20वीं सदी में एक कला का रूप के रूप में नवीनता का एक नाटकीय फिर से बाहर निकलना इस तकनीक बनाया।इस अभ्यास के छात्रों में रचनात्मक अवधारणाओं बाहर लाने में मदद करता है।

उद्देश्य वास्तु रिक्तियों के आयोजन में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में "ग्रिड" के बारे में जाननेके लिए है।

दिए गए ग्रिड पर, छात्रों, पेंसिल, काले और सफेद में पैटर्न का विकास और ए4 आकार शीट पर रंग काम करने के लिए आवश्यक हैं।

छात्र अपनी शीट, शीट पर रक्षा की जानी करने के लिए के लिए आरामदायक और सामने आने को संग्रहीत करने के लिए कोई फ़ोल्डर डिज़ाइन करने के लिए उम्मीद कर रहे हैं।

स्केच और पैटर्न पर बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रदान की ग्रिड पैटर्न चित्र दिखाता है।

छात्र वास्तुकला रिक्तियों के आयोजन में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में "ग्रिड" के बारे में जानने के लिए प्रेरित कर रहे थे। दिए गए ग्रिड पर, छात्रों काम, पेंसिल, काले, सफेद और ए4 आकारशीट पर रंग में पैटर्न का विकास करने के लिए आवश्यक थे।

छात्र अपनी शीट, शीट पर रक्षा की जानी करने के लिए के लिए आरामदायक और सामने आने को संग्रहीत करने के लिए कोई फ़ोल्डर डिज़ाइन करने के लिए उम्मीद कर रहे हैं।

छात्रों पर रंग विभिन्न कार्य पेश करने काम किया पर मानक रंग योजनाओं अर्थात्, मोनोक्रोम ब) अनुरूप स) कॉम्प्लिमेंट्री घ) मानार्थ ई विभाजित) मानार्थ पास) त्रय

वास्तु रचना कुछ डिजाइन विचारों को व्यक्त करने के लिए उपयुक्त सामग्री की डिजाइनर के चयनपर निर्भर करता है।

रैखिक रूप, जैविक, मूर्तिकला, पारंपरिक, हाइ-टेक आदि इन अभिव्यक्तियाँ विभिन्न सामग्रियों केउपयोग द्वारा समझाया जा सकता है में से कुछ हैं।

मानवमिति विज्ञान जो एक व्यक्ति के आकार, रूप, और कार्यात्मक क्षमताओं के भौतिक उपायोंको परिभाषित करता है।

इस अध्याय के मौलिक डिजाइन स्टूडियो में महत्वपूर्ण अध्याय में से एक है और समझ अंतरिक्ष मेंछात्रों और वास्तुकला में इसके महत्व से मुठभेड़ में मदद करता है।अध्याय एक व्याख्यान पर मानवमिति व्यायाम द्वारा पीछा किया है। दो कार्य इस अध्याय में दिए गए हैं।एक छात्र एक पाटनर व्यायाम के लिए का चयन करें और उसकी ऊंचाई और अन्य माप मापने औरउन्हें एक पत्रक पर दस्तावेज़ चाहिए।छात्रों को भी उनके घर में फर्नीचर्स के किसी भी संख्या का चयन करें और उन्हें

ए1 शीट पर मसौदा तैयार करने के लिए कहा रहे हैं।छात्र विभिन्न इकाइयों के फर्नीचर और मानव पैमाने के साथ उनके रिश्ते को मापने के लिए इस्तेमाल के बारे में सीखा।दृश्य कला के प्रमुख तत्वों में से एक के रूप में, रंग (और टेक्सचर्स) हमारे दृश्य अनुभव नहीं केवलअपने स्पष्ट ज़ेब मान के कारण, बल्कि इसलिए भी कि उनके प्लास्टिक व्यवहार कोबढ़ाने।

छात्र कुछ विपरीत शब्द का चयन करें और एक ही चित्रमय प्रतिनिधित्व में कनवर्ट करने के लिएकहा जाता है।इस व्यायाम पेंसिल, काला और सफेद, रंग और त्रि-आयामी मॉडल की तरह विभिन्न मीडिया के साथहो जाएगा खत्म किया।

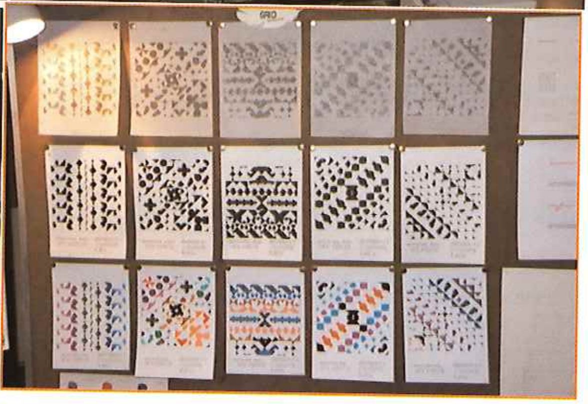

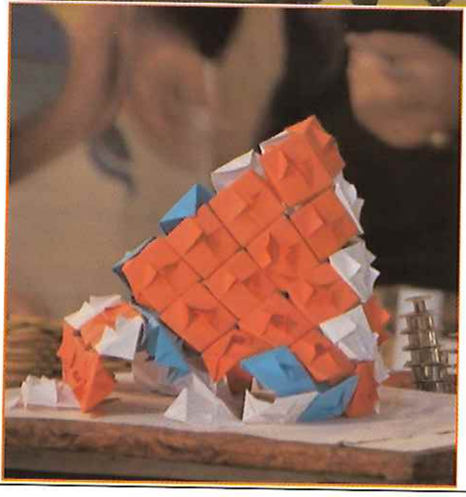

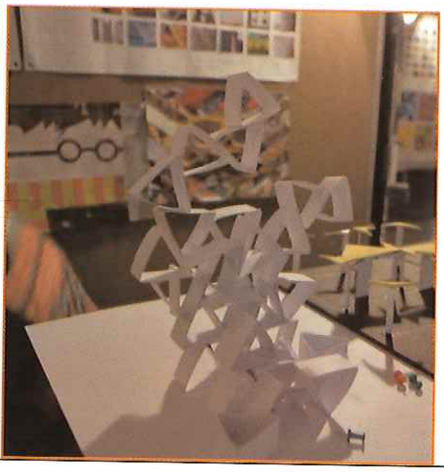

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, I वर्ष, II सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	मौलिक डिजाइन स्टूडियो, 'डिजाइन चिंता का विषय': प्रपत्र विन्यास बनाया
प्रभारी प्राध्यापक:	अनील कुमार चिलकापती, समीक्षा, माद्व राव और शशीधर रेड्डी

चित्रशाला संक्षिप्त:

स्टूडियो "पूछताछ करने के लिए" "लोग", "स्थान" और "प्रपत्र बनाया" के घटकों के बीच संबंधों केबारे में शुरू की गई है।यह विभिन्न टिप्पणियों और वास्तु भावना का एहसास करने के लिए मानव की स्थिति के विचारोंको एकीकृत करने का अवसर ले लिया और सोचा।चूंकि यह एक मौलिक डिजाइन स्टूडियो सीखने है, शिक्षकों, और समूह काम करता है के रूप में अच्छी तरह से अलग-अलग काम करता है के माध्यम से क्षेत्र को अधिक महत्व देने केलिए के स्वतंत्रता लिया है।स्टूडियो के सीखने के लिए आसन्न, शिक्षकों है किया गया आयोजित किया अध्ययन दौरे जयपुर और जैसलमेर के लिए फरवरी के दौरान समझ बनाया प्रपत्र विन्यास और संबंधों के लिए।भी दो दिन राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन कार्यशाला अप्रैल 2016 डिजाइन चिंता का विषय पर 1 की विषयों द्वारा आयोजित किया। डिजाइन जांच, 2 के रूप में। प्रासंगिक डिजाइन, 3 उत्तरदायी डिजाइन, 4 अंतरिक्ष के तत्व हैं।

<u>स्टूडियो की संरचना</u> - स्टूडियो कार्यक्रम निम्न अभ्यास और उपायों द्वारा संरचित किया गया है

1.

अंतरिक्ष तत्वों: अंतरिक्ष के बारे जांच: तत्वों: अनुभवों द्वारा व्याख्यान श्रृंखला और

साहित्य।

2. अर्ध-खोलें रिक्त स्थान की जांच: मॉडल के साथ मामला अध्ययन: समझ, लॉजिक्स स्थानिककॉन्फ़िगरेशन। 3. अध्ययन दौरे और प्रलेखन लॉजिक्स एम्बर किले और जयपुरमें पर। 4. जैसलमेर में भाषायी घर का अन्वेषण। * समूह कार्य पत्रक प्रस्तुति 5 द्वारा।कार्यशाला व्यायाम। * समूह मॉडल प्रस्तुति 6 द्वारा काम करते हैं। 9 वर्ग ग्रिड तत्काल नमूदारपर्यावरण डिजाइन और मॉडल पीढ़ी की खोज की।

(सभी समूह और व्यक्ति काम करता है) निम्न उपायों द्वारा:

- अफ़सोसनाक सोचा
- जांच और संदर्भ और के बारे में बहस
- प्रयोगात्मक / रचनात्मक पहलुओं
- महत्वपूर्ण सोच और डिजाइन के बारे में इनसाइट
- हाथ अनुभव और सीखने पर
- पत्रक प्रस्तुतियों और विश्लेषण (हर छात्रों का योगदान)
- बॉक्स सोच और साकार करने वास्तुकला से बाहर
- प्रेरणादायक पहलुओं और अनुप्रयोगों।

जूरी एआर आदित्य सिगा राजू की (वास्तुकार, हैदराबाद), एआर गोपाल Vilas बजाज (वास्तुकार, हैदराबाद), एआर अशोक भैरी (वास्तुकार, हैदराबाद) और एआर k. चेतन (वास्तुकार का अभ्यास, बेंगलुरू) और स्टूडियो संकाय शामिल थे।जूरी सदस्यों के छात्रों के काम की सराहना की और भविष्य के लिए अपने विचार के लिए आवश्यकसुझाव दिया।

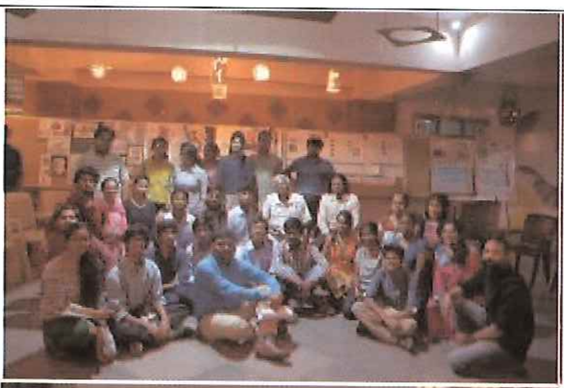

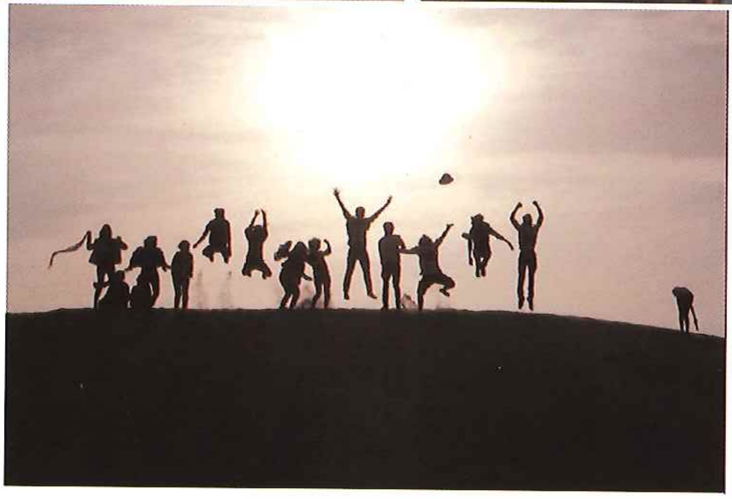

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, II वर्ष, III सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	
प्रभारी प्राध्यापक:	आरएनएस मूर्ती, जी. साईंनाथ, जौनू जॉन थॉमस ललित मित्ता, जी. विवेकान्न्द स्वामी, डी. हृषीकेश राव
चित्रशाला संक्षिप्त:	

'घर से दूर एक आवासीय डिजाइन प्रस्ताव अलग साइट शर्तों के साथ तीन अलग अलग साइटों केसाथ सौंपा गया था' हिल टॉप, खदान भूमि, भूमि जल धारा होने की तरह। गैर-शहरी पर चिपके हुएविभिन्न साइट परिस्थितियों में विभिन्न डिजाइन प्रस्तावों को निकालने के लिए विचार किया गया था सेटिंग।इस परियोजना के लिए आवंटित अवधि 4 सप्ताह में जो एक काम कर रहे 3 डी शामिलथा।

हिमाचल प्रदेश के पास शहर में एक नाम रूमसू , स्थानीय भाषा वास्तुकला,सामाजिक और भौतिक वातावरण संबंध के क्षेत्र में अध्ययन ले लिया है। अध्ययन अक्टूबर 2015 के दौरान पांच दिनों की अवधि के दौरान उठाया गया है।अध्ययन किया गया ध्यान केंद्रित किया विभिन्न तरह दायर, स्थानीय वास्तुकला, लोकप्रिय 'कुणी' इमारती लकड़ी और पत्थर, का उपयोग कर के रूप में जाना जाता निर्माण विधियों पर संस्कृति, दैनिक जीवन शैली, दैनिक गतिविधि।अध्ययन करने के लिए जारी रखने में, के बारे में पूरा अध्ययन पर पत्रक के लिए विजयवाड़ामें आने के बाद तब्दील हो गया है। कारणों और और पानी के स्रोत के गठन के लिए स्थितिबहुत ही गंभीर विश्लेषण किया गया है।बगल में शीट प्रस्तुति करने के लिए, अध्ययन भी एक पुस्तक स्वरूप में सेमेस्टर के अंत के समयतक लाया गया था।प्रलेखन भाग, जारी रखने में, काम करने के बाद जल्द ही कई डिजाइन प्रस्तावों आगे अपने मॉडलके साथ एक आवासीय बनाया गया प्रपत्र की डिज़ाइन के पूरा होने में लाया गया है।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर	बी. आर्क, II वर्ष IV सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र	साझा रिक्त स्थान, क्लस्टरिंग, समुदाय, एकत्रीकरण और अर्थव्यवस्था की अवधारणा
प्रभारी प्राध्यापक:	जौनू जॉन थॉमस, मिलिंद ए कांबले, बी. एन कीर्ती नायडू, ललित मित्ता
चित्रशाला संक्षिप्त:	

लघु परियोजना विशिष्ट समुदाय के साथ साझा खुली जगह पर जोर देने के लिए एक इष्टतम समाधान पाने के रूप में संवर्द्धित निर्माण करना है। महत्व भी समुदाय के व्यक्तियों के कार्यस्थान कार्य कुशलता और उत्पादकता में सुधार करने के लिए दिया जाना चाहिए। छात्र पहले एक समुदाय की पहचान, उनकी जीवन शैली और आवश्यकताओं के मामलों का अध्ययन सहित विभिन्न स्रोतों के माध्यम से अध्ययन और काम अलग अलग परिवार आकार के लिए रिक्त स्थान के साथ एक आवास इकाई विकसित करने के लिए उम्मीद कर रहे हैं। भविष्य के विस्तार के लिए एक गुंजाइश के साथ एक क्लस्टर साझा किए गए खुली जगह की अवधारणा के साथ में विकसित किया और क्लस्टर पर आधारित आवास इकाई को पुनः परिभाषित करने के लिए आवास इकाइयाँ हैं। अध्ययन के साथ साथ सबसे इष्टतम समाधान की योजना, उन्नयन, अनुभागों और दोनों क्लस्टर स्तर और आवास इकाई स्तर पर मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

प्रमुख समस्या-चंदेरी

किसी भी बड़े पैमाने पर मानव बस्तियों, समरूप लोगों को एक साथ क्लस्टरिंग उनकी मान्यताओं, परंपराओं और व्यवसाय पर आधारित है जाएगा।एक क्लस्टर में विभिन्न आवास इकाइयाँ एक साथ क्लस्टर के सबसे इंटरैक्टिव रिक्त स्थान होजाते हैं जो साझा आम रिक्त स्थानों द्वारा आयोजित कर रहे हैं। तो वास्तव में,

बाइंडिंग तत्व है, जोएक साथ अलग अलग संस्थाओं में एक क्लस्टर पकड़ है और साझा आम रिक्त स्थान हैं। चंदेरी मालवा पठार और बुंदेलखंड क्षेत्र के किनारे पर स्थित है जो ऐतिहासिक महत्व का एक शहर है। चंदेरी वर्तमान दिन तक प्रागैतिहासिक युग से लेकर एक विशाल अवधि की वास्तुकला विरासत करेंगी। गुंबददार शानदार पत्थर के स्मारकों जैसे , मंदिरों, मस्जिदों, और शहर की समृद्ध वास्तु विरासत के लिए कदम कुओं का निर्माण किया गया।यह अमूर्त विरासत हथकरघा और हस् तशिल् प कला के रूप में शामिल है।

अध्ययन के एक भाग के रूप में, चंदेरी के शहर करने के लिए छात्रों की यात्रा की। एक अध्ययन सहित ऐतिहासिक वापस जमीन, भौतिक सुविधाएँ, और सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ एट अल।अध्ययन दौरे के लिए दिया हो जाओ ताकि जाने से पहले किया गया था। दौरे का पहला दिन, पर छात्रों की जगह एक सर्वेक्षण किया था और व्यवसाय, जाति, धार्मिक / सामाजिक रिक्त स्थान, साइटपर पर आधारित छह समूहों की पहचान की। छह समूहों की पहचान की थी चौक और सदर बाजार। छह समूहों की पहचान की गई चार स्तरों-पड़ोस स्तर, सड़क स्तर, क्लस्टर स्तर और निवास परअध्ययन किया गया इकाई स्तर। प्रत्येक पहचान किए गए निपटान में छात्रों को क्लस्टर और एक आवास इकाई की बैठक एक उपाय करने के लिए कहा गया। समझ और विश्लेषण किया गया और चित्र, दस्तावेज़, विश्लेषण और मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न स्तरों पर अध्ययन किया है।

स्थानों संपर्क और उनके द्वारा जगह के चरित्र को मजबूत बनाने में निभाई भूमिका के रूप में साझाखोलें रिक्त स्थान को समझने में मुख्य रूप से अध्ययन करना है।इसके अलावा यह भी शामिल है बनाया प्रपत्र, निर्माण प्रौद्योगिकी, सामग्री और आर्थिक गतिविधि और दूसरों को प्रतिक्रिया के रूप में निवास, उनके उपयोग को समझना।

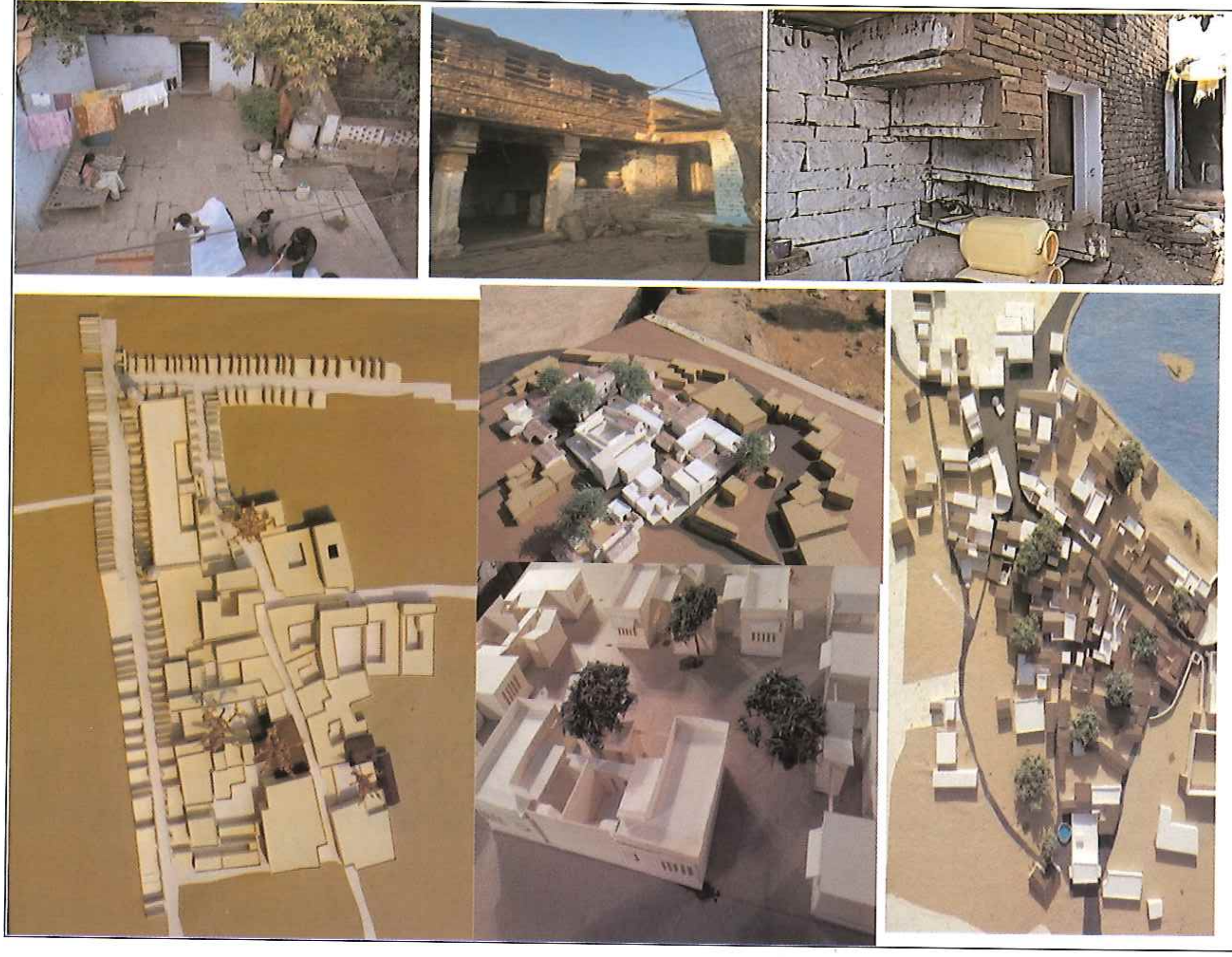

क्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, III वर्ष, V सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	वास्तु डिजाइन स्टूडियो, जगह बनाना: प्रथा अपने शहरों के लिए मान?
प्रभारी प्राध्यापक:	अनिल कुमार चिलकापती, साई सनत और शशिधर रेड्डी

चित्रशाला संक्षिप्त

इस स्टूडियो एक परियोजना के डिजाइन के नेल्लोर शहर विकास अक्ष सेट के साथ विश्लेषण और सार्वजनिक इमारतों और संस्कृति के अवलोकन को जोड़ती है। देखने और सार्वजनिक दायरे की व्याख्या के रूपमें वे विनिमय को डिजाइन करने के लिए प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए कौशल के साथ छात्रों से लैस करने के लिए अपने लक्ष्यों हैं / सम्मेलन /आतिथ्य और मानव गतिविधि भौतिक रूप धारण करनेके लिए।स्टूडियो भी डिजाइनर ग्राफिक और मौखिक मतलब समझ में आता है और सम्मोहक के माध्यम से उनके विचारों परियोजना के हितधारकों, आर्किटेक्ट, डेवलपर्स और सार्वजनिक एजेंसियों के लिएसंवाद करनेके लिए जो डिजाइन की प्रक्रिया के परिणाम तय करेंगे को सक्षम करने के लिए चाहता है।

निम्नलिखित गतिविधियों के सेमेस्टर होते हैं

1. अनुसंधान और परियोजना साइट क्षेत्र, 2 का विश्लेषण। की पहचान और उदाहरण और डिजाइनविषयों, 3 परियोजना के डिजाइन विकसित करना।

स्टूडियोके थीम 'शहरों इसके संदर्भ और सम्मेलनों के माध्यमसे मूल्य' है और अवसरों सम्मेलन परिसर के रूपों केलिए जवाब है कि अपनी स्थितियों के लिए।हम एक तेजीसे भविष्य में कदम के रूपमें, हमारे शहरों नई असंगत विकास के पक्षमेंसमाप्त कियाजारहा सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों के साथ खतरे बनगया।.अभीतक ये शहर भी वैकल्पिक अर्थव्यवस्था, जगहबनाना, पर्यावरणीयशमन और टिकाऊ डिजाइन के लिए संभावित होते हैं।

स्टूडियो संगठन

स्टूडियो व्यक्ति और टीमवर्क कीआवश्यकता होगी। पिन-अप और समीक्षा साप्ताहिक, स्टूडियो प्रगति के आधार पर जितनी बार अक्सर, हो जाएगा।जब भी संभव हो, हितधारकों, निर्णय निर्माताओं और अन्य अभ्यास वास्तुकारों और योजनाकारों स्टूडियोकी चर्चा में लगे हो जाएगा।

स्टूडियो अनुसंधान-अध्ययन

उचित अध्ययन और विश्लेषण सेलैस करनेके लिए, छात्रों, एनएसी और हैदराबाद में पर व्यापक अध्ययन किया है और भी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन काअध्ययनकिया।

स्टूडियो चरण

काम निम्नलिखित व्यापक और अतिव्यापी चरणों में क्रियान्वित की जाएगी

1. अनुसंधान कीजरूरत है और साइट के विश्लेषण के साथ संयुक्त डिजाइन विषयों की पहचान,

2. डिजाइन लक्ष्यों और प्रारंभिक अवधारणाओं की अभिव्यक्ति। डिजाइन विकास,

3 डिजाइनसमाधान

जूरी एआर चौदारी के (वास्तुकार, हैदराबाद), एआर आदित्य (वास्तुकार, हैदराबाद), एआर श्रीनिवास (वास्तुकार, हैदराबाद) और एआर के चेतन (वास्तुकार का अभ्यास, बेंगलूरू) और स्टूडियो संकाय शामिल थे। जूरी सदस्यों के छात्रों के काम की सराहना की और भविष्य के लिए अपने विचार के लिए आवश्यक सुझाव दिया।

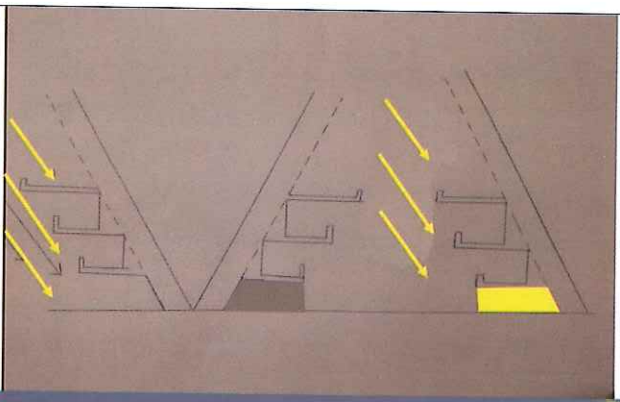

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, III वर्ष, VI सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	वास्तु डिजाइन, कला केन्द्र - केन्द्र के लिए प्रदर्शन कला, विजयवाड़ा / अमरावती, एपी
प्राद्यापक प्रभारी :	एस.वी. S.V कृष्ण कुमार, साइ सनत, आरएनएस मूर्ति, परीसुता राजन
चित्रशाला संक्षिप्त	

बंद वातावरण, के डिजाइन पर समस्याओं काविवरण और सामग्री, बनावट, रंग और रोशनी, ध्वनिकी और एयरकंडीशनिंग परिष्करण आंतरिक रिक्त स्थान है, की अभिव्यक्ति पर जोर देने के साथ डिजाइन। बाहरी रिक्त स्थान द्वारा भवनों, उन्नयन, दरवाज़ों कागठन और शहरी स्थान, साइट योजना और भू निर्माण के मॉडरेटर के रूप में प्रपत्र बनाया है। समस्याओं में विज्ञापन 5 अध्ययन के संदर्भ में सेट किया जा सकता। चित्र कार्य एक या एक से अधिक पहलुओं से ऊपर समझ संरचना की दृष्टि से अध्ययन किया और 3से 5 storeys के इमारतों और गुणवत्ता पर विनिर्देशों के निहितार्थ और अंतिम वास्तुकला उत्पाद की लागत से संबंधित सेवाओं के लिए संबंधित। इस पाठ्यक्रम के निर्माण स्टूडियो के साथ एकीकृत किया जाएगा। इस समूह के प्रयासों में एक नकली हो सकता है एक रीयल-टाइम स्थिति।

स्टूडियो में व्यायाम कला केन्द्र - पर्फोर्मिंग आर्ट्स, कैंद्र पर विजयवाड़ा या अमरावती में प्रस्तावित साइट के साथ है। साइट का चयन छात्रों की पसंद के अनुसार कियागयाथा। डिजाइन स्टूडियो से यूनिवर्सल डिजाइन, सुगगेस्टीवेलय तैयार विशेषज्ञों सहित विशेषज्ञों द्वारा, साहित्य अध्ययन, डेटा संग्रह, केस स्टडी, कार्यशालाओं और विशेष व्याख्यान के माध्यमसे संपर्ककिया गया था।अपेक्षित परिणाम उपयुक्त स्थानिक कॉन्फ़िगरेशन तकनीकी चित्र और रेखाचित्र प्रासंगिक कोप्रतिबिंबित और करती विशेषताओं, तकनीकी अनुप्रयोग और सौंदर्यशास्त्र कि फार्म, समारोह और बलोंका एक संगम के रूपमें विकसित करनेके लिए दृष्टिकोण के संदर्भमें व्यक्त के रूप में हो गयाथा।

इसके बाद के संस्करण को देखते हुए, एक अध्ययन यात्रा भोपाल, जयपुर और उदयपुर भारत भवन, जनजातीय संग्रहालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, कला केन्द्र आदि कीतरह प्रासंगिक मामलों का

अध्ययन शुरूकरने के लिए परजाएँ करनेके लिए आयोजितकिया गयाथा। छात्र सभागार, जैसे प्रदर्शन प्रदर्शन पैटर्न में आर्ट गैलरी आदि मामले के अध्ययन से रिक्त स्थान की डिजाइन करने के लिए संबंधित पहलुओं समझ गया।

तदनुसार, डिजाइन प्रस्तावित साइट पर मामले के अध्ययन के माध्यम से प्राप्त की और एक विशिष्ट साइट डिजाइन पर काम किया ज्ञान द्वारा सूचित किया गया था।

जूरी एआर सुनील कुमार का (वास्तुकार का अभ्यास, हैदराबाद), एआर अरुण प्रसाद (वास्तुकार का अभ्यास, कोयम्बटूर), कलाकार रूपा महेश (विजिटिंग संकाय और कलाकार, तुमकुर) और एआर आशुतोष लिमये (देश सिर-अनुसंधान, जोंस लैंग लसल, मुंबई) शामिलथे और स्टूडियो संकाय। जूरी सदस्यों के छात्रों के काम की सराहना की और उन्हें आगे आर्ट गैलरी में डिस्प्ले सिस्टम का पता लगाने के लिए सलाहदी कि इस प्रकार की स्थानीय कला और संस्कृति को दर्शाती।

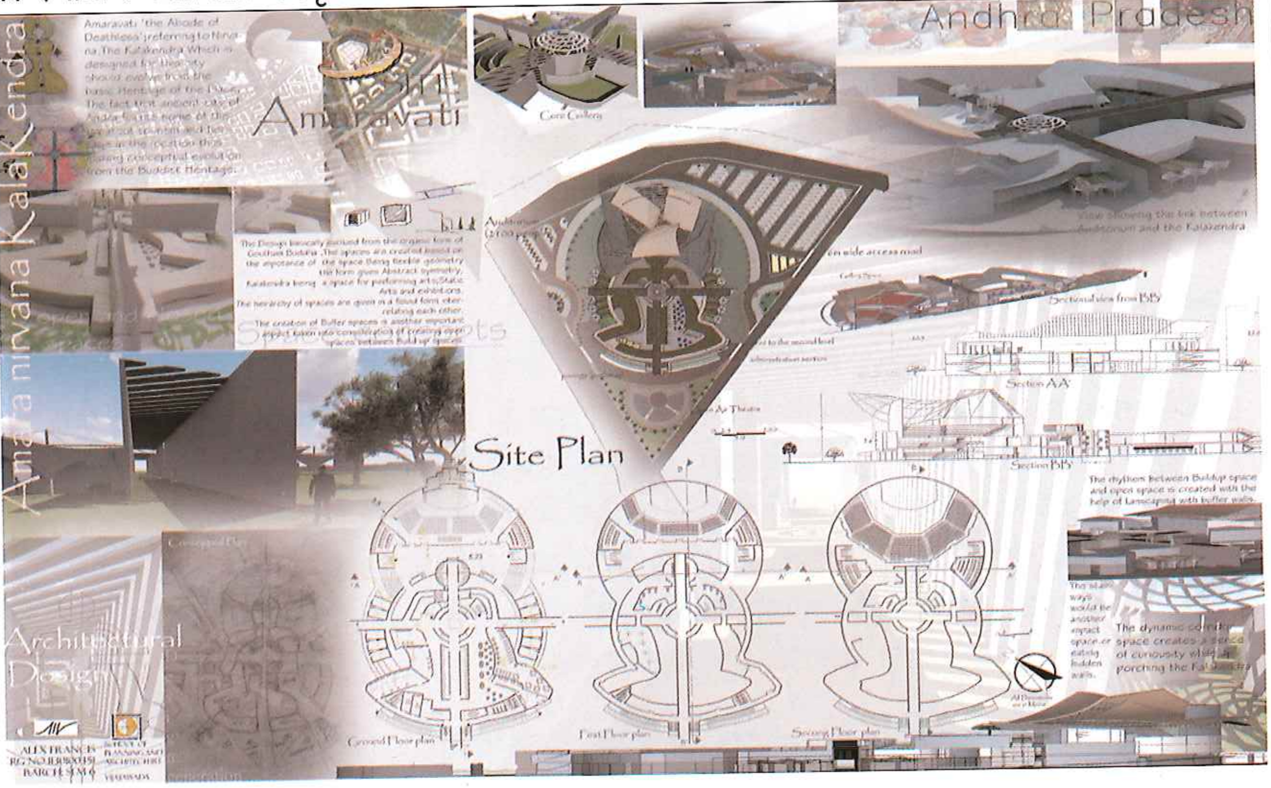

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, **IV** वर्ष, **VII** सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	वास्तु डिजाइन, बड़े पैमाने पर आवास
प्राध्यापक प्रभारी:	डॉ. तथागत चटर्जी, जी. कार्तिक और के. नागराजू
चित्रशाला संक्षिप्त:	

छात्रों में भारतीय शहरों में शहरी आवास परिदृश्य की जटिलताओं को पढें **VII** स्थापत्य डिजाइन स्टूडियो है।छात्र बड़े पैमानेपर, उच्च घनत्व आवास सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों, ध्यानमें रखतेहुए डिजाइनकरनेके लिए नियम उपनियम निर्माण और जोनिंग नियमों और तकनीकी व्यवहार्यता उम्मीद कर रहे हैं। यह अपेक्षित है कि तकनीकी-आर्थिक विकल्पों में विस्तार, सिमुलेशन और वैचारिक मॉडलिंग में अभ्यास के साथ अध्ययन किया जाएगा।भी समुदाय की भागीदारी, चरणबद्ध, वित्तपोषण और निर्माण योजना की अवधारणाओं के आवेदनडिजाइन सत्र का उद्देश्य होगा।उपरोक्त उद्देश्यों ए.वाइ. 2015-16 के दौरान ध्यान में रखते हुए सेमेस्टर **VII** स्थापत्य डिजाइन स्टूडियो नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में एक हलचल शहर में बड़ेपैमानेपर आवास पर ध्यान केंद्रित। कोलकाता-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ, रणनीतिक स्थित एक महत्वपूर्ण बंदरगाह-सह औद्योगिक शहर है, के रूप में यह संभावना है कि शहर जो बारी में किफायती आवास केलिए मांग में वृद्धि की उम्मीद है अगले दशक-बढ़ी हुई जनसंख्या के दबाव का सामना करेंगे।

डिजाइन संक्षिप्त छात्रों को प्रदानकीगई राज्य सरकार और एक निजी डेवलपर जहां सरकार भूमि डेवलपर केलिए नि: शुल्क प्रदान करेगा, के बीच एक सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित एक मॉडल आवासीय कॉम्प्लेक्स परिकल्पित।परियोजना के अंत में, डेवलपर इड्ब्ल्यूएस + लिग इकाइयाँ सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर देंगे औरबाकी बेच सकतेहैं।इकाई आकार और ब्रेक-अप के लिए रिहायशी इकाइयों की विभिन्न श्रेणियों के हैं प्रतिशत: इड्ब्ल्यूएस (40-45 वर्गमीटर) 20% लिग (70-80**sq. m)** 30% मिग (100-120 वर्गमीटर), एचाऐजी (140-160 वर्गमीटर) 10%।डिजाइन संक्षिप्त **625** व्यक्तियों प्रति हेक्टेयर के घनत्व निर्दिष्ट और मापने के बारेमें **4** एकड़ प्रत्येक नेल्लोर नगरपालिका के शहर योजना विभाग के साथ परामर्श में दो संभावित साइटों कीपहचानकी है।

पुणे और नवी मुंबई के लिए एक अध्ययन यात्रा भी था कीपहचान और आवास के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मॉडल दस्तावेज़। एसपीए छात्र प्रो प्रसन्ना देसाई, निदेशक पीभीपी कॉलेज की वास्तुकला, पुणे और के चतुर्थ वर्ष कॉलेजके बी. आर्क के छात्रों के साथ भी बातचीतकी।बादमें वास्तुकार प्रकाश देशमुख, उसके द्वारा नियोजित मगरपट्टा सिटी आइआइए पिछले अध्यक्ष के साथ एक आधा-एक-दिन इंटरैक्टिव सत्र था।स्टूडियो के भाग के रूपमें मग्गरपट्टा शहर, पुणे व्यायाम; लवासा शहर-पुणे; आर्किटेक्ट राजरेवाल नवी मुंबई, बेलापुर वृद्धिशील वास्तुकार चार्ल्स कोरिया और सिडको आवास खारघर में द्वाराबनायागया आवास कनेक्टिविटी, स्थानिक संगठन बनायागया प्रपत्र के संबंधमें अध्ययन किया गया आवास प्रकार, जोनिंग, साइट उपयोग, द्वारा आयकर कर्मचारी समूह आवास बनायागया भूनिर्माण बनाया, पदानुक्रम पार्किंग, सुविधाओं और सेवाओं, दृश्य गलियारों, स्थानिक अनुभवों, परिवर्तनों और सामाजिकरूपसे संवेदनशील स्थानों की खुली जगह, छंद।

छात्रों के डिजाइन के व्यायाम के लिए चार समूहों पर काम किया। संकाय आवास के प्रति एक इंक्लयूसिवरी दृष्टिकोण का पालन करें और परिसर के भीतर और साथ ही साथ इसके तत्काल पड़ोस निवासियों के बीच अधिक से अधिक सामाजिक-आर्थिक एकीकरण के लिए प्रयास करनेके लिएछात्रों को प्रोत्साहित किया। भारत के विभिन्न भागों से तैयार जूरी के मूल्यांकन द्वारा प्रख्यात पैनल डिजाइन योजनाओं के छात्रों

द्वारा तैयार थे और जूरी बाद छात्रों और संकाय अंतिम उत्पादन केलिए समग्र प्रयास की सराहना की।

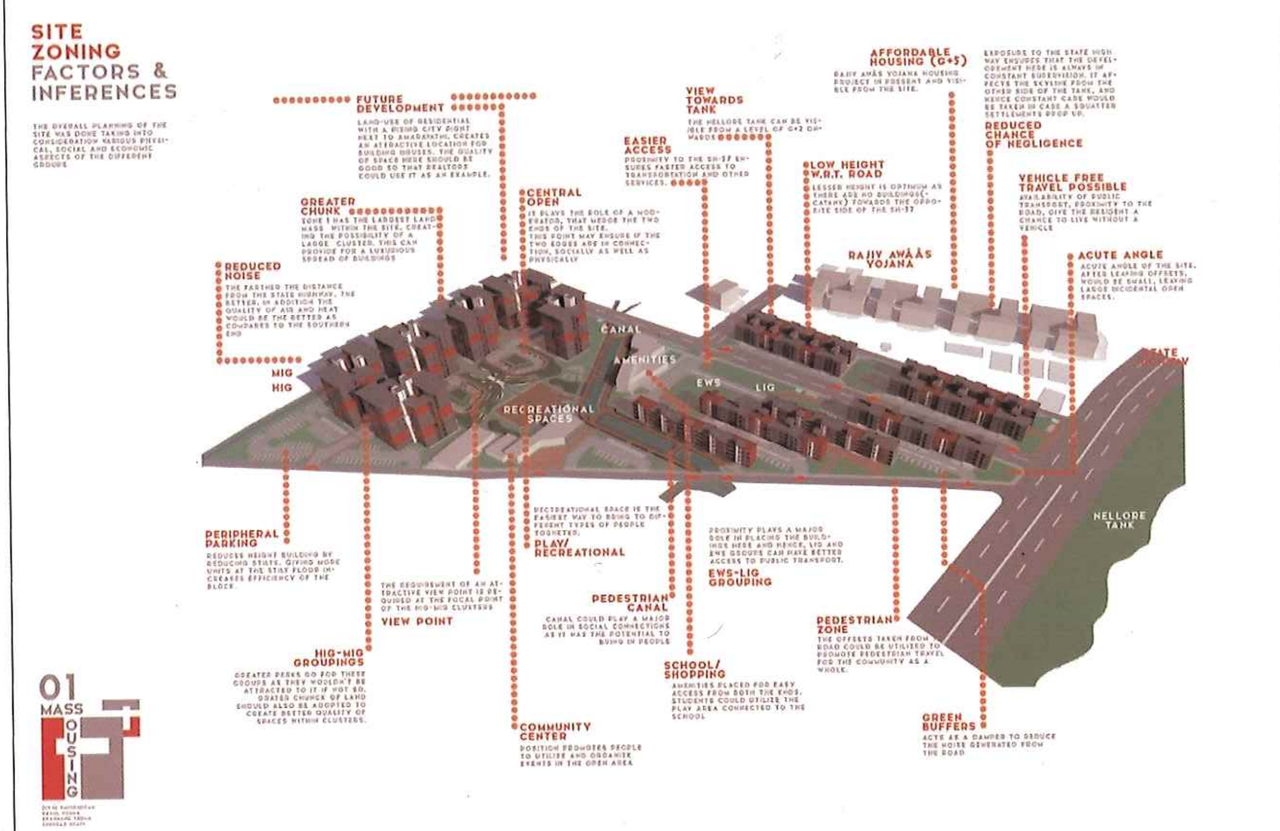

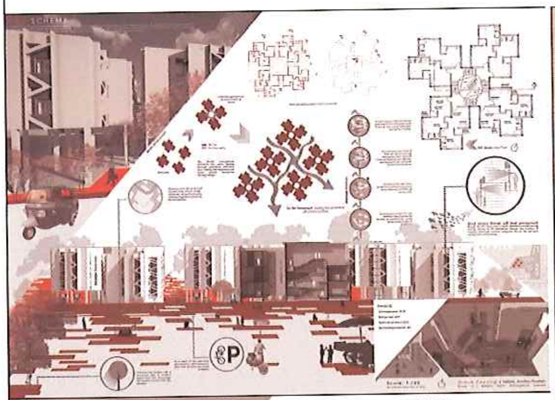

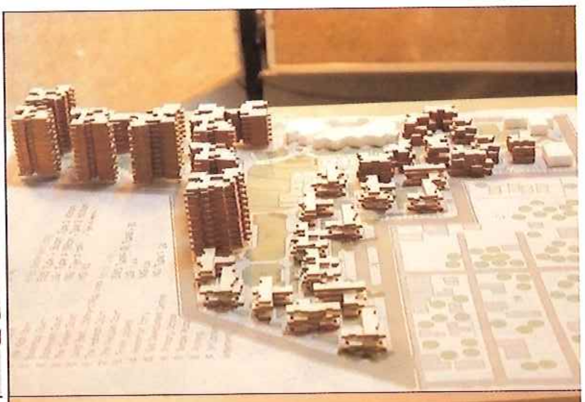

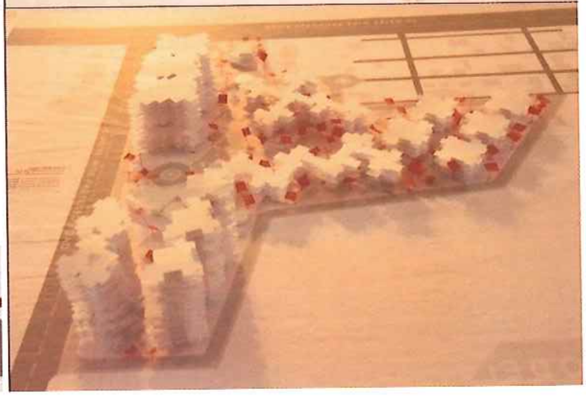

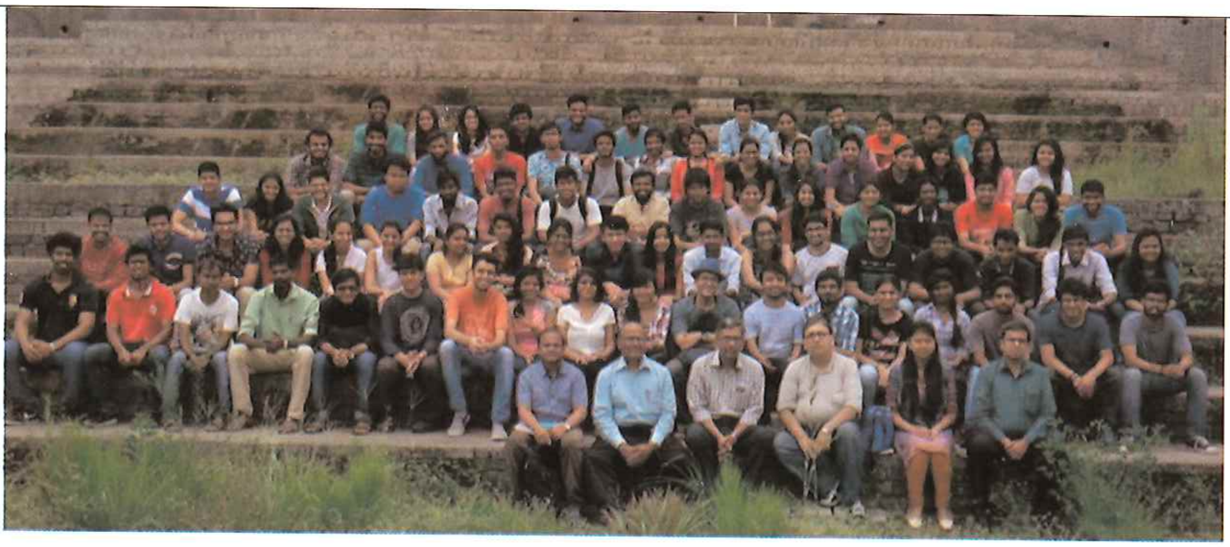

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, IV वर्ष, VIII सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	व्यावहारिक प्रशिक्षण
प्राध्यापक प्रभारी :	मूर्ति आरएनएस
चित्रशाला संक्षिप्त	2.4 अनुभाग के तहत कवर किया

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, V वर्ष, IX सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	शहरी डिजाइन-नेल्लोर शहर, आंध्र प्रदेश
प्रभारी प्राध्यापक:	एस.वी. कृष्ण कुमार, समिक्षा एस और मिलिंद ए कांबले
चित्रशाला संक्षिप्त	

शैक्षिक पाठ्यक्रम महानगर के संदर्भ में इमारतों की एक बहुआयामी परिसर के डिजाइन शामिल है।बढ़ती समस्याओं या उनके भविष्य के विकास कापतालगाया जा करनेके लिए था तीसरी दुनिया के देशों में शहरी क्षेत्रों सेसंबंधित मुद्दों।संबंध प्रासंगिक पर्यावरण, यातायात और योजना नियंत्रण और प्रभाव का विश्लेषण के साथ डिजाइन पर जोरदिया है।ऐसे विकास योजना का वास्तु प्रभाव की समझ का राजनीतिक और प्रशासनिक नीति के निर्माणमें अंतर्दृष्टि के लिए नेतृत्व करनाचाहिए।एक उच्च श्रेणी की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और अंतिम डिजाइन प्रस्तावों की अभिनव प्रस्तुति कीतैयारी भी कीउम्मीद थी।

नेल्लोर, जिला मुख्यालय शहर के नेल्लोर जिला, आंध्र प्रदेश, चुना गया है एक मामला शहर के रूपमें 2015-16 के लिए सेनाध्यक्ष शहरी डिजाइन स्टूडियो स्नातक स्तर पर छात्रों को शहरों की जटिलता के बारेमें सूचित, कि उन्हें आकार और शहर क्षमता समझ निर्धारकों कीपहचान करने काप्रयास है।यह अध्ययन जिसमें विचारशील डिजाइन कि शहर को समझने से उपजा लोगों और स्थानों, आंदोलन और शहरी रूप, प्रकृति और निर्मित कपड़े के बीच कनेक्शन बना सकतेहैं के अनुशासन के लिएछात्रों अककुएन्टिन्ग के बारेमें है।

छात्रों और स्टाफ मामले शहर नेल्लोर का दौरा किया और योजना और जनांकिकी, शहरी, शहरी संरचना,

टिपोलोजि, शहरी रूप तथा पारिस्थितिकी और परिदृश्य कीतरह पहलुओं काअध्ययनकिया।इस के अलावा, पांडिचेरी, ऑरोविले और चेन्नई दौरे के भी विविध शहरी डिजाइन उपायों का पता लगाने और समानताएं, जो नेल्लोर के मामले शहर के लिए रणनीति तैयार करने में उपयोगी हो सकताहै आकर्षित करने के लिए आयोजित किए गए। अध्ययन प्रलेखित किया गया था, विश्लेषण किया गया और छात्रों के सभी समूहों शहर के लिए उनकी दृष्टि का प्रस्ताव करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और तदनुसार संरचना योजना के समर्थनमें प्रत्येक दृष्टि तैयार किया गया था। इमारतों / सुविधाएं / थे जो कपड़े चुने हुए क्षेत्र के बनाया गया मौजूदा पूरक क रसकते हैं बुनियादी ढांचे की पहचान की। नतीजतन, एक समूह के भीतर प्रत्येक छात्र इमारतों में से एक चुना / सुविधाएं / बुनियादीसुविधाओं और एक अलग-अलग डिजाइन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। समग्र मूल्यांकन समूह कार्य के रूप में अच्छी तरह से अलग-अलग विद्यार्थी के काम शामिल थे।

जूरी एआर संजय कनविंदे के (वास्तुकार का अभ्यास, नई दिल्ली), प्रो॰ मनोज माथुर (वास्तुकला के प्रोफेसर, एसपीए दिल्ली), प्रो॰ अक्षय पाटिल (वीएनाआइ, नागपुर में वास्तुकला के संकाय) और एआर पी. वेणुगोपाल (वास्तुकार, हैदराबाद का अभ्यास) शामिल थे और स्टूडियो संकाय। जूरी सदस्यों के छात्रों के काम की सराहना की और भविष्य के लिए अपने विचार के लिए आवश्यक सुझाव दिया।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. आर्क, V वर्ष, X सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	वास्तु डिजाइन थीसिस
प्रभारी प्राध्यापक:	डी. श्रीनिवास और जी. कार्तिक
चित्रशाला संक्षिप्त:	

वास्तु थीसिस वास्तुकला में अध्ययन के पाठ्यक्रम पर छात्र के ज्ञान, रुख और कौशल के विकास की परिणति है। यह छात्रों की व्यक्तिगत क्षमताओं और हठ पर आधारित क्षेत्र में होश विकल्प व्यायाम के लिए, और बाहर उसकी प्रतिबद्धता के परीक्षण के लिए एक अवसर है। छात्र, संकाय, के साथ परामर्श में एक कल्पनाशील दृष्टिकोण, हमारे निर्मित वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन प्रभावशाली में उसकी विशेषज्ञता के माध्यम से प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

थीसिस सत्र अक्टूबर 2015 थीसिस को परिष्कृत और थीसिस, लक्ष्य, उद्देश्य और कार्य-क्षेत्र के व्यापक टिपोलोजि स्पष्ट सारांश की अंतिमरूपदेने के साथ शुरू के महीने से आयोजितकिए गए।थीसिस सत्र गाइड समीक्षाएं, विभागीय समीक्षा, कक्ष समीक्षाएँ और आंतरिक जूरी में विभाजित थे। समीक्षाएँ जहां प्रत्येक पैनल के आंतरिक संकाय के रूप में अच्छी तरह से बाहरी विशेषज्ञों अर्थात्शामिल छह पैनलों में एआर शंकर नारायण, एआर पी .वेणुगोपाल, एआर जीवीएस मूर्ति, एआर काकुलाल सोहनी, एआर ललित मित्ता और एआर लियोनार्ड हार्पर विभिन्न विशेषज्ञताओं से विभाजित थे।

प्रो मनोज माथुर, सिर, वास्तुकला विभाग, एसपीए डेल्हिवास एक विशेष व्याख्यान देने और छात्रों केलिए शोध सत्र ओरिएंट करनेके लिए आमंत्रित किया। विशेष व्याख्यान अर्थात् "अनुसंधान" थीसिस दो सत्रों में विभाजित किया गया था और "डिजाइन सुराग के लिए अनुसंधान की व्याख्या" एक इंटरैक्टिव सत्र के द्वारा पीछा किया।बाद में एक और अधिक विशेष व्याख्यान "को तोड़ने के माध्यम से अव्यवस्था" शीर्षक पुरस्कार युवा आर्किटेक्ट श्री निधन से जो हाल ही में एनडीटीवी पुरस्कार-2016 अंतर्गत सामाजिक रूप से प्रासंगिक डिजाइन श्रेणी, आइएबी युवा डिजाइनरों 2016 और भी वास्तु समीक्षा विश्वास में एक फाइनल जीता है हैदराबाद से आमंत्रित की व्यवस्था थी। आंतरिक जूरी के संकाय, बाहरी विशेषज्ञों और छह अन्य प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों अर्थात् श्री राहुल पॉल,बंगलौर, एआर निधि बत्रा, नई दिल्ली, एआर अशोक राज, कालीकट, एआर वी. बालाकृष्णन, प्रोफेसर और सलाहकार वास्तुकार-नियोजक से कोयम्बटूर, एआर दिव्य गुप्ता, प्रधान निदेशक, इंटैकनई दिल्ली और एआर नंद कुमार से वास्तु विरासत से कंटूर दक्षिण में प्रधान वास्तुकार से शहरी डिजाइनर से लैंडस्केप उर्बनिस्टा सहित छह पैनल शामिल , प्रधान वास्तुकार, नन्दू हैदराबाद सेसंबद्ध करता है। प्रख्यात जूरी सदस्यों अंतिम निर्णायक मंडल में छात्रों के काम की समीक्षा की और कुछ शोध कार्यों की सराहना की।

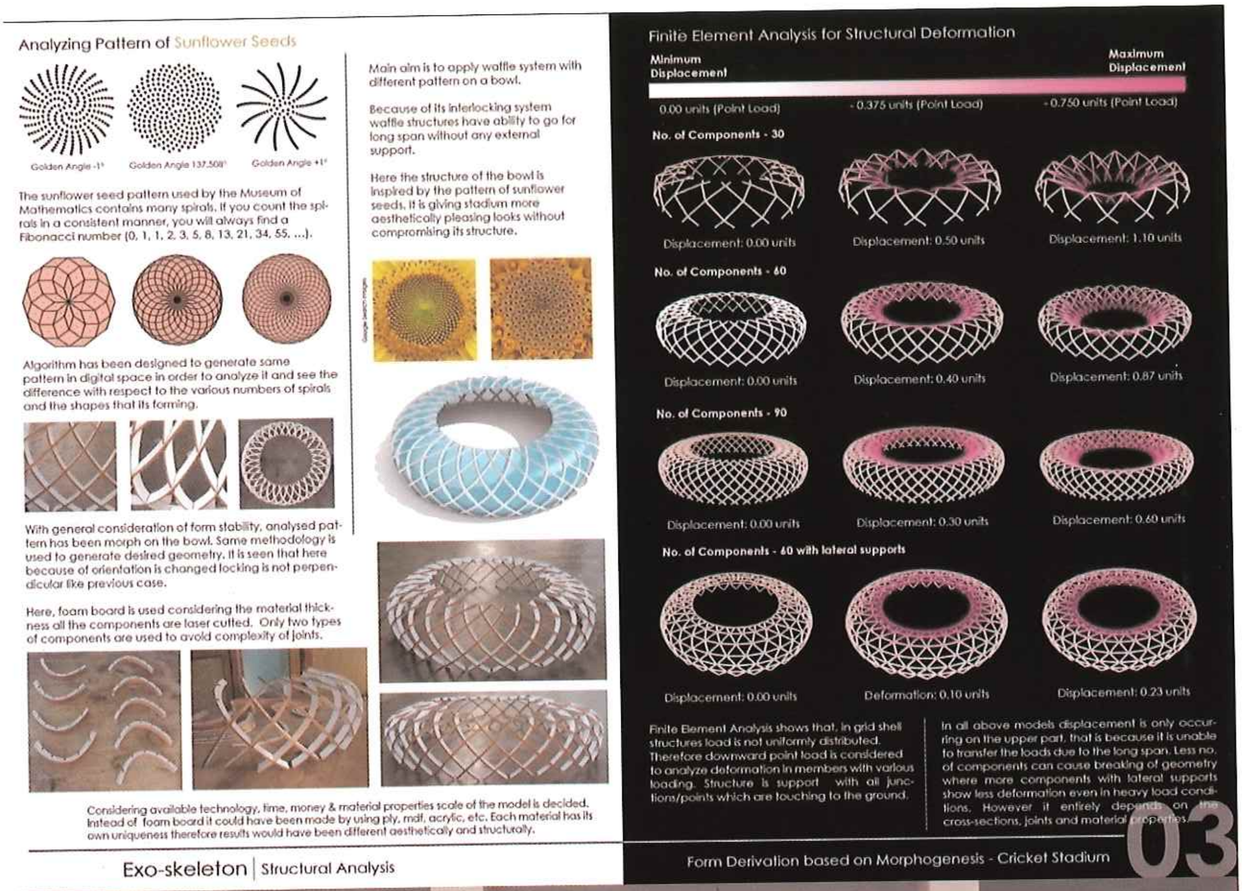

Analyzing Pattern of Sunflower Seeds

Golden Angle -1° | Golden Angle 137.508° | Golden Angle +1°

The sunflower seed pattern used by the Museum of Mathematics contains many spirals. If you count the spirals in a consistent manner, you will always find a Fibonacci number (0, 1, 1, 2, 3, 5, 8, 13, 21, 34, 55, ...).

Algorithm has been designed to generate same pattern in digital space in order to analyze it and see the difference with respect to the various numbers of spirals and the shapes that its forming.

With general consideration of form stability, analysed pattern has been morph on the bowl. Same methodology is used to generate desired geometry. It is seen that here because of orientation is changed locking is not perpendicular like previous case.

Here, foam board is used considering the material thickness all the components are laser cutted. Only two types of components are used to avoid complexity of joints.

Main aim is to apply waffle system with different pattern on a bowl.

Because of its interlocking system waffle structures have ability to go for long span without any external support.

Here the structure of the bowl is inspired by the pattern of sunflower seeds. It is giving stadium more aesthetically pleasing looks without compromising its structure.

Considering available technology, time, money & material properties scale of the model is decided. Instead of foam board it could have been made by using ply, mdf, acrylic, etc. Each material has its own uniqueness therefore results would have been different aesthetically and structurally.

Exo-skeleton | Structural Analysis

Finite Element Analysis for Structural Deformation

Minimum Displacement — Maximum Displacement

0.00 units (Point Load) | - 0.375 units (Point Load) | - 0.750 units (Point Load)

No. of Components - 30

Displacement: 0.00 units | Displacement: 0.50 units | Displacement: 1.10 units

No. of Components - 60

Displacement: 0.00 units | Displacement: 0.40 units | Displacement: 0.87 units

No. of Components - 90

Displacement: 0.00 units | Displacement: 0.30 units | Displacement: 0.60 units

No. of Components - 60 with lateral supports

Displacement: 0.00 units | Deformation: 0.10 units | Displacement: 0.23 units

Finite Element Analysis shows that, in grid shell structures load is not uniformly distributed. Therefore downward point load is considered to analyze deformation in members with various loading. Structure is support with all junctions/points which are touching to the ground.

In all above models displacement is only occurring on the upper part, that is because it is unable to transfer the loads due to the long span. Less no. of components can cause breaking of geometry where more components with lateral supports show less deformation even in heavy load conditions. However it entirely depends on the cross-sections, joints and material properties.

Form Derivation based on Morphogenesis - Cricket Stadium

03

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. आर्क (टिकाऊ वास्तुकला) I वर्ष I सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	स्थायी प्रथाओं, ऊर्जा कुशल और पर्यावरण अनुकूल समाधान के लिए स्थानीय भाषा रणनीतियाँ
प्रभारी प्राध्यापक:	बी. एन. कीर्ति नायडू , परिसुत राजन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

लघु परियोजना:

एक मौजूदा स्विमिंग पूल को पहचान लिया गया है और छात्र एक साँस लेने की जगह केंद्रित बस्तियों में विजयवाड़ा शहर के बीच में इस प्रकार विकासशील पूल के आसपास आवश्यक सुविधाओं कोविकसित करने का कार्य सौंपा गया।छात्र एक स्थायी डिजाइन को प्राप्त करने की योजना बना साइट के महत्व का एहसास करने के लिए विचार कियागया था । भी शामिल तकनीक परिदृश्य और साइट छात्रों में कम से कम बनाया हस्तक्षेप के विभिन्न स्थायीनिर्माण सामग्री और तकनीक के साथ प्रयोग करने का अवसर दिया गया।कुछ अन्य सुविधाओं के शामिल किए गए कमरे, जिम, योगा सेंटर, एसपीए, फूड कोर्ट और एक छोटी सीयादगार वस्तुओं की दुकान बदल रहे हैं।

प्रमुख समस्या - इतिहास और संस्कृति संग्रहालय-

इतिहास कला, वास्तुकला और संस्कृति के माध्यम से भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनके पूर्वजों से पर पारित किया है।भारत के दक्षिणी भाग, विशेष रूप से पूर्वी घाट क्षेत्र आंध्र प्रदेश की कला, वास्तुकला और संस्कृतिजो कई धर्मों कि इस क्षेत्र और ब्रिटिश, सहित विदेशी हमलों में फला-फूला राजवंशों इस जगह है,शासन द्वारा डाल दिया गया था, जो कई रूपों में प्रकट होता है के एक संलयन है।प्रस्तावित राजधानी के आसपास के क्षेत्र भी एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है और विभिन्न शिल्प के लिए प्रसिद्ध है।उनमें से कुछ पेडाना, मंगलगिरि, खिलौना कोंडापल्ली और इतीकोप्पाका, वीणा न्यूजवीदु और दूसरों से बनाने से बनाने में बुनाई हथकरघा से कलमकारी मुद्रण शामिल हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने और इतिहास और शिल्प के क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए, ऐतिहासिक औरसांस्कृतिक संग्रहालय के लिए एक प्रस्ताव जगह के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे मेंजनता के बीच जागरूकता लाने के लिए इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य के साथ किया गया है।

उद्देश्य और इरादे स्टूडियो के प्राकृतिक संसाधनों, निर्माण के जीवन चक्र में ऊर्जा खपत को कम करने के सक्रिय और निष्क्रिय तरीकों के माध्यम से दोहन द्वारा ऊर्जा कुशल निर्माण डिजाइन को बढ़ावा देने है।इसके अलावा यह बनाने के लिए आशा की जाती है कि स्थानीय सामग्री के बड़े पैमाने पर निर्माण केसन्निहित ऊर्जा को कम करने के लिए का उपयोग करें।

अध्ययन दौरे:

विभिन्न स्थायी प्रथाओं को समझने के लिए छात्रों के एक दौरे पर ऑरोविले और पांडिचेरी के लिएसाइट पर किए गए विभिन्न प्रयोगों का अनुभव करने के लिए ले जाया गया।

पर पहले दिन यात्रा छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय मंडप, पवित्र के पेड़ों, आगंतुकों केन्द्र और ऑरोविले समुदायद्वारा आयोजित 2 स्कूलों का दौरा किया।पर दूसरे दिन छात्रों थे "गोलकोन्डा घर" पर जाने के लिए ले लिया, फ्रांसीसी वास्तुकार रेमंड द्वाराडिज़ाइन किया गया और 1938-48 के दौरान निर्माण किया।इस इमारत के निष्क्रिय सौर वास्तुकला का एक उदाहरण के रूप में खड़ा है और डिजाइन, तकनीकऔर सामग्री है जो इसके निर्माण में इस्तेमाल किया गया के लिए सराहना की।पर तीसरे दिन छात्रों इंटैक आज के निर्माण में पारंपरिक निर्माण सामग्री के निहितार्थ को समझने केलिए पांडिचेरी का दौरा किया।

स्टूडियो परिणाम: स्टूडियो में बड़े पैमाने पर कवर करने के उद्देश्य से है और डिजाइन, सामग्री, योजना, लिफाफा साइट संदर्भ के साथ एक स्थायी डिजाइन प्राप्त करने के लिए विभिन्न अवधारणाओं और विधियों की समझ और तकनीक डिजाइन जलवायु और स्थान के संदर्भ को शामिल करके।

आवश्यक ज्ञान मामले के अध्ययन, साहित्य समीक्षा, निर्माण तकनीकों और दूसरों के माध्यम से हासिल किया जा सकता।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. आर्क, II सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	वास्तु डिजाइन / डिजाइन आवृत
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. तथागत चटर्जी, नगारजू कजा
चित्रशाला संक्षिप्त:	

एम. आर्क (स्थायी संरचना) का ध्यान केंद्रित उद्देश्य 2 सेमेस्टर स्टूडियो व्यायाम है आवृत डिजाइन, निर्माण के रूप में इमारत के बाहरी खोल ऊर्जा के उपयोग को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह निर्णय लिया गया है आतिथ्य के माध्यम से विस्तार में आवृत डिजाइन के मुद्दे का पता लगानेके लिए संबंधित परियोजनाओं। भारत में आतिथ्य उद्योग ग्रीन और टिकाऊ डिजाइन प्रथाओं, जो ऊर्जा, पानी और अन्य कीमतीसंसाधनों के संरक्षण करने की आवश्यकता घंटे के हैं को लागू करने में सबसे आगे है। इसके अलावा, हरी इमारतों आतिथ्य क्षेत्र में भी मेहमानों सहित रहने वालों के लिए स्वस्थ और आरामदायक इनडोर वातावरण प्रदान कर सकते हैं।

यह छात्रों का 2 से 3 एकड़ भूमि में एक 3 से 4 स्टार श्रेणी व्यापार होटल डिजाइन करने का फैसला किया था। प्रत्येक जलवायु क्षेत्र में कम से कम दो छात्र है, ताकि सभी छह ज़ोनों में आवृत डिजाइन की चुनौतियों के लिए छात्रों को बेनकाब करने के लिए, यह 17 छात्रों को कक्षा में इस तरह के विभाजन करनेका फैसला किया था।इस प्रकार, डिजाइन की आवश्यकता आवृत, प्रत्येक छात्र के लिए विशिष्ट दो और तीन के समूहों में छात्रों द्वारा शोध किया गया था।यह समूह व्यायाम के बाद, छात्र अलग-अलग डिजाइन और साइट योजना के निर्माण की ओर काम किया। तदनुसार छात्रों के रूप में के रूप में विविध शहरों में साइटों चयनित: मुंबई, गंगटोक, बंगलौर,हैदराबाद, कोच्चि, लेह, जोधपुर, जैसलमेर, शीलौंग और गोवा।

छात्रों को आतिथ्य क्षेत्र में स्थिरता के मुद्दों के बारे में परिचित कराया जा सके करने के लिए, एक कार्यशाला प्रसिद्ध वास्तुकार डीन डी. क्रूज़ के पर्यवेक्षण के तहत गोवा में आयोजित किया गया।छात्रों और स्टूडियो संकाय गोवा में कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में शामिल साइट का दौराकरने के लिए विभिन्न होटल और रिसॉर्ट्स, जो सतत लागू किया गया था के दायरे डिजाइन सिद्धांतोंका निर्माण। वास्तु डिजाइन ऊर्जा के उपयोग और समझौता किए कार्यक्षमता, आवास मानकों, निवासी स्वास्थ्य,सुरक्षा या आराम के बिना परिचालन लागत को कम करने के लिए आवश्यक था।जहाँ भी संभव हो लागू किया जा करने के लिए निष्क्रिय ऊर्जा संरक्षण उपाय कर रहे हैं।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. आर्क, II वर्ष – III सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	अनुकार रणनीति, चित्रशाला और प्रयोगशाला
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. रमेश एस, डॉ. फैज अहमद
चित्रशाला संक्षिप्त:	

अनुकार रणनीति थर्मल, दृश्य, करने के लिए संबंधित की शुरूआत ऊर्जा निष्पादन अनुकार सॉफ्टवेयर का उपयोग कर ऊर्जा विश्लेषण विभिन्न घटकों और प्रतिमान, सन्निहित।इमारत के प्रदर्शन के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित के साथ का उपयोग कर ऊर्जा के उपयोग का अनुकूलन के लिए अनुकार रणनीति का निर्माण। निर्माण एक सतत वास्तु समाधान विकसित करने के लिए अनुकार रणनीति के आवेदन का पता लगाने के लिए इस डिजाइन स्टूडियो का उद्देश्य है।अन्वेषण विभिन्न अनुकार रणनीति जो प्रकाश विश्लेषण, थर्मल विश्लेषण, सीएफडी विश्लेषण, एचभीएसी और निर्माण प्रणाली, ऊर्जा और लागत विश्लेषण और एलइडी/गृह रेटिंग सिस्टम्स के साथ अनुपालनमें शामिल शामिल हैं।

स्टूडियो दृष्टिकोण - छात्रों के साथ दो परियोजनाओं अनुकार रणनीति साइट स्तर और स्तर के निर्माण का पता लगानेके लिए असाइन किए गए हैं। अनुकार रणनीति की खोज पर ध्यान केंद्रित।

कॉटेज डिजाइन (विला), एक विशेष जलवायु हालत के लिए। अन्वेषण कैसे जलवायु स्थितियों भूमिका परिभाषित इमारतों के डिजाइन में खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।सिमुलेशन रणनीतियों वैकल्पिक डिजाइन प्रस्तावों अभिविन्यास, प्रपत्र, आदि के उद्घाटन पर पाने के लिए।

परियोजना II: कैसे मौजूदा निर्मित संरचनाओं में अनुकार रणनीति लागू किया जा सकता का पता लगाने के लिए इस परियोजना का ध्यान केंद्रित है। विभिन्न पहलुओं में रेट्रोफिटिंग इमारत सुस्ताइनबली ध्वनि बनाने के लिए लागू किया जा सकता है।

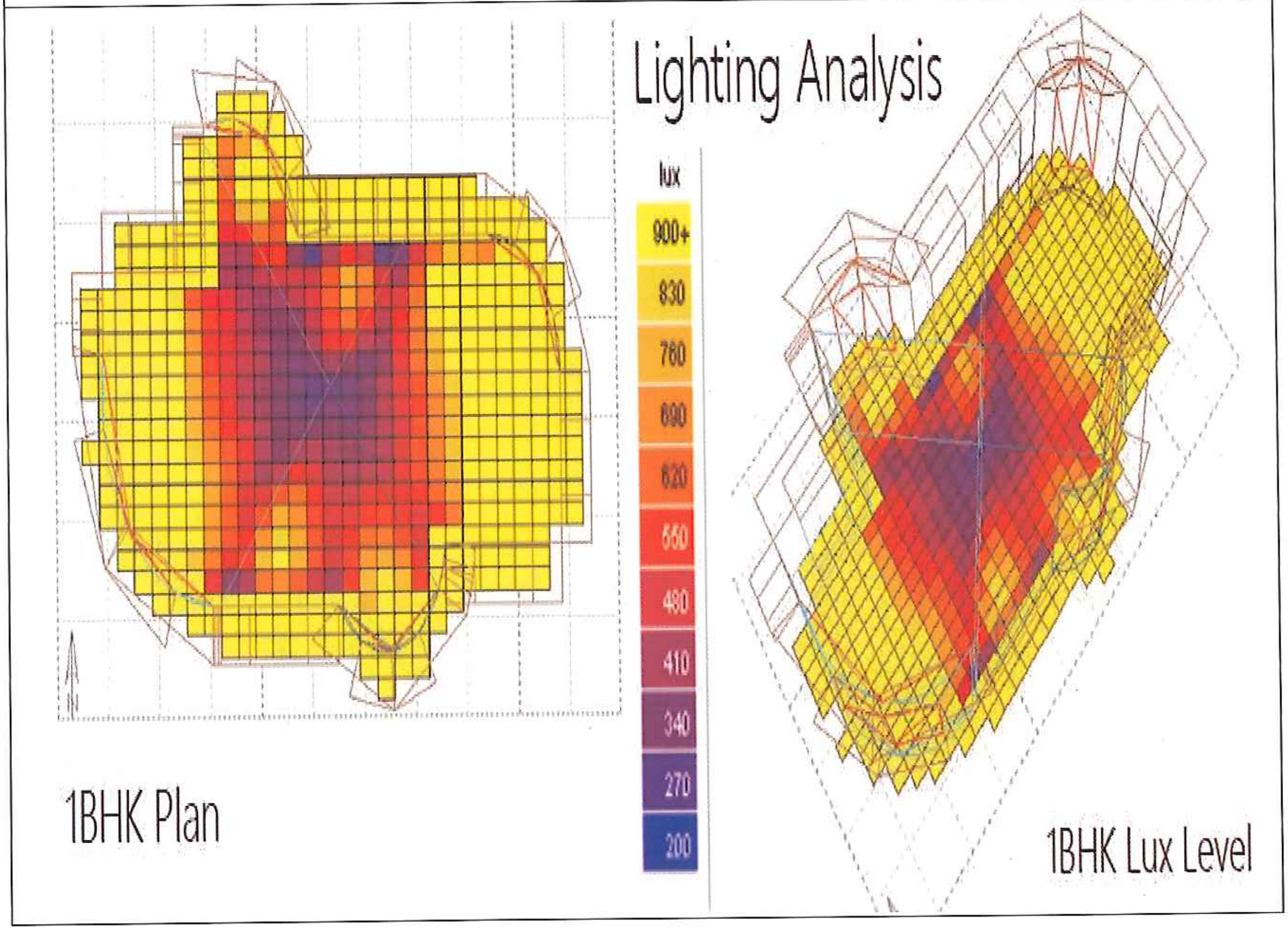

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. आर्क II वर्ष – IV सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	एम. आर्क थीसिस
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. फैज अहमद – थीसिस समन्वयक
चित्रशाला संक्षिप्त:	

शोध छात्र को अनुशासन और कौशल कार्यक्रम की एक अलग-अलग चयनित शोध विषय करने के लिए,लागू करने के लिए का अवसर देता है, मूल विकास, का एक उपाय एक में गहराई से जांच, विश्लेषणऔर प्रासंगिक सामग्री के महत्वपूर्ण समीक्षा आयोजित करने के लिए एक वाहन उपलब्ध कराने की आवश्यकता।

थीसिस का विस्तार: थीसिस टिकाऊ वास्तुकला के दर्शन और तकनीकी ज्ञान से संपूर्ण पाठ्यक्रम जो सिमुलेशन शामिल हो सकते हैं प्राप्त को प्रतिबिंबित करना चाहिए। एम. आर्क थीसिस 2015-16 किया गया निम्नलिखित के रूप में पांच विभिन्न चरणों में:

1. वार्ता - प्रारंभिक स्तर - चरण i: चर्चा विषय विशेषज्ञों के साथ बुद्धिशीलता / शोध पत्र और परियोजनाओं की खोज।

2. संश्लेषण - द्वितीय चरण: साहित्य समीक्षा / प्रकरण अध्ययन (डेस्कटॉप) / डेटा संग्रह / पहचान मामले का अध्ययन और सर्वेक्षण प्रारूपों / साइट चयन

3. विश्लेषण / समाधान / प्रयोग-चरण III: केस अध्ययन और साइट विश्लेषण, अवधारणाविकास, प्रारंभिक प्रस्ताव, कार्यान्वयन / निष्पादन-स्टेज चतुर्थ: प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ प्रारंभिक प्रस्ताव, डिजाइन विकास, परिष्कृत पूर्व अंतिम डिजाइन

संचार-चरण v: नकली समीक्षा - अंतिम आंतरिक समीक्षा, अंतिम बाहरी जूरी

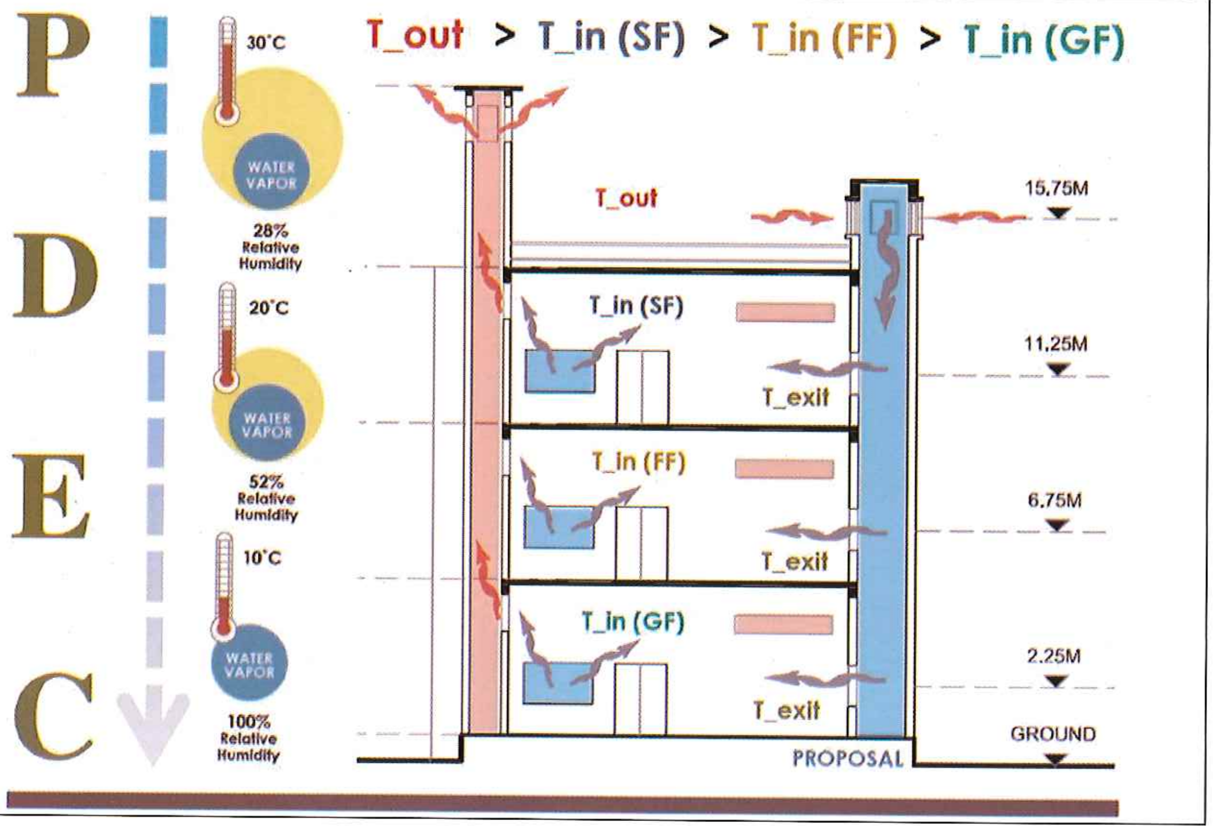

2.2) वास्तुकला विभाग: संकाय गतिविधियाँ

संकाय अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से शैक्षिक कार्यक्रमों का संवर्धन की ओर योगदान दिया है। स्तुकला विभाग के प्रतिष्ठित संकाय अनुभव होने की योजना और वास्तुकला ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों की एक गतिशील मिश्रण है। संकाय सदस्यों, शिक्षाविदों, अनुसंधान और स्कूल की विकासात्मक गतिविधियों में लगातार शामिल हैं। विभिन्न राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के अलावा और कार्यशालाएं; संकाय लगातार विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित अनुसंधान और तकनीकी कागजात में लगी हुई है। शोध के एक भाग के रूप में/ अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय सदस्यों यानी ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, इंडोनेशिया, इटली, जापान, नीदरलैंड, स्वीडन और ब्रिटेन कई देशों का दौरा किया।

2.2.1) प्रकाशन

1. **चिलकपति, अनिल कुमार** (2015). क्रिएटिंग अवेयरनेस ऑफ़ an एविडेंस-बेस्ड एप्रोच टू हुमनिस्टिक-ट्रांजिट स्पेसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हयूमैनिटिज़ एंड सोशल साइंसेज रिव्यु-HSSR, आइएसबीएन: 2165-6258 04(02):: ३३५प-३४४प. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, मेसाचुसेट्स, USA: HSSR
2. **दाकेती श्रीनिवास** (2015) कल्चरल एप्रोच टू आर्किटेक्चर, इंटरनेशनल अकादमिक एंड रिसर्च कांफ्रेंस, विजयवाड़ा, इंडिया [कांफ्रेंस पेपर]
3. **दाकेती, श्रीनिवास** (2015) इम्पैक्ट ऑफ़ ऑक्यूपेशनल पैटर्न ऑन बिल्ट फॉर्म, इंटरनेशनल मल्टीडिसिसिप्लिनरी अकादमिक कांफ्रेंस, जोमतिये, पट्टाया, थाईलैंड. [कांफ्रेंस पेपर]
4. **दाकेती, श्रीनिवास** (2015), इम्पैक्ट ऑफ़ कल्चर ऑन रूरल बिल्ट एनवायरनमेंट , इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन आईटी, आर्किटेक्चर एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, दुबई, यूएई. [कांफ्रेंस पेपर]
5. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016) गाइडलाइन्स फॉर द फार्मूलेशन ऑफ़ इंडियन कोड ऑफ़ प्रैक्टिस फॉर कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट्स, आइएसबीएन(E):2321-8843; आइएसबीएन(P):2347-4599,वॉल्यूम-4 इशू-1, January 2016, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी (इम्पैक्ट:IJRET)
6. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016) जालिस: ए स्टडी ऑन एस्थेटिक्स एंड फंक्शनल आस्पेक्ट्स इन बिल्ट एनवायरनमेंट, आइएसबीएन: 2395-3470, वॉल्यूम-2 इशू-2, पेज No 98-104, February 2016, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंस (IJSEAS)
7. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016), एवोलूशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ़ कॉर्टयार्डस थ्रू स्पेस एंड टाइम : ए केस ऑफ़ इंडियन कॉर्टयार्डस , आइएसबीएन: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,वॉल्यूम -4, इशू -1, पेज No 58-63
8. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016), इन्फ्लुएंस ऑफ़ कल्चर ऑन ट्राइबल हाउसिंग इन ओडिशा: ए केस ऑफ़ किसान, ओरोन, गोंड एंड खंड, आइएसबीएन: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,वॉल्यूम

-4, इशू-1, पेज No 72-80, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मैथमेटिक्स, फिजिक्स एंड अलाइड साइंसेज 2016, मार्च 03-05

9. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016), पेरफोर्टिंग द बिल्डिंग एनवलप विथ ए ब्रेअथबले कवर ऑफ़ लाइव वाल कांसेप्ट, आइएसबीएन: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,वॉल्यूम-4, इशू-1, पेज No 64-71

10. **दाकेती, श्रीनिवास** (2016), वाटर एस एलिमेंट इन आर्किटेक्चर, आइएसबीएन(P): 2348-0513, आइएसबीएन(E): 2454-471X, वॉल्यूम-4 इशू-1, पेज No 49-60, January 2016, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (BEST:IJMITE)

11. **गुटरु कार्तिक,** (2015),"Is FSI डिपेंडेंट ऑन लैंड अवेलेबिलिटी एंड डेंसिटीज़: ए कम्पेरेटिव रिव्यु of FSI इन इंडियन सिटीज", पीर रेविएवेद जर्नल 'यूरोपियन जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल डेवलपमेंट' जून 2015, वॉल्यूम 4, No. 2, 27-34 ISSN: 2239-5938

12. **गुटरु कार्तिक,** (2015),"रेडेवेलोपिंग द मुसि रिवरफ्रण्ट इन हैदराबाद", ऑनलाइन जर्नल सिटी आब्जर्वर, जून 2015

13. **क़ज़ा, नागराजू** (2016). 'एन एप्रोच टू एनालाइज द की कंपोनेंट्स ऑफ़ बिल्डिंग्स फॉर रिड्यूसिंग द एनर्जी कोन्सुम्प्शन' इन इंजीनियरिंग साइंसेज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, आइएसबीएन No.2320-4338, Vol 4, इशू 1, 114-121.

14. **क़ज़ा, नागराजू** (2016). 'सिग्निफ़िकेन्स ऑफ़ एर्म्वमेन्ट फॉर थर्मल कम्फर्ट इन एजुकेशनल बिल्डिंग्स, केस स्टडी ऑफ़ ए क्लास रूम' इन इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च जर्नल इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (IARJSET), आइएसबीएन No.2393-8021, Vol 3, इशू 3, 88-93.

15. **रंगा, मूर्ति एन एस,** (2015) 'रिव्यु ऑन द मेंटेनेंस ऑफ़ द बिल्ट फॉर्म्स फ्रॉम द सेपे ऑफ़ वाटर' इंटरनेशनल अकादमिक एंड रिसर्च कांफ्रेंस, इंडिया इन सपोर्ट ऑफ़ यूनेस्को'स 70th एनिवर्सरी, IMRF at विजयवाड़ा, ISBN 978-93-84124-31-1.

16. **रंगा, मूर्ति एन एस,** (2015) 'अर्बन रेन वाटर हार्वेस्टिंग-पेरवियस कंक्रीट 'इंटरनेशनल मल्टी डिस्कीपलीनरी अकादमिक कांफ्रेंस थाईलैंड, 2015 इन सपोर्ट ऑफ़ यूनेस्को'स 70th एनिवर्सरी, IMRF at पट्टाया, थाईलैंड, ISBN 978-93-84124-48-9.

17. **रंगा, मूर्ति एन एस,** (2016) 'सस्टेनेबल अर्बन वाटर मैनेजमेंट- ट्रॉपिकल क्लिमैटिक कंडीशन्स', वर्ल्ड रिसर्च कांग्रेस, IMRF at कोलोंबो, श्रीलंका. ISBN 978-93-84124-72-4.

18. **श्रीधरन एन, चटर्जी टी, कृष्णा कुमार एसवी, श्रीनिवास डी, राय आर, अहमद एम, वर्धन पी, नाग सौमी** (2015)'डॉक्यूमेंटेशन ऑफ़ ट्रेडिशनल हाउसिंग टिपोलोजि फॉर द पुअर, बेस्ड ऑन बिल्डिंग मटेरियल यूसेज इन द स्टेट ऑफ़ एपी, बिल्डिंग मटेरियल और टेक्नोलॉजी प्रमोशन कौंसिल. ISBN: 978-93-84124-49-6

2.4) वास्तुकला विभाग: व्यावहारिक प्रशिक्षण

शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, आर्किटेक्चर के छात्र चौथे वर्ष B.Arch. के पहले कार्यकाल के दौरान एकमात्र पाठ्यक्रम है जो प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर काम करना चाहिए उक्त अवधि के दौरान,छात्र वास्तुशिल्प फर्मों में स्कूल से बाहर व्यावहारिक प्रशिक्षण से गुजरना होगा।यह वे स्कूल और पेशेवर कार्यालय या निर्माण स्थलों में क्षेत्र प्रशिक्षण कर रही से बाहर हैं, जबकिछात्रों को अकादमिक दुनिया के साथ संपर्क में रखने के लिए लक्षित है।छात्रों का चयन करने के लिए उम्मीद कर रहे हैं विषय जो उन्हें करने के लिए विशेष रुचि के हैं औरविषयों पर अनुसंधान के बाद एक रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण अवधि के दौरान या समन्वयक द्वारा असाइन किया गया के रूप में किए गए कार्य करने के लिए। के रूप में बहुत वे एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना है जो स्कूल में उस समय हैंडलिंग हो सकता है के एक भाग के रूप में होताभी, एक ही हो सकता है।

बी. आर्क (2012 में भर्ती) छात्रों के चौथे बैच व्यावहारिक प्रशिक्षण विभिन्न कार्यालयों में विभाग केव्यावहारिक प्रशिक्षण समंवयक के मार्गदर्शन में बंद देश भर में आया है। छात्र संबंध शहरऔर वास्तुकार/फर्म का विकल्प फर्म के चयन या फर्म द्वारा चयन की पूरी प्रक्रिया में मुख्य मापदंडों में से एक है।पूरे कार्यक्रम प्रत्येक छात्र की प्रगति का आकलन करने के लिए और प्रशिक्षु काम के प्रदर्शन केबारे में वास्तुकार से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए बारीकी से निगरानी की थी। जहां छात्र व्यावहारिक प्रशिक्षण आया है।

2.5) उत्तीर्ण वास्तुकला के छात्रों की सूची 2015-16

स्नातकोत्तर वास्तुकला (टिकाऊ वास्तुकला)

क्रम सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम
1	1140500001	चिपाडे प्रतीक्षा मधुकर
2	1140500002	गायत्री एन एस
3	1140500003	हनीन पल्लातोड़ी
4	1140500004	जयश्री टी के
5	1140500005	चदलवाड़ा कार्तिक
6	1140500006	जननी एम
7	1140500007	मंगले स्वप्नील सुरेशराव
8	1140500008	बाला चतुर्वेदी
9	1140500009	पवित्रा राधई के वी एन
10	1140500011	रूपा जवाल
11	1140500012	शालिनी सुन्दर राज
12	1140500013	पी. सीता महा लक्ष्मी
13	1140500014	सुशान्त एस जे

वास्तुकला स्नातक

क्रम सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम
1	1110100201	करन आनंद
2	1110100202	अनुपोजू संतोष राहुल
3	1110100203	ललना बत्तिना
4	1110100205	अमृता. सी
5	1110100206	षण्मुख प्रिया सी
6	1110100207	शांतनु सिंह चौहान
7	1110100208	चिलीवेरू किरण कुमार
8	1110100209	शिवा घोष
9	1110100210	छाया जैन
10	1110100211	बेसिल. वी. जोय
11	1110100212	अखिल पॉल के
12	1110100213	यासीन के के
13	1110100214	केमा पल्ल्वी
14	1110100215	एम राहुल
15	1110100216	मेघना मेनन
16	1110100217	मुहम्मद फाबिस. टि. के
17	1110100218	वरगीस एम चेरियान
18	1110100219	बिक्रमजीत मृधा
19	1110100221	अम्लान ज्योति पेगु
20	1110100222	रागला पुजिता
21	1110100223	राज जानू चेतन
22	1110100224	नरेन्द्र कुमार राव
23	1110100225	शिवा शंकर एस
24	1110100226	शतकोटि हरीश
25	1110100227	फिदल रोषी. टि
26	1110100228	डोनडुप ताशी
27	1110100229	थाटिपल्ली राजा हरि चन्दर
28	1110100230	श्रीष तोट्टियील
29	1110100231	वि. मित्रविंदा
30	1110100233	अक्षय ए. जी.
31	1110100234	सोनु कुमार
32	1110100235	जय प्रकाश
33	1110100236	रश्मिता प्रियदर्शनी
34	1110100238	लक्ष्मी अनिल
35	1110100239	भागवत ओंकार प्रशांत

36	1110100240	नितुल कुमार दास
37	1110100241	केविन एब्राहम जॉर्ज
38	1110100242	गोड्डुगु भरत पृथ्वी
39	1110100243	मीता गोसाई
40	1110100244	अमित गुप्ता
41	1110100247	आशना जैन
42	1110100248	रवि जैन
43	1110100249	अभिलाष. के. आर
44	1110100250	जीलियामोस्या कापेमे
45	1110100251	श्रेय कौशिक
46	1110100253	लवुडया अनुषा
47	1110100254	एम संजय कुमार
48	1110100255	दिल्लु एम
49	1110100256	मद्दीकायला क्रान्ति ओमकार
50	1110100257	मेरूगा संदीप
51	1110100258	मुहम्मद जाहिद. के. पी
52	1110100259	विषस नारायनन एन
53	1110100260	कौस्तुभ पाँण्डे
54	1110100261	शिबानी पंडिता
55	1110100262	पुरितशबम सोमोरजित सिंह
56	1110100265	शिवांक शंकर
57	1110100266	शिवांनागारी प्रवल्लिका
58	1110100267	जसकिरत सिंह
59	1110100268	लक्ष्मण कुमार सोरेन
60	1110100269	उण्डारू वर्षा
61	1110100270	गौतम् वीराबत्तुल
62	1110100271	अंकुश कुमार
63	1110100272	प्रवीन कुमार
64	1110100273	पुलकित वशिष्ट
65	1100100165	प्रदीप कुमार सविता
66	1100100166	मानीष पौल साइमन
67	1100100168	अशीता अग्रवाल
68	1100100184	अमनदीप कुमार
69	1090100084	यंट्रापाटी साई मृदुला
70	1090100100	माथेष उ
71	1090100108	हेमंत चौहान
72	1090100130	लोकेश प्रताप सिंह

योजना विभाग

- योजना और डिजाइन प्रयोगशालाओं /स्टूडियो: सारांश
- संकाय गतिविधियाँ
- अतिथि व्याख्यान
- व्यावहारिक प्रशिक्षण
- उत्तीर्ण छात्रों की सूची

3.1) योजना और डिजाइन प्रयोगशालाओं/स्टूडियो: सारांश

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना I वर्ष - I सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	स्ट्रीट मैपिंग, तेनाली
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. नटराज क्रांति, वल्लियपन ए.एल.
चित्रशाला संक्षिप्त:	

स्टूडियो बुनियादी तकनीकी कौशल, दृश्य, प्रस्तुति और प्रतिनिधित्व से संबंधित चित्र योजना तैयार करने के लिए आवश्यक तकनीक ज्ञान का अनावरण करने के उद्देश्य से किया गया था। स्टूडियो का मुख्य उद्देश्य मैन्युअल ड्राइंग और नक्शों की तैयारी में दक्षता विकसित करना था। बुनियादी कौशल पर first-hand अनुभव प्रदान करने के लिए सड़क मानचित्रण पर एक स्टूडियो के माध्यम से छात्रों को ग्राफिक्स पर यह ज्ञान, प्रशिक्षण दिया गया है इस अभ्यास के एक भाग, के रूप में सड़कों पर विभिन्न भूमि उपयोग आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, आदि, की तरह की पहचान कर रहे हैं और सड़क के नक्शे (दोनों 2D और 3 डी में) की तैयारी शुरू की थी। स्टूडियो फोकस के प्रमुख पहलुओं में , चित्र, फोटोग्राफी सीखने के लिए छात्रों को सक्षम ड्राइंग, नक्शा तैयार करने, मॉडल बनाने, 3 डी दृश्यों के प्रतिपादन, जमीन के लिए ड्राइंग संबंधित , सड़क की प्रशंसा, आदि पर था

इस प्रयोजन के लिए, स्टूडियो अभ्यास शुरू करने के लिए तेनाली (आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले (एपी) में दूसरा सबसे बड़ा शहर के विभिन्न सड़कों का चयन किया गया था।

तेनाली, एक वर्ग शहर और एक विशेष ग्रेड नगर पालिका नवगठित आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र का एक हिस्सा है। यह प्रमुख अनूठी विशेष सुविधाओं के साथ अपने विभिन्न सड़कों के लिए जाना जाता है।

सितंबर 2015 के दौरान विविध विशेषता पूरे शहर के चार सड़कों का सर्वेक्षण किया गया

ये भवनं वरि सड़क (वाणिज्यिक (खुदरा खरीदारी / जनरल व्यापार), कटवर्म सड़क (आवासीय योजना बनाई), ऑटो नगर वाणिज्यिक (भण्डारण / मरम्मत), शिवलायम विधि (आवासीय अनियोजित) शामिल हैं। सड़क लक्षण दृश्य-श्रव्य दर्ज़ किए गए

जमीन सत्यापन आयोजित किया गया और सर्वेक्षण के दौरान मिले परिवर्तन के नक्शे पर अद्यतन किया गया। और नक्शे के अद्यतन के बाद क्षेत्र सर्वेक्षण पार जमीन पर सुविधाओं के साथ तैयार नक्शे से संबंधित करने के लिए उपयोगी था छात्रों को जमीन सत्यापन, नक्शे अपडेशन और दस्तावेज की एक हासिल करने के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शिक्षण और मूल्यांकन की विधि एक चर्चा के लिए एक; कक्षा प्रस्तुति; दृश्य-श्रव्य सामग्री; ड्राइंग की तकनीक पर आंतरिक क्विज़; क्षेत्र अध्ययन; शहरी क्षेत्रों पर सिमुलेशन मॉडल।

विभागों और समय की समस्याओं का सतत मूल्यांकन। काम एक बाहरी प्रो के पैनल द्वारा मूल्यांकन किया गया था श्रीनिवास चेरुवु, एसोसिएट प्रोफेसर, जेएनएफए विश्वविद्यालय और श्री तरूण भास्कर, टाउन प्लानिंग सहायक, डीटीसीपी, आंध्र प्रदेश।

स्टूडियो उत्पादन - पोर्टफोलियो

स्टूडियो उत्पादन सड़क मानचित्रण पर अभ्यास के व्यायाम और परियोजना से मिलकर विभागों के रूप में था। कुल 20पत्रक छात्रों द्वारा तैयार किए गए थे।

ये लाइन ड्राइंग, लिखने का प्रक्षेपण, 3 डी चित्र (इसोमेट्रिक दृश्य, एक्सोनोमेट्रिक देखें, तिरछा देखने के लिए, परिप्रेक्ष्य को ध्यान), सड़क के आधार मानचित्र, बुनियादी ढांचे के नक्शे, परिश्रम से अध्ययन करना विश्लेषण, आदि पर चादर शामिल

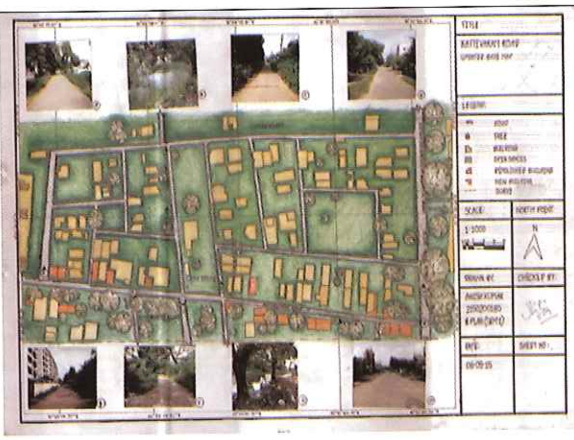

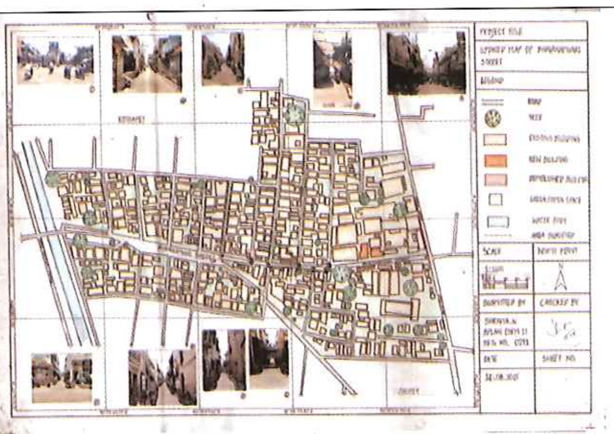

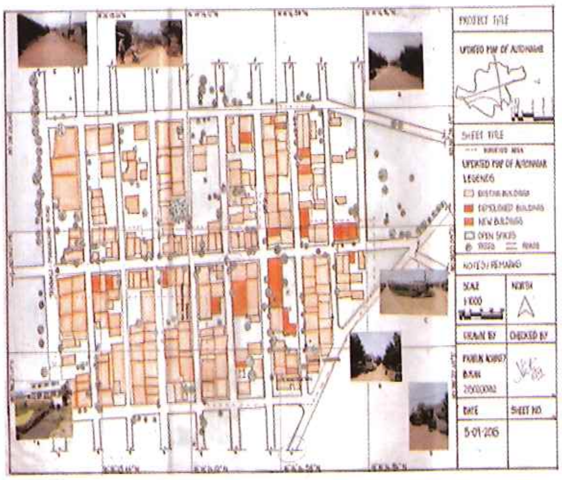

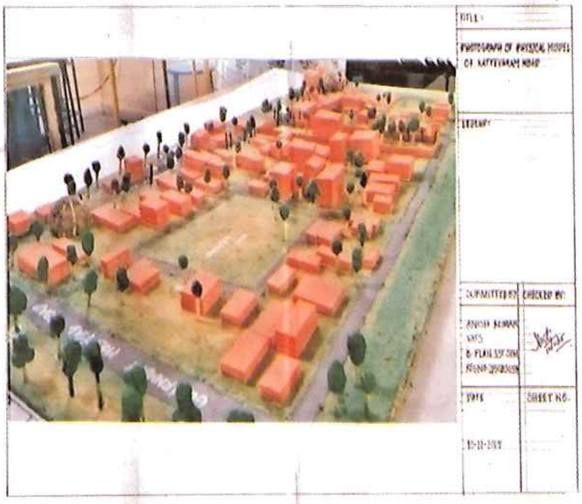

ఆంధ్రప్రదేశ్ రాజధాని
ప్రాంత అభివృద్ధి ప్రాధికార సంస్థ కార్యాలయం
తెనాలి

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना I वर्ष - II सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	योजना और मैपिंग स्टूडियो, शींगरायाकोण्डा
प्रभारी प्राध्यापक:	अंजू जॉन, वल्लियपन ए.एल.
चित्रशाला संक्षिप्त:	

स्टूडियो के सीखने के उद्देश्य आधार नक्शे और नक्शों की तैयारी में दक्षता विकसित करने के लिए है।कार्य के सीखने के उद्देश्य विभिन्न भूमि उपयोग भूमि कवर सुविधाओं, शब्दावलियों और अपने प्रतिनिधित्व तकनीक के मामले में भारत का मानचित्र सर्वेक्षण को समझने के लिए है: ढलान के विभिन्न प्रकारों की पहचान से संबंधित व्यायाम, अपने अनुभाग, एक नक्शा ग्रिड और सड़कों के विभिन्न प्रकार की वृद्धि, जल निकासी पैटर्न लिया गया था।

अधिकतम गांवों में उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार बफर विश्लेषण ग्रिड और बफ़र में मौजूद गांवों के लिए एक ग्रिड के लिए किए गए बफ़र में उपलब्ध सुविधाओं की पहचान करने के लिए 200 मीटर 500 मीटर और 700 मीटर की दूरी पर गांव के कैंद्र से बनाए गए थे

कार्य: 2 (समूह कार्य): आधार मानचित्र तैयार करने और एक गांव का अध्ययन

उद्देश्य : जीपीएस अक्षांश और देशांतर अंक का उपयोग कर मैप तैयार करने का आधार और भूमि का उपयोग, सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल आर्थिक प्रोफ़ाइल, आवास, सामाजिक एवं भौतिक बुनियादी सुविधाओं, योजनाओं और पहचान और समस्याओं का प्राथमिकीकरण के मामले में गांव का अध्ययन।

गूगल कल्पना के साथ नक्शा तुलना में बेस नक्शा अक्षांश देशांतर अंक का संग्रह द्वारा जीपीएस उपकरणों की मदद से तैयार किया है और विचलन को समझने के लिए अंक का संग्रह द्वारा जीपीएस उपकरणों की मदद से तैयार किया है

एक सिंगारयकोंडा और आसपास के तीन गांवों (कणुमाला, सनामपुड़ी और क्लीकिव्या) 5 किमी की परिधि के लिए अध्ययन के लिए चुना गया है

घरेलू सर्वेक्षण गांवों में शुरू किया गया था प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना प्रश्नावली स्वरूप और नमूने के आकार का उपयोग करके चयनित गांव जनसंख्या आकार पर आधारित।

तुलनात्मक विश्लेषण के लिए विभिन्न मापदंडों के बीच और समस्याओं की पहचान के लिए लिया गया है।

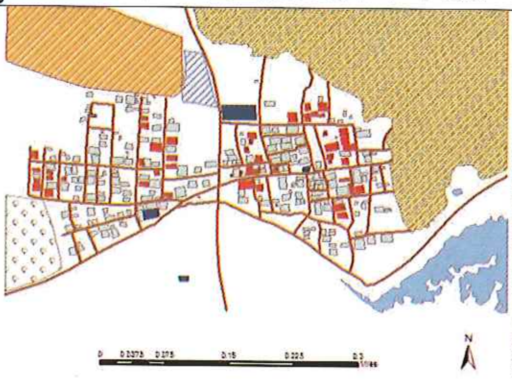

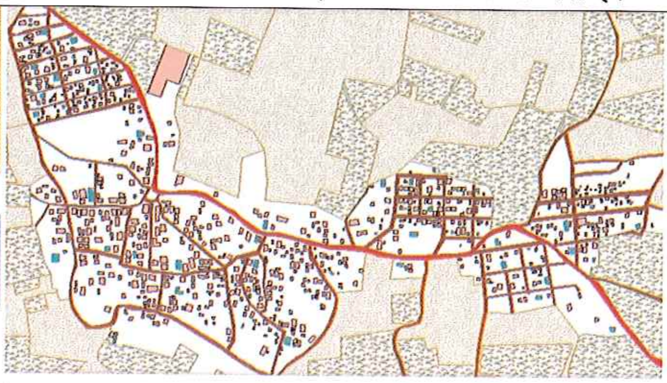

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना I I वर्ष - III सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	साइट योजना और पर्यावरण निर्माण, विशाखापतनम
प्रभारी प्राध्यापक:	वल्लियपन ए.एल., अंजू जॉन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

उद्देश्य, दस्तावेजीकरण मुद्दों और विभिन्न आवास टिपोलोजिज़ की समस्याओं का विश्लेषण करके साइट योजना प्रक्रिया को समझने के लिए किया गया था। यह स्वतंत्र रूप से योजना बनाने और मौजूदा भवन उपनियम और नियमों की व्याख्या द्वारा आवासीय लेआउट डिज़ाइन करने की योजना बनाई आवासीय लेआउट,शामिल हैं। पर्यावरण से संबंधित साइट को समझने के लिए तीन अभ्यास/परियोजनाओं की योजना बनाने की प्रक्रिया और घटकों का निर्माण शुरू किया गया।

एक निवास का अध्ययन : इस अध्ययन का उद्देश्य अपने निवास को लेकर एक घर के विभिन्न घटकों को समझते हैं और स्थान उपयोगकर्ताओं, उनकी कार्यक्षमता, रिक्तियाँ, रिक्त स्थान, बाधाओं और उपयोग, मानवमिति, सौंदर्यशास्त्र और भवन उपनियम आदि में मुद्दों के बीच आपसी संबंध के न्यूनतम और अधिकतम आयाम का अध्ययन करने के लिए गया था। स्टूडियो के परिणाम फर्श योजनाओं, उन्नयन, वर्गों, परिप्रेक्ष्य विचारों और निवास की एक विस्तृत मॉडल के तैयारी था।

मामला अध्ययनों पर आवासीय टिपोलोजिज़ अर्थात्, किया गया समूह साजिश रची, और विशाखापट्टनम शहर और आसपास में आवास पंक्ति। आवास परियोजनाओं के स्थानीय नगर नियोजक और विशाखापट्टनम शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ परामर्श के बाद चयन किया गया था। मामले के अध्ययन सार्वजनिक, निजी, सार्वजनिक निजी भागीदारी और पुनर्वास परियोजनाओं से परियोजनाओं शामिल थे। सूरज किरणों परियोजना भोगपुरम, हिरत परियोजना (सार्वजनिक निजी साझेदारी) मुधुरवाड़ा पर, कूर्मनापलेम में पंचवटी/अक्कीरेड्डीपालेम , एलआईजी आवास पर ऋषि कोंडा, मिग और एलआईजी आवास पर पंक्ति आवास परियोजना पर साजिश रची और समूहीकृत पैनोरमा पहाड़ियों पर एचआइजी आवास आवास पर पुनर्वास परियोजना।

आवास सामाजिक-आर्थिक पहलुओं की तरह, योजना और आवास, भूमि, बुनियादी सुविधाओं, वित्त, कार्यकाल के डिजाइन के विभिन्न घटकों को समझने के लिए इस मामले के अध्ययन का उद्देश्य था और वेंचर्स, आवास विकास की चरणबद्ध और मुद्दों और आवास typologies आदि की समस्याओं की पहचान के रखरखाव, आवास, उपनियमों, संयुक्त की अवधारणा का निर्माण का प्रबंधन। पूरे वर्ग चालन और मामले के अध्ययन की प्रस्तुति के लिए समूहों में विभाजित किया गया था।

साइट योजना और विजयवाड़ा में आवासीय लेआउट की डिजाइनिंग : साइट की योजना बना अभ्यास शामिल विभिन्न विषयों, कई हितधारकों की भागीदारी, बाधाओं और क्षमता की समझ। साइट की योजना बना समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, वास्तुकला, इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, पर्यावरण, तकनीकी, परिवहन और सांस्कृतिक पहलुओं की तरह विभिन्न संबंधित डोमेन की व्यापक समझ शामिल किया गया। छात्र कम, मध्यम और उच्च घनत्व के विकास के लिए एक पहचान की साइट के साथ एक डिजाइन आवश्यकता निर्धारित आवास टिपोलोजिज़ मौजूदा इमारतों को अलविदा-कानूनों के साथ प्लॉट किए गए सभी आय समूहों इनलाइन के लिए समूहीकृत, पंक्ति आवास का मिश्रण होने के साथ सौंपा गया। स्टूडियो परिणाम साइट विश्लेषण, परियोजना, ब्लॉक और निर्माण की योजना और ब्लॉक मॉडल की विस्तृत लेआउट शामिल थे।

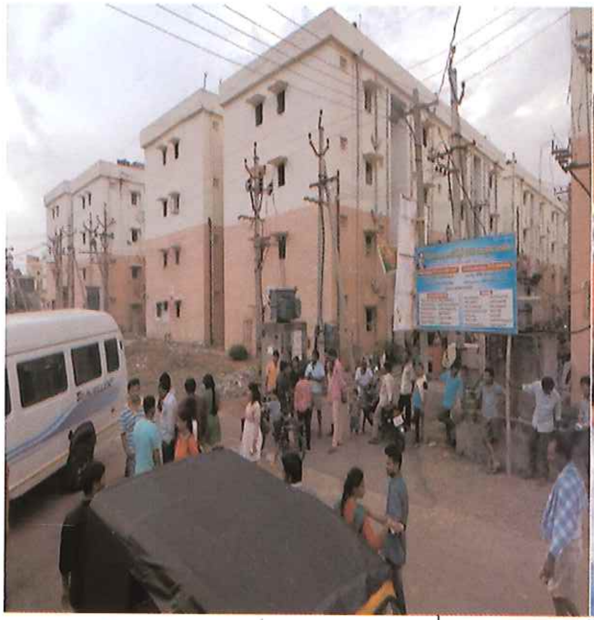

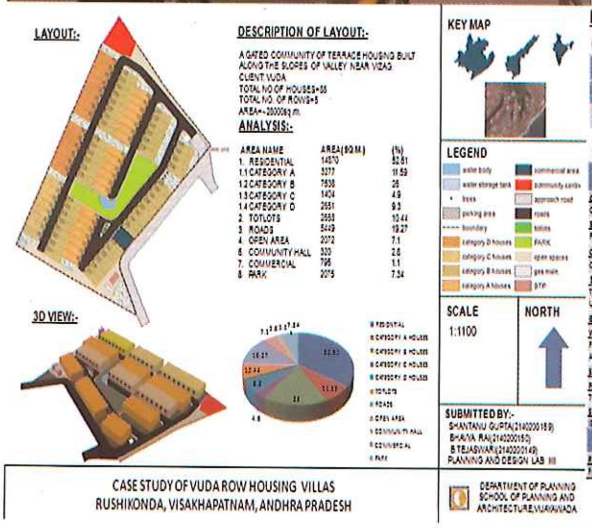

AREA NAME	AREA(SQ.M.)	(%)
1. RESIDENTIAL	14870	52.51
1.1 CATEGORY A	3277	11.59
1.2 CATEGORY B	7538	26
1.3 CATEGORY C	1404	4.9
1.4 CATEGORY D	2651	9.3
2. TOTLOTS	2953	10.44
3. ROADS	5449	19.27
4. OPEN AREA	2072	7.1
6. COMMUNITY HALL	320	2.8
7. COMMERCIAL	795	1.1
8. PARK	2075	7.34

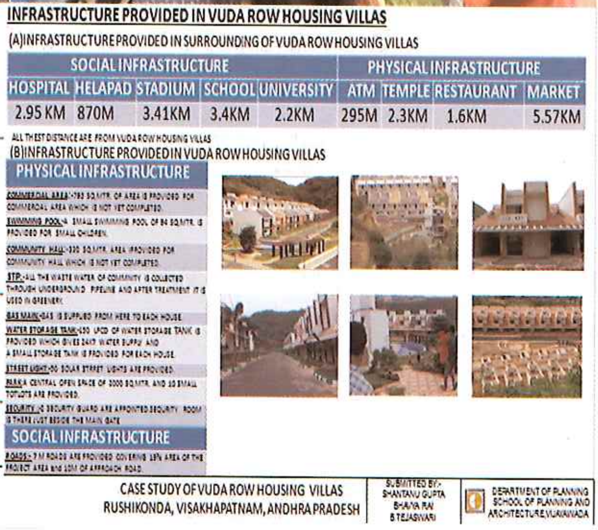

SOCIAL INFRASTRUCTURE					PHYSICAL INFRASTRUCTURE			
HOSPITAL	HELAPAD	STADIUM	SCHOOL	UNIVERSITY	ATM	TEMPLE	RESTAURANT	MARKET
2.95 KM	870M	3.41KM	3.4KM	2.2KM	295M	2.3KM	1.6KM	5.57KM

ALL THEST DISTANCE ARE FROM VUDA ROW HOUSING VILLAS

(B)INFRASTRUCTURE PROVIDED IN VUDA ROW HOUSING VILLAS

PHYSICAL INFRASTRUCTURE

COMMERCIAL AREA:-795 SQ.MTR. OF AREA IS PROVIDED FOR COMMERCIAL AREA WHICH IS NOT YET COMPLETED.

SWIMMING POOL:-A SMALL SWIMMING POOL OF 84 SQ.MTR. IS PROVIDED FOR SMALL CHILDREN.

COMMUNITY HALL:-320 SQ.MTR. AREA PROVIDED FOR COMMUNITY HALL WHICH IS NOT YET COMPLETED.

STP:-ALL THE WASTE WATER OF COMMUNITY IS COLLECTED THROUGH UNDERGROUND PIPELINE AND AFTER TREATMENT IT IS USED IN GREENERY.

GAS MAIN:-GAS IS SUPPLIED FROM HERE TO EACH HOUSE.

WATER STORAGE TANK:-[illegible] LPCD OF WATER STORAGE TANK IS PROVIDED WHICH GIVES 24X7 WATER SUPPLY AND A SMALL STORAGE TANK IS PROVIDED FOR EACH HOUSE.

STREET LIGHT:-50 SOLAR STREET LIGHTS ARE PROVIDED.

PARK:-A CENTRAL OPEN SPACE OF 2000 SQ.MTR. AND 10 SMALL TOTLOTS ARE PROVIDED.

SECURITY:-[illegible] SECURITY GUARD ARE APPOINTED SECURITY ROOM IS THERE JUST BESIDE THE MAIN GATE

SOCIAL INFRASTRUCTURE

ROADS:-7 M ROADS ARE PROVIDED COVERING 19% AREA OF THE PROJECT AREA and 10M OF APPROACH ROAD.

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना II वर्ष- IV सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	काकीनाडा के लिए स्मार्ट मोबिलिटी योजना
प्रभारी प्राध्यापक:	श्वेता शर्मा
चित्रशाला संक्षिप्त:	

काकीनाडा - काकीनाडा का परिचय आंध्र प्रदेश के भारतीय राज्य में एक शहर है। यह मुख्यालय और पूर्वी गोदावरी जिले में आंध्र प्रदेश विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा के बीच स्थित का सबसे बड़ा शहर है। यह राज्य के चौथा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है और भारत का सबसे बड़ा टियर -2 शहरों में से एक है। शहर 30.51km2 के एक क्षेत्र में फैला हुआ है और 3,12,538 की आबादी (जनगणना 2011)। शहर का लिंग अनुपात 1046 प्रति महिलाओं 1000 नर है। कारगर साक्षरता 81.23% है; पुरुष साक्षरता 84.88% और महिला साक्षरता 77.76% है

प्रसंग - काकीनाडा, आंध्र प्रदेश में प्रस्तावित तीन स्मार्ट शहरों के बीच है। काकीनाडा में स्मार्ट सिटी के मुख्य स्तंभों संस्थागत संरचना, भौतिक बुनियादी ढांचे और सामाजिक बुनियादी सुविधाओं कर रहे हैं। भौतिक बुनियादी ढांचे के भीतर, स्मार्ट गतिशीलता एक स्मार्ट एक की स्थिति के लिए शहर अर्हता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है शहर के भीतर राज्य और देश के बाकी सभी स्थानों के साथ शहर को जोड़ने वाले मार्गों के एक जाल के साथ एक अच्छी परिवहन प्रणाली है, हालांकि अभी तक शहर की भीड़ और अनुचित यातायात प्रबंधन तंत्र दोहरी समस्याओं के साथ सामना है। इस प्रकार इस स्टूडियो के उद्देश्य के लिए एक स्मार्ट गतिशीलता योजना है जो राष्ट्रीय और स्थानीय पहुंच में सुधार और काकीनाडा में सुरक्षित, सुरक्षित और भीड़ मुफ्त परिवहन को बढ़ावा मिलेगा तैयार करने के लिए किया गया था। स्मार्ट गतिशीलता योजना बेहतर भूमि के उपयोग और परिवहन योजना को एकीकृत करके क्षमता का प्रबंधन करने का प्रस्ताव रखा।

काकीनाडा के लिए इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए निम्न प्रमुख उद्देश्यों में स्थापित किए गए थे:

1. भूमि उपयोग पैटर्न और काकीनाडा के सामाजिक आर्थिक स्थिति का पता लगाने के लिए।
2. आकलन और विभिन्न परिवहन सर्वेक्षणों के माध्यम से यातायात के प्रवाह का विश्लेषण करने के लिए।
3. कनेक्टिविटी और काकीनाडा में भीड़ से संबंधित मुद्दों की पहचान करने के लिए।
4. शहर में वर्तमान परिवहन प्रणाली में सुधार लाने में मदद मिलेगी कि समाधान का सुझाव के लिए

काम का दायरा - काम की गुंजाइश है कि स्मार्ट गतिशीलता योजना के विकास के लिए की परिकल्पना की गई है निम्नलिखित कदम शामिल हैं:

कार्य 1: गतिशीलता स्मार्ट योजना के दायरे को परिभाषित करना: इस परियोजना के दायरे को परिभाषित करने के लिए गतिशीलता योजना तैयार करने में पहला कदम था। इस प्रकार यह स्पष्ट रूप से क्षितिज, कार्य योजना और विजन योजना योजना क्षेत्र, इंगित करने के लिए आवश्यक था।

कार्य 2: डेटा संग्रह और मौजूदा शहरी परिवहन वातावरण का विश्लेषण: इस प्रक्रिया में आगे आठ प्रमुख कार्यों को शामिल किया गया:

- सिटी प्रोफाइल की समीक्षा: भूमि क्षेत्र पर माध्यमिक स्रोतों, प्रशासनिक सीमाओं, क्षेत्रीय संबंधों, जनसांख्यिकी और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं से डाटा संग्रह।
- यातायात विश्लेषण क्षेत्र का चित्रण: विश्लेषण और यात्रा की मांग की भविष्यवाणी मॉडल के विकास के उद्देश्य के लिए अध्ययन के क्षेत्र में छोटे यातायात विश्लेषण जोन या क्षेत्र के रूप में जाना जाता है क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा।
- भूमि उपयोग पैटर्न और जनसंख्या घनत्व की समीक्षा
- मौजूदा परिवहन प्रणालियों की समीक्षा: मौजूदा परिवहन बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की समीक्षा सभी परिवहन मोड के लिए किया गया था। इस के लिए, निम्न सर्वेक्षण किए गए:

i. सड़क नेटवर्क सूची: पैदल चलने वालों, साइकिल, साइकिल रिक्शा और बसों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़क नेटवर्क सूची

ii. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली - सिटी बस, और भी अन्य जन परिवहन प्रणाली के लिए, यदि कोई हो

iii. पैरा-ट्रांजिट सिस्टम: बेड़े उपयोग विस्तार, रूट विस्तार, लागत और किराये बेड़े

iv. सड़कों पर यातायात की स्थिति: यातायात गणना, देरी और कतार की लंबाई

v. यातायात सुरक्षा: पीड़ित यातायात मौत और स्थान में शामिल की संख्या

कार्य 3: सामान्य परिदृश्य के रूप में व्यवसाय का विकास: परिदृश्यों कि निपटान और विकास, आर्थिक अनुमानों और नीतिगत फैसले के विभिन्न संयोजनों को प्रतिबिंबित बनाया गया।

कार्य 4:स्मार्ट शहरी परिवहन परिदृश्य का विकास: परिदृश्यों मोटर परिवहन में वृद्धि ग्रहण किया। जोर दक्षता के मामले में प्रौद्योगिकी में सुधार लाने पर रखा गया था।

विश्लेषण के बाद पहचान मेजर मुद्दों इस प्रकार हैं - इंफ्रास्ट्रक्चर लकनस,टोंटी जंक्शनों, अनुचित भूमि उपयोग, इंट्रा शहर सार्वजनिक परिवहन, माल ढुलाई की अनुचित संचलन शहर के वाहनों से होने वाले यातायात के साथ निरोधक का अभाव।

प्रस्तावों और अनुशंसाओं - वर्ग तीन समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह काकीनाडा की गतिशीलता को बढ़ाने के लिए उनके अद्वितीय समाधान के साथ आ गया है। व्यवसाय के रूप में सामान्य परिदृश्य सभी समूहों के लिए आम था।

PROPOSED BUS ROUTES

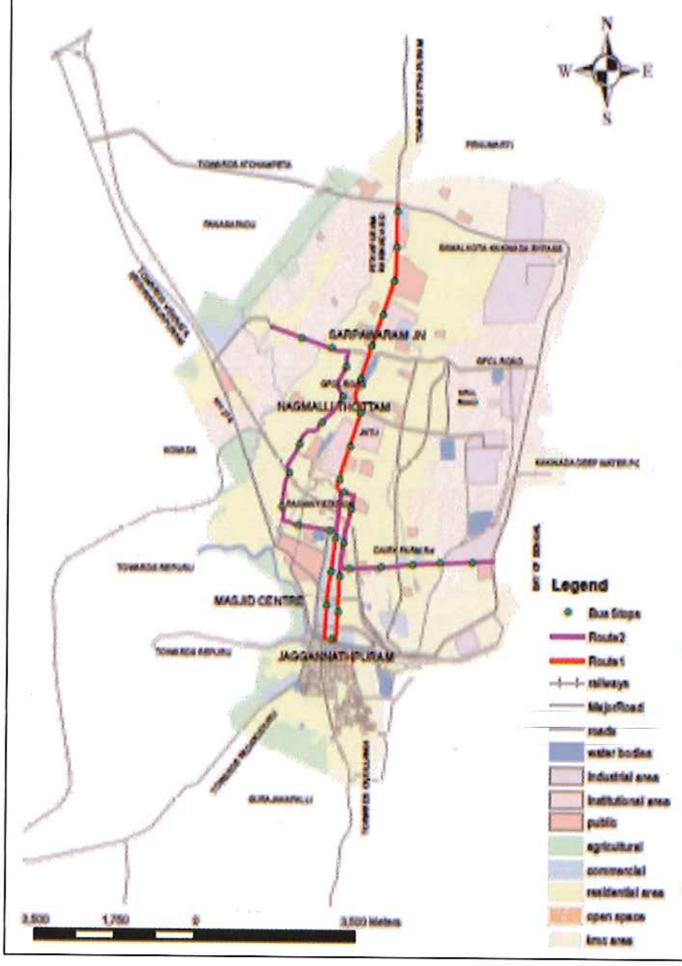

NMT NETWORK

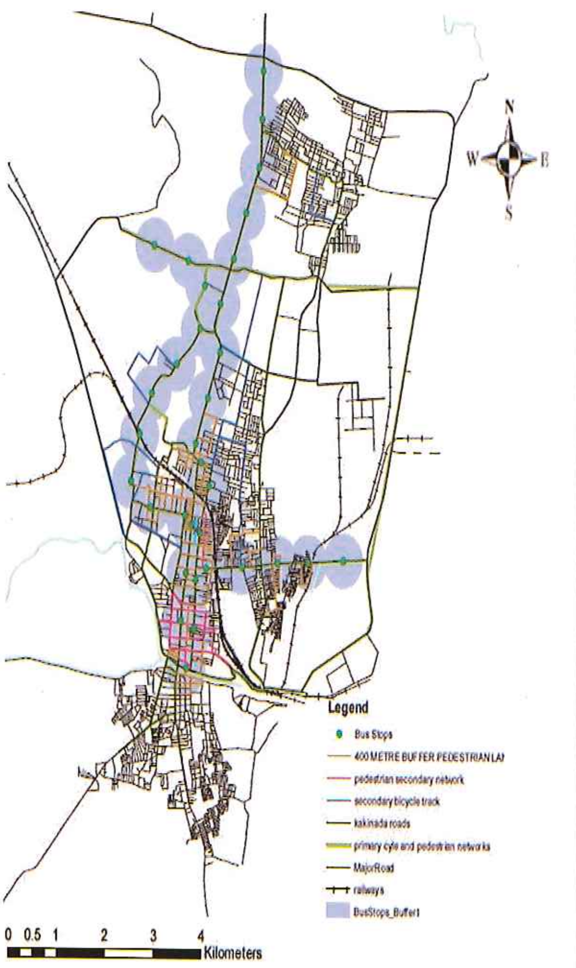

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना, **III** वर्ष-**V** सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	क्षेत्र विकास योजना, मंडमपाकम नगर पालिका, चेन्नई महानगर विकास प्राधिकरण
प्रभारी प्राध्यापक:	प्रशांत वर्धन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

इस शैक्षणिक अभ्यास के प्राथमिक उद्देश्य के लिए सबसे कम योजना के स्तर पर, यानी योजना और विकास प्रक्रिया को समझने के लिए किया गया था, क्षेत्र विकास योजना (एडीपी) या स्थानीय क्षेत्र योजना (एलएपी), एक इरादे से एक दिया गुरु के दायरे में रणनीति और योजना के लिए योजना।

तर्कसंगत की योजना प्रक्रिया में, एडीपी निम्नतम स्तर और आम तौर पर 1:2,000 और 1:10,000 की आवश्यकताओं और सांविधिक प्रावधानों पर निर्भर करते हुए बीच पर्वतमाला बहुत छोटे पैमाने पर तैयार की योजना बना रहा है। इस अभ्यास के विश्लेषण और सभी नियमों द्वारा स्थानीय परिसंचरण और परिवहन पहलुओं, इमारत के पैरों के निशान, उपयोगिताओं, स्थानीय आर्थिक आधार भूमि और भवन का उपयोग करें, स्थानीय विकास नियमों, मानकों, भवन, स्थानीय पर्यावरण के पहलुओं पर रणनीति से एक चुने हुए शहर के लिए एडीपी तैयार करने पर ध्यान केंद्रित स्थिति, संरक्षण और शहरी डिजाइन, और अन्य पहलुओं प्रासंगिक समझा। विश्लेषण साजिश स्तर पर किया गया था। इस शैक्षिक व्यायाम प्रत्येक समूह के एक मामले में पड़ोस पर समग्र रूप से ध्यान केंद्रित के साथ एक समूह काम है। दो या दो से तीन पड़ोस में एक ही शहर में एक साथ विश्लेषण के लिए ले जाया गया।

इस शैक्षणिक अभ्यास के लिए अध्ययन के क्षेत्र में चेन्नई महानगर विकास क्षेत्र (सीएमडीए) में मंदमपक्कम नगर पालिका है। इस नगर पालिका चेन्नई नगर पालिका के एक किनारे क्षेत्र था और पिछले **20** वर्षों में, यह एक नगर पालिका के लिए एक ग्रामीण बस्ती और गुजरा प्रमुख भूमि उपयोग परिवर्तन से बदल गया है। यह व्यायाम मुख्य रूप से स्थानीय स्तर के लिए चयनित क्षेत्र योजना क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित / पड़ोस के दायरे के तहत नगर पालिका के भीतर प्रस्तावित मास्टर योजना। सारी कवायद मोटे तौर पर चार चरणों के नीचे सूचीबद्ध, में वर्गीकृत किया गया है:

चरण 1: साहित्य की समीक्षा और वर्तमान मास्टर प्लान का मूल्यांकन

•एडीपी प्रक्रिया और अवधारणाओं, योजना स्थानीय क्षेत्र की योजनाओं और मास्टर प्लान के मूल्यांकन के लिए दृष्टिकोण

चरण 2: मौजूदा स्थिति का आकलन

•भूमि उपयोग वितरण और विश्लेषण, जनसांख्यिकी, निर्मित क्षेत्र, चरित्र, विस्तार और चित्रण, परिसंचरण नेटवर्क और सुविधाएं

•शारीरिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे, भूमि स्वामित्व मानचित्रण

•खुला और हरे रिक्त स्थान, सार्वजनिक संपत्तियों और स्थिति की पहचान करने के पदानुक्रम

•संवेदनशील क्षेत्रों, विकास की चिंताओं और मुद्दे

•हस्तक्षेप के लिए सामरिक क्षेत्र।

चरण 3: वैचारिक ढांचे

•योजना मापदंडों और अवधारणाओं, शहरी डिजाइन ढांचा और अनुमानित आवश्यकताओं प्रस्तावों और विकास की रणनीति

•भूमि उपयोग योजना, प्रस्तावित परिसंचरण तंत्र

•शारीरिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे का प्रस्ताव

•नए विकास, पुनर्विकास और सुधार के लिए रणनीति

•अनौपचारिक गतिविधियों के लिए प्रस्ताव, स्ट्रीट श्रृंखला के रखरखाव के लिए वेंडिंग क्षेत्रों, बाजार केन्द्रों, आदि, रणनीति।

चरण 4: विकास विनियम

•क्षेत्रों नियमों और विकास विनियम

•संसाधन जुटाना और कार्यान्वयन
•कार्यान्वयन की रूपरेखा

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना, III वर्ष-VI सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	शहरी विकास योजना, एलेप्पी शहर (अलाप्पुझा जिले, केरल)
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्मद
चित्रशाला संक्षिप्त:	

अलाप्पुझा, अलेप्पी भी रूप में जाना जाता है, दक्षिण भारत के केरल राज्य के अलाप्पुझा जिले के प्रशासनिक मुख्यालय है के एक शहरी आबादी के साथ केरल में छठा सबसे बड़ा शहर है। अलाप्पुझा इस क्षेत्र में सबसे पुराना नियोजित शहर और प्रकाशस्तंभ शहर के तट पर बनाया गया माना जाता है अरब सागर के तट के साथ अपनी तरह का पहला है। अलाप्पुझा कोच्चि के दक्षिण और 155 किलोमीटर (96 मील) त्रिवेंद्रम के उत्तर में 62 किलोमीटर (39 मील) पर स्थित है सुरम्य नहरों, अप्रवाही, समुद्र तटों और लैगून के साथ एक शहर है, यह "पूरब का वेनिस" लॉर्ड कर्जन द्वारा के रूप में जाना स्थानों में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। इसलिए, यह केरल के "वेनिस" राजधानी के रूप में जाना जाता है।

अलाप्पुझा भारत में एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है अलाप्पुझा के बैकवाटर्स केरल में सर्वाधिक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण हैं। इन नदियों में एक हाउसबोट क्रूज बुक किया जा सकता। यह उत्तर और दक्षिण क्वीलोन करने के लिए कुमारकोम और कोचीन जोड़ता है। अलाप्पुझा वार्षिक नेहरू ट्रॉफी नौका दौड़, हर साल पुन्नामाडा झील, अलाप्पुझा के पास पर आयोजित किया है, अगस्त के दूसरे शनिवार को के लिए पहुँच बिंदु है। यह सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और भारत में नौका दौड़ के लोकप्रिय है भी उत्सव दिसंबर में हर साल दस दिनों के लिए आयोजित मौसम है अलापुजा के आकर्षण में से एक है।

अलाप्पुझा में अन्य आकर्षण अलाप्पुझा समुद्र तट, लकडवे समुद्र, अम्बलाप्पुज़ह श्री कृष्ण मंदिर, अरथुंकल बासीलीक, मन्नारशाला मंदिर, चेत्तिकुलंगर देवी मंदिर, हरिपद सुब्रहमण्य स्वामी मंदिर, थाकैहै श्री धर्मशास्त्र मंदिर, मुल्लाक्कल मंदिर, एडाथुआ चर्च, अलाप्पुझा सीएसआई मसीह चर्च (केरल में सबसे पुराने अंगरेज़ी चर्च) एंड चंपाकुलम वालिया पल्ली के एक दृश्य की पेशकश कर रहे हैं। कृष्णापुरम महल कळावं के बारे में 30 किमी शहर के उत्तर में कोडं मंदिर जहाँ श्री नारायण गुरु दर्पण स्थापित किया गया है भी कई पर्यटकों को आकर्षित करती है। स्वादिष्ट अम्बलाप्पुज़ह पायसम एक लोकप्रिय मिठाई है। कॉयर अलाप्पुझा में निर्मित सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है। कॉयर बोर्ड 1955 जूट उद्योग अधिनियम, के प्रावधानों के तहत केन् द्र सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। एक कॉयर अनुसंधान संस्थान में कालवूर है। इस पृष्ठभूमि में, अध्ययन और करके, विश्लेषण प्रस्तावों के दृश्य में शहर 2031 के लिए।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना, **IV** वर्ष- **VII** सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	क्षेत्रीय योजना, धारवाड़ जिला (कर्नाटक)
प्रभारी प्राध्यापक:	श्वेता शर्मा
चित्रशाला संक्षिप्त:	

धारवाड़ के लिए परिचय परिचय धारवाड़ जिला उत्तरी आधे कर्नाटक राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। . जिला 4263 वर्ग मीटर का एक क्षेत्र शामिल हैं। 15002 के अक्षांशीय समानताएं 'और 15,051' उत्तर और 73,043 'और 75035' के देशांतर पूर्व के बीच झूठ बोल किलोमीटर। जिले गडग जिले से बेलगाम के जिला द्वारा उत्तर, पूर्व पर घिरा है, दक्षिण हावेरी पर और उत्तर कन्नड़ जिले से पश्चिम पर। इन सभी जिलों, जो धारवाड़ जिले के चारों ओर, कर्नाटक राज्य में ही लिए हैं। हिंदुओं का बहुमत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पाए जाते हैं। जिले की जनसंख्या मुख्य रूप से 3 श्रेणियों, अर्थात्।, मुख्य कार्यकर्ता, सीमांत कार्यकर्ताओं और गैर-कार्यकर्ताओं में बांटा गया है। जिले में सूखी खेती कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि अब भी श्रम प्रधान उद्योग है। इसलिए जिले इसकी जनसंख्या में श्रमिकों के एक औसत से ऊपर अनुपात है और मौसमी कर्मचारियों के लिए अवसर प्रदान करता है। जिले उष्णकटिबंधीय क्षेत्र है, जो काफी हद तक मानसून से प्रभावित होता है में गिर जाता है। यह बताते हैं कि जिला कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है, और यह भी कि कृषि जिले के ग्रामीण क्षेत्र के पूरे में मुख्य व्यवसाय है। इसलिए अर्थव्यवस्था, अर्थात, व्यापार और वाणिज्य के अन्य गतिविधियां पूरी तरह से कृषि पर निर्भर हैं। मानसून के रूप में प्रकृति में अत्यधिक अनिश्चित है और वहाँ के रूप में कोई बड़ी सिंचाई परियोजना या जिले के किसी भी पनबिजली पैदा स्टेशन है, वहाँ शुष्क भूमि खेती के उच्च डिग्री है। खनिज संपत्ती काफी प्रभावशाली नहीं है और वन धन उतना ही बदसूरत है। विनिर्माण उद्योग, विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। हुबली और धारवाड़ राज्य में प्रमुख वाणिज्यिक केन्द्रों में से दो हैं।

प्रसंग - धारवाड़ तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के माध्यम से गुजर रहा प्रायद्वीपीय क्षेत्रीय औद्योगिक विकास गलियारे (गर्व), प्रभावित जिलों में से एक होगा।PRID एक औद्योगिक गलियारे संभावित मजबूत परिवहन और औद्योगिक कनेक्टिविटी इन राज्यों को जोड़ने प्रदान कर रहा है। इस गलियारे के पहले चरण के लिए बंगलौर चेन्नई से होगा, जबकि दूसरा चरण बंगलोर से मुंबई के लिए होगा। नए शहरों और जिलों मुंबई और बंगलौर, सृजन निवेश परियोजनाओं को 25 अरब डॉलर मूल्य के बीच एक 1000 किमी (600 मील) गलियारे साथ विकसित किया जाएगा। कर्नाटक में, गलियारे एक सड़क लंबाई 550 किमी (23 प्रतिशत) और रेल लंबाई 330 किमी (41 प्रतिशत) शामिल हैं। प्रस्तावित योजना के अनुसार, गलियारे चित्रदुर्गा, धारवाड़ और बेलगाम के माध्यम से समाप्त हो जाएगी। गलियारे के दोनों ओर 150 किमी के विकास में तेजी लाने की उम्मीद है। T कॉरिडोर बन हो जाने की उम्मीद है राज्य के औद्योगिक और ऊर्जा रीढ़। यह इस क्षेत्र का आर्थिक लाभ दिलाने और विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा।
काम का दायरा - क्षेत्रीय योजना के विकास के लिए परिकल्पित किया गया है काम की गुंजाइश छह व्यापक कार्य शामिल हैं:

1. पृष्ठभूमि अध्ययन और समस्याओं और अवसरों के एक विश्लेषण
2. भविष्य के लिए एक दृष्टि विकसित करना
3. विकल्प को विकसित / परिदृश्य
4. सार्वजनिक और हितधारकों के साथ परामर्श
5. इस योजना और भूमि विकास मानचित्र का उपयोग करें

कार्य 1: पृष्ठभूमि विश्लेषण और अध्ययन
धारवाड़ जिला एक क्षेत्रीय सरकार या अन्य संगठन है कि एक भूमि उपयोग योजना जनादेश इस क्षेत्र की सीमा के लिए गठबंधन किया है नहीं है। जबकि शहर सरकारी विभागों, एक पूरे के रूप में इस क्षेत्र से संबंधित कुछ

सामग्री हो सकता एक आधार स्तर डेटा, जानकारी और जिस पर इस परियोजना पर निर्भर सकता अध्ययन के क्षेत्र का अभाव है। व्यापक मुद्दों की जरूरत को रेखांकित किया और यह क्या संदर्भ में के आधार पर जानकारी की आवश्यकता है और कैसे जानकारी और विश्लेषण प्रोजेक्ट में उपयोग किया जाएगा के रूप में प्रकाश डाला जा करने के लिए की जरूरत है। जनसंख्या के अनुमानों इस क्षेत्र के लिए उत्पादन किया जाएगा और ये जनसंख्या और जनसांख्यिकी के लिए आधार होगा संबंधित विश्लेषण।

कार्य 2: भविष्य के लिए एक दृष्टि विकसित

हितधारकों और क्षेत्रीय योजना के विकास में विचार किया जाएगा अलग हितों की एक संख्या हैं। इसलिए, एक सपना है कि योजना के लिए समग्र दिशा पर एक आम सहमति हासिल करने की कोशिश करता है के विकास एक सार्थक पहल किया जा करने के लिए माना जाता है। भविष्य के लिए दृष्टि नेतृत्व समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा और मार्गदर्शन नीति काम है कि क्षेत्रीय योजना के विकास में ही किया जा सकता। विषय-वस्तु विजन के हिस्से के रूप में बाहर fleshed जा करने के लिए रहने योग्य क्षेत्र हो सकता है, जीवन, पर्यावरण, परिवहन, संस्कृति और विरासत, अर्थव्यवस्था, गुणवत्ता की गुणवत्ता पीने के पानी, आदि

कार्य 3: वैकल्पिक / विकसित परिदृश्य

परिदृश्यों कि निपटान और विकास, आर्थिक अनुमानों और नीतिगत फैसलों के विभिन्न संयोजनों को प्रतिबिंबित का निर्माण किया जाएगा। इन परिदृश्यों की पृष्ठभूमि अध्ययन और विश्लेषण से परिणाम है कि विकास के लिए बाधाओं को पहचानना जबकि बुनियादी सुविधाओं, भूमि का उपयोग करता है, और परिवहन कनेक्शन के लिए आवश्यकताओं को समझाने के लिए उपयोग किया जाएगा। परिदृश्यों के एक दृश्य प्रारूप सड़क दर्शाती है कि आसानी से सार्वजनिक नीति है कि चुना जाता है में मतभेद संप्रेषित करने के लिए के रूप में पठनीय है में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

कार्य 4: सार्वजनिक और हितधारकों के साथ परामर्श

परियोजना के दौरान सार्वजनिक और हितधारक विमर्श आयोजित किया जाएगा। आदानों और मांगा जाएगा कि स्थानीय हितों की रक्षा कर रहे हैं यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रासंगिक स्थानीय विभागों से प्राप्त किया।इस परियोजना का परामर्श घटक एक क्षेत्रीय योजना की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। परामर्श प्रक्रियाओं पारंपरिक परामर्श प्रथाओं के बाहर खिंचाव अभिनव आउटरीच मीडिया, तरीके और तकनीक है कि खबर मीडिया में और हितधारकों के साथ ब्याज और जनता में क्षेत्रीय योजना के प्रोफ़ाइल बढ़ा देंगे, शामिल करने के लिए होगा। मीडिया यात्रियों, फोन में टिप्पणी, वेबसाइट, ऑनलाइन सर्वेक्षण और सगाई क्षेत्रीय योजना को बढ़ावा देने के लिए समाचार मीडिया के शामिल हो सकते हैं उपयोग किया जा सके। इसके अलावा, परामर्शी प्रक्रिया एक संगोष्ठी या घटनाओं है कि सूचना और क्षेत्रीय योजना और मुद्दों पर जनता संलग्न होगा की श्रृंखला में शामिल हो सकता है।

कार्य 5: क्षेत्रीय योजना और मानचित्र का विकास

इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य धारवाड़ जिले के लिए एक क्षेत्रीय योजना और भूमि उपयोग मानचित्र की तैयारी है। इसलिए, प्रयोगशाला से कुंजी डिलिवरेबल्स एक क्षेत्रीय योजना और साथ भूमि उपयोग मैप्स शामिल होंगे।

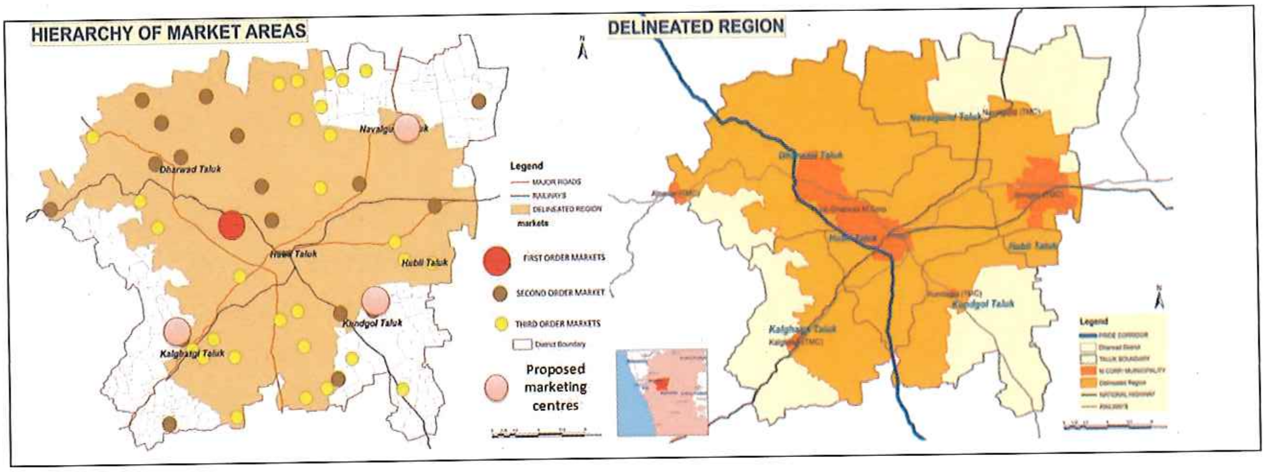

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	बी. योजना, IV वर्ष-VIII सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	योजना थीसिस
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. नटराज क्रांति

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (एकीकृत सेमेस्टर) I वर्ष - I सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	क्षेत्र योजना स्टूडियो, नूजीविड (कृष्णा जिला, एपी), विजयवाड़ा और अमरावती (गुंटूर जिला, एपी)
प्रभारी प्राध्यापक:	मक्बूल अहमद, अंजू जॉन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

मुक्कोलालुपाडु ग्राम, नुज्विद, कृष्णा जिले के विकास की योजना

अध्ययन का उद्देश्य मुक्कोलालुपाडु गांव के जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए गया था, अध्ययन क्षेत्र के उद्देश्यों को गांव के सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने, कृषि संसाधनों और भूमि उपयोग पैटर्न का आकलन गांव के बुनियादी ढांचे के परिदृश्य का विश्लेषण करने के लिए गए थे । अध्ययन का उद्देश्य इस तरह से डेटा संकलन करने के लिए के रूप में, आवश्यकताओं की पहचान के हस्तक्षेप के क्षेत्रों, और एक दस्तावेज़ ग्राम विकास योजना की तैयारी की सुविधा के लिए तेज आंखों टिप्पणियों और अनुभवों के साथ उनकी समस्याओं का विश्लेषण करने के बाद समुदायों की बुनियादी जरूरत को जानने के लिए किया गया था, लक्षित क्षेत्र के ढांचागत जरूरतों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता, भारत सरकार के साथ नेटवर्किंग / भागीदारी के अवसर तलाशने के लिए करने के लिए, कार्यों के लिए एक संदर्भ के रूप में इस्तेमाल किया "सामुदायिक भागीदारी" और अधिक लोगों को वास्तव में बाद में कार्रवाई अपने आप में शामिल हो। स्थानीय निकायों की योजना और लक्ष्य क्षेत्र के समग्र विकास की अगुआई सरकार / स्थानीय निकायों, केन्द्रीय / राज्य के तत्कालीन/ मौजूदा हस्तक्षेप के संदर्भ में की जरूरत और उपलब्ध संसाधनों के बीच अंतराल का विश्लेषण करने के कपट की वजह से संसाधनों की बर्बादी से बचने के लिए हस्तक्षेप।

मुक्कोलालुपाडु गांव के पूरे क्षेत्र के एक अध्ययन के क्रम में सुविधाओं और क्षेत्र की कमियों को समझने के लिए और पहलुओं है कि संरक्षित करने और उन क्षेत्र के पुनर्विकास योजना में संशोधित किया जा करने के लिए बाहर खोजने के लिए बाहर किया गया था। पूर्व-परीक्षण साइट की पहचान करने के लिए पहली बार किया गया था। स्ट्रीट मानचित्रण सड़क विशेषताओं टिप्पण किया गया था। विभिन्न सर्वेक्षणों ठीक से समझने के लिए शहर से बाहर किया गया था। यह सड़क इन्वेंटरी शामिल; परिवार सवेक्षण; औपचारिक क्षेत्र सर्वेक्षण; अनौपचारिक क्षेत्र

सर्वेक्षण, विश्लेषण प्राथमिक डेटा और इन सर्वेक्षणों से एकत्र माध्यमिक डेटा पर किया गया है। सुविधाओं के प्रत्येक क्षेत्र की प्रमुख विशेषताओं पता लगाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के रूप में विस्तार के साथ पेश किया गया है। मुद्दों और सभी की समस्याओं में सुधार के लिए उन्हें पुनर्विकास की प्रक्रिया में पहले महत्व है के रूप में महत्व दिया गया है।

सामाजिक-आर्थिक स्थिति, भूमि उपयोग, भौतिक बुनियादी ढांचे, सामाजिक बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था, हरे और नीले रंग के रिक्त स्थान के लिए संबंधित विश्लेषण माना गया है और विभिन्न संकेतक गांव की शर्तों का विश्लेषण करने के लिए प्राप्त किया गया है। सिंचाई के लिए प्राकृतिक जल निकायों, पानी और भूमि संरक्षण तकनीक के गैर क्रियान्वयन के अभाव जैसे विभिन्न मुद्दों पर खुली नालियों और जल जमाव, लोगों को खुले में शौच का अभ्यास, सरकारी योजनाओं और इसके कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता की कमी है, सभी आंतरिक सड़कें दुर्गम मध्यम के बाद बनने के लिए और भारी बारिश, सार्वजनिक परिवहन, बायोगैस संयंत्र, सौर ऊर्जा, आदि जैसे ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोतों के उपयोग के बारे में जागरूकता की कमी के कोई बार-बार उपयोग किया है

अध्ययन के परिणाम को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित ग्राम विकास के दिशा निर्देशों के शहरी क्षेत्रों के साथ बराबरी पर रहने के मानक गुणवत्ता प्राप्त करने के साथ लाइन में ग्राम विकास योजना की तैयारी थी।

साइट योजना - वाम्बे कॉलोनी

साइट के विकास की योजना डिजाइन हस्तक्षेप के माध्यम से एक साइट स्तर पर सूक्ष्म स्तर योजना को समझने के लिए करना है। 10 हेक्टेयर की साइट के छात्रों को जो वाम्बे कालोनी के पास विजयवाड़ा के बाहरी इलाके में स्थित है के लिए प्रदान की जाती है।छात्रों के लिए योजना और डिजाइन आवासीय लेआउट ग्रुप हाउसिंग के लिए आवश्यक और आवास विचारों में समाज, भूवैज्ञानिक, भौगोलिक, स्थलाकृतिक, शारीरिक साइट की शर्तों के विभिन्न तबके लेने के प्लॉट किए जाते हैं। इसके अलावा, डिजाइन बाजार को संबोधित करेंगे आवास क्षेत्र में आवश्यकताओं की मांग। आवासीय परिक्षेत्रों " गजेटेड विकास" अपने स्वयं सुविधाओं और सुविधाओं के होने के रूप में विकसित कर रहे हैं।

ग्रुप हाउसिंग न्यूनतम किया जा रहा है दो बेडरूम के लिए 90 वर्ग मीटर और तीन बेडरूम के लिए 120 वर्ग मीटर और टाइप **1** और टाइप द्वितीय के लिए 1501 वर्ग मीटर के लिए 120**sq.m** के साथ आवास साजिश रची साजिश रची लिए आवश्यकताओं के विकास के लिए विचार किया गया है। 50% ग्रुप हाउसिंग और 50% साजिश रची आवास, 100 डु / हेक्टेयर - - 60% ग्रुप हाउसिंग यह कोशिश करते हैं और 80 डु / हेक्टेयर की अनुमत आवासीय घनत्व विविध के अनुसार एक इष्टतम रास्ते में अंतरिक्ष का सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए संभावित छात्रों में लाता है और 40% आवास साजिश रची और 110/ हेक्टेयर 70% ग्रुप हाउसिंग और 30% आवास साजिश रची।

छात्र प्रारंभिक चरण में धारणा अध्ययन, रिपोर्ट के माध्यम से साइट विश्लेषण करते हैं और वैचारिक योजना तैयार करने की उम्मीद है। इसके अलावा, सड़कों का संकेत एक आवास लेआउट, साजिश रची और ग्रुप हाउसिंग विकास और बुनियादी सुविधाओं के विभिन्न डिजाइन के माध्यम से विकसित किया जाना है। इकाई के स्तर पर ब्लॉक योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अनुमानों अंतिम प्रस्तुत करने के भाग के रूप में तैयार किया जाता है। काम के परिणाम के प्रत्येक छात्र को एक आवास ब्लॉक लेआउट प्रस्तुत करने की आवश्यकता थी।विविध घनत्व, सामाजिक-समग्रता के विभिन्न अवधारणाओं को बाहर काम करने के लिए सक्षम उपविधियों, मानदंडों और आंध्र प्रदेश सरकार के आदेश के अनुसार घनत्व हासिल करने के लिए स्ट्रटेजिजद रहे हैं। बुनियादी ढांचे और साइट स्तर पर आवश्यक सेवाएं भी प्रदान की
जाती है गजेटेड समुदाय के शहरविकास बराबर समावेशी विकास को बनाए रखने के लिए। बुनियादी ढांचे और साइट स्तर पर आवश्यक सेवाएं भी प्रदान की
जाती है गजेटेड समुदाय के शहरविकास बराबर समावेशी विकास को बनाए रखने के लिए।

अमरावती के लिए जोनल विकास योजना

स्टूडियो शहर स्तर पर जोनल विकास योजना की तैयारी पर केंद्रित है। मामला क्षेत्र अमरावती जोनल विकास योजना की तैयारी के लिए चुना गया है। यह एक राजधानी के रूप में शहर के विकास के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में पहचान की गई है। स्टूडियो आंचलिक विकास योजना की तैयारी के लिए इस प्रक्रिया को समझने पर केंद्रित है। अमरावती एक ग्राम पंचायत में भारत के दक्षिण पूर्वी राज्य आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में स्थित है। प्राचीन मंदिरों, बौद्ध स्तूप, प्राचीन कला, अमरावती स्कूल ऑफ आर्ट और ऐतिहासिक मकान अभी तक पर्याप्त रूप से शोध किया, प्रलेखित, संरक्षित पदोन्नत हो रहे हैं और के लिए महान आध्यात्मिक पर्यटन महत्व के साथ एक ऐतिहासिक शहर और शहर के प्रसिद्ध हैं। अमरावती, हिंदुओं और बौद्धों, दोनों के लिए तीर्थ यात्रा का एक केंद्र रहा साल भर में कई आगंतुकों को आकर्षित करती है। इसके अमूर्त विरासत की सबसे तत्काल सुरक्षा की जरूरत है।

अमरावती के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के कारण, यह हृदय योजना (हेरिटेज सिटी के विकास और संवर्धन योजना) शहरी विकास मंत्रालय द्वारा (शहरी विकास मंत्रालय) के तहत **12** शहरों में से एक विरासत के रूप में पहचान की गई है। यह भी एक संभावित पर्यटन और प्रसाद योजना (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन ड्राइव पर राष्ट्रीय मिशन) पर्यटन मंत्रालय (चुटकुला) के तहत धार्मिक स्थल के रूप में पहचान की गई है।स्टूडियो के साथ एक साहित्य अध्ययन की तैयारी के आंचलिक विकास योजना, अपने दायरे और सीमाएँ समझने के लिए शुरू कर दिया। विरासत कस्बों और शहर है जो धार्मिक महत्व, पर्यटकों के आकर्षण और जल निकायों जैसे वाराणसी, बादामी, कर्नाटक और आगरा था विरासत विशेषताओं और विकास को समझने के लिए अध्ययन किया गया। आधारभूत अध्ययन क्षमता विरासत कस्बों, मुद्दों और बुनियादी ढांचे के विकास, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस् थागत पहलुओं के संदर्भ में बाधाओं का विश्लेषण करने के लिए आयोजित की गई

इस समझ के साथ, हम अमरावती मंडल में अमरावती और धरणीकोटा गांवों के लिए एक क्षेत्र अध्ययन को समझते हैं और क्षेत्र और विरासत स्थलों की प्रोफाइल का विश्लेषण करने के लिए रवाना हुए। विभिन्न सर्वेक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें धारणा के अध्ययन, घरेलू सर्वेक्षण, परिवहन सर्वेक्षण, पर्यटन सर्वेक्षण, हितधारक विचार-विमर्श भी शामिल है। रिपोर्ट के रूप में दस्तावेज शहर के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करने के लिए एकत्र हुए थे। अध्ययन के क्षेत्र में, दृष्टि के निर्माण पर मौजूदा स्थितियों के आधार पर, उद्देश्य और उद्देश्यों से किया गया था। संग्रहीत डेटा सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में विश्लेषण किया गया था और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति। क्षेत्रीय स्तर पर मुद्दों और समस्याओं की पहचान की गई और नीति हस्तक्षेपों के माध्यम से उचित रणनीति के विकास विरासत शहर के लिए सुझाए गए थे।

स्टूडियो के अंतिम परिणाम डिजाइन प्रस्तावों, नीतिगत सुझाव और क्षेत्रीय स्तर पर अध्ययन के क्षेत्र के विकास के लिए सिफारिशें की तैयारी थी। कार्य योजना में पर्यटन विकास को बढ़ाने के लिए बुनियादी सुविधाओं के प्रावधानों के साथ आठ विरासत स्थलों पर तैयार किया गया है।

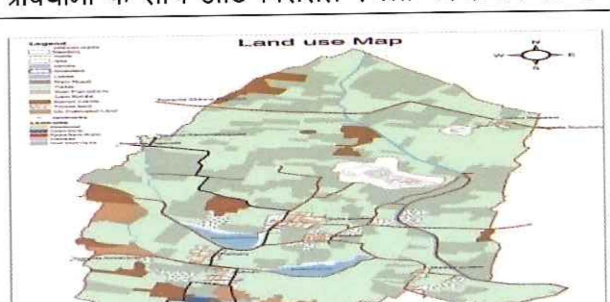

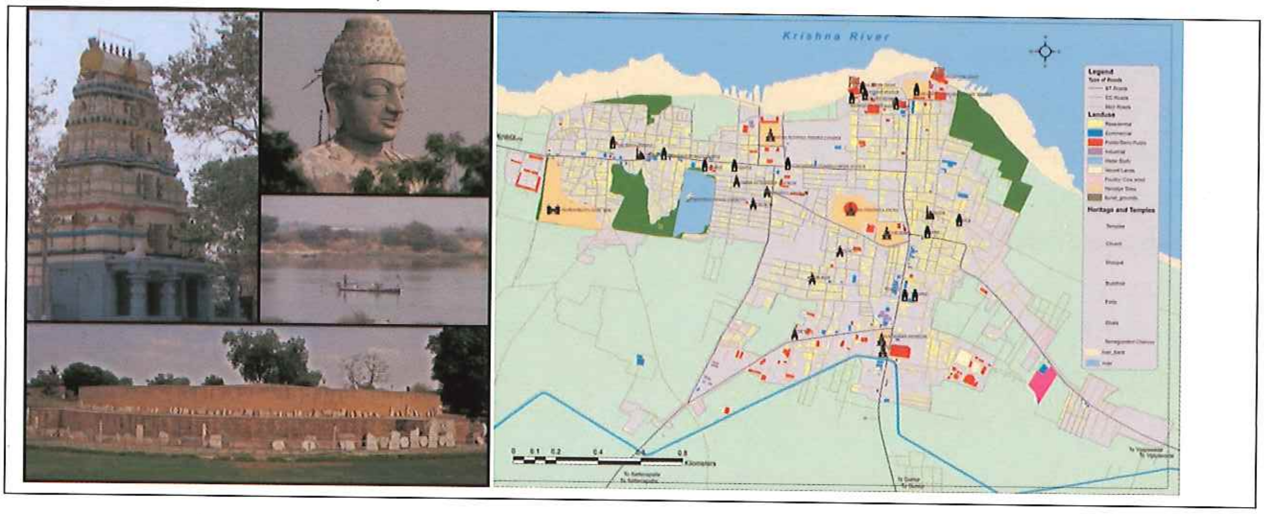

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) I वर्ष - II सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	गांधी नगर राजधानी क्षेत्र
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्मद, प्रशांत वर्धन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

इस शैक्षणिक स्टूडियो का मूल उद्देश्य कौशल सेट है कि विकास के मुद्दों और क्षमता को समझने द्वारा शहरी क्षेत्रों / क्षेत्रों के लिए मास्टर प्लान / विकास योजना की तैयारी में मदद के साथ छात्रों से लैस है। इस अभ्यास भी मदद करता है छात्रों को एक मास्टर प्लान / विकास योजना, विभिन्न भूमि के उपयोग की अवधारणाओं की योजना बनाने की प्रक्रिया पर पृष्ठभूमि साहित्य की समीक्षा शुरू करने के लिए और दृष्टि तैयार करने के लिए स्थानिक योजना के लिए दृष्टिकोण; करना है और मामले के क्षेत्र के लिए उद्देश्यों।

अध्यन क्षेत्र: गांधीनगर, गुजरात की राजधानी शहर

आंध्र प्रदेश और प्रगति की नवगठित राज्य साइट उपयुक्तता के वैज्ञानिक मापदंड, अमरावती राजधानी के लिए एक भूमि उपयोग योजना (मास्टर प्लान) की तैयारी पर काम करता है के द्वारा पीछा करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा हासिल करने में एक राजधानी साइटींग के प्रोत्साहन, छात्रों के एक दे दिया है अच्छी समझ / मौजूदा शहरी भूमि प्रबंधन के समग्र गतिशीलता सीखने का मौका। विशेष रूप से, एक राजधानी शहर है और इस प्रक्रिया योजना बनाने के लिए आया है।. अनुभव और मास्टर प्लान / विकास योजना के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए छात्रों के बीच इस ज्ञान के आधार का विस्तार करने के लिए, गांधीनगर राजधानी में एक मामला क्षेत्र के रूप में चयन किया गया है। गांधीनगर भारत में एक नियोजित शहर और गुजरात के एक प्रशासनिक राजधानी है।

राजधानी के पहले मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी और 2011 और 2014 में 1966 में 2004 में विकास योजना और एक एकीकृत मास्टर प्लान के द्वारा पीछा में लागू हो गया। के रूप में शहर के संशोधन के साथ तीन भूमि उपयोग की योजना आया है और भूमि उपयोग योजना के कार्यान्वयन के पूरा कर लिया है, गांधीनगर राजधानी और आसपास के माहौल के लिए एक मंच सेट छात्रों, विश्लेषण करने के लिए मूल्यांकन करने और समझने के लिए भूमि उपयोग की योजना बना, भूमि प्रबंधन और बुनियादी सेवाओं, आदि से संबंधित विकास के मुद्दों है। इसके अलावा, गांधीनगर राजधानी क्षेत्र शहरी परिधीय नियंत्रण अधिनियम के दायरे में था, विकास की तीव्रता को नियंत्रित करने के लिए। 1996 में इस अधिनियम की वापसी पर बाद के प्रयासों को एक छिटपुट तरीके, जो राजधानी क्षेत्र के विकास की दिशा के लिए सुझाव है इस अभ्यास के दायरे में फैली में परिधीय क्षेत्रों के स्थानिक

विस्तार हुई है।

शैक्षणिक अभ्यास के दृष्टिकोण - इस शैक्षणिक अभ्यास के बहुत शुरुआत विषयों, भारत में मास्टर प्लान के प्रति पारंपरिक और परंपरागत तरीके पर साहित्य और पृष्ठभूमि की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है; संबंधित यूडीए अधिनियमों के अनुसार वैधानिक प्रावधानों; स्थानिक योजना और सैद्धांतिक दृष्टिकोण बनाने की प्रक्रिया की योजना बनाने से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं। इस गांधीनगर, नई रायपुर और आंध्र प्रदेश की नई राजधानी का मास्टर प्लान की समीक्षा के बाद है। डेटा संग्रह और प्राथमिक सर्वेक्षण के लिए क्षेत्र का दौरा करने के लिए जाने से पहले, अध्ययन के क्षेत्र में और विस्तार से पहले मास्टर प्लान की समीक्षा की सामान्य रूपरेखा के विकास की चिंताओं के बारे में विस्तार से विश्लेषण किया जा रहे थे कि कुछ उजागर करने के लिए बाहर किया गया है।

मौजूदा स्थिति का आकलन (ईएसए) और सामरिक आकलन - राजधानी के क्षेत्रवार विश्लेषण मास्टर प्लान के दायरे के अनुसार किया जाता है। राजधानी के तत्काल प्रभाव क्षेत्र है, जो गुडा गांवों और शहरी क्षेत्रों में शामिल भी एक व्यापक स्तर पर विश्लेषण कर रहे हैं बुनियादी सेवाओं की मौजूदा स्थिति के साथ स्थानिक विकास परिदृश्यों उपयुक्त करने के लिए। शहरी परिधीय नियंत्रण, टाउन प्लानिंग योजनाएं और राजधानी जटिल, जोनिंग रणनीतियों और विकास नियंत्रण नियमों के भीतर भूमि की आपूर्ति पर सरकारी नियंत्रण ईएसए पर विस्तार से निपटा महत्वपूर्ण पहलू हैं। राजधानी के विकास की योजना (2031), ग्रीन स्वच्छ और सोलर सिटी पर परिकल्पना की गई और ईएसए भी सराहना करते हैं और संबंधित स्थानिक योजना मास्टर प्लान में आया सिद्धांतों की स्थिति के लिए कोशिश की है। स्थानिक योजना तकनीक है, जो जनसांख्यिकीय अनुमानों, मौजूदा जनसंख्या की उम्र सेक्स रचना अनुमानों, स्थान भागफल शामिल .हैं में से कुछ; एमओयूडी, भूमि उपयुक्तता और भूमि वहन क्षमता, आदि की सेवा स्तर के मानक के इस स्तर पर किया जाता है।सभी अनुमान का एक सारांश, चिंताओं पर प्रकाश डाला गया है और उन के बीच में कुछ विस्तृत कार्य के लिए चुने गए हैं। ईएसए और अध्ययन के क्षेत्र की क्षमता के समग्र अनुमान के आधार पर, गांधीनगर में एक 'कॉम्पैक्ट और कार्बन कुशल सिटी' के रूप में स्टूडियो की दृष्टि के रूप में माने है। प्रत्येक समूह अपने संबंधित क्षेत्रों पर काम कर रणनीतियों दृष्टि समर्थन तैयार करने का प्रयास किया है। जनसांख्यिकी, जनसंख्या अनुमान और वितरण राजधानी के भीतर और प्रभाव क्षेत्र मौजूदा और प्रस्तावित आर्थिक हस्तक्षेप के आधार पर बाहर काम किया है से; निपटान पदानुक्रम एक व्यापक स्तर पर स्थापित किया गया है प्रभाव क्षेत्र में भविष्य आबादी वितरित करने के लिए। इस आवास की मांग और आपूर्ति के संयोजन के रूप में मूल्यांकन और भूमि उपयोग की आवश्यकताओं विनियोजित है।इससे पहले मास्टर प्लान की दृष्टि का विस्तार, अर्थव्यवस्था में विविधता लाने के लिए, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उस अवधारणा का समर्थन और बुनियादी और गैर-बुनियादी काम है कि प्राप्त किया जा सकता है की स्थापना प्रासंगिक आर्थिक कार्यों के सुझाव पर ध्यान केंद्रित किया है। भूमि प्रबंधन, सघनीकरण रणनीतियाँ, टी.पी. योजनाएं, मिश्रित उपयोग और कॉम्पैक्ट विकास के लिए विकल्प, कम कार्बन, पार्किंग, उम्र के अनुकूल दृष्टिकोण और विनियमों कुछ क्षेत्रों है कि उपयोग के लिए भूमि कर रहे हैं; आवास एवं परिवहन क्षेत्र में विस्तार से काम किया है शैक्षणिक अभ्यास के सभी समग्र अवधारणा का समर्थन। राजधानी के भीतर और प्रभाव क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए विभिन्न रणनीतियों के द्वारा पीछा एसाएल्बीएस पर सिफारिशें विकास की लागत का आकलन करने के साथ बाहर काम कर रहे हैं। प्रस्तावित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वित्त के सूत्रों ने यह भी पहचाने जाते हैं। इस शैक्षिक व्यायाम पहले की योजना के दृष्टिकोण के अनुसार है और स्वच्छ, हरी रणनीतियों पर स्थानिक योजना सिद्धांतों फैली हुई है।

व्यायाम की सीमाएं - चार चरण / अलग-अलग परिवहन मॉडलिंग, अर्थमितीय मॉडलिंग और नीति संशोधन के कुछ सीमाएँ हैं कि व्यायाम को शामिल करने में सक्षम समय और संसाधनों की कमी की वजह से नहीं किया गया है।

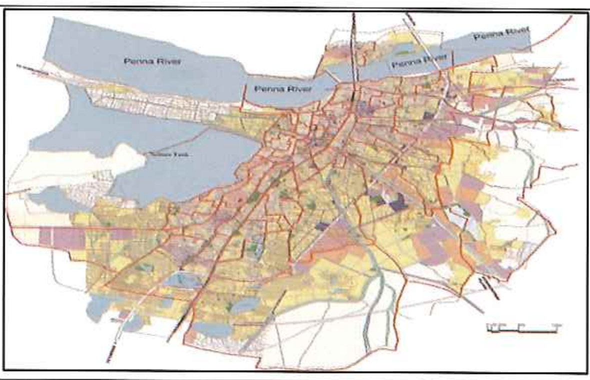

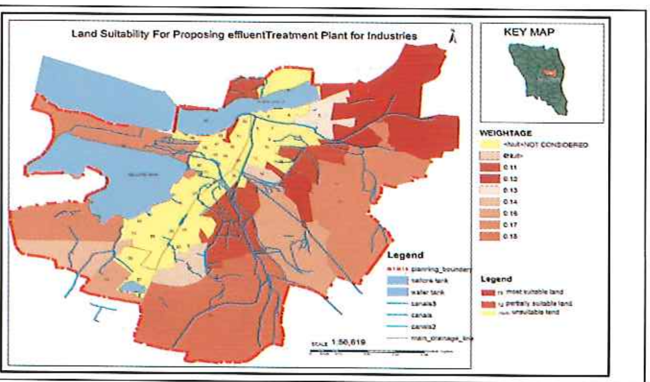

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) II वर्ष - III सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	क्षेत्रीय योजना स्टूडियो, पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्मद,, साकेरी रामया
चित्रशाला संक्षिप्त:	

स्टूडियो फोकस पुडुचेरी संघ शासित क्षेत्र (यूटी), तमिलनाडु के कुछ जिलों में बहुत बारीकी से प्राकृतिक संसाधनों (पानी, पारिस्थितिक तंत्र, समुद्र तट), जलवायु, ऐतिहासिक लिंक, संस्कृति, धर्म, भाषा के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं से घिरा पर था , पर्यटन, व्यापार और व्यापार, और परिवहन। यह भौगोलिक दृष्टि से आसन्न बस्तियों क्षेत्रीय योजना और विकास से एक दृश्य की जरूरत है।

पुडुचेरी पूर्वी तट 162 किलोमीटर के बारे में चेन्नई के दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पर स्थित है। पुडुचेरी के केन्द्र शासित प्रदेशों के चार तटीय क्षेत्रों अर्थात् पुडुचेरी, कराईकल, माहे, और यनम के शामिल हैं। पुडुचेरी और कराईकल पूर्व केरल में पश्चिम तट पर तमिलनाडु, यनम आंध्र प्रदेश में पूर्वी तट पर, और माहे में तटों पर स्थित हैं। पूर्व में पुडुचेरी क्षेत्र सीमा बंगाल की खाड़ी है और अन्य तीन तरफ से तमिलनाडु राज्य के कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिलों है। यह एक सटे क्षेत्र लेकिन तमिलनाडु राज्य के कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिले के कुछ भागों के साथ बीच-बीच में नहीं है। यह कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिलों के भीतर संलग्न बिखरे हुए विकास की एक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पुडुचेरी पूर्वी तट 162 किलोमीटर के बारे में चेन्नई के दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पर स्थित है। पुडुचेरी के केन्द्र शासित प्रदेशों के चार तटीय क्षेत्रों अर्थात् पुडुचेरी, कराईकल, माहे, और यनम के शामिल हैं। पुडुचेरी और कराईकल पूर्व केरल में पश्चिम तट पर तमिलनाडु, यनम आंध्र प्रदेश में पूर्वी तट पर, और माहे में तटों पर स्थित हैं। पूर्व में पुडुचेरी क्षेत्र सीमा बंगाल की खाड़ी है और अन्य तीन तरफ से तमिलनाडु राज्य के कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिलों है। यह एक सटे क्षेत्र लेकिन तमिलनाडु राज्य के कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिले के कुछ भागों के साथ बीच-बीच में नहीं है। यह कुड्डालोर और विल्लुपुरम जिलों के भीतर संलग्न बिखरे हुए विकास की एक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) II वर्ष – IV सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	योजना थीसिस
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. अय्यन के तरफदार

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (पर्यावरण योजना एवं प्रबंधन) I वर्ष - II सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	पर्यावरण प्रबंधन योजना - नेल्लोर शहर
प्रभारी प्राध्यापक:	मकबूल अहमद, अंजू जॉन
चित्रशाला संक्षिप्त:	

नेल्लोर आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में, हाल ही में नामित श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर जिला, पहले से नेल्लोर जिले के रूप में जाना के सिर चौथाई है। तट से शहर की दूरी 25 किमी है। शहर 149.20 **sq.km** के एक क्षेत्र में फैला हुआ है, 2011 की जनगणना के अनुसार 6,00,869 आबादी के साथ। यह "चावल धान टाउन", जो उपजाऊ चावल धान के खेतों कि शहर में और आसपास पाए जाते हैं के लिए एक संदर्भ के रूप में जाना जाता है। यह वर्ष में धान की खेती के 8.5 लाख एकड़ अनुभव 2015-2016. नेल्लोर कपास और तिलहन उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार केंद्र है। शहर एक्वा-संस्कृति और चावल मिलों जैसे उद्योगों का समर्थन करता है। विभिन्न चावल मिलों के संदर्भ में अपने स्थान को देखते हुए, समुद्र से निकटता, व्यापार और वाणिज्य, और उपजाऊ कृषि भूमि, अध्ययन की पहचान की नेल्लोर नगर निगम क्षेत्र था की उपलब्धता के लिए बाजार केन्द्र की उपलब्धता। इसके अलावा, हाल ही में आई बाढ़ जो 2015 में हुई गंभीर नुकसान के लिए अग्रणी भी अध्ययन का एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में इस की पहचान करने के लिए एक कारण हैं।

स्टूडियो के उद्देश्य के लिए एक ही रास्ता है कि शहरी पर्यावरण सेवा और औद्योगिक विकास के निहितार्थ के साथ कॉप्स में नेल्लोर के विकास की ओर उन्मुख छात्रों को किया गया था। पृष्ठभूमि के अध्ययन के साहित्य की समीक्षा के हिस्से के रूप में आयोजित की गई पद्धति के बारे में छात्रों को मार्गदर्शन करने के लिए, विभिन्न तरीकों को समझने और अध्ययन के क्षेत्र का विश्लेषण करने के लिए अपनाया जा सकता है। स्टूडियो में और शहर के आसपास का उपयोग, पर्याप्तता, और क्षमता के स्तर भौतिक बुनियादी ढांचे (पानी की आपूर्ति, स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) से संबंधित, उद्योगों, शहरी हरे और नीले रंग के कवर और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित संकेतकों की पहचान के अधीन है। यह अपनी गुणवत्ता, मात्रा, उपलब्धता, स्वीकार्यता, रखरखाव, स्वास्थ्य और स्वच्छता अध्ययन के अनुसार व्यवस्था में बुनियादी सेवाओं के समान वितरण को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी भी की सूक्ष्म जलवायु परिस्थितियों में सुधार के लिए उद्योगों से संबंधित मुद्दों के पते औद्योगिक समूहों और औद्योगिक आधार के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के माध्यम से शहर।

डिमांड की जरूरत के आकलन से बाहर किए गए की जरूरत है और आवश्यकता के अनुसार सेवा स्तर के मुद्दों की पहचान करने के लिए। फोकस समूह चर्चा शहर के पर्यावरण के कमजोरी बनाए रखने के लिए सेवा स्तर में सुधार की दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न हितधारकों से विचार-विमर्श के रूप में दर्ज किया गया। हितधारकों के शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों, परस्तताल एजेंसियों (कृषि, उद्योग, आग, वन आदि), निर्वाचित प्रतिनिधियों से विभिन्न वार्डों आदि अध्ययन में यह भी दृश्य और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से शहर में हरे और नीले रंग के रिक्त स्थान की उपलब्धता करता शामिल थे। विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों भूमि उपयोग, उद्योगों, बुनियादी ढांचे की कमी, नीले और हरे रिक्त स्थान पर प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए इस्तेमाल किया गया।

व्यापक मुद्दों को रेखांकित किया और शहरी पर्यावरण सेवा, मलिन बस्तियों, उद्योगों, शहरी और हरे, नीले रिक्त स्थान के लिए संबंधित क्षेत्रीय स्तर पर प्रकाश डाला गया। यह प्रत्येक क्षेत्र के मुद्दों की रणनीति और सुधार के

लिए सिफारिश करने के लिए सक्षम बनाता है। इसके अलावा, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, प्रस्तावों और परिदृश्यों का निर्माण किया गया है कि बुनियादी ढांचे के अनुमानों और स्थानिक रूपों के विभिन्न संयोजनों को दर्शाते हैं। इन स्थितियों भूमि उपयुक्तता विश्लेषण विकास के माध्यम से करने के लिए बाधाओं को स्वीकार करते हुए आधारभूत संरचना, भूमि का उपयोग करता है, और हरे और नीले रंग के रिक्त स्थान के लिए आवश्यकताओं को वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। स्टूडियो के परिणाम अवधारणा अंतर्वेशन के और पर्यावरण के अनुकूल विकास की बेहतर समझ है। यह काम शहर टिकाऊ बनाने और पर्यावरण के प्रति गड़बड़ी को कम करने की दिशा में ले जाता है।

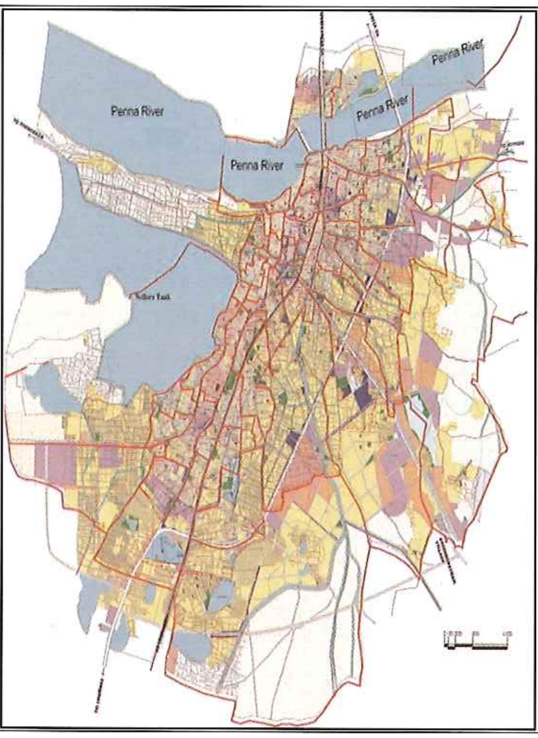

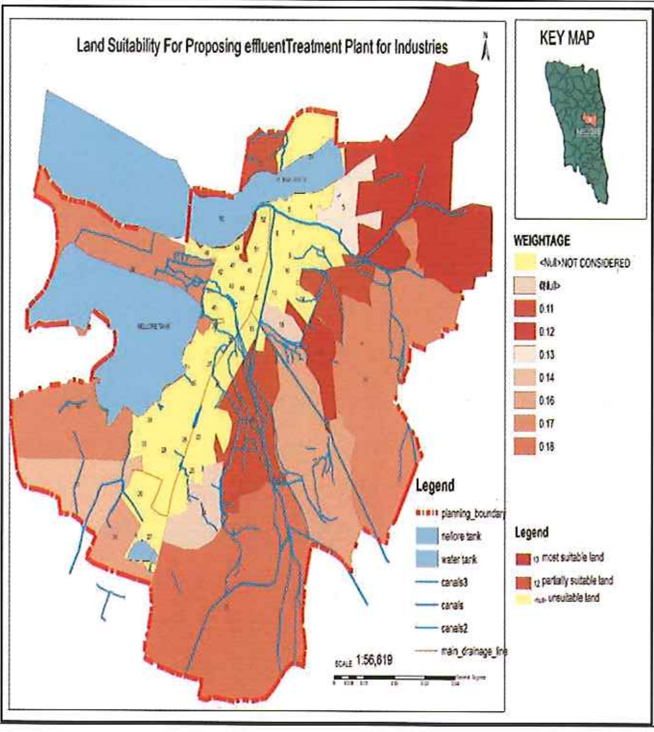

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (पर्यावरण योजना एवं प्रबंधन) II वर्ष - III सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	क्षेत्रीय पर्यावरण योजना, करईकल जिला (पुडुचेरी)
प्रभारी प्राध्यापक:	डॉ. अयन के तरफदार
चित्रशाला संक्षिप्त:	

पर्यावरण की योजना बना छात्रों में तीसरे सेमेस्टर एम. योजना कराईकल, पुडुचेरी (लगभग 2.2 लाख आबादी) है, जो चार क्षेत्रों है कि दक्षिण भारत में पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का गठन में से एक है के तटीय जिले लिया। कराईकल क्षेत्र तमिलनाडु राज्य की नागप्पत्तिनम और तिरुवरुर जिले से एम्बेडेड है और 46 किमी से पांडिचेरी के अपने मुख्यालय से अलग किया जाता है। यह जहां एक जिला भौगोलिक दृष्टि से अपने राज्य से अलग कर दिया और दूसरे राज्य में निहित है भारत में एक अद्वितीय स्थिति है। 160 वर्ग किलोमीटर जिले के बारे में 37 गांवों और इसका मुख्यालय के रूप में कराईकल शहर के साथ दो शहरी क्षेत्रों है। जिले की आय का प्रमुख स्रोत कृषि और मछली पकड़ने की है। कराईकल डेल्टा के गठन के साथ कुछ ज्वारनदमुख, सदाबहार और आर्द्रभूमि क्षेत्रों के साथ बिंदीदार 26 किमी की कुल समुद्र तट के साथ एक तटीय जिला है। इस 26**km** समुद्र तट में पांच स्थानों पर जहां विभिन्न नदियों, जो कावेरी नदी की सहायक नदियों, समुद्र सफर कर रहे हैं। वहाँ 12 बड़ी मछली पकड़ने के गांवों और करीब 25,000 मछुआरों (लगभग 6,000 परिवारों) जो मछली पकड़ने और कृषि पर निर्भर इन तटीय गांवों में रह रहे हैं। कराईकल भी लोहा और इएसपीएत रोलिंग मिलों, कताई मिलों, टाइल्स, पॉलिथीन, रबर और रासायनिक उद्योगों के एक नंबर है। क्षेत्र पर्याप्त उपजाऊ भूमि और थोड़ा शहरीकरण विकास दर है। विकास के संभावित विशाल है और पारिस्थितिकी पर्यटन के दायरे से पर्याप्त है।

क्षेत्र के लिए समय की एक उत्कृष्ट चौराहा जहां विकास फैसलों यह एक आत्मनिर्भर तरीके से विकसित करने के लिए, राज्य मुख्यालय से इसकी भौगोलिक दूरी को ध्यान में रखकर उठाए जाने की जरूरत पर खड़ा है, यह सभी के चारों ओर एक और राज्य से घिरा हुआ है और एक के रूप में अपनी क्षमता का किया जा रहा प्राचीन प्राकृतिक पीछे हटने क्षेत्र। इस समय में, योजना के दिशा निर्देशों उभरती / चौखटे कि निर्णय औद्योगीकरण या संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए संबंधित सहायता कर सकते हैं समय पर और तर्कसंगत हो सकता है

इस पृष्ठभूमि में, एम. योजना (पर्यावरण योजना) के अंतिम वर्ष के छात्रों को ले लिया अध्ययन और क्षेत्र का विश्लेषण अपने पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जैव-क्षमता की क्षमता और विकास की क्षमता के अपने शब्दों के लिए और एक सेमेस्टर में इस परियोजना को मार डाला।

ब्रॉड सीखना परिणाम:

व्यायाम के रूप में नीचे क्षेत्रीय पर्यावरण योजना ढांचे के भीतर पांच प्रमुख क्षेत्रों में छात्रों की समझ को बढ़ाया -

क) क्षेत्र में रिश्तेदार विकास की स्थापना का आकलन विस्तृत निपटान पदानुक्रम विश्लेषण के माध्यम से मौजूदा सुविधाओं के विकास पर आधारित है, प्रभाव और क्षमता के जलग्रहण विकास किया है और अन्य की पहचान की जा मापदंडों के लिए;

ख) के संरक्षण के लिए क्षेत्रों के विकास के लिए, बनाने के लिए एक इरादे से और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय भूमि कवर का आकलन। भूमि कवर विश्लेषण तटीय क्षेत्र विकास क्षमता को समझने के लिए किया जा रहा था;

ग) के विश्लेषण से क्षेत्रीय पानी बहाया क्षेत्रीय गतिविधियों के लिए बेहतर जल संसाधन प्रबंधन विकसित करने के लिए;

घ) के विकास के लिए विकास के इंजन (औद्योगिक, पर्यटन, मत्स्य और कृषि क्षेत्र के विश्लेषण के माध्यम से विकसित);

ई) समझौता इस क्षेत्र की जैव-क्षमता और वर्तमान खपत के रुझान के अनुसार जिले की आबादी के संभावित पारिस्थितिक पदचिह्न के आकलन के माध्यम से ले जाने की क्षमता और दोनों के बीच की खाई

को कम करने के तरीके सुझाने।

कार्य योजना:

2031 लक्ष्य वर्ष योजना के, और इसके बाद के संस्करण समझ विकसित करने के लिए के रूप में रखते हुए, छात्रों "ग्रामीण शहरी इंटरफ़ेस" और के-"संतुलित विकास, संसाधन के अधिक उपयोग, पर्यावरण सुरक्षा, और आजीविका पीढ़ी" चार प्रमुख उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित एक समग्र अवधारणा तैयार किए।

- इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, कक्षा 6 समूहों / क्षेत्रों, जो निम्नलिखित का विस्तृत विश्लेषण में ध्यान केंद्रित में विभाजित किया गया है

1. भूमि कवर विश्लेषण और जोनिंग

2. वाटरशेड और भूजल संसाधन प्रबंधन

3. कृषि और उद्योग

4. पारिस्थितिक पदचिह्न और ऊर्जा खपत पैटर्न

5. इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रावधान और निपटान पदानुक्रम

6. पर्यटन

प्रत्येक समूह की कमी, मांग आपूर्ति के फासले और संभावनाओं के क्षेत्र में गहराई में विश्लेषण किया गया और रणनीतियों समग्र अवधारणा और उद्देश्यों के साथ लाइन में पहले उल्लेख के रूप में विकसित किया गया।

परिणाम

इस क्षेत्र की भूमि का उपयोग भूमि कवर के जोनिंग 10 से अधिक पैरामीटर में, अर्थात् इलाके, मिट्टी का प्रकार देख द्वारा किया गया था, मौजूदा भूमि का उपयोग करता है, प्रजनन, भू-जल क्षमता, पानी की सतह उपस्थिति, जल निकासी क्षमता और पहुंच पहलुओं उर्बनिसबले गतिविधियों, औद्योगिक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्रों के लिए विशिष्ट उपयुक्तता क्षेत्र विकसित करने के लिए। तीन क्षेत्रों के लिए क्षेत्र की पहचान की गई और इस तरह प्रत्येक गाँव में औद्योगिक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के लिए - भविष्य के विकास दिशा-निर्देश के लिए क्षेत्रों, उर्बनिसबले गतिविधियों के लिए क्षेत्र के संदर्भ में विश्लेषण किया गया था। इस विश्लेषण भारित स्कोर और मॅक्सिमा मतलब विचलन के सांख्यिकीय ओवरले का उपयोग स्थानिक के ग्रिड **1km X 1km** पर किया गया था।

पूरा जिला इसकी सतह और भूमिगत जल संसाधन प्रबंधन के संदर्भ में विश्लेषण किया गया था। पांच प्राकृतिक जल निकासी बेसिन सतह जल संसाधन और इसके ड्रेनेज पैटर्न विशेषता के लिए निर्धारित थे। इन घाटियों के आधार पर सभी जल धाराओं और अपने पदानुक्रम का जल विश्लेषण विकसित थे। बेसिनों में जल निकासी की क्षमता और पानी की उपलब्धता के मामले में विश्लेषण किया गया। यह घरेलू, कृषि और औद्योगिक जरूरतों के लिए इस क्षेत्र की अनुमानित पानी की आवश्यकता के संदर्भ में देखा गया था। अध्ययन छह नए नहरों (लगभग 180 किमी योग) घाटियों के बीच में वाटरशेड संभावित संतुलन के लिए मौजूदा नाले के कुछ कनेक्ट करने के लिए शुरू करने की जरूरत है विकसित। भूजल संभावित भी वार्षिक रिचार्ज और प्रत्येक बेसिन में मौजूद निकासी और नए तालुक स्थित जलाशयों कि नदियों और भूमिगत जल से पानी खींचता सफर के तालुक के भविष्य के पानी की जरूरतों को बाहर काम किया गया था विकसित करने के लिए एक रणनीति के संदर्भ में अध्ययन किया गया था।

कृषि, मत्स्य और औद्योगिक क्षेत्रों के प्रत्येक क्षेत्र में नुकसान और संभावनाओं को विकसित करने के लिए अध्ययन किया गया। कृषि के क्षेत्र में यह देखा गया है कि लगभग 37 में से 19 गांवों में कृषि उत्पादकता में अच्छी तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं प्रति वर्ष तीन से अधिक फसल पद्धति है, जबकि अन्य गांवों के पीछे कमी थी। कृषि प्रदर्शन क्षेत्र को बढ़ाने की रणनीति की पहचान के लिए 7 पैरामीटर्स का उपयोग का अध्ययन किया था। क्रॉपिंग पैटर्न और सिंचाई रणनीति बदलने का सुझाव प्रत्येक गांव के लिए विकसित किए गए। भंडारण के लिए कृषि केन्द्र के विकास के लिए स्थानों की पहचान की गई, प्रोसेसिंग और

विपणन कर्मचारियों और कनेक्टिविटी के विश्लेषण पर आधारित है। मछली पकड़ने के बंदरगाह और मछली प्रसंस्करण इकाइयों के लिए स्थान मछली पकड़ने जनसंख्या वितरण और मौसमी डेटा मछली पकड़ने के विश्लेषण के साथ लाइन में 26 किलोमीटर समुद्र तट के साथ सभी चिह्नित की गई थी। प्रत्येक तहसील के औद्योगिक प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया था और नए औद्योगिक टिपोलोजि मौजूदा औद्योगिक सम्पदा जो खाली पड़े हैं में सुझाव दिया लाल और नारंगी श्रेणी उद्योगों का क्षेत्र थे।

जिले के निपटारे के पदानुक्रम आठ विकास और बुनियादी ढांचे के आधार पर संकेतक का उपयोग कर विश्लेषण किया गया था। प्रत्येक निपटान इसकी पहुंच, जनसांख्यिकी, मौजूदा उपयोगिताओं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, स्थान, और भूमि के उपयोग विशेषताओं की उपस्थिति के आधार पर स्थान दिया गया था। बस्ती के मामले में तो विकास के अपने चरणों के पदानुक्रम में व्यवस्थित कर रहे थे।. जलग्रहण विश्लेषण सेवा की जनसंख्या का और निकटतम सुविधाओं के लिए दूरी का अध्ययन किया गया अंतराल और क्षेत्रों से बाहर खोजने के लिए जहां अपेक्षाकृत अल्पविकसित हैं। नए विकास केंद्रों और सेवा गांवों की प्रकृति, क्षेत्र में संतुलित विकास के लिए आवश्यक निवेश की रणनीति के साथ पहचान की गई। रणनीतियाँ भी सड़क बाईपास और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए विकसित किया गया था।
पर्यटन के क्षेत्र में जिले में सात प्रमुख स्थानों और आसपास में **11** प्रमुख स्थानों का विस्तृत विश्लेषण प्रत्येक जगह अपने प्रदर्शन और सात अलग अलग संकेतकों का उपयोग पर्यटन समारोह के आकर्षण के संदर्भ में विश्लेषण किया गया था। विकास रणनीतियों कि उन दो सर्किट के माध्यम से जुड़ा है और बुनियादी सुविधा प्रदान की गई प्रत्येक जगह के लिए विकसित किया गया थे। मांग आपूर्ति अंतर क्षेत्र के होटलों के लिए पर्यटन शिखर इनफ्लो आँकड़े में देख कर अनुमान लगाया गया था। नए होटल विकास के लिए क्षेत्रों की पहचान की गई। तटीय बेल्ट तटीय क्षेत्र के संभावित विकास की पहचान करने के लिए विस्तार में विश्लेषण किया गया था और समुद्र तट से एक किलोमीटर बफ़र के लिए विस्तृत भूमि उपयोग योजना सीआरजेड लागू करने के लिए विकसित किया गया था।
ग्रामीण और शहरी आबादी की ऊर्जा खपत विभिन्न आय वर्ग के लिए ग्रामीण और शहरी आबादी के लिए पारिस्थितिक पदचिह्न की गणना पर पहुंचने के लिए घर के सर्वेक्षण के माध्यम से अध्ययन किया गया यह देखा गया है कि जिलों पारिस्थितिक पदचिह्न चार बार अपनी जैव-क्षमता से अधिक है। इस नीति के स्तर हस्तक्षेप कि जिले के ऊर्जा की खपत को कम कर सकते हैं पैटर्न तैयार करने में मदद की।
परियोजना के निष्कर्षों समता और प्रासंगिक प्रासंगिकता लाने के विश्लेषण के हर स्तर पर स्थानीय सरकार और कराईकल जिला प्रशासन के विशेषज्ञों के साथ साझा किया गया। काम अपने व्यापक रूप में प्रदर्शित किया गया था 54 से अधिक ए 0 तकनीकी ड्राइंग और एक रिपोर्ट आकार। काम टाउन प्लानिंग विभाग, पुडुचेरी सरकार, जेएनटीयू हैदराबाद, पर्यावरण अध्ययन विभाग, जेएनयू नई दिल्ली से शिक्षाविदों द्वारा मूल्यांकन किया गया था।

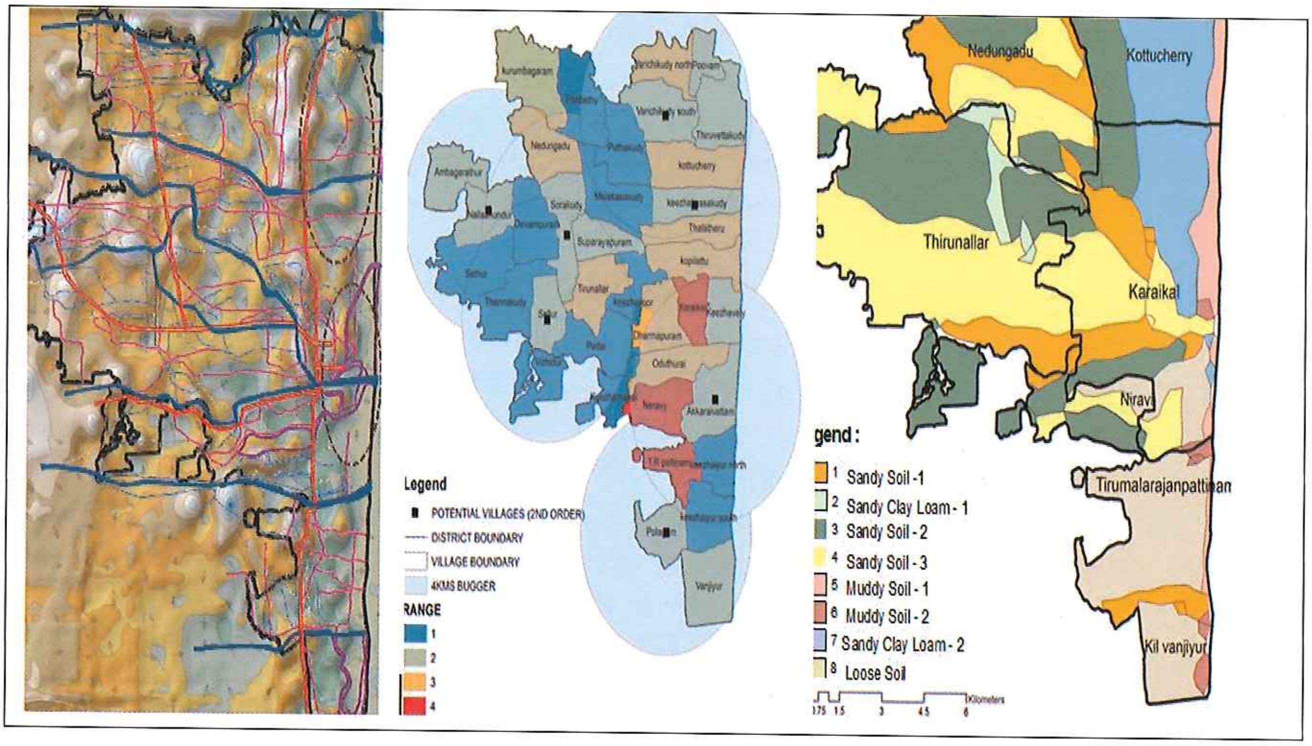

पाठ्यक्रम और सेमेस्टर:	एम. योजना (पर्यावरण योजना एवं प्रबंधन) II वर्ष - IV सेमेस्टर
स्टूडियो शीर्षक / अध्ययन क्षेत्र:	योजना थीसिस
प्रभारी प्राध्यापक:	वल्लियप्पन ए.एल.

3.2) योजना विभाग: संकाय गतिविधियाँ

संकाय अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से शैक्षिक कार्यक्रमों का संवर्धन की ओर योगदान दिया है।विभाग योजना का एक गतिशील मिश्रण ओहियो प्रतिष्ठित संकाय अनुभव होने की योजना में, वास्तुकला और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों की है। संकाय सदस्यों के शिक्षाविदों, अनुसंधान और स्कूल की विकासात्मक गतिविधियों में लगातार शामिल हैं। विभिन्न राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के अलावा और कार्यशालाएं; संकाय लगातार विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित अनुसंधान और तकनीकी कागजात में लगी हुई है। अनुसंधान परियोजनाओं के एक भाग के रूप अनुसंधान/ में ही शिक्षको को कई देशों का दौरा किया।

3.2.1) प्रकाशन

1. **अहमद, दीन मक़बूल.** और **क्रांति, नटराज.** 2016. थ्योरेटिकल अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ वाटर पावर्टी. प्रोसीडिंग्स ऑफ़ 4th इंडिया वाटर वीक-2016, वाटर फॉर ऑल: स्ट्रिविंग टूगेदर (4-8 अप्रैल 2016). मिनिस्ट्री ऑफ़ वाटर रिसोर्सेज, रिवर डेवलपमेंट एंड गंगा रेजुवेनशन , गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया, नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी .नई दिल्ली.
2. **क्रांति, नटराज और वल्लियपन, एएल.** (अप्रैल 2016). नीड फॉर ए शिफ्ट इन पेडागोज्ञ फॉर टीचिंग फंडामेंटल्स ऑफ़ प्लानिंग एजुकेशन. इन ए. कुमार, D.S. मेश्राम और K. गौड़ा, eds. अर्बन एंड रीजनल प्लानिंग एजुकेशन. सिंगापुर: स्प्रिंगर. pp.107-14. http://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-10-0608-1_8

3. **क्रांति, नटराज; बेनीवाल, आकांक्षा; मरियाडोस, मिशेल; सहितानि, पवन,** (मई 2015), पेर्सेवेद सिक्योरिटी ऑफ़ टेन्योर इन स्कुआत्तर सेटलमेंट्स: ए केस स्टडी ऑफ़ विजयवाड़ा , इंडिया, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च जर्नल इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आइएसबीएन-ऑनलाइन-2393-8021) (आइएसबीएन-प्रिंट-2394-1588), Vol.2,इशू 5, IARJSET, चेन्नई, इंडिया.http://www.iarjset.com/upload/2015/may-15/IARJSET%201.pdf
4. **शर्मा, एस**. (2015). ए होप फॉर सोसिओ-इकनोमिक सस्टेनेबिलिटी इन द एरा ऑफ़ स्मार्ट सिटीज: बाज़ारस एंड सिटी कोर्स इन इंडिया. प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द एशियाई कांफ्रेंस ऑन द सोशल साइंसेज एंड सस्टेनेबल, Nov. 1-3, जापान, pp. 150-155.
5. **शर्मा, एस.** (2015). स्ट्रीट फ़ूड: ए सलूशन फॉर अर्बन फ़ूड सिक्योरिटी. लाइफ साइंसेज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल. 2(2), pp. 107-111
6. **शर्मा, एस.** (2016). हाकिंग स्पेस एंड नेशनल पालिसी ऑन अर्बन स्ट्रीट वेंडर्स: ए स्टडी ऑफ़ NDMC, दिल्ली. प्रोसेडिया टेक्नोलॉजी. 24, pp. 1734-1741.
7. **शर्मा, एस.** (2015). टेम्पोरल एंड स्पैटियल बॉउंड्रीज़ ऑफ़ वर्किंग: ए केस स्टडी ऑफ़ हॉकर्स इन NDMC, दिल्ली, इन. इसइएकोव, M. (eds.) इंटरडिसिप्लिनरी: द पलिम्प्सेस्ट ऑफ़ कल्चर .पोलैंड: इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन प्रेस, pp. 13-21. [बुक चैप्टर]
8. **शर्मा, एस. (**2016). स्ट्रीट फ़ूड एंड अर्बन फ़ूड सिक्योरिटी. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फ़ूड सेफ्टी, नुट्रिशन, पब्लिक हेल्थ एंड टेक्नोलॉजी. 8(1), pp. 1-5.
9. शर्मा, एस. (2015). ट्रेवल बेहेवियर ऑफ़ स्ट्रीट हॉकर्स: ए केस स्टडी ऑफ़ NDMC, दिल्ली. CUI'15/ III. इंटरनेशनल कंटेम्पररी अर्बन इश्यूज कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स, Nov. 19-21, टर्की, pp. 308-314.
10. **तरफदार ए के** (2016). उनरवेल्लिंग द स्मार्ट कांउण्ड्रम. जर्नल ऑफ़ NBMऔरCW. Vol 22 (01). आइएसबीएन: 0973-0591.
11. **वल्लियपन, एएल. हेफरन ए, परिवल्लल ए,** एक्सप्लोरिंग एक्सेसिबिलिटी इश्यूज ऑफ़ पब्लिक बिल्डिंग्स फॉर मोबिलिटी इम्पैरेड. केस स्टडी: इंटरस्टेट बस टर्मिनल (ISBT), विजयवाड़ा, इंडिया. प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द 52nd ISOCARP (इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ सिटी एंड रीजनल प्लानर्स) कांग्रेस हेल्ड at डरबन, साउथ अफ्रीका, 12-16 सितम्बर 2016 इन द टॉपिक सिटीज वी हैव वस सिटीज वी नीड एंड ट्रैक 'प्लानिंग एक्टिविज्म एंड सोशल जस्टिस', ISOCARP ISBN: 978-94-90354-47-3. पेज no.:621-632.

12. **वल्लियपन, एएल.** 2015 एप्रोप्रियेट पेडागोगिकल Approaches फॉर कंडक्ट ऑफ़ साइट प्लानिंग एंड बिल्ट एनवायरनमेंट स्टूडियो इन स्पैटियल प्लानिंग एजुकेशन प्रोग्राम्स at 13th Asian प्लानिंग स्कूल्स एसोसिएशन कांफ्रेंस हेल्ड at यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया, जोहोर बहरु, मलेशिया on 12 -14 अगस्त 2015. [कांफ्रेंस प्रोसेडिंग]
13. **वल्लियपन, एएल.** 2015 एप्रोप्रियेट पेडागोगिकल Approaches फॉर कंडक्ट ऑफ़ साइट प्लानिंग एंड बिल्ट एनवायरनमेंट स्टूडियो इन स्पैटियल प्लानिंग एजुकेशन प्रोग्राम्स" इन द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बिल्ट एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (IJBES), वॉल्यूम 2, इशू 3, 2015. पेज No: 211-218. E-आइएसबीएन: 2289-8948 आइएसबीएन:1511-1369

3.4) योजना विभाग: व्यावहारिक प्रशिक्षण

योजना के छात्रों की अनिवार्य पेशेवर प्रशिक्षण के रूप में भारत भर में अलग अलग योजना स्वीडिश संगठनों मई **2016** और जुलाई **2016** के बीच छह सप्ताह की अवधि के लिए कराना पड़ा।

3.5) योजना के उत्तीर्ण छात्रों की सूची 2015-16

स्नातकोत्तर योजना (शहरी और क्षेत्रीय योजना)

क्रम सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम
1	2140400001	अकांक्षा बैनीवाल
2	2140400002	बोम्मारेड्डी साइकृष्णा
3	2140400004	गोल्ला हर्षिथा
4	2140400005	अंजना जेम्स
5	2140400006	कल्पना जोखियो
6	2140400007	कोनाला साई किरण
7	2140400008	कुंदुरू मनीषा रेड्डी
8	2140400009	मकश्ला गौथम
9	2140400010	मिषेल एम
10	2140400011	पडाला अमुक्ता मेहेर
11	2140400013	पवन साहितानी
12	2140400014	षेक समीर
13	2140400015	सिरीषा मेन्टे
14	2140400016	रिनोश चेरियान तोमस
15	2140400017	टीकम सिंह
16	2140400019	एम एस अभिनव यादव
17	2140400020	पोटेल विनय यादव

स्नातकोत्तर योजना (पर्यावरणीय योअजना एवं प्रबंधन)

क्रम सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम
1	2140300009	अमनप्रीत कौर
2	2140300010	बच्चाला पूजिता
3	2140300011	ब्रमहय्या गनटेनपल्लि
4	2140300013	एस गणेश
5	2140300014	इंडिग़िपल्ली प्रवीण कुमार
6	2140300015	जल्लीपल्ली गणेश राजू
7	2140300016	सुजाता मजुमदार
8	2140300017	जी. मोनीषा यादव
9	2140300018	रापेटी जगदीश प्रकाश
10	2140300019	एस अक्षया
11	2140300020	गलावल्ली साई चैतन्य

स्नातक योजना

क्रम सं.	पंजीकरण सं.	छात्र का नाम
1	2120200091	प्रणव भारद्वाज
2	2120200092	बोजड्ल वेंकट फनीन्द्र
3	2120200093	बूरला वेंकटरमणा
4	2120200094	चेरूकु साकेत रेड्डी
5	2120200095	फरहाना के
6	2120200096	धवल कटारिया
7	2120200097	केसनकुर्ती साई किरणि
8	2120200098	सावित्री कुमारी
9	2120200099	विनित कुमार लोहारिया
10	2120200100	सार्थक महापात्र
11	2120200102	शेख मोहम्मद फारूख
12	2120200104	अतुल्या सतीष. टी
13	2120200105	देवदास ठाकुर
14	2120200106	पाटिल रोहित वाल्मिक
15	2120200108	वीनस वर्मा
16	2120200109	माधुरी कल्हा

17	2120200110	नवीन कुमार
18	2120200111	पृथ्वी मोहन
19	2120200112	श्रीकांत सतीश
20	2120200113	गरिमा
21	2120200115	इडे सौम्या
22	2120200116	के. श्रीलिखिता
23	2120200117	लिंगमशेट्टि राधिका रूद्राणि
24	2120200118	मोहम्मद माज अली
25	2110200069	गेरा चैतन्य

बोर्डों और समितियों

- शासकीय संघ
- शैक्षणिक परिषद
- अध्ययनसंघ (वास्तुकला)
- अध्ययन संघ (योजना)
- विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति
- विभागीय शोध समिति (वास्तुकला)
- विभागीय शोध समिति (योजना)

4.1) शासकीय संघ (26.08.2016 से)

1.	एआर. वृन्दा सोमया उद्योग भवन, 29, वालचंद हिराचंद मार्ग बल्लार्ड एस्टेट, मुंबई-400001	अध्यक्ष
2.	श्रीमती सुमिता दवरा आइ.ए.एस. प्रमुख सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार कमरा नंबर 407, चौथा तल, जे-ब्लॉक, एपी सचिवालय, हैदराबाद, भारत	सदस्य
3.	डॉ डीएस मेशराम अध्यक्ष एमेरिटस, संस्थान के टाउन प्लानर, भारत, 4-ए, रिंग रोड, आईपी एस्टेट, नई दिल्ली-110 002, भारत	सदस्य
4.	श्री विश्वरंजन नायक अध्यक्ष, वास्तुकला, इंडिया हैबिटेट सेंटर, कोर 6ए की परिषद, 1 तल, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 भारत	सदस्य
5.	प्रोफेसर राजीव मिश्रा प्रिंसिपल सर जे जे कॉलेज वास्तुकला के, मुंबई	सदस्य
6.	डॉ. सोम सिंह डी. देवदास डीन, वास्तुकला और योजना विद्यालय अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई-600025	सदस्य
7.	वास्तुकला, शहरी डिजाइन और लैंडस्केप वास्तुकला विशेषज्ञ एसपीए परिषद द्वारा नामित	सदस्य
8.	शहरी और क्षेत्रीय योजना विशेषज्ञ एसपीए परिषद द्वारा नामित	
9.	डॉ. अयन के तरफदार विभागाध्यक्ष, योजन विभाग एसपीए विजयवाड़ा	सदस्य
10.	श्री एस वी कृष्ण कुमार विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग एसपीए विजयवाड़ा	सदस्य
11.	श्री एस पी गोयल संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
12.	सुश्री दर्शना एम डबराल संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
13.	श्री बी. आणंद संयुक्त सचिव, वर्क्स और स्वच्छ भारत मिशन	सदस्य
14.	प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा निदेशक (प्रभार) एसपीए विजयवाड़ा	सदस्य (पदेन)
15.	श्री डी वी राम मोहन राव कुलसचिव (प्रभार)	सचिव

4.2). शैक्षणिक परिषद (2015-16)

1. प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
   निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय **अध्यक्ष**

2. श्री ए. जी कृष्ण मेनन सदस्य
   एन-125बी, पंचशीला पार्कन्यू दिल्ली ,-110017

3. प्रो मानश्विनी .डॉ .आचार्या, सदस्य
   प्रोफेसर, मार्केटिंग एण्ड कम्युनीकेशन्स
   इण्टरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीच्यूट, बी-10, क्वाटब इंस्टीच्यूशनल एरिया,
   तारा क्रेशेंट, न्यू दिल्ली-110016

4. प्रोसोलोमोन बेंजामिन .डॉ . सदस्य
   प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान केन्द्र,
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास,
   गुयीण्डी, चेन्नई-600036

5. प्रो. डॉ. अतीय हबीब किदवई सदस्य
   ए-59, सेक्टर-26, नोएडा-201301

6. डॉपार्थ मुखोपाध्याय . सदस्य
   नीति अनुसंधान केंद्र, धरम मार्ग, कौटिल्य मार्ग,
   चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021

7. प्रो. डॉ. बी पाण्डुरंगा राव, एफआइइ सदस्य
   प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग,
   वेलागपुडी रामकृष्ण सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज,
   कनूरू, विजयवाड़ा-520007

8. एक प्रतिनिधि आइटीपीआइ से सदस्य

9. एक प्रतिनिधि आइआइए से सदस्य

10. प्रो. डॉ. नीना थॉमस सदस्य
    प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग,
    इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुवनंतपुरम-695016, केरल

11. प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा — सदस्य
अध्ययनप्रधान तथा विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग,
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

12. प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द — सदस्य

विभागाध्यक्ष, योजना विभाग
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

13. डॉ. नट्राज क्रांति — सदस्य
संयुक्त प्राध्यापक योजना विभाग ,
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा ,

14. श्री जी. कार्तिक — सदस्य
सहायक प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

15. श्री आरएनएस मूर्ति — सदस्य
सहायक प्राध्यापक, वास्तुकला विभाग
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

16. श्री वल्लियपन एएल — सदस्य
सहायक प्राध्यापक, योजना विभाग
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

17. डॉकृष्ण मोहन .पी . — सचिव
कुलसचिव
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

सूचना: उपरोक्त समिति का कार्यकाल खत्म हो गया है। ताजा समिति से जल्द ही गठन किया जाएगा।

4.3) भवन और निर्माण समिति (25.08.2016)

1. श्री महेन्द्र राज — अध्यक्ष
महेन्द्र राज एसोसिएट्स, Q-24, जंगपुरा एक्सटेंशन
नई दिल्ली - 110 024, भारत

2. एआर बलबीर वर्मा — सदस्य
बलबीर वर्मा एवं एसोसिएट्स, K11, कैलाश कॉलोनी,
नई दिल्ली-110 048, भारत

3. डॉ. डी. एस. मेशराम — सदस्य
अध्यक्ष, संस्थान के टाउन प् लानर, भारत,
4-ए, रिंग रोड, आईपी एस्टेट, नई दिल्ली-110 002, भारत

4. डॉ. यज मेदुरी — सदस्य
चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (शिक्षा) एवं वरिष्ठ अध्यक्ष
जेपी सूचना तकनीक विश्वविद्यालय संस्थान,
नोएडा-201 307, उत्तर प्रदेश, भारत

5. श्री के के जोद्दर — सदस्य
मुख्य योजनाकार, शहर और देश योजना संगठन
विकास भवन, आईपी एस्टेट, नई दिल्ली-110 002, भारत

6. श्री आर श्रीनिवासन — सदस्य
निदेशक (टी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 115, भारत

7. प्रो डॉ रमेश श्रीकोंडा — सदस्य
निदेशक (प्रभार)
स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा

8. श्री डी वी राम मोहन राव
कुलसचिव (प्रभार)
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा

4.4) वित्त समिति (26.08.2016 से)

1. डॉ एस. के. खन्ना के — अध्यक्ष
W2C045, वेलिंगटन एस्टेट
DLF चरण-V, इन गुड़गांव, हरियाणा, भारत

2. श्री एस. पी गोयल — सदस्य
संयुक्त सचिव
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

3. प्रो दिव्या कुश — सदस्य
अध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स
6/402, पूर्वी छोर अपार्टमेंट, मयूर विहार, चरण-1, दिल्ली-110096

4. सुश्री दर्शना एमडबराल — सदस्य
संयुक् त सचिव और वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

5. प्रो डॉ रमेश श्रीकोंडा — सदस्य
निदेशक (प्रभार)
स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा

6. श्री डी वी राम मोहन राव — सचिव
रजिस्ट्रार (प्रभार)
स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा

4.5) अध्ययन समिती (वास्तुकला) (2014-16)

1.	प्रो डॉ रमेश श्रीकोंडा प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, विभाग के वास्तुकला स्कूल की योजना और वास्तुकला: विजयवाड़ा	अध्यक्ष
2.	प्रो डॉ शिशिर R रावल प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, विभाग के वास्तुकला के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा	सदस्य
3.	प्रो अनीरूद्ध पॉल निदेशक, कमला रहेजा विद्यानिधी संस्थान की वास्तुकला और पर्यावरण अध्ययन, मुंबई	सदस्य
4.	डॉ. लिओन ए. मोरेनस एसोसिएट प्रोफेसर, आर्किटेक्चर विभाग स्कूल की योजना और वास्तुकला, दिल्ली	सदस्य
5.	श्री डीन डे क्रूज मोजैक प्रथम डिजाइन वैली, गोवा	सदस्य
6.	डॉ. प्रियालिन सिंह वास्तु संरक्षण के प्रोफेसर स्कूल की योजना और वास्तुकला, दिल्ली	सदस्य
7.	प्रो ए. जी. के. मेनन पंचशील पार्क, नई दिल्ली	सदस्य
8.	श्री अनिल कुमार चिलकापती सहायक प्रोफेसर, आर्किटेक्चर विभाग स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा	सदस्य
9.	श्री रंगा नागा सत्यनारायण मूर्ति सहायक प्रोफेसर, आर्किटेक्चर विभाग स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा	सदस्य
10	श्री कार्तिक जी सहायक प्रोफेसर, आर्किटेक्चर विभाग स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा	सदस्य एवं संयोजक

सूचना: उपरोक्त समिति का कार्यकाल खत्म हो गया है। ताजा समिति से जल्द ही गठन किया जाएगा।

4.6) अध्ययन परिषद (योजना) (2014-16)

1.	प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्‌यालय विजयवाड़ा ,	अध्यक्ष
2.	डॉ. नटराज क्रांति संयुक्त प्राध्यापक योजना विभाग , योजना तथा वास्तुकला विद्‌यालय विजयवाड़ा ,	सदस्य
3.	डॉ. अय्यन के. तरफदार संयुक्त प्राध्यापक योजना विभाग , योजना तथा वास्तुकला विद्‌यालय विजयवाड़ा ,	सदस्य
4.	श्री प्रशांत वर्धन सहायक प्राध्यापक योजना विभाग, योजना तथा वास्तुकला विद्‌यालय विजयवाड़ा ,	सदस्य
5.	श्री मकबूल अहमद सहायक प्राध्यापक योजना विभाग , योजना तथा वास्तुकला विद्‌यालय विजयवाड़ा ,	सदस्य
6.	प्रो. डॉ. कृष्णे गौड़ा प्राध्यापक शहरी तथा क्षेत्रीय योजना विकास अध्ययन संस्थान, मैसूर विश्वविद्‌यालय	सदस्य
7.	डॉ. एस. के. कुलश्रेस्ठ एO - 27, शालीमार बाग, दिल्ली - 110 088	सदस्य
8.	डॉ. नीरा अग्निमित्र संयुक्त प्राध्यापक, सामाजिक कार्य विभाग दिल्ली विश्वविद्‌यालय	सदस्य
9.	डॉ. सुरेन्द्र अग्रवाल ए 501 मनसरा अपार्टमेंट, वसुंधरा एन्क्लेव, दिल्ली	सदस्य
10.	डॉ. रतोला कुन्दू सहायक प्राध्यापक, पर्यावास अध्ययन विदयालय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई-400088	सदस्य
11.	डॉ. एस. पी. बंसल 1/5 शुब्द प्रताब आश्रम, लश्कर	सदस्य

सूचना: उपरोक्त समिति का कार्यकाल खत्म हो गया है। ताजा समिति से जल्द ही गठन किया जाएगा।

4.7) विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति(2014-16)

1. प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द — **अध्यक्ष**
   प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष,योजना विभाग,
   अध्ययन प्रधान, एसपीएवी

2. प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा — **सदस्य**
   प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष,
   वास्तुकला विभाग, एसपीएवी

3. डॉ. नटराज क्रांति — **सदस्य**
   संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग
   समन्वयक, अनुसंधान कार्यक्रम, एसपीएवी

4. प्रो. डॉ. कृष्णे गौड़ा
   निदेशक, मैसूर अध्ययन विकास संस्थान — **सदस्य**
   मैसूर विश्वविद्यालय

5. प्रो. डॉ. रंजीत मित्रा — **सदस्य**
   प्राध्यापक, शहरी डिजाइन विभाग
   एसपीए दिल्ली

6. प्रोबिनायक चौधरी .डॉ . — **सदस्य**
   प्राध्यापक,
   योजना विभाग, एसपीए भोपाल

7. प्रो कुलभूषण जैन — सदस्य
सेवानिवृत प्रोफेसर, सीपेट अहमदाबाद

सूचना: उपरोक्त समिति का कार्यकाल खत्म हो गया है। ताजा समिति से जल्द ही गठन किया जाएगा।

4.8) विभागीय शोध समिति (वास्तुकला) (2014-15)

1.	प्रो. डॉ. रमेश श्रीकोंडा प्राध्यापक (वास्तुकला) तथा अध्ययन प्रधान, एसपीएवी, विजयवाड़ा	अध्यक्ष
2.	प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द प्राध्यापक (योजना) तथा समन्वयक, शोध कार्यक्रम एसपीएवी, विजयवाड़ा	सदस्य
3.	प्रो डॉ शोवन के साहा डीन, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा	सदस्य
4.	प्रो डॉ टी श्रीनिवास प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग एनआइटी, त्रिची	सदस्य
5.	प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर (नामित करने के लिए)	सदस्य
6.	शोध पर्यवेक्षक/गाइड	सदस्य

4.9) विभागीय शोध समिति हेतू संयुक्त समिति (योजना) **(2016)**

1.	डॉ. अय्यन के तरफदार संयुक्त प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष, योजना विभाग, एसपीएवी	अध्यक्ष
2.	प्रो. डॉ. अब्दुल रजाक मोहम्म्द प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष एसपीएवी,योजना विभाग ,	सदस्य
3.	प्रो डॉ सौवनिक राय प्रोफेसर, आर्किटेक्चर विभाग, शहर और क्षेत्रीय योजना, आइआइएसटी, शीबपुर, बंगाल	सदस्य
4.	प्रो डॉ महावीर प्रोफेसर, एसपीए दिल्ली	सदस्य
5.	डॉ. नटराज क्रांति संयुक्त प्राध्यापक, योजना विभाग समन्वयक, अनुसंधान कार्यक्रम, एसपीएवी	सदस्य
6.	शोध पर्यवेक्षक गाइड/	सदस्य

वार्षिक वित्त

महानिदेशक लेखापरीक्षा(केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद-500004.
OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-V/SPAV/SAR.2015-16/ 142 **Date: 24.10.2016**

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: आयोजन तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा, **के वर्ष 2015-16 के** लेखों **पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), for the year 2015-16, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the Institute for the year 2015-16, are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संल:यथोपरि

Sd/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
Director General of Audit(Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-V/SPAV/SAR.2015-16/ Date: 24.10.2016

Copy to the Director, School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), Survey No.71/1, NH-5, Nidamanuru, Vijayawada–521 104, along with one copy of Annual Accounts for the year 2015-16 (English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2015-16 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

24/10/16
उप निदेशक/ केन्द्रीय स्वायत्त निकायों
Deputy Director/CEA

Registrar 28/10/16
Accountant
28/X/2016
999 / Dir/SPAV/2016 28/10/16

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

योजना और वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा हेतू समाप्त वर्ष 31 मार्च

2016 के लिए भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक जनरल की निजी ऑडिट रिपोर्ट।

हमने योजना और वास्तुकला विद्यालय विजयवाड़ा (SPAV) हेतू 31 मार्च 2016 तक के अनुलग्न बैलेंस शीट को लेखा परीक्षित किया तथा आय और

व्यय खाते/प्राप्ति तथा भुगतान खाता जो की समाप्ति वर्ष के उक्त तिथि तक धारा 20(1) के तहत नियंत्रक &लेखा परीक्षक जनरल (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 अनुभाग 23(b) एसोसिएशन के ज्ञापन और नियमों को योजना और वास्तुकला विद्यालय हेतू अध्ययन किये। विद्यालय के वित्त की लेखा परिक्षा को 2017/18 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणिका की जिम्मेदारी विद्यालय के प्रबंधन पर हैं। इन वित्तीय विवरणिका पर हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर एक मत व्यक्त करने की जिम्मेदारी हमारी है।

2. इस अलग ऑडिट रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक जनरल

(सीएजी) की टिप्पणी लेखांकन के संबंध में केवल वर्गीकरण, उपचार उत्तम

लेखांकन प्रथाओं हेतू, लेखा मानकों और मानदंडों के प्रकटीकरण आदि के साथ

अनुरूपता पर शामिल है। लेखा परीक्षा प्रेक्षण वित्तीय लेनदेन के साथ-साथ कानून, नियम एवं विनियम (औचित्य और नियमितता)तथा दक्षता-स ह प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध के उपर में था, यदि कोई भी सूचना हेतू निरीक्षण के माध्यम से सीएजी के रिपोर्ट माँगे, अलग से ऑडिट रिपोर्ट हैं।

3. हम लेखा-परीक्षण का कार्य भारतीय मानकों के अनुसार आयोजित तथा स्वीकार किए जाते हैं। इन मानकों के द्वारा हम योजना और प्रदर्शन से लेखा परीक्षण हेतू वित्तीय वक्तव्य की प्राप्ति उचित आश्वासन के साथ अशुद्ध वर्णन से मुक्त हो। लेखा परीक्षण में, एक परीक्षण के आधार पर, सबूत के साथ राशी की जांच और प्रकटीकरण में वित्तीय वक्तव्यों का समर्थन भी शामिल है। इस लेखा परीक्षण में प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन सिद्धांतों के आकलन के इस्तेमाल

और महत्वपूर्ण अनुमान के साथ ही वित्तीय वक्तव्यों का समग्र प्रस्तुति का

मूल्यांकन करना भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारे लेखा-परीक्षण हमारे विचार् के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

4. हम अपने लेखा परीक्षण के आधार पर निम्नांकित विवरण देते हैं:

i हमने लेखा परीक्षण हेतू सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण दिया है जो हमारे सर्वोत्तम विश्वास और ज्ञान के अंतर्गत है;

ii वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित खातों के समान स्वरूप में और न ही संशोधित प्रारूप के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा, भारत सरकार, केंद्रीय शिक्षा संस्थानों के लिए निर्धारित खातों में, रसीदें और्

भुगतान खाते के द्वारा इस रिपोर्ट के साथ निपटा है ना ही तैयार किया गया है ।

iii हमारी राय में, खाता और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का उचित पुस्तकों को आवश्यक रूप से संधृत रखा गया है , तथा समय समय पर एन पुस्तकों की हम जाँच करते रहते हैं।

iv हमारी आगे कि विवरण:

A. तुलन पत्र

A. I देनदारिय

A. I. I कोष/पूंजी निधि: 6.38 करोड़

A.I.I.Iयह4.98 करोड़ की राशि की दिशा में सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्राप्त शामिल

एमआईएस द्वारा अनुबंध की समाप्ति के कारण निष्पादन गारंटी जब्त। श्री

कृष्णा घरों में प्राइवेट लिमिटेड और SPAV को पारित करने के बजाय एक ही बुकिंग की

मनोनीत / निर्धारित फंड में।

B. आय और व्यय खाता

B.lआय: ~ 13.91 करोड़

B.I.I.निवेश-f 29.92 लाख से आय

B.I.I.lइसमें पूर्व अवधि ब्याज आय बहुधा 1.79lakh जो था पर पूर्व अवधि आय के तहत नहीं दिखाया गया। इस में overstatement थोड़ा सा के परिणामस्वरूप निवेश और द्वारा पूर्व अवधि आय के ख़ामोश से आय 1.79 लाख

B.2 व्यय

B.2.1 मरम्मत और रखरखाव-18.90 लाख

B.2.1.1(a) इसमें 5,00,000 का योग / - की खरीद करने के लिए संबंधित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, इसके बजाय यह मरम्मत और रखरखाव के लिए बुक किया गया इस के परिणामस्वरूप व्यय overstatement थोड़ा सा और फिक्स्ड के ख़ामोश 5.00 लाख से संपत्ति।

B.2.1.1(b) इसके बाद के संस्करण कंप्यूटर सॉफ्टवेयर @ पर मूल्यह्रास के प्रावधान के गैर

के 60% (WDV विधि) ~ 3, 00000 / - परिणामस्वरूप व्यय के ख़ामोश

और द्वारा अचल संपत्तियों के overstatement थोड़ा सा ~ 3 लाख।

C. General:

1. पैरा के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय स्वरूप, के रूप में 12 के साथ पढ़ने का 9.1 जहाँ के लिए मंज़ूरी

सरकारें अनुदान और यूजीसी अनुदान के लिए वित्तीय वर्ष से संबंधित था

31 मार्च से पहले प्राप्त किया और अनुदान में अगले वास्तव में प्राप्त होता है

वित्तीय वर्ष, अनुदान प्रोद्भवन आधार पर हिसाब है, और एक बराबर राशि है

अनुदाता से पुनर्प्राप्त करने योग् य रूप में दिखाया गया।

हालांकि पूंजी अनुदान के

25,00,000 / - पिछले साल, वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त करने के लिए संबंधित

अतिरिक्त प्रावधानों के खिलाफ Earmarked निधि के रूप में हिसाब था...

2.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुसार समायोजन के कारण, पूर्व अवधि पूंजी अनुदान के

8,00,00,000 /-चालू वर्ष के कोष/राजधानी से काट रहा था कोष और

Earmarked निधि करने के लिए जोड़ा गया।

यह उपयुक्त में नोटों पर खुलासा नहीं किया गया था

खातों।

3.

24,75,15,819 की निर्धारित धनराशि /अनुसूची में खुलासा नहीं किया गया

2 C - "निर्धारित धन वार्षिक खातों।

D. अनुदान सहायता::

कुल अनुदान की सहायता से बाहर ~ 30.07 करोड़ ' प्राप्त

वर्ष के दौरान (अनुदान के सहित ~ 2.74 करोड़ मार्च, 2016 में प्राप्त),

0.40 के संतुलन के साथ पिछले साल प्रमाणित करोड़ और अन् य प्राप्तियां

का 2.62 करोड़, totaling 33.09 करोड़, संस्थान की राशि का उपयोग किया

31.19 करोड़ ', छोड़ने के एक संतुलन .of ' 1.90 करोड़, पर 31 मार्च 2016 के रूप में।

I(i)योजना - राजधानी (जनरल, SC & ST): ~ 16.46 करोड़, (ii) योजना-(सामान्य, SC & ST): 7.69 करोड़ और (Hi) योजना - वेतन (जनरल, SC & ST): ~ 5.92 करोड़

2 (i) राजस्व व्यय: ~ 11.28 करोड़ (द्वितीय) व्यय के अधिग्रहण का निश्चित की ओर संपत्ति वर्ष के दौरान: ~ 19.91 करोड़।

v.

पहले पैराग्राफ में हमारे टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट

कि तुलन पत्र, आय &व्यय खाते और रसीद &

इस रिपोर्ट द्वारा के साथ निपटा भुगतान खाता खातों की पुस्तकों के साथ समझौते कर रहे हैं।

vi.

हमारी राय में और हमारी जानकारी का सबसे अच्छा और करने के लिए अनुसार

स्पष्टीकरण के लिए हमें दिया, ने कहा कि वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और नोट्स के साथ पढ़ा खातों, और विषय पर

ऊपर उल्लेखित महत्वपूर्ण मामलों और अन्य मामलों अनुलग्नक इस ऑडिट रिपोर्ट में उल्लेख करने के लिए, एक सही और निष्पक्ष दृश्य भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों अनुरूप देना

C. General:

1. पैरा के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय स्वरूप, के रूप में 12 के साथ पढ़ने का 9.1 जहाँ के लिए मंजूरी

सरकारें अनुदान और यूजीसी अनुदान के लिए वित्तीय वर्ष से संबंधित था

31 मार्च से पहले प्राप्त किया और अनुदान में अगले वास्तव में प्राप्त होता है

वित्तीय वर्ष, अनुदान प्रोद्भवन आधार पर हिसाब है, और एक बराबर राशि है

अनुदाता से पुनर्प्राप्त करने योग् य रूप में दिखाया गया।

हालांकि पूंजी अनुदान के

25,00,000 / - पिछले साल, वर्तमान वर्ष के दौरान प्राप्त करने के लिए संबंधित

अतिरिक्त प्रावधानों के खिलाफ Earmarked निधि के रूप में हिसाब था...

2.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुसार समायोजन के कारण, पूर्व अवधि पूंजी अनुदान के

8,00,00,000 /-चालू वर्ष के कोष/राजधानी से काट रहा था कोष और

Earmarked निधि करने के लिए जोड़ा गया।

यह उपयुक्त में नोटों पर खुलासा नहीं किया गया था

खातों।

3.

24,75,15,819 की निर्धारित धनराशि /अनुसूची में खुलासा नहीं किया गया

2 C - "निर्धारित धन वार्षिक खातों।

D. अनुदान सहायता::

कुल अनुदान की सहायता से बाहर ~ 30.07 करोड़ ' प्राप्त

वर्ष के दौरान (अनुदान के सहित ~ 2.74 करोड़ मार्च, 2016 में प्राप्त),

0.40 के संतुलन के साथ पिछले साल प्रमाणित करोड़ और अन् य प्राप्तियां

का 2.62 करोड़, totaling 33.09 करोड़, संस्थान की राशि का उपयोग किया

31.19 करोड़ ', छोड़ने के एक संतुलन .of ' 1.90 करोड़, पर 31 मार्च 2016 के रूप में।

I(i)योजना - राजधानी (जनरल, SC & ST): ~ 16.46 करोड़, (ii) योजना-(सामान्य, SC & ST): 7.69 करोड़ और (Hi) योजना - वेतन (जनरल, SC & ST): ~ 5.92 करोड़

2 (i) राजस्व व्यय: ~ 11.28 करोड़ (द्वितीय) व्यय के अधिग्रहण का निश्चित की ओर संपत्ति वर्ष के दौरान: ~ 19.91 करोड़।

v.

पहले पैराग्राफ में हमारे टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट

कि तुलन पत्र, आय &व्यय खाते और रसीद &

इस रिपोर्ट द्वारा के साथ निपटा भुगतान खाता खातों की पुस्तकों के साथ समझौते कर रहे हैं।

vi.

हमारी राय में और हमारी जानकारी का सबसे अच्छा और करने के लिए अनुसार

स्पष्टीकरण के लिए हमें दिया, ने कहा कि वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और नोट्स के साथ पढ़ा खातों, और विषय पर

ऊपर उल्लेखित महत्वपूर्ण मामलों और अन्य मामलों अनुलग्नक इस ऑडिट रिपोर्ट में उल्लेख करने के लिए, एक सही और निष्पक्ष दृश्य भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों अनुरूप देना

a. यह बैलेंस शीट के लिए, राज्य के मामलों के संबंधित तक

स्कूल की योजना और वास्तुकला, विजयवाड़ा, में के रूप में

31 मार्च, 2016; और

b. यह करने के लिए आय &व्यय खाता अधिशेष के संबंधित तक

पर उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए।

ANNEXURE

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

एक आंतरिक जो वर्ष 2015-16 के लिए ऑडिट पूर्ण लेखा परीक्षक, के लिए आंतरिक ऑडिट का काम सौंपा गया था।

आंतरिक लेखा परीक्षा की व्यवस्था में-पूर्व अवधि आय के रूप में पर्याप्त पाया गया और अचल संपत्ति के लिए ठीक से हिसाब नहीं थे।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के रूप में व्यय, आस्तियों का वर्गीकरण अपर्याप्त है और अनुदान ठीक से हिसाब नहीं था।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था: - वर्ष 2015-16 के लिए तय की परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूर्ण किया गया।

4. माल का भौतिक सत्यापन की व्यवस्था: वर्ष 2015-16 के लिए तय की परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूर्ण किया गया।

5. सांविधिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता: सांविधिक देय राशि नियमित रूप से भुगतान किया गया।

वित्तीय विवरण

2015-16

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2008 में स्थापित)
क्र.सं.. 71/1, एनएच - 5, निडमानूरू, विजयवाड़ा - 521 104. आंध्र प्रदेश.
फोन : 0866 - 2469 445, 2469 447, 2469 446 फैक्स : 0866 - 2469 451

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

तुलन पत्र 31-03-2016 तक

(राशि में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान साल	पिछले साल
कोष पूंजी निधि /	1	638,268,966	77,913,755
नामित / रखी / निधि कोष	2	247,515,819	569,000,000
मौजूदा देनदारियों और प्रावधान	3	52,783,072	31,375,846
कुल		**938,567,857**	**678,289,601**

निधियों का उपयोग	अनुसूची	वर्तमान साल	पिछले साल
स्थिर परिसम्पतियां	4		
मूर्त परिसम्पतियां		26,732,431	27,617,628
अमूर्त परिसम्पतियां		890,192	1,959,663
प्रक्रियाधीन मुख्य कार्य		496,053,833	301,717,911
निवेश से रखी / निधि कोष	5		
दीर्घावधि			
अल्पावधि			
निवेश - अन्य	6		
वर्तमान परिसम्पतियां	7	28,457,512	46,910,324
ऋण, अग्रिम एवं जमाएं	8	386,433,889	300,084,075
कुल		**938,567,857**	**678,289,601**

SIGNIGICANT ACCOUNTING POLICIES 23

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO / 24

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा
खाता अवधि/31-03-2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय

(राशि में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान साल	पिछले साल
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	20,852,764	18,594,549
अनुदान/डोनेशन	10	112,816,923	103,800,000
निवेश से आय	11	2,992,207	4,151,138
अर्जित ब्याज	12	598,365	753,978
अन्य आय	13	1,834,320	1,332,818
पूर्व अवधि आय	14	-	-
कुल (ए)		**139,094,579**	**128,632,483**
व्यय			
स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	15	36,822,340	39,278,053
शैक्षिक व्यय	16	20,750,780	12,242,718
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	48,686,813	42,533,412
परिवहन व्यय	18	583,207	926,326
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	1,889,815	2,695,439
वित्त एवं लागत	20	5,956	9,796
मूल्यह्रास	4	6,686,790	7,934,532
अन्य व्यय	21	2,486,567	2,048,182
पूर्व अवधि व्यय	22	1,591,445	102,493
कुल (बी)		**119,503,713**	**107,770,951**
आय से अधिक व्यय होने पर शेष (ए-बी)		19,590,866	20,861,532
निर्दिष्ट निधि को/से अंतरण			
निर्माण निधि			
अन्य (स्पष्ट करें)			
शेष जो अधिशेष है (घाटा) सामान्य निधि को अंतरण			

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	24

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

(राशि में)

प्राप्ति	वर्तमान वर्ष राशि (Rs.)	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	पिछले वर्ष राशि (`.)	भुगतान	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	पिछले वर्ष राशि (`.)
I. **आरंभिक शेष**				I. व्यय			
a) नकद				क) स्थापना व्यय	36,822,340		39,270,662
b) बैंक शेष				ख) शैक्षिक व्यय	20,750,780		13,588,337
i. चालू खातों में	229,102		183,502	(ग) प्रशासकीय खर्च	48,686,813		44,592,671
ii. जमा खातों में	32,951,627			घ) प रवहन खचर्	583,207		926,326
iii. बचत खातों में	13,679,596	46,860,324	4,222,248	ई) मरम्मत & रखरखाव	1,889,815		2,695,439
				च) अन्य व्यय	2,486,567		
				छ) पूर्व अवधि व्यय	1,591,445		102,493
				ज) वित्त लागत	5,956	112,816,923	9,796
II. **प्राप्त अनुदान :**				II. भुगतान के खिलाफ निर्धारित / निधि कोष			
a) भारत सरकार से							
i. मुख्य अनुदान	137,200,000		208,700,000				
ii. राजस्व अनुदान	136,100,000	273,300,000	103,800,000				
b) राज्य सरकार से							
i. मुख्य अनुदान							
ii. राजस्व अनुदान							
b) अन्य स्रोतों से (विवरण)							
i. मुख्य अनुदान							
ii. राजस्व अनुदान							
a) एमओयूडी		475,000					
III. **शैक्षणिक प्राप्तियाँ**		20,852,764	18,957,939	III. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के खिलाफ भुगतान			
IV. **निर्धारित के खिलाफ प्राप्तियाँ/धर्मादा निधि**				IV. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के खिलाफ भुगतान			
				क) BMTPC, शहरी विकास, भारत सरकार के मंत्रालय	253,281		
				ख) डीआइसी, आईआईटी मुंबई	242,802	496,083	
V. **प्रायोजित परियोजनाओं के विरुद्ध प्राप्ति /योजनाओं**				V. निवेश और जमा किया			
				Earmarked/निधि कोष के एक) आउट			
				ख) बाहर के स्वयं धन (निवेश - दूसरों)			
VI. **प्रायोजित फैलोशिप के विरुद्ध प्राप्ति और छात्रवृत्ति**				VI. अनुसूचितबैंक सावधि जमाराशि			
VII. **निवेश से आय**				VII. स्थाई परिसंपत्तियों और पूंजी निर्माण में प्रगति पर व्यय			
a) निर्धारित/निधि कोष				क) निश्चित संपत्ति	4,732,122		11,098,944
b) अन्य निवेश				b) पूंजी निर्माण में प्रगति	194,335,922	199,068,044	289,303,596
VIII. **प्राप्त हुआ ब्याज**				VIII. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान			
a) बैंक जमा	2,514,874		2,472,785	a) वैधानिक भुगतान			11,112,811
b) ऋण एवं अग्रिम	-		-	b) छुट्टी भुनाना			320,952
c) बचत बैंक खाते	598,365	3,113,239	753,978	ग) पेंशन			680,096

(राशि में)

	प्राप्ति	वर्तमान वर्ष राशि (Rs.)	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	पिछले वर्ष राशि (`.)
IX.	निवेश नकदीकरण			
X.	सावधि जमाराशि अनुसूचित बैंकों नकदीकरण		-	230,359,331
XI.	अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)			
	i) पूर्व अवधि आय	1,300,208		
	ii) कार्य-निष्पादन गारंटी से मैसर्स श्री कृष्ण आश्रयों प्राइवेट एकत्र।	49,826,008		
	iii) सलाहकार वास्तुकार को जुर्माना	198,216		
	iv) छात्रों से जमा			
	a) पुस्तकालय	230,000		730,000
	b) विद्यालय	230,000		730,000
	c) होस्टल	234,000		744,000
	d) मेस	122,500		302,500
	v) सलाहकार वास्तुकार से सुरक्षा प्रदर्शन एकत्र	332,795		
	vi) अन्य आय / प्राप्ति	1,834,320	54,308,047	17,945,191
	vii) वैधानिक दायित्व			11,070,165
XII.	जमा और अग्रिमों			
	i) अन्य देनदारियों में वृद्धि / प्रावधानों	3,856,427		427,301
	ii) प्रीपेड में कमी की समय सीमा समाप्त	1,667,730	5,524,157	
XIII.	वैधानिक रसीद सहित विविध प्राप्तियां			
XIV.	किसी भी अन्य प्राप्तियां			
	a) अग्रिम समायोजित			247,666,613
	b) अग्रिम (2015-16) में फीस एकत्र			45,300
	c) संपत्ति की बिक्री			14,618
	d) अतिरिक्त भुगतान पिछले वर्ष की बरामद			951,567
	e) शुल्क रसीदें CSAB से			80,000
	कुल		404,433,531	850,157,037

	भुगतान	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	वर्तमान वर्ष राशि (`.)	पिछले वर्ष राशि (`.)
IX.	अनुदान की वापसी			
	क) डीआइसी, आईआईटी मुंबई	1,507,198	1,507,198	240,000,000
X.	जमा और अग्रिमों			
XI.	अन्य भुगतान			
	i) दिए गए अग्रिम			
	क) स्टाफ	693,829		
	ख) सीपीडब्ल्यूडी	59,229,367	59,923,196	166,215,152
	ii) जमा		47,362	367,972
	iii) द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं		160,436	
	iv) छात्रवृत्ति		30,647	
	v) शुल्क प्राप्य	58,969.00		
	vi) पूर्व अवधि व्यय	16,400.00		
	vii) लेनदारों को भुगतान	1,959,731.00	2,035,100	
	viii) शैक्षणिक शुल्क वापस ले लिया छात्रों को वापस किया			363,390
	ix) जमा करने के लिए छात्र लौटे			
	क) छात्रावास			570,000
	ख) पुस्तकालय			495,000
	ग) गंदगी			193,000
	घ) स्कूल			495,000
	x) अन्य भुगतान / धनवापसी			13,846,703
XII.	शेष बंद करके:			
	क) हाथ में नकदी			
	ख) बैंक बैलेंस			
	i. चालू खाते में	86,943.47		
	ii. जमा खाते में	21,210,000		
	iii. बचत खाते में	7,051,598.82	28,348,542	13,908,697
	कुल		404,433,531	850,157,037

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची का गठन बैलेंस शीट के भाग के रूप में 31-03-2016 तक

अनुसूची - 1: कायिक / पूंजी निधि

(राशि में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
के रूप में वर्ष की शुरुआत में संतुलन	77,913,755	55,707,338
जमा : कोष की ओर योगदान / पूंजी कोष		
जमा : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान, भारत और हद तक पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग करने के लिए राज्य		
जमा : एक सलाहकार वास्तुकार से बरामद जुर्माना	198,216	
जमा : निर्धारित धन (पिछले वर्ष 2008-09 से 2013-14) में से खरीदी गई संपत्ति	54,838,274	
जमा : निर्धारित धन (पिछले वर्ष 2014-15) से खरीदी गई संपत्ति	57,777,181	
जमा : निर्धारित धन (चालू वर्ष 2015-16) से खरीदी गई संपत्ति	8,471,853	
जमा : पूंजीगत व्यय यानी, वास्तुकार, साइट सर्वेक्षण, फायर विभाग, GoAP और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, GoAP (चालू वर्ष 2015-16) के लिए भुगतान	12,414,315	
जमा : पूंजीगत व्यय प्रपत्र-65 वह 31-03-2016 के रूप में सीपीडब्ल्यूडी के अनुसार परिसर के लिए इमारतों के निर्माण के लिए यानी,	433,222,000	
जमा : प्रायोजित परियोजनाओं में से खरीदी गई परिसंपत्तियों जहां पश्चिम के स्वामित्व संस्था में		
जमा : संपत्ति दान/उपहार प्राप्त किया		
जमा: उपदान की ओर पिछले वर्ष (एस) के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान	2,732,690	
जमा : अन्य संस्करण		
(i) पूर्व भुगतान की अवधि के अतिरिक्त वर्ष के दौरान बरामद/समायोजित किया	1,300,208	951,567
(ii) बाहर इकाई अधिग्रहीत संपत्ति		1,359,592
(iii) कार्य-निष्पादन गारंटी अनुबंध और सीपीडब्ल्यूडी के साथ जमा किया कि जमा खाते की समाप्ति के कारण से मैसर्स श्री कृष्ण आश्रयों प्राइवेट लिमिटेड, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा बरामद	49,826,008	
घटा : पिछले वर्ष CPDA से खरीदा संपत्ति के लिए मूल्यह्रास		(966,274)
घटा : वर्ष के दौरान पूर्व अवधि प्राप्ति समायोजित	(16,400)	
घटा : पूर्व अवधि पूंजी सहायता अनुदान	(80,000,000)	
जमा : आय से अधिक व्यय पर आय और व्यय खाते से स्थानांतरित	19,590,866	20,861,532
TOTAL	**638,268,966**	**77,913,755**
घटा: घाटे के आय और व्यय खाते से स्थानांतरित कर रहा है		
वर्ष अंत पर-शेष		

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 2: नामित / निर्धारित / निधि कोष

विवरण	निधि वार विभाजन				कुल	
	पूंजी परिसंपत्ति का निर्माण	निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार	डिजाइन और नवाचार केंद्र (डीआइसी, आईआईटी मुंबई)	धर्मादा निधि	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
A						
a) प्रारंभिक शेष	569,000,000	439,152	1,750,000		**571,189,152**	360,300,000
b) वर्ष के दौरान अतिरिक्त	162,078,571	475,000			**162,553,571**	208,700,000
c)निधि के निवेश से आय					-	
d) अर्जित ब्याज वह निवेश/अग्रिम					-	
e) वह बचत खाते पर ब्याज।					-	
f) अन्य अतिरिक्त (निर्दिष्ट प्रकृति)					-	
i) 2014-15 के दौरान मंजूर की गई और 2015-16 दौरान अप्रैल 2015 में जारी अनुदान	2,500,000				**2,500,000**	
ii) पूंजी परिसंपत्तियों का निर्माण करने के लिए से संबंधित पिछले वर्षों के दौरान मंजूर अनुदान	80,000,000				**80,000,000**	
TOTAL (A)	**813,578,571**	**914,152**	**1,750,000**	-	**816,242,723**	**569,000,000**
B						
उपयोग/व्यय धन के उद्देश्यों की ओर					-	
i) पूंजीगत व्यय	133,501,623				**133,501,623**	
ii) राजस्व व्यय		253,281	242,802		**496,083**	
iii) Capitalwork-in-progress	433,222,000				**433,222,000**	
iv) अनुदान दिए गए			1,507,198		**1,507,198**	
TOTAL (B)	**566,723,623**	**253,281**	**1,750,000**	-	**568,726,904**	-
(ए-बी) वर्ष के अंत में समापन संतुलन	**246,854,948**	**660,871**	-	-	**247,515,819**	**569,000,000**

द्वारा प्रस्तुत

नकद एवं बैंक शेष						
निवेश						
लेकिन नियत नहीं अर्जित ब्याज						
कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

कुलसचिव (आईसी) — **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची 3 - मौजूदा देनदारियों और प्रावधान

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष	
ए. वर्तमान देयताएं				
1. कर्मचारियों से जमा की गई रकम				
2. छात्रों से जमा की गई रकम				
i) पुस्तकालय	2,865,000		2,635,000	
ii) स्कूल	2,850,000		2,620,000	
iii) छात्रावास	3,084,000		2,850,000	
iv) मेस	1,265,000	10,064,000	1,142,500	9,247,500
3. विविध लेनदारों				
a) मरम्मत एवं अनुरक्षण				
b) अन्य				
- कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ	3,865		10,341	
- शैक्षिक व्यय	42,200		103,521	
- प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	681,858		1,233,176	
- अन्य	6,583		1,347,199	
- स्थिर परिसम्पत्तियां	91,130	825,636	91,130	2,785,367
4. जमा - दूसरों (EMD सहित, सिक्योरिटी डिपॉजिट)		2,674,585		2,341,790
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ., टीडीएस, डब्ल्यूसी, कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)				
क) अति देय				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) वेतन				
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के समक्ष प्राप्तियां				
ग) प्रायोजित अध्येतावृत्तियों और छात्रवृत्तियों के समक्ष प्राप्तियां				
घ) अप्रयोज्य अनुदान		23,283,077		
ङ.) अग्रिम अनुदान				
च) अन्य निधियां				
छ) अन्य देयताएं				
i)निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद			439,152	
ii) पूर्व विद्यार्थी संघ की शुल्क	337,000		-	
iii) नासा शुल्क	243,401		169,490	
iv) नोस योजना शुल्क	342,382		338,586	
v) एसपीए भंडार संघ का शुल्क	235,000		235,000	
vi) छात्र सहायक निधि	475,946		367,326	
vii) छात्र संघ शुल्क	987,411		1,039,391	
viii)छात्रों की लौटाया जाने योग्य शुल्क	290,655		290,655	
ix) छात्रवृति			55,696	
x) कालातीत चेक्स			117,890	
xi) मैस अग्रिम राशि	2,926,941		3,650,861	
xii) सीसैब पर अतिरिक्त फीस अदा	3,200		3,200	
xiii)व्यक्तिगत जमा (अतिरिक्त छात्रों द्वारा अदा की फीस)	77,986		31,404	
xiv) पूर्व-एकत्र (फीस छात्र से)	1,998,702		45,300	
xv) निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद			1,750,000	
xvi) व्यय देय	1,055,150		1,259,115	
		8,973,774		9,793,066
कुल (ए)		**45,821,072**		**24,167,723**
बी. प्रावधान				
1. कर हेतु				
2. ग्रेज्यूटी	1,226,000		3,958,690	
3. अधिवर्षिता/पेंशन				
4. संचित छुट्टी के बदले नकद भुगतान	5,736,000		3,249,433	
5. व्यापार गारंटी/दावे				
6.अन्य (स्पष्ट करें)				
कुल (बी)		**6,962,000**		**7,208,123**
कुल (ए+बी)	-	**52,783,072**	-	**31,375,846**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 2: नामित / निर्धारित / निधि कोष

विवरण	निधि वार विभाजन				कुल	
	पूंजी परिसंपत्ति का निर्माण	निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार	डिजाइन और नवाचार केंद्र (डीआइसी, आईआईटी मंडी)	धर्मादा निधि	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
A						
a) प्रारंभिक शेष	569,000,000	439,152	1,750,000		**571,189,152**	360,300,000
b) वर्ष के दौरान अतिरिक्त	162,078,571	475,000			**162,553,571**	208,700,000
c)निधि के निवेश से आय					-	
d) अर्जित ब्याज वह निवेश/अग्रिम					-	
e) वह बचत खाते पर ब्याज।					-	
f) अन्य अतिरिक्त (निर्दिष्ट प्रकृति)					-	
i) 2014-15 के दौरान मंजूर की गई और 2015-16 दौरान अप्रैल 2015 में जारी अनुदान	2,500,000				**2,500,000**	
ii) पूंजी परिसंपत्तियों का निर्माण करने के लिए से संबंधित पिछले वर्षों के दौरान मंजूर अनुदान	80,000,000				**80,000,000**	
TOTAL (A)	**813,578,571**	**914,152**	**1,750,000**	**-**	**816,242,723**	**569,000,000**
B						
उपयोग/व्यय धन के उद्देश्यों की ओर					-	
i) पूंजीगत व्यय	133,501,623				**133,501,623**	
ii) राजस्व व्यय		253,281	242,802		**496,083**	
iii) Capitalwork-in-progress	433,222,000				**433,222,000**	
iv) अनुदान दिए गए			1,507,198		**1,507,198**	
TOTAL (B)	**566,723,623**	**253,281**	**1,750,000**	**-**	**568,726,904**	**-**
(ए-बी) वर्ष के अंत में समापन संतुलन	**246,854,948**	**660,871**	**-**	**-**	**247,515,819**	**569,000,000**

द्वारा प्रस्तुत

नकद एवं बैंक शेष						
निवेश						
लेकिन नियत नहीं अर्जित ब्याज						
कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची 3 - मौजूदा देनदारियों और प्रावधान

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष	
ए. वर्तमान देयताएं				
1. कर्मचारियों से जमा की गई रकम				
2. छात्रों से जमा की गई रकम				
i) पुस्तकालय	2,865,000		2,635,000	
ii) स्कूल	2,850,000		2,620,000	
iii) छात्रावास	3,084,000		2,850,000	
iv) मेस	1,265,000	10,064,000	1,142,500	9,247,500
3. विविध लेनदारों				
a) मरम्मत एवं अनुरक्षण				
b) अन्य				
- कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ	3,865		10,341	
- शैक्षिक व्यय	42,200		103,521	
- प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	681,858		1,233,176	
- अन्य	6,583		1,347,199	
- स्थिर परिसम्पत्तियां	91,130	825,636	91,130	2,785,367
4. जमा - दूसरों (EMD सहित, सिक्योरिटी डिपॉजिट)		2,674,585		2,341,790
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ., टीडीएस, डब्ल्यूसी, कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)				
क) अति देय				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) वेतन				
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के समक्ष प्राप्तियां				
ग) प्रायोजित अध्येतावृत्तियों और छात्रवृत्तियों के समक्ष प्राप्तियां				
घ) अप्रयोज्य अनुदान		23,283,077		
ङ.) अग्रिम अनुदान				
च) अन्य निधियां				
छ) अन्य देयताएं				
i)निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद			439,152	
ii) पूर्व विद्यार्थी संघ की शुल्क	337,000		-	
iii) नासा शुल्क	243,401		169,490	
iv) नोस योजना शुल्क	342,382		338,586	
v) एसपीए भंडार संघ का शुल्क	235,000		235,000	
vi) छात्र सहायक निधि	475,946		367,326	
vii) छात्र संघ शुल्क	987,411		1,039,391	
viii)छात्रों की लौटाया जाने योग्य शुल्क	290,655		290,655	
ix) छात्रवृति			55,696	
x) कालातीत चेक्स			117,890	
xi) मैस अग्रिम राशि	2,926,941		3,650,861	
xii) सीसैब पर अतिरिक्त फीस अदा	3,200		3,200	
xiii)व्यक्तिगत जमा (अतिरिक्त छात्रों द्वारा अदा की फीस)	77,986		31,404	
xiv) पूर्व-एकत्र (फीस छात्र से)	1,998,702		45,300	
xv) निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद			1,750,000	
xvi) व्यय देय	1,055,150		1,259,115	
		8,973,774		9,793,066
कुल (ए)		**45,821,072**		**24,167,723**
बी. प्रावधान				
1. कर हेतु				
2. ग्रेज्यूटी	1,226,000		3,958,690	
3. अधिवर्षिता/पेंशन				
4. संचित छुट्टी के बदले नकद भुगतान	5,736,000		3,249,433	
5. व्यापार गारंटी/दावे				
6.अन्य (स्पष्ट करें)				
कुल (बी)		**6,962,000**		**7,208,123**
कुल (ए+बी)	-	**52,783,072**	-	**31,375,846**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 4: अचल संपत्ति

Sl. No.	विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेट ब्लॉक	
		लागत / के रूप में वर्ष के आरंभ में मूल्यांकन	परिवर्धन	कटौती	शेष बंद	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौती / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2016	पिछले वर्ष के अंत के रूप में
1	भूमि	1			1					1	1
2	साइट विकास				-						
3	भवन				-						
4	सड़कें और पुल				-						
5	ट्यूबवेलों और पानी की आपूर्ति				-						
6	सीवरेज और ड्रेनेज				-						
7	विद्युत अधिष्ठापन और उपकरण	4,135,823	37,060		4,172,883	898,472	326,194		1,224,666	2,948,217	3,237,351
8	प्लांट और यंत्र	966,022	22,150		988,172	130,270	48,522		178,792	809,380	835,752
9	वैज्ञानिक और लैब उपकरण	1,793,381	2,411,476		4,204,857	134,503	601,202		735,705	3,469,152	1,658,878
10	कार्यालय उपस्कर	2,838,443			2,838,443	1,219,970	242,771		1,462,741	1,375,702	1,618,473
11	Audio Visual Equipment				-				-	-	
12	कम्प्यूटर और पेरिफेरल्स	11,310,798	1,112,297		12,423,095	9,980,135	1,140,222		11,120,357	1,302,738	1,330,663
13	फर्नीचर और फिक्सचर और फिटिंग	20,955,762	633,216		21,588,978	6,350,520	1,518,441		7,868,961	13,720,017	14,605,242
14	वाहन	155,725			155,725	89,686	9,906		99,592	56,133	66,039
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाओं	8,838,817	250,751		9,089,568	7,746,273	743,061		8,489,334	600,234	1,092,544
16	छोटे मूल्य की संपत्ति				-				-	-	
	XI. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियां				-				-	-	
	क) निर्माण	2,671,227			2,671,227	649,747	202,148		851,895	1,819,332	2,021,480
	ख) खेल-कूद	90,038			90,038	36,246	8,069		44,315	45,723	53,792
17	**निश्चित संपत्ति खरीदी संचयी व्यावसायिक विकास भत्ता से बाहर**				-				-	-	
	i) कंप्यूटर्स/बाहय उपकरणों	2,027,433			2,027,433	1,315,851	515,606		1,831,457	195,976	711,582
	ii) किताबें	203,198	3,995		207,193	138,249			138,249	68,944	64,949
	ii) उपकरण	447,910			447,910	127,028			127,028	320,882	320,882
	कुल (ए)	**56,434,578**	**4,470,945**	-	**60,905,523**	**28,816,950**	**5,356,142**	-	**34,173,092**	**26,732,431**	**27,617,628**

18	प्रक्रियाधीन मुख्य कार्य (बी)	301,717,911	194,335,922		496,053,833	-				496,053,833.00	301,717,911

Sl. No.	विवरण	सकल ब्लॉक				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		लागत / के रूप में वर्ष के आरंभ में मूल्यांकन	परिवर्धन	कटौती	शेष बंद	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौती / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2016	पिछले वर्ष के अंत के रूप में
19	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	10,543,731	261,177		10,804,908	8,584,068	1,330,648		9,914,716	890,192	1,959,663
20	ई-पत्रिकाओं										
21	पेटेंट										
	कुल (सी)	**10,543,731**	**261,177**	-	**10,804,908**	**8,584,068**	**1,330,648**	-	**9,914,716**	**890,192**	**1,959,663**

	ग्रांड कुल (ए+बी+सी)	**368,696,220**	**199,068,044**	-	**567,764,264**	**37,401,018**	**6,686,790**	-	**44,087,808**	**523,676,456**	**331,295,202**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

SCHEDULE - 5 :चिन्हित/अक्षय निधि से निवेश

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
4. शेयर		
5..ऋणपत्र और प्रतिज्ञापत्र		
6. मीयादी जमा बैंकों के साथ		
7. अन्य (स्पष्ट किया जाए)		
कुल	**0.00**	**0.00**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

SCHEDULE - 6 : निवेश-अन्य

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
4. शेयर		
5..ऋणपत्र और प्रतिज्ञापत्र		
6. अन्य (स्पष्ट किया जाए)		
कुल	**0**	**0**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 7: वर्तमान संपत्ति

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष	
1. स्टॉक:				
क) भंडार और अतिरिक्त				
ख) मुक्त उपस्कर				
ग) प्रकाशन				
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य सामग्रियों और ग्लास वेयर				
च) वन निर्माण सामग्री				
छ) द्युत सामग्री				
ज) स्टेशनरी				
झ) पानी की आपूर्ति सामग्री				
2. विविध प्रकार के ऋणी.				
क) छः माह से अधिक की अवधि से बकाया ऋण	50,000		50,000	50,000
ख) अन्य शुल्क प्राप्य	58,969	108,969		
3. नकदी और बैंक बैलेंस				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ				
- चालू खातों में (SBI A/c. No. 00000032958139844)	86,943		229,102	
- In Term Deposit Accounts:-			32,951,627	
(i) TDR नं 35582720061	10,000,000			
(ii) TDR नं 35582723437	10,000,000			
"(iii) TDR नं 33245393666 (बैंक गारंटी)"	1,210,000			
-बचत खाते (भारतीय स्टेट बैंक ए/सी. नं. 00000031022276463) में	7,051,599	28,348,543	13,679,596	46,860,324
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के साथ:				
-अवधि जमा खातों में				
-बचत खाते में				
5. डाकघर - बचत खाते				
कुल		**28,457,512**		**46,910,324**

कुलसचिव (आई/सी)　　　　**निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 8: ऋणों, अग्रिमों और जमा

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष	
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)				
क) वेतन				
ख) त्योहार				
ग) एल.टी.सी.				
घ) चिकित्सा				
ड) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)				
2. कर्मचारियों के दीर्घ कालिक ऋण (ब्याज सहित)				
क) वाहन ऋण				
ख) गृह ऋण				
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)				
3. वसूल की जाने वाली अग्रिम और अन्य नकद				
क) पूंजीगत खाते पर	356,039,781.00		296,810,414	
ख) प्रदायकों से				
ग) अन्य	697,019.00	356,736,800.00	3,190	296,813,604
4. पूर्वदत्त व्यय				
क) बीमा	3,096.00		7,564	
ख) प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय			1,982,062	
ग) अन्य	318,799.84	321,895.84		1,989,626
5. जमा:				
क) दूरभाष				
ख) पट्टा भाड़ा	1,258,200.00		1,218,200	
ग) बिजली	17,370.00		17,370	
घ) ए.आई.सी.टी.ई., यदि लागू हो				
ड.) एम.सी.आई., यदि लागू हो				
च) अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	52,636.28	1,328,206.28		
i) KDCO पारस्परिक रूप से सहायता प्राप्त सहकारी दुकानों, विजयवाड़ा			38,474	
ii) के.डी.एल.ओ. पारस्परिक सहायक भंडार विजयवाड़ा			6,800	1,280,844
6. अर्जित आय:				
क) चिन्हित/अक्षय निधि से निवेश पर		-		
ख) अन्य-निवेश पर				
ग) ऋण और अग्रिमों पर				
d) अन्य (सावधि जमा पर अर्जित ब्याज)	477,333.00	477,333.00		
7. अन्य - वर्तमान संपत्ति यूजीसी प्रायोजित/परियोजनाओं से प्राप्य				
क) प्रायोजित परियोजनाओं में विकलन शेष	160,436.00			
ख) अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति में विकलन शेष	30,647.00			
ग) वसूल किए जाने वाले अनुदान	27,378,571.00			
घ) अन्य प्राप्तियां		27,569,654.00		
8. प्राप्त किए जाने वाले दावे				
कुल		386,433,889.12		300,084,075

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

SCHEDULE - 9 : ACADEMIC RECEIPTS

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
शैक्षिक		
1. शिक्षा शुल्क	11,083,808.00	9,715,730
2. प्रवेश शुल्क		
3. नामांकन शुल्क	282,200.00	302,000
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला और क्राफट शुल्क		
7. पंजीकरण शुल्क	258,050.00	261,500
8. Syllabus fee		
9. पत्रिका शुल्क	162,630.00	153,600
10. शैक्षिक समर्थन शुल्क	2,172,400.00	2,055,000
कुल (ए)	**13,959,088.00**	**12,487,830**
परीक्षाएं		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	184,045.00	
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	29,400.00	40,350
3. अंक पत्र, प्रमाण पत्र शुल्क	55,600.00	83,920
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
कुल (बी)	**269,045.00**	**124,270**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	6,250.00	9,100
2. जुर्माना/विविध शुल्क	44,300.00	72,389
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क	1,199,100.00	975,500
5. छात्रावास शुल्क		
क) बिजली शुल्क	1,258,350.00	1,204,920
ख) चिकित्सा शुल्क	196,150.00	210,620
ग) कमरों का किराया	3,352,850.00	3,239,070
6. खेल कूद शुल्क	162,630.00	154,500
7. पुनः प्रवेश शुल्क	5,000.00	35,000
8. दीक्षांत समारोह शुल्क	388,500.00	
कुल (सी)	**6,613,130.00**	**5,901,099**
प्रकाशन की बिक्री		
1. प्रवेश फार्मों की बिक्री		
2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्र इत्यादि का विक्रय		
3. विवरणिका, प्रवेश प्रपत्र सहित का विक्रय		81,350
कुल (घ)	-	**81,350**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियों		
1. पंजीकरण शुल्क कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए	11,501.00	
2. पंजीकरण फीस (अकादमिक स्टाफ कॉलेज)		
कुल (ई)	**11,501.00**	**-**
कुल योग (A + B + C + D + E)	**20,852,764.00**	**18,594,549**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची 10 - अनुदान / सब्सिडी (अटल अनुदान प्राप्त)

(राशि में)

PARTICULARS	योजना			कुल योजना	गैर-योजना UGC	वर्तमान वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
	GOVT. OF INDIA	UGC					
		योजना	SPECIFIC SCHEMES				
शेष B/F				-		-	
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियों	136,100,000.00			**136,100,000**		**136,100,000**	103,800,000
कुल	**136,100,000.00**			**136,100,000**		**136,100,000**	**103,800,000**
कम: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए धन वापसी	-			-		-	0
शेष	**136,100,000.00**			**136,100,000**		**136,100,000**	**103,800,000**
कम: पूंजी व् यय (A) के लिए का उपयोग किया	-			-		-	0
शेष	**136,100,000.00**			**136,100,000**		**136,100,000**	**103,800,000**
कम: राजस्व व्यय (B) के लिए का उपयोग किया	112,816,923.04			**112,816,923**		**112,816,923**	0
शेष C/F (C)	**23,283,076.96**			**23,283,077**		**23,283,077**	**103,800,000**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 13 : निवेश से आय

(राशि में)

Particulars	निर्धारित / निधि कोष		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य प्रतिज्ञापत्र/ऋण पत्र				
2. सावधि जमाराशि ब्याज	2,693,466	4,151,138		
3. अर्जित आय लेकिन नहीं वह नियत अवधि जमा/ब्याज असर	298,741			
4. ब्याज वह बचत बैंक खाता				
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	**2,992,207**	**4,151,138**	**-**	**-**
स्थानांतरित करने के लिए निर्धारित/निधि कोष				
Balance	**2,992,207**	**4,151,138**	**-**	**-**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची 12: अर्जित ब्याज

(राशि में)

Particulars	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. बैंकों अनुसूची के साथ बचत खाते पर	598,365	753,978
2. ऋण पर		
a. कर्मचारी/स्टाफ		
b. अन्य		
3. अन्य देनदार प्राप्य		
कुल	598,365	753,978

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 13: अन्य आय		
		(राशि में)
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
ए. भूमि और भवन से आय		
1. छात्रावास के कमरे का किराया		
2. लाईसेंस शुल्क		
3. ऑडीटोरियम/मैदान/सम्मेलन केन्द्र इत्यादि का किराया प्रभार		
4. विद्युत शुल्क वसूल		
5. पानी शुल्क वसूल		
कुल (ए)	-	
बी. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	
सी. कार्यक्रमों के आयोजन से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल-कूद आनंदोत्सव से सकल प्राप्तियां		
घटा: वार्षिक समारोह/खेल-कूद आनंदोत्सव पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
2. उत्सवों से सकल प्राप्तियां		
घटा: उत्सवों पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
3. शैक्षिक दौरों से सकल प्राप्तियां		
घटा: दौरों पर हुआ प्रत्यक्ष व्यय		
4. अन्य (स्पष्ट किया जाए और पृथक रूप से दर्शाया जाए)		
कुल (सी)	-	
D. अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आरटीआई शुल्क	80	130
3. स्वामित्व से आय		
4. आवेदन पत्र (भर्ती) की बिक्री		1,000
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र और रद्दी कागज इत्यादि की	22,000	1,331,688
6. परिसम्पत्तियों की बिक्री/हटाने पर लाभ:		
क) स्वामित्व परिसम्पत्तियां		
ख) नि:शुल्क प्राप्त परिसम्पत्तियां		
7. अनुदान / संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और कल्याण निकायों से अनुदान		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
क) CCMT - केंद्र की फीस	446,400	
ख) CSAB - केंद्र की फीस	1,103,867	
ग) दासा - केंद्र की फीस	228,063	
d) पुस्तकालय पुस्तक महोत्सव	30,000	
ङ) लाइसेंस की फीस	3,910	
कुल (D)	**1,834,320**	**1,332,818**
कुल योग (A + B + C + D)	**1,834,320**	**1,332,818**
कुलसचिव (आई/सी)	**निदेशक (आई/सी)**	

अनुसूची 13: पूर्व अवधि आय

(राशि में)

विवरण	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. शैक्षणिक प्राप्तियों		
2. निवेश से आय		
3. अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय		
कुल	**0**	**0**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 15: स्टाफ भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)						
						(राशि में)
	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
ए) वेतन और मजदूरी						
1) संकाय	14,670,182		**14,670,182**	18,151,610		**18,151,610**
2) गैर संकाय	3,888,568		**3,888,568**	3,181,607		**3,181,607**
बी) भत्ते और बोनस			-			-
1) संकाय	10,501,256		**10,501,256**	10,589,606		**10,589,606**
2) गैर संकाय	4,338,172		**4,338,172**	4,238,928		**4,238,928**
सी) भविष्य निधि में अंशदान			-			-
1) संकाय	0		-	--		-
2) गैर संकाय	0		-	--		-
डी) अन्य निधियों में अंशदान (एनपीएस)			-			-
1) संकाय			-	1,439,664		**1,439,664**
2) गैर संकाय			-	571,282		**571,282**
ई) कर्मचारियों के कल्याण व्यय			-			-
1) संकाय			-			-
2) गैर संकाय	-		-			-
एफ) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ			-			-
1) संकाय	1,460,237		**1,460,237**			-
2) गैर संकाय	533,165		**533,165**			-
जी) यात्रा रियायत भत्ता			-			-
1) संकाय	240,017		**240,017**	116,302		**116,302**
2) गैर संकाय	12,908		**12,908**	53,456		**53,456**
एच) चिकित्सा सुविधा			-			-
1) संकाय	348,803		**348,803**	168,482		**168,482**
2) गैर संकाय	86,821		**86,821**	167,918		**167,918**
बच्चों शिक्षा भत्ता			-			-
1) संकाय	399,215		**399,215**	277,500		**277,500**
2) गैर संकाय	120,147		**120,147**	84,183		**84,183**
जे) मानदेय			-			-
1) संकाय			-			-
2) गैर संकाय	-		-			-
के) परिवहन/दैनिक भत्ते का व्यय			-			-
1) संकाय			-			-
2) गैर संकाय	-		-			-
एल.) अन्य (निर्दिष्ट करें)			-			-
1) संकाय (CPDA)			-			-
2) गैर-संकाय	-		-			-
एल) अतिरिक्त मेहनताना			-			-
1) संकाय	92,322		**92,322**	129,768		**129,768**
2) गैर संकाय	-		-			-
एम) छुट्टी का नकदीकरण			-			-
1) संकाय	20,460		**20,460**	91,437		**91,437**
2) गैर संकाय	110,067		**110,067**	16,310		**16,310**
कुल	**36,822,340**	**-**	**36,822,340**	**39,278,053**	**-**	**39,278,053**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची - 16: शैक्षणिक खर्च

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
ए) प्रयोगशाला व्यय	13,638.00		**13,638**	141,705		**141,705**
बी) क्षेत्र कार्य/सहभागिता	962,926.50		**962,927**	384,142		**384,142**
सी) संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय	1,034,436.00		**1,034,436**	1,385,292		**1,385,292**
डी) अतिथि संकाय भुगतान	4,034,462.00		**4,034,462**	1,751,050		**1,751,050**
ई) परिक्षा	54,312.00		**54,312**	1,452,455		**1,452,455**
एफ) छात्र कल्याण व्यय	2,961,134.00		**2,961,134**	4,147,068		**4,147,068**
जी) प्रवेश व्यय	1,373,867.00		**1,373,867**	773,325		**773,325**
एच) दीक्षांत समारोह व्यय	941,329.00		**941,329**			-
आई) प्रकाशन	113,596.00		**113,596**	137,515		**137,515**
जे) वृतिका/साधन सह योग्यता छात्रवृति	3,300,800.00		**3,300,800**	997,350		**997,350**
के) सब्सक्रिप्शन व्यय	4,760,872.72		**4,760,873**	799,635		**799,635**
ओ) अन्य (विनिर्दिष्ट)			-			-
i) प्रास्पेक्टस & पाठ्यक्रम	6,048.00		**6,048**			-
ii) चिकित्सा व्यय	232,113.00		**232,113**			-
iii) CoA खर्च	128,627.00		**128,627**	100,000		**100,000**
iv) CPDA खर्च	626,992.00		**626,992**	173,181		**173,181**
v) खेल खर्च	187,031.00		**187,031**			-
vi) पुस्तकालय पुस्तक महोत्सव खर्च	18,596.00		**18,596**			-
कुल	**20,750,780.22**	**-**	**20,750,780**	**12,242,718**	**-**	**12,242,718**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची - 17: प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
A. मूल संरचना						
ए) बिजली और ऊर्जा	2,333,673		2,333,673	1,991,738		1,991,738
बी) जल प्रभार	314,612		314,612	278,544		278,544
सी) बीमा	29,580		29,580	53,487		53,487
डी) किराया, दाम और कर (संपत्ति कर सहित)	25,478,361		25,478,361	22,482,363		22,482,363
B. संचार			-			-
ई) डाक और तार	48,816		48,816	72,160		72,160
एफ) दूरभाष और इंटरनेट व्यय	1,357,083		1,357,083	1,449,702		1,449,702
पी) अन्य			-			-
जी) मुद्रण और लेखन सामग्री	469,701		469,701	375,030		375,030
एच) यात्रा और वाहन भत्ता	1,297,989		1,297,989	486,879		486,879
जे) आतिथ्य	531,415		531,415	57,086		57,086
के) लेखा परीक्षकों का मानदेय	133,665		133,665	75,000		75,000
एल) व्यावसायिक प्रभार	19,758		19,758	88,538		88,538
एम) विज्ञापन और प्रचार	793,774		793,774	186,007		186,007
पी) अन्य (विनिर्दिष्ट)			-			-
i) बैठक खर्च	1,083,149		1,083,149	1,115,483		1,115,483
ii) आकस्मिक व्यय	34,513		34,513	169,272		169,272
iii) राजभाषा खर्च	7,400		7,400	14,800		14,800
iv) आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन	14,742,425		14,742,425	13,598,313		13,598,313
v) सीआरए के आरोप	5,899		5,899	6,041		6,041
vi) नींव दिन खर्च			-	32,969		32,969
vii) कानूनी खर्च	5,000		5,000			
कुल	48,686,813	-	48,686,813	42,533,412	-	42,533,412

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची -18: परिवहन व्यय

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-	कुल
1. वाहन (शैक्षिक संस्था द्वारा स्वामित्व में)						
क) चल खर्च						
ख) मरम्मत & रखरखाव						
ग) बीमा व्यय						
2. वाहन किराए पर लिया	583,207		**583,207**	926,326		926,326
3. वाहन खर्च काम पर रखने (टैक्सी)						
कुल	**583,207**	**-**	**583,207**	**926,326**	**-**	**926,326**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

अनुसूची - 19: मरम्मत और रखरखाव

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
a) भवन	439,585		**439,585**	1,380,638		**1,380,638**
ख) फर्नीचर और जुड़नार	81,155		**81,155**	156,294		**156,294**
ग) संयंत्र और मशीनरी	76,418		**76,418**	428,666		**428,666**
d) कार्यालय उपकरण	948,453		**948,453**	464,376		**464,376**
ई) कंप्यूटर	159,668		**159,668**			**-**
च) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण		-	**-**			**-**
छ) ऑडियो विजुअल उपकरण			**-**			**-**
ज) माल और सेवाओं की सफाई	161,316		**161,316**	240,535		**240,535**
i) पुस्तक बाध्यकारी शुल्क	23,220		**23,220**	24,930		**24,930**
j) बागवानी			**-**			**-**
k) संपत्ति के रखरखाव			**-**			**-**
एल.) अन्य (निर्दिष्ट करें)			**-**			**-**
कुल	**1,889,815**	**-**	**1,889,815**	**2,695,439**	**-**	**2,695,439**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 20: वित्त लागत

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	**गैर-योजना**	**कुल**	**योजना**	**गैर-योजना**	**कुल**
क) बैंक प्रभार	5,956.15		5,956.15	9,796.00		9,796.00
ख) अन्य (निर्दिष्ट करें)						
कुल	**5,956.15**	**-**	**5,956.15**	**9,796.00**	**-**	**9,796.00**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची - 21: अन्य व्यय

(राशि में)

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
एक) बुरा और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान						-
ख) अप्रतिलभ्य संतुलित करता है लिखा-बंद						-
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों के लिए अनुदान/सब्सिडी						-
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)						-
i) एल नकदीकरण के लिए प्रावधान	2,486,567		2,486,567	1,410,230		1,410,230
ii) उपदान के लिए प्रावधान				562,733		562,733
iii) पुस्तकालय की पुस्तकों और लिखित-बंद अलमारी				75,219		75,219
कुल	**2,486,567**	**-**	**2,486,567**	**2,048,182**		**2,048,182**

कुलसचिव (आई/सी) **निदेशक (आई/सी)**

अनुसूची 22: पूर्व अवधि व्यय

(राशि में)

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1. स्थापना व्यय	177,328		**177,328**	6,639		6,639
2. शैक्षणिक खर्च	156,885		**156,885**	50,198		50,198
3. प्रशासनिक व्यय	1,257,232		**1,257,232**	13,439		13,439
4. परिवहन व्यय			-			-
5. मरम्मत और रखरखाव			-	32,217		32,217
6. अन्य व्यय			-			-
कुल	**1,591,445**	**-**	**1,591,445**	**102,493**	**-**	**102,493**

कुलसचिव (आई/सी)

निदेशक (आई/सी)

योजना तथा वास्तुकला विद्यालय: विजयवाड़ा

अनुसूची का गठन वित्त के भाग के रूप में 31-03-2016 तक

अनुसूची 23 - महत्वपूर्ण लेखा नीतियों

1. खाते की तैयारी के लिए आधार

खातों ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के तहत जब तक अन्यथा न कहा गया और आम तौर पर प्रोद्भवन लेखांकन की विधि पर तैयार कर रहे हैं।

2. निवेश

स्कूल सावधि जमा में धन का निवेश किया था और स्कूल में कोई निवेश है। इसलिए लेखांकन मानक - 13 लागू नहीं।

3. माल का मूल् य निर्धारण

रसायन, स्टेशनरी आदि की खरीद पर व्यय राजस्व व्यय के रूप में हिसाब कर रहे हैं।

4. निश्चित संपत्ति

क) निश्चित संपत्ति आवक माल, शुल्क और करों सहित अधिग्रहण की लागत और आकस्मिक औरप्रत्यक्ष व्यय संबंधित अधिग्रहण, स्थापना और चालू करने के लिए कहा जाता है।

ख) निश्चित संपत्ति संचयी व्यावसायिक विकास भत्ता भत्ता की स्थापना से बाहर संकाय द्वाराखरीदे गए संस्था के फिक्स्ड आस्तियों के रूप में आवश्यक प्रविष्टियाँ गुजर प्रदर्शित कर रहे हैं।

ग) स्कूल 9.66 एकड़ भूमि में कुल सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश के सरकार द्वारा आवंटित किया गया था। यह पर आवंटित किया है के रूप में भूमि के मूल्य के रूप में □□.1 पुस्तकों में लिया जाता है की लागत से मुक्त।

ई-पत्रिकाओं &कंप्यूटर सॉफ्टवेयर अमूर्त संपत्ति के तहत सम्मूहीकृत कर रहे हैं।

5. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास □ □□-विधि अनुसार आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों पर उपलब्ध कराई गईहै।

परिवर्धन के संबंध में / कटौती से निश्चित संपत्ति वर्ष के दौरान, संपत्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार परिकलित किया जाता है।

6. सरकार अनुदान/सब्सिडी

1. सरकार अनुदान प्राप्ति के आधार पर जिम्मेदार हैं। तथापि, जहाँ एक मंजूरी के लिए वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान की रिहाई के लिए 31 मार्च से पहले प्राप्त है और अनुदान वास्तव में अगलेवित्तीय वर्ष में, प्राप्त है अनुदान प्रोद्भवन आधार पर हिसाब है और एक बराबर राशि अनुदाता सेपुनर्प्राप्त करने योग्य रूप में दिखाया गया है।

2. हद तक पूंजीगत व्यय (प्रोद्भवन आधार) पर सरकार की ओर उपयोग अनुदान पूंजी निधि करने के लिए स्थानांतरित कर रहे हैं।

3. सरकार अनुदान राजस् व व् यय (प्रोद्भवन आधार पर) की बैठक के लिए इलाज कर रहे हैं, उस सीमा तक, जिसमें वे महसूस कर रहे हैं वर्ष की आय के रूप में उपयोग किया।

4. निकम्मा अनुदान (ऐसे अनुदान से बाहर भुगतान किया अग्रिम सहित) आगे किया जाता हैं औरबैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया।

I) निम्न शुल्क छात्रों से एकत्र आय के रूप में इलाज कर रहे हैं:

नामांकन शुल्क, शुल्क, खेल शुल्क, छात्र पत्रिका शुल्क, पंजीकरण शुल्क, शैक्षिक समर्थन शुल्क, छात्रावास बिजली शुल्क, छात्रावास चिकित्सा शुल्क, परिवहन शुल्क और छात्रावास के कमरे किराए पर।

II) निम्न शुल्क छात्रों से एकत्र वर्तमान दायित्व के अंतर्गत दिखाए जाते हैं: छात्र सहायता निधि, नासा शुल्क, ओपन स्कूल योजना शुल्क, छात्र संघ शुल्क, पूर्व छात्र संघ शुल्क।

इन राशियों के लिए जो वे एकत्र थे इस प्रयोजन के लिए खर्च किया जा करने के लिए कर रहे हैं।

III) केवल ट्यूशन फीस प्रोद्भवन आधार पर हिसाब था।

8. विदेशी मुद्रा लेन-देन शून् य

9. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात, मृत्यु ग्रेच्युटी और नकदीकरण छोड़ बीमांकिक मूल्यांकन के आधार परप्रदान की जाती हैं।

10. पट्टा

पट्टा किराया लीज शर्तों के संदर्भ के साथ खर्च कर रहे हैं।

कुलसचिव (प्रभार) **निदेशक (प्रभार)**

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

अनुसूची24-आकस्मिक देयताएं और नोट्स खातों पर

1. <u>आकस्मिक देयताएं</u>

इकाई के विरुद्ध दावों के रूप में ऋण---शून्य---नहीं स्वीकार करते हैं

(पिछले वर्ष शून्य-----)

I) के संबंध में:/ इकाई-Rs.12,10,000/-(Previous year Rs.12,10,000/-) की ओर से दी गई बैंक गारंटी

II) क) इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोला साख पत्र---N.A.---(पिछला वर्ष:---N.A--)बैंकों के साथ---ना---बिल्स(पिछले साल---ना--)

III) विवादित मांगों के संबंध में:

क(-----पिछला वर्ष शून्य)---शून् य---आय कर (

ख) विक्रय कर---शून्य---(पिछला वर्ष शून्य-----)

c)---शून्य---(पिछला वर्ष शून्य------) नगरपालिका करों

iv) के संबंध में गैर-निष्पादित आदेश, लेकिन निकाय---शून्य---द्वारा लड़े के लिए पार्टियों से दावा(पिछले वर्ष शून्य-----)

2. <u>मुख्य</u> प्रतिबद्धताएँ

पूंजी खाता प्रदान नहीं पर निष्पादित किया जा करने के लिए शेष ठेके की (के लिए अग्रिम का शुद्ध) अनुमानित मान; ---शून्य(--शून्य---पिछला वर्ष)---

3. <u>पट्टा दायित्वों</u>

संयंत्र और मशीनरी राशि के लिए---शून्य---(पिछला वर्ष---शून्य---) के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत किराये के लिए भविष्य के दायित्वों

4. **वर्तमान संपत्ति,ऋण एवं अग्रिम**

प्रबंधन की राय में, व्यवसाय, बराबर के सामान्य कोर्स में प्राप्ति पर एक मान कम से कम कुल राशि बैलेंस शीट में दिखाया गया करने के लिए करेंट अस्सेट्स, ऋण एवं अग्रिम है।

5. **कराधान**

आय की शिक्षा पूरी तरह या काफी हद तक सरकार द्वारा वित्त पोषण किया है संस्था है जो धारा 10प्रति (23 C) (iiiab) यह अधिनियम 1961 के रूप में आयकर से छूट प्राप्त हैं।इसलिए, स्कूल की आय आयकर से छूट दी गई है।

6. विदेशी मुद्रा लेन-देन	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. आयात का मूल्य ☐.☐☐. के आधार पर गणना की है:		
- तैयार माल की खरीद	रिक्त	रिक्त
- कच्चे माल & घटक (में पारगमन सहित)	रिक्त	रिक्त
-पूंजीगत वस् तुएं	रिक्त	रिक्त
- दुकानों, पुर्जों और उपभोग्य सामग्रियों	रिक्त	रिक्त
☐ विदेशी मुद्रा पर व्यय:		
☐) यात्रा (USD-0, GBP 0)		
ख) प्रेषण और ब्याज भुगतान वित्तीय संस्थानों/बैंकों के लिए में विदेशी मुद्रा	रिक्त	रिक्त
☐) अन्य व्यय	रिक्त	रिक्त
-बिक्री पर कमीशन	रिक्त	रिक्त
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (प्रयोगशाला) की खरीद	रिक्त	रिक्त
- कानूनी और व्यावसायिक खर्च	रिक्त	रिक्त
-विविध खर्च	रिक्त	रिक्त

III आय:		
एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	रिक्त	रिक्त
II. लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक:		
लेखा परीक्षकों के रूप में		
- कराधान मामलों (ई-टीडीएस रिटर्न)	रिक्त	रिक्त
- के लिए प्रबंधन सेवाएं	रिक्त	रिक्त
- के लिए प्रमाणीकरण (AG लेखा परीक्षा)	रिक्त	रिक्त
अन्य	रिक्त	रिक्त

7. इसी आंकड़े पिछले साल के लिए फिर से समूहीकृत है / पुनः व्यवस्था की, जहां भी आवश्यक है।

8. अंतिम लेखा आंकड़ों निकटतम रुपए तक गोल कर रहे हैं।

9.अनुसूची 1 से 24 करने के लिए कब्जा कर लिया हैं और फार्म का एक अभिन्न अंग के रूप में बैलेंसशीट में 31-03-2016 और आय और व्यय खाते पर उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए।

कुलसचिव (प्रभार) **निदेशक (प्रभार)**

7th

Annual Report 2015-16

School of Planning and Architecture, Vijayawada

CONTENTS

From the Chairperson's Desk 5

Director's Message 6

1). ABOUT SPAV 7-29

1.1 About the School 8

1.1.1 Academic Activities 8

1.2 Human Resources 10

1.2.1 Department of Architecture: Faculty 10

1.2.2 Department of Planning: Faculty 12

1.2.3 Administration 13

1.3 SPAV Initiatives 14

1.4 Research and Development 15

1.5 Conferences, Workshops, Seminars and Training Programmes 18

1.6 Events 21

1.6.1 Coverage of SPAV Events 22

1.6.2 Admissions: SPAV as Reporting and Verification Centre 23

1.7 Student Activities and Achievements 24

1.8 Infrastructure Development 25

1.8.1 SPAV Campus Development 25

1.8.2 Library 26

1.8.3 Computer Networking and Security 27

1.8.4 Computer and CAD Lab 27

1.8.5 GIS Lab 28

1.8.6 Material Testing Lab 28

1.8.7 Material Museum 29

1.8.8 Climatology cum Environment Lab 29

2). DEPARTMENT OF ARCHITECTURE 30-71

2.1 Architectural Design Studios: Summary 31

2.2 Department of Archtecture: Faculty Activities 59

2.2.1 Publications 59

2.2.2 Workshop/Training Programmes attended by the Faculty 62

2.3 Department of Archtecture: Guest Lectures 64

2.4 Department of Archtecture: Practical Training 65

2.5 List of Passed out Students of Architecture in 2015-16 69

3). DEPARTMENT OF PLANNING		**72-118**
3.1	Planning and Design Labs: Summary	73
3.2	Department of Planning: Faculty Activities	104
	3.2.1 Publications	104
	3.2.2 Invited talks/Workshops/Training Programmes attended by the faculty	106
3.3	Department of Planning: Guest Lectures	108
3.4	Department of Planning: Practical Training	110
	3.4.1 B.Planning (II Year, IV Semester)	110
	3.4.2 B.Planning (III Year, VI Semester)	112
	3.4.3 M.Planning (URP) (I Year, II Semester)	114
	3.4.4 M.Planning (EPM) (I Year, II Semester)	116
3.5	List of Passed out Students of Planning in 2015-16	117
4). BOARDS AND COMMITTEES		**119-129**
4.1	The Board of Governors	120
4.2	The Academic Council	122
4.3	The Building and Works Committee	123
4.4	The Finance Committee	124
4.5	The Board of Studies (Architecture) (2014-16)	125
4.6	The Board of Studies (Planning) (2014-16)	126
4.7	The Joint Committee of Departmental Research Committee (2014-16)	127
4.8	Departmental Research Committee (Architecture) (2016)	128
4.9	Departmental Research Committee (Planning) (2016)	129
5). ANNUAL ACCOUNTS		**130**

FROM THE CHAIRPERSON'S DESK

Ar. Brinda Somaya
Chairperson

With the great infrastructural growth that is taking place in India today and will continue to do so over the next few decades, the importance of Architects, Planners and Urban Designers cannot be underestimated. It will thus be the role of National Institutes such as the "School of Planning and Architecture, Vijayawada", to nurture and challenge students to be able to take up the difficult and promising tasks ahead for our nation.

It is indeed an honour for me to be appointed as Chairperson of the Board of Governors, School of Planning & Architecture, Vijayawada, an institute of national importance. At this crucial time in history, located as it is, I hope it will also play an important role in the development of Amravati, the new capital of Andhra Pradesh. This rare opportunity could come the way of SPA-V, and I hope all concerned will ensuresome collaboration takes place for the benefit of all.

I would like to congratulate the 138 graduates and postgraduates who received their degrees at the recent 2nd Convocation held on 30th September 2016. Attempts have been made to expedite the construction of SPA-V's own campus and I hope that with the cooperation of the multiple parties involved in this project, deadlines will be adhered to and progressive shifting to the new campus will take place over the next two years. Apart from this, the normal national and international interaction between our students and faculty have taken place and I hope this will expand even further, thus benefitting all concerned.

Today, dissemination of knowledge is most important and hence workshops, conferences and seminars have been organised. All this is made possible by the commitment of the faculty and staff, who I know wish to raise the standard of SPA-V even higher in terms of achievement and prestige. I thank them and would also like to thank the Board of Governors and various other committees and the Ministry – HRD for all the support they have given me during the last few months as Chairperson of the Board of Governors.

B Somaya

Brinda Somaya

DIRECTOR'S MESSAGE

Dr. Minakshi Jain
Director, SPA Vijayawada

The fiscal year 2015-16 has been a wonderful year for School of Planning and Architecture, Vijayawada. It was an important year for SPAV during which many of our faculty members were nominated for various committees of the State Government of Andhra Pradesh and the Central Government as technical memebers and advisors. Our faculty members also presented their work in various aspects of architecture and planning in many national and international conferences, which were well received. Our students brought laurels to SPAV through their active participation in various student events across the country and presentation of papers in conferences. Having achieved a local recognization and national standing, SPAV would like to expand its presence in various other sub-fields of architecture and planning in coming years. Hope in the years to come it will build up on its strength to achieve greater heights.

Dr. Minakshi Jain

About SPAV

- About the School
- Human Resources
- SPAV Initiatives
- Research and Development
- Conferences, Workshops, Seminars and Training Programmes
- Events
- Student Activities and Achievements
- Infrastructure Development

1.1) ABOUT THE SCHOOL

School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV) is as an autonomous institution established on July 7, 2008 by the Ministry of Human Resource Development, Government of India to promote education and research in the fields of Planning and Architecture. Under the *School of Planning and Architecture Act, 2014,* the School has been declared as an Institution of National Importance by the Act of Parliament.

1.1.1) Academic Activities: The academic focus and approach of SPAV is a unique blend of design, creativity and objectivity with a social purpose and special focus on sustainability. Students not only learn the required skills, but also are provided with exposure to thought-provoking and intellectually inspiring sessions. The approach towards studios, field trips and research projects ensure the creative best in them. The institute promotes research with a vision to develop independent and scholarly contribution to the progress of the body of knowledge.

The School offers undergraduate, post-graduate and doctoral programmes for achieving excellence in the fields of Architecture and Planning. Presently the School runs two departments: (1) Department of Architecture and (2) Department of Planning. A total of two undergraduate degree programmes, three post-graduate degree and doctoral programmes are being offered. Two undergraduate programmes: one in each

of the two departments was started in the academic year 2008-09. Three post graduate programmes: Master of Planning (Environmental Planning and Management) was introduced in the academic year 2013-14, Master of Planning (Urban and Regional Planning) and Master of Architecture (Sustainable Architecture) were introduced in the academic year 2014-15.

The degree programmes were designed to address and take up physical, socio-economic and environmental challenges, so as to achieve future sustenance and hence to cater to the specific needs of the industry and academics. The key objective of these courses is to equip the students with adequate skills required to comprehend various built environment related issues and to analyse physical, socio-economic, cultural, political and ecological dimensions of the human settlements.The degree programmes intend to contribute towards the creation of professionals in the field. During the programme, the students are provided with ample opportunities to interact with the subject experts, relevant organisations, etc., so as to make them understand and update the current best practices.The programmes enable the students to gain real time experience through their involvement in the ongoing or live projects. In addition, the doctoral programme leading to a PhD degree was introduced in the academic year 2012-13. Presently, a total of 16 PhD scholars are enrolled with SPAV.Keeping in mind, the cultural diversity and equal opportunity, School provides a platform with an inclusive policy for all students to grow.

1.2) HUMAN RESOURCES

Prof. Dr. N. Sridharan
Director
01.07.2013 to 31.08.2015

Prof. Dr. U.B. Desai
Director (i/c)
31.08.2015 to 29.02.2016

Prof. Dr. Ramesh Srikonda
Director (i/c)(29.02.2016 to 17.11.2016)
Dean of Studies (since March 2015)
Head, Dept. of Arch (till May 2016)
Professor, Dept. of Architecture
Ph.D., PGDEE, MTP, B.Arch
Email: ramesh.srikonda@spav.ac.in

1.2.1) Department of Architecture: Faculty

Venkata Krishna Kumar Sadhu
Head,Dept. of Arch. (since May'16)
Associate Professor
M.Planning (Housing), B.Arch
Email: krishnakumar.sv@spav.ac.in

KarteekGuturu
Assistant Professor
M.Arch (Urban Design), B.Arch
Email: karteek.g@spav.ac.in

RNS Murthy
Assistant Professor
M.Plan (Env. Planning), B.Arch
Email: murthy.rns@spav.ac.in

Anil Kumar Chilakapati
Assistant Professor
M.Arch, B.Arch
Email: anil.ch@spav.ac.in

NagarajuKaja
Assistant Professor
M.E. (Const. Management), B.Arch
Email: nagaraju.kaja@spav.ac.in

Kranti Kumar Myneni
Assistant Professor
M.Sc. (Const. Management), B.Arch
Email: kranti.myneni@spav.ac.in

SrinivasDaketi
Assistant Professor
M.Plan (Housing), B.Arch.
Email: srinivas.d@spav.ac.in

JagathKumari D
Assistant Professor
ME (Structural Engg. & Natural Disaster Mang.), BE (Civil Engg.),MIE.
Email: kumari.dungi@spav.ac.in

Faculty (Adhoc)

Dr.TathagataChatterji
Professor
Ph.D, M. Arch (UD),B. Arch.
Email: tathagata@spav.ac.in

Dr. Faiz Ahmed
Assistant Professor
PhD., M.Plan, MURP (France), B.Arch
Email: faizahmed@spav.ac.in

G. SaiSanath
Assistant Professor
M.Tech (URP), B.Arch.
Email: sanath@spav.ac.in

Jonu John Thomas
Assistant Professor
M.Plan (Urban Planning), B.Arch.
Email: john.thomas@spav.ac.in

Milind Ashok Kamble
Assistant Professor
M.Arch (Urban Design), B.Arch
Email: milind.kamble@spav.ac.in

B.N Keerthi Naidu
Assistant Professor
M.Arch (Env. Arch), B.Arch.
Email: keerthi@spav.ac.in

T.MadhavaRao
Assistant Professor
MURP, B.Arch.
Email: madhav@spav.ac.in

SamikshaSrichandan
Assistant Professor
M.Arch. (Architectural Conservation)
Email: samiksha@spav.ac.in

1.2.2) Department of Planning: Faculty

Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed
Professor
Head, Dept. of Plng. (till May 2016)
M.A,M.Phil(Soc).,M.T.P,PMADPS,
PGDHRM.,Ph.D (Australia).,
Executive Master in e-Governance
(EPFL,Switzerland)
Email: razak@spav.ac.in

Dr. Ayon Kumar Tarafdar
Associate Professor
Head, Dept. of Plng. (since May 2016)
Ph.D ((NTNU Norway), MS-UEP
(Norway), B.Plan (SPA Delhi).
Email: ayon.tarafdar@spav.ac.in

Dr. NatrajKranthi
Associate Professor
Ph.D, M.U.R.P., B.Arch
Email: natraj@spav.ac.in

Valliappan AL
Assistant Professor
M.Plan (Housing), B.Arch.
Email: valliappan.al@spav.ac.in

PrasanthVardhan
Assistant Professor
M. Plan (Infra. Planning), B. Plan
Email: prasanth@spav.ac.in

Maqbool Ahmed
Assistant Professor
M.Plan (UP, B.Plan.
Email: maqbool@spav.ac.in

Shweta Sharma
Assistant Professor
MSc. (Transport Planning),
M.Tech (URP)
Email: shweta@spav.ac.in

Faculty (Adhoc)

Anju Joon
Assistant Professor
M.Sc (Geography), M.Plan
(Industrial Area Planning and Management)

ShaikAayesha Begum
Assistant Professor
M.Tech (URP), B.Tech (Civil)
Email: aayesha@spav.ac.in

SakkeriRamya
Assistant Professor
MCP, B.Tech(Plng)
Email:ramya@spav.ac.in

1.2.3) Administration

S.No.	Name	Designation
1	Dr.P.Krishna Mohan	Registrar (On deputation at GoAP)
2	D.V.Rama Mohana Rao	Deputy Registrar and Registrar I/c.
3	Dr.Y.Srinivasa Rao	Deputy Librarian
4	Ch.Sailaja	Assistant Registrar (Acad. & Exams)
5	P.V.S.Shyam Kumar	Assistant Registrar (Admn.)
6	Malaivel Govindan K	System Administrator
7	P.Pramod	AEPO (Civil)
8	V.Pavan Kumar	Accountant
9	P.Leela Varaprasad	Accountant
10	Neelam	Multi Skill Assistant (On deputation at UIDAI)
11	M.Janardhana Reddy	Multi Skill Assistant
12	N.Rajeev	Junior Engineer (Civil)
13	Sarita Kumari	Library Assistant
14	V.Venkata Narayana	Lab Attendant

1.3) SPAV INITIATIVES

To provide exposure to our students to best practices in the world, our Schoolhas entered into Memorandum of Understanding with several reputed national and international institutions for student and faculty exchange programmes.

1. Inter Institutional Agreement 2014–20 between institutions from Programme and Partner Countries (Norwegian University Science & Technology) NTNU was signed on January 29, 2016.
2. MoU with Andhra Pradesh Capital Region Development Authority (APCRDA) was signed on April 17, 2015, to set up a Research Cell in SPAV.
3. MoU with IIT Bombay was signed on March 24, 2015 and SPAV acts as a spike for Design and Innovation Center under which several activities are being carried out.
4. Agreement of cooperation with Hafencity Universitat, Hamburg, Germany was signed on December 03, 2014.
5. MoU with the National Remote Sensing Centre (NRSC) was signed on October 30, 2014, for developing institutional mechanism to enable proficient support on Bhuvan-NUIS to the Urban Local Bodies (ULBs) and other authorities/ agencies engaged in preparation of spatial plans.
6. MoU with Ecole Bleue Paris: International Design School Exchange Program, Paris, France was signed on April 14, 2014.
7. MoU with University of Francois Rabelais of Tours, France was signed in February 25, 2014.

8. MoU with University of Cologne, Germany was signed on January 09, 2014 to take up joint research and exchange of students, faculty between Institute of Geography, Environmental Sciences and SPAV.
9. Memorandum of Association between UniversitadegliStudi di Firenze DIDA was signed on December 10, 2013.
10. MoU with Andhra Chambers of Commerce and Industry was signed on December 06, 2013, to build the Industry – Institutional interface in the field of urban and regional planning, housing and environment.
11. Tripartite MoU with SPA, Delhi and SPA, Bhopal was signed on September 20, 2013, to take up joint research projects, student and faculty exchange among SPAs and to create a common platform in the field of architecture and planning.
12. MoU with University of Florence, Italy was signed on September 12, 2013 to take up joint research projects, student and faculty exchange between University of Florence's Department of Architecture and Planning, and SPAV in the field of planning and architecture.

1.4) RESEARCH AND DEVELOPMENT

As far as Research and Development works are concerned, SPAV has been constantly working to achieve excellence in the fields of planning and architecture through its research and development. In line with this, it has been carrying out research activities and established a design centre. Following are the ongoing projects and are in progress:

1. **The Design and Innovation Centre** (DIC) was established at SPAV to function as a centre of learning and innovation for contributing towards promotion and enrichment of traditional arts and crafts in the south eastern parts of India. It is a part of the National Design and Innovation programme by the MHRD, and SPAV acts as a spike to SPA, Delhi, which is the hub. As part of the DIC, projects are being undertaken to document innovative practices in the region and beyond, and explore their application in the design of built environment.

2. **Building Inclusive Communities (BinUCom)**, is an Erasmus Plus Project where three European Universities (Denube University, Krems, Austria, Lund University, Sweden and University of Twente, Netherlands) along with four Indian Universities (School of Planning and Architecture, Vijayawada, CEPT, Ahmedabad, Karpagam University, Coimbatore and KRVIA, Mumbai) are joined together to strengthen the Architecture and Planning curriculum towards building inclusive urban communities. The project is funded by European Union (EU). As a part of BinUCom Project a National Conference on 'Informal Settlements-Indian Cities; Impulses for innovation in Architecture and Urban Planning Education' was organized in Coimbatore from 01-04 Sept 2016. SPAV has presented a research paper on "Informal Built Environment and Inclusive urban communities in selected Architectural curricula in India" in the conference. The presentation was widely appreciated by the delegates. Presently SPAV team is working on three Case studies on the informal

settlements in Vijayawada which will be presented for discussions in the subsequent meetings.

3. **'Grid of Roads' Project** is a consultancy project of SPAV. The project is sponsored by the Chennai Metropolitan Development Authority (CMDA), Chennai, Government of Tamil Nadu. The project aimed at the households level in 29 villages located in the southern peri-urban areas of Chennai towards better mobility by improved connectivity to enhance the quality of life.

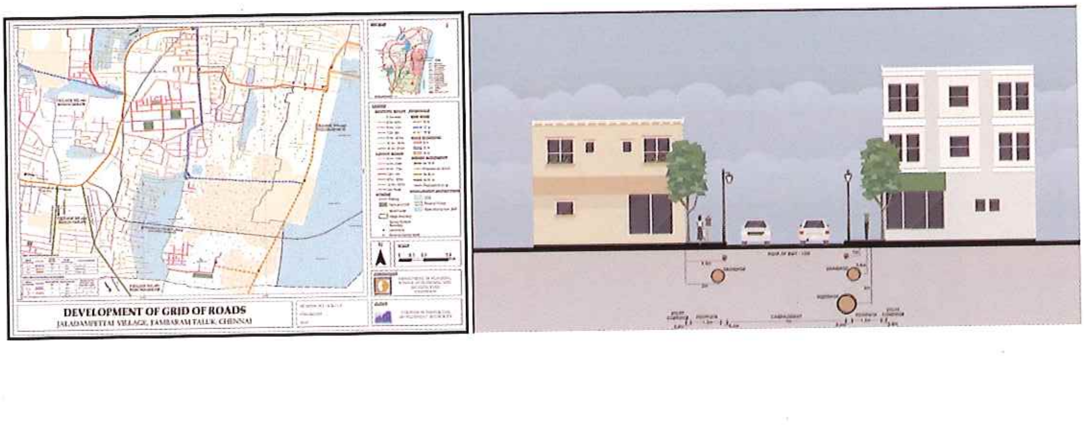

1.5) CONFERENCES, WORKSHOPS, SEMINARS AND TRAINING PROGRAMMES

SPA Vijayawada made important efforts in positioning itself both locally, nationally and internationally by organizing series of workshops, seminars, conferences and guest lectures. Following are a few of such events:

1. March 26, 2016: Expo SPAV – An Exhibition of works by SPAV students of Architecture and Planning at Vijayawada.

2. March 22, 2016: One Day National Seminar on the occasion of *the World Water Day 2016* at SPA Vijayawada.

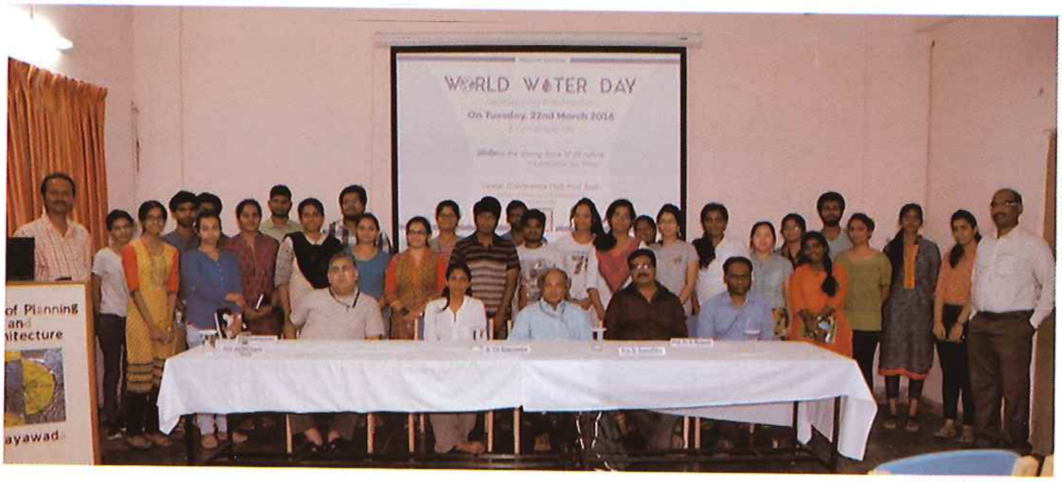

3. March 04, 2016: Workshop on 'Sustainable Hospitality Spaces' conducted by architect Dean De Cruz.

4. March 02, 2016: Interface Workshop of Bankers Innovation Club Members & Innovators

5. February 26, 2016: Workshop on 'Advanced Modeling Technique using Rhino'

6. February 25, 2016: Lecture Series 'My World in my Words' – an Interactive Session with faculty and Students at SPA Vijayawada.

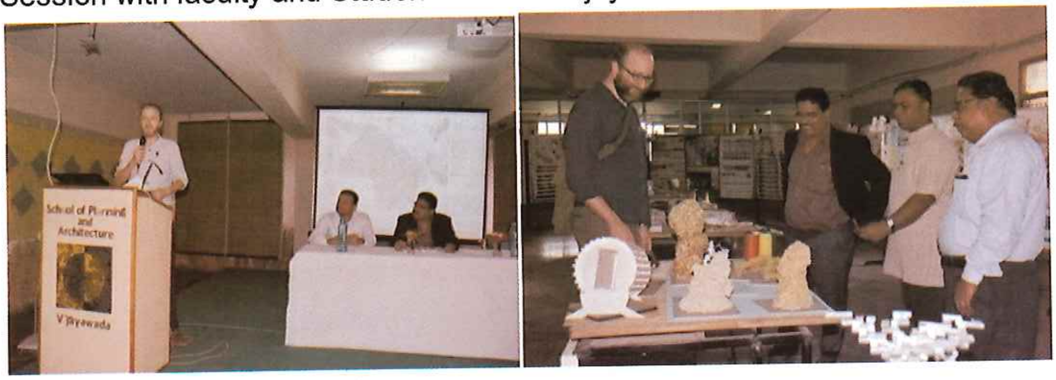

7. February 04, 2016: One Day Work shop on Universal Design.

8. November 18, 2015: One Day Seminar on 'Housing Regeneration and Strengthening Communities', World Town Planning Day-2015 at SPA Vijayawada.

9. October 10, 2015: One Day Workshop on 'Traditional Wisdom & Sustainability concept – Water Conservation practices in Traditional Indian Cities'.
10. September 30, 2015: One Day State Level Workshop on 'Master Plan Formulation under NUIS Bhuvan for Andhra Pradesh State' at Vijayawada in collaboration with NRSC and TCPO.

11. April 17, 2015: The World Heritage Day' was celebrated at SPAV with a theme, "Convergence of Art, Architecture, Craft and Culture". Various eminent archaeologists and artists from Andhra Pradesh, crafts persons from Odisha, Andhra Pradesh and Gujarat, gave demonstration and delivered lectures to the students and faculty. During this occasion, books on Archaeology of Andhra Pradesh and Machilipatnam were released.

1.6) EVENTS

The School organized various cultural programmes were enthusiastically celebrated by the students and the staff members at Vijayawada. Various events of national and international importance such as World Heritage Day, World Habitat Day, Swachcha Bharath Abhiyan, International Yoga Day, Sadbhavana Divas etc. were celebrated in the school premises. Following is a gallery of Photographs showing the events conducted:

Campus Selection on February 23, 2016	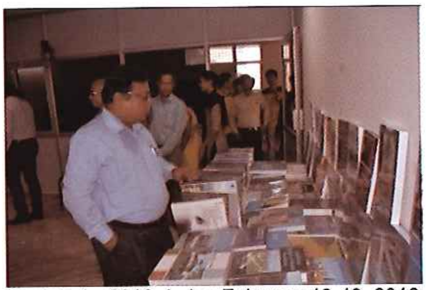 Book Fair -2016 during February 18-19, 2016
Swachcha Bharath in January, 2016	Republic Day Celebrations on January 26, 2016

World Habitat Day on October 29, 2015

Students of SPAV and Kuchipudi Art Academy performing a recital at Ghantasala Buddhist Stupa, Krishna Dist., A.P, August 30, 2015.

Sadbhavana Diwas, August 20, 2015

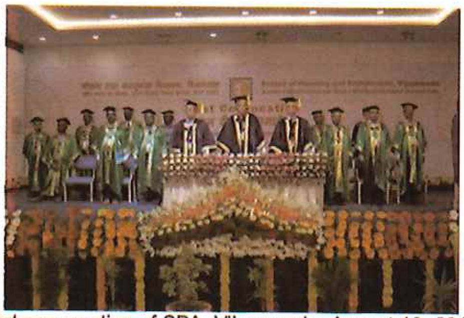
First convocation of SPA, Vijayawada, August 10, 2015

International Yoga Day, June 21, 2015

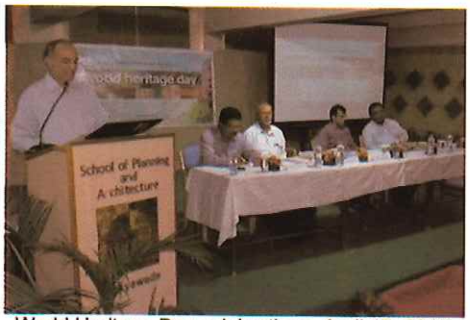

World Heritage Day celebrations, April 17, 2015

1.6.1) Coverage of SPAV Events

05 09 2015 Andhra Jyothy

ఉండవల్లి గుహలను సందర్శించిన ఆర్కిటెక్ట్ విద్యార్థులు

Students' visit Undavalli caves (Andhra Jyothi, September 05, 2015)

THE HINDU

NATIONAL » ANDHRA PRADESH

SPA-V to prepare village tourism circuit plan

• Staff Reporter

© The Hindu

Visit by Director and students to Mukkollupadu village, Krishna District (The Hindu, August 02, 2015)

11 08 2015 Deccan Chronicle

Students of School of Planning and Architecture in a joyful mood after receiving the medals and degrees at the first convocation in Vijayawada on Monday. —DECCAN CHRONICLE

Students receive degrees at SPAV convocation

DC CORRESPONDENT
VIJAYAWADA, AUG. 10

Students of SPAV receiving degrees in their First Convocation (Deccan Chronicle, August 10, 2015)

13 09 2015 Eenadu

ఆర్కిటెక్చర్ కళాశాల భవనాన్ని పరిశీలించిన వెంకయ్య, ఎంపీ

భవన నిర్మాణాన్ని పరిశీలిస్తున్న వెంకయ్యనాయుడు

Visit by Honourable Union Minister for Urban DevelopmentShri M. Venkaiah Naidu and Member of Parliament Shri Kesineni Nani (Eenadu, September 13, 2015)

01 10 2015 Eenadu

బృహత్తర ప్రణాళిక తయారీపై శిక్షణ

One Day State Level Workshop on 'Master Plan Formulation under NUIS Bhuvan for Andhra Pradesh State' (Eenadu, October01, 2015)

1.6.2). Admissions: SPAV as Reporting and Verification Centre

SPA Vijayawada served as the 'Reporting and Verification Centre' for Joint Seat Allocation Authority (JoSAA 2015)under the Ministry of Human Resources Development (MHRD), Government of India, for admission to Bachelors degree programmes under the JEE Mains Examinations conducted at the National level by the MHRD for admissions to SPAs, NITs, IIITs and other GFTIs. SPA Vijayawada was Category 'A' Centre for six rounds and processed admission formalities for over 2500 students seeking admissions all over India.

SPA Vijayawada also served as the 'Reporting and Verification Centre' for Centralized Counselling for M.Tech./M.Arch./M.Plan. Admissions (CCMT) 2015 in which the Institution facilitated the admission process for masters degree programmes for SPAs, IITs and NITs for eligible candidates who qualified for the national level GATE Exams.

1.7) STUDENTS ACTIVITIES AND ACHIEVEMENTS

Our students have taken part in various competitions in the country and have also won prizes making the visibility of SPAV across the country. The students of SPAV continue to shine in various fields related to sports, academics and extra-curricular activities:

- Two students of B.Arch (final year) presented papers in the International Conference on 'Heritage Cities' held by the University of Mysore in Mysore, India in October 2015. These papers were developed as a part of their academic work.
- The students of Architecture participated in ZONASA (Zonal unit of National Association of Students of Architecture) and have won the Design Trophy and won citations in on-the-spot events such aslike T-Shirt design, special mention in Fashion and Short Film.
- The students of Planning participated in NOSPLAN (National Organisation of Students of Planning) and bagged prizes in on-the-spot events such as photography, fashion, debate and quiz.
- As part of the practical training of Bachelor programmes, Three students i.e., Ms. Sai Varsha, Shri Sai Prasad and Shri Rohit Mondal underwent internship in organizations abroad.

The alumni of SPAV are an active body, which support the academic and professional outreach of SPAV.

Following is a gallery of photographs showing the students' activities conducted:

Child Aid Foundation

ONAM Festival Celebrations

Ethnic Day Celebrations

Holi Celebrations

1.8) INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

1.8.1) SPAV Campus Development –The proposed campus is spread across an area of 9.66 acres with a total built up area of 53,580 sqm. The overall project cost is estimated at ₹148 crores. The campus comprises of Academic and Administrativeblock (High rise block) with a builtup area of 29,246 sqm., including basement (with 200 nos. car parking and 500 nos. two wheeler parking), Dining cum Visiting faculty block with a builtup area 4,244Sqm (High rise block), Boys and Girls hostels with a builtup area of 20,090 sqm (Low rise blocks) accommodating about 777 students. The campus buildings alsoinclude state-of-the-art laboratories, workshops, central library, conference rooms and an auditorium of 600 capacity.

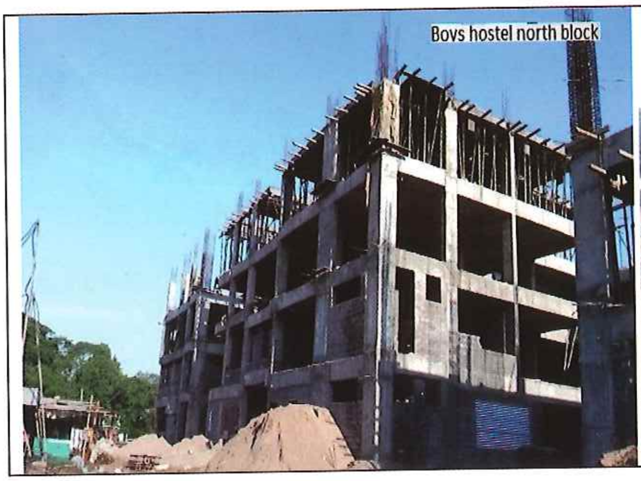

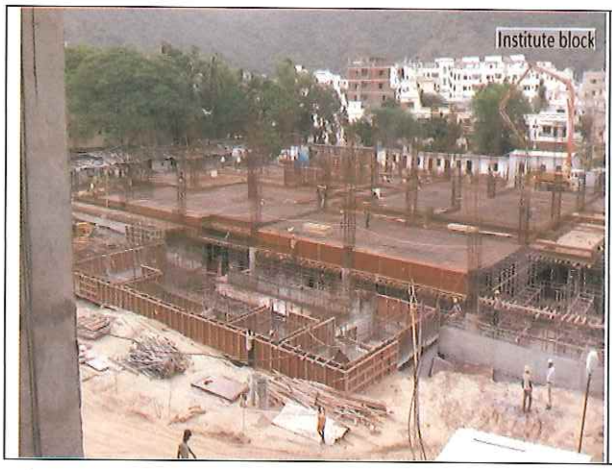

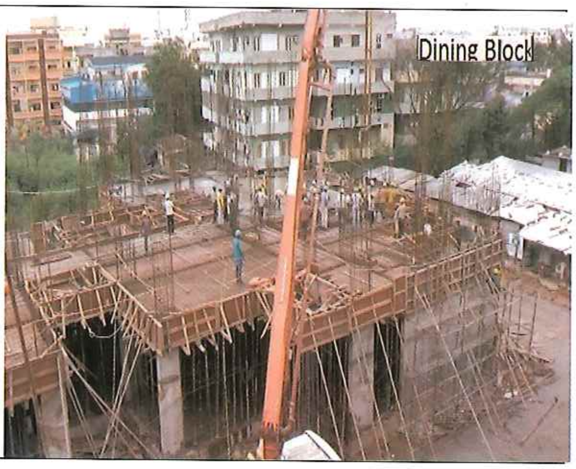

As per the revised project schedule, Hostel blocks are scheduled to be completed by February 2017. The Institute block and the Dining Block are scheduled to be completed by June 2017. The construction work is in full progress and the Institute may start operating from its new campus from the next academic year onwards.

1.8.2) Library –With a mission to support academic and research activities through provision of physical and intellectual access to the information, SPAV library is playing an integral part of academic system with a primary function of servingstudents, researchers, faculty and staff. The existing library has integrated library management software (Libsys 7 and Web-based Public Access Catalogue) for check-in, check-out, renewal and reservation of library resources. It is well equipped with WiFi and Broad Band internet connectivity. During the year 2015-16, a good number of books (173), periodicals (print – 100 and electronic - 29), open access e-books (2000) two databases (districtsofindia.com and Indiastat.com), and 136 number of theses (graduate and post graduate) of both architecture and planning were added to the library collections. An intranet based online catalogue system was created to help the users in finding resources available in the library from their desktop. Besides, thelibrary has also developed a consortium with other SPAs for online journals and books platform.

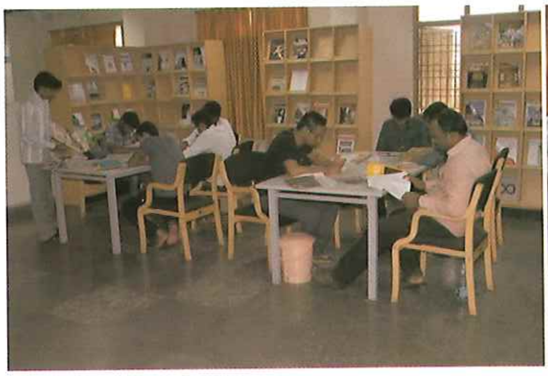

1.8.3) Computer Networking and Security - SPAV has an advanced computer lab providing wireless network to students, faculty and staff. The LAN caters to approximately 800 users at a time. All common areas are connected by WiFi. 1-GBPS Internet connectivity provided through NKN-NMEICT. For the safety and security, SPAV has established Biometric Entry System supported by CCTV cameras. An audio visual room for e-learning with good quality video conferencing facility is available. Power backup is provided through a 31 KV centralized UPS and Generator system.

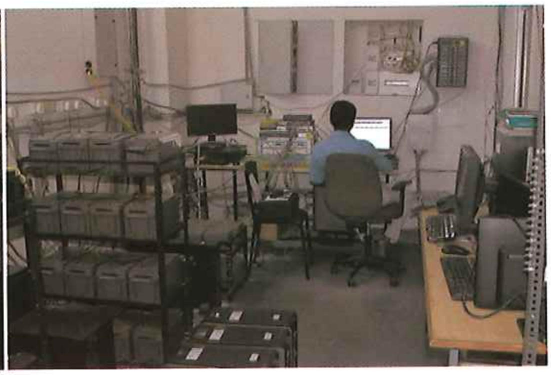

1.8.4) Computer / CAD Lab - The lab is fully equipped with 60 workstations with licensed and updated softwares such as AutoCAD, IESVE, Transys 17, AutoDesk 3DS Max, Autodesk Revit, MS Office and other softwares.

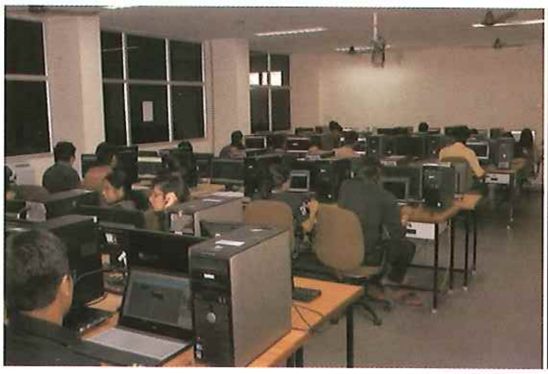

1.8.5) GIS Lab - A GIS Lab was setup in the planning department with ten high-end workstations installed with licensed GIS softwares such as ArcGIS Desktop, Erdas Imagine and Imagine Photogrammetry. It is equipped with the GPS instruments, topo mouse, stereoscopic equipments and wireless glasses to cater to the geospatial needs and dataanalysis.

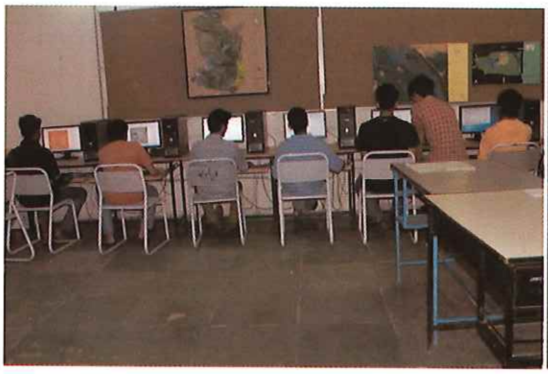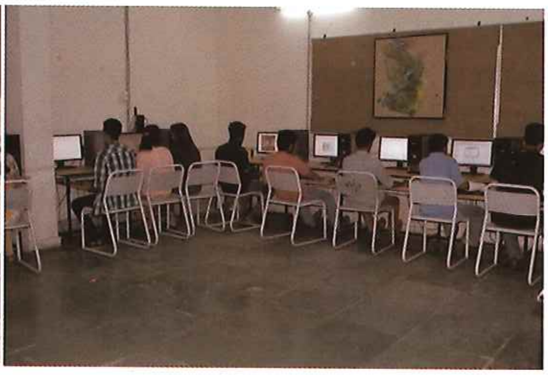

1.8.6) Material Testing Lab - The School has established a full-fledged material lab with all the equipment for testing various construction materials.

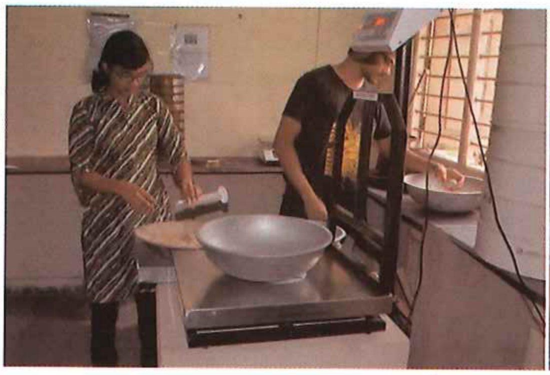

1.8.7). Material Museum - A material museum was established for the display of various types of construction materials.

1.8.8) Climatology cum Environment Lab – This lab was setup in 2014 with latest equipment such as Hot Air Oven, Hot Plate, Incubator, Muffle Furnace, Connectivity Meter, FPM Compressor, Photometer, Analyser, etc. and also a few instruments to measure temperature, wind speed and heat flow in buildings. An environmental monitoring systems were also was developed with state of the art equipments to test levels of pollution on water, air and soil samples. The lab was setup with an intention to equip the students of planning for quantifying environmental changes with respect to urban dynamics. The lab serves as one of the main subjects to M.Plan (EPM) students. It is also relevant to various studio projects at the bachelors level. It is in the process of further augmentation to become a full-fledged centre of research and consultation in the region.

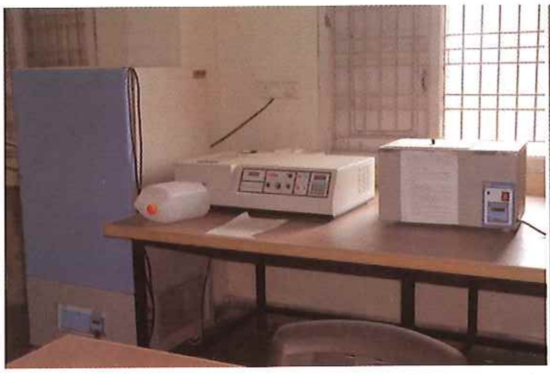

Department of Architecture

- Architectural Design Studios: Summary
- Faculty Activities
- Guest lectures
- Practical Training
- List of Passed out Students

2.1) ARCHITECTURAL DESIGN STUDIO: SUMMARY

Course & Semester:	B.Arch, I Year, I Semester
Studio title/ Study Area:	Fundamental Architecture Studio-1
Faculty incharge:	Daketi Srinivas, Punyo Chobin, Kakkulal Sohni, Madhava Rao
Studio Brief:	

The objective of the Subject is to introduce to the students the fundamentals of design and development of design vocabulary, to nurture design thinking and to enable them to apply the same thought process in developing three-dimensional compositions. The studio also introduces drawings and models as tools for conceptualization, organization and furthering of design thought process. This studio teaches the students to learn the basics of graphic design and three-dimensional composition. The studio also has a direct interface with the Graphic Design Studio and Architectural Workshop.

Course content - Introduction to elements of design like point, line, plane, solid and void. Understanding the importance of design principles like balance, harmony, rhythm, contrast, symmetry, scale, proportions, colors, tones, textures etc.Study of solids & Voids to evolve sculptural forms & spaces; explore play of light & shade and application of color. Introduction to external & internal forms, analytical appraisal of forms, their quality; Concept of space, interrelationship between space, volume and order; Variations in forms with planner juxtrapositions.

Collage - The Student was given an exercise to develop a Collage on the basis of a CONCEPT, which shall be selected from a list of concepts. Collage is a technique of an art production, primarily used in the visual arts, where the artwork is made from an assemblage of different forms, thus creating a new whole. A collage may sometimes include newspaper clippings, ribbons, bits of colored or handmade papers, portions of other artwork or texts, photographs and other found objects, glued to a piece of paper or canvas. The origins of collage can be traced back hundreds of years, but this technique made a dramatic reappearance in the early 20th century as an art form of novelty. This exercise helps in bringing out creative concepts in students.

Grid Exercise - The objective is to learn about the "GRID" as an important tool in organizing architectural spaces.Assignment - On the given Grid, the students are required to work, develop patterns in pencil, black & white and colour on A4 size sheets. The students are expected to design a folder for storing their own sheets, comfortable for the sheets to be safeguarded and presentable.

The figure shows the grid pattern provided to the students to sketch and make patterns on it. Students were inspired to learn about the "GRID" as an important tool in organizing architectural spaces. On the given Grid, the students were required to work, develop patterns in pencil, black n white and color on A4 size sheets. The students are expected to design a folder for storing their own sheets, comfortable for the sheets to be safeguarded and presentable.

The students presenting various assignments on colors worked on standard color schemes viz., Monochrome b) Analogous c) Complimentary d) Split complimentary e) Near complimentary f) Triad

Design and Materials - Architectural composition depends on the designer's selection of appropriate materials in order to express certain design ideas. Linear form, organic, sculptural, traditional, hi-tech, etc are some of these expressions that can be explained by the use of different materials.

Anthropometry - Anthropometry is the science that defines physical measures of a person's size, form, and functional capacities. This chapter is one of the important chapter in fundamental design studio and helps in engaging students in understanding space and its importance in Architecture. The chapter is a lecture followed by exercise on Anthropometry. Two assignments are given in this chapter. A student should select a patner for the exercise and measure his height and other measurements and document them on a sheet. The students are also asked to select any number of furnitures in their home and draft them on A1 sheets. The students learnt about different units used for measuring furniture and their relation with human scale.

Color wheel and Compositions: As one of the key elements of Visual Art, Colours (and textures) enhance our visual experience-not only because of their obvious

embellishment value, but also because of their spatio-plastic behaviour.

Exercises on Repetition - Students are asked to select few opposite words and convert the same into graphical representation. This exercise shall be carried over with various media like pencil, black & white, color and three-dimensional model.

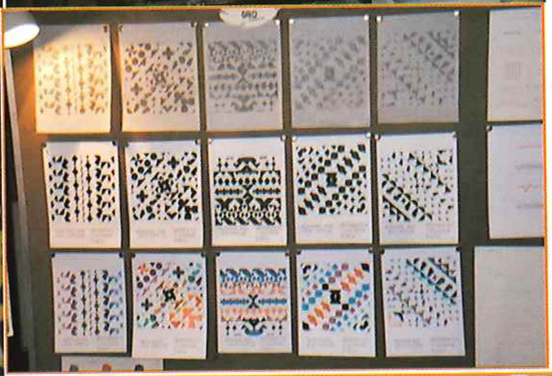
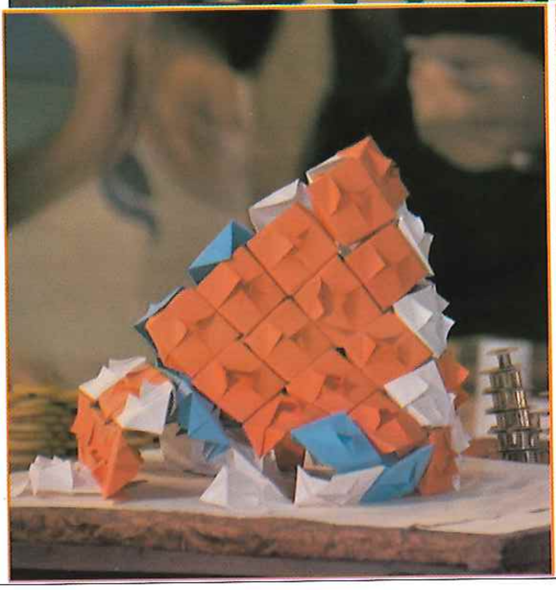
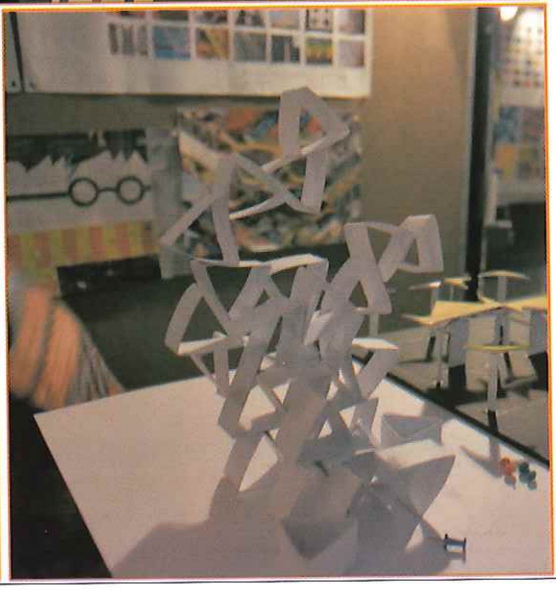

Course & Semester:	B.Arch, I Year, II Semester
Studio title/ Study Area:	Fundamental Design Studio, "Design Concern": Built form configurations
Faculty in-charge:	Anil Kumar Chilakapati, Samiksha, Madhava Rao andShashidhar Reddy

Studio Brief:

The studio has been initiated to "inquire" about the relationships among the components of "People", "Space" and "Built form". It took the opportunity to integrate various observations and ideas of human conditions to realise the architectural sense and thought. Since it is a fundamental design studio learning, the teachers have taken the liberty to give more importance to explorations and experimentations through group works as well as individual works. Adjacent to the studio learning's, the teachers has been conducted study tour during February to Jaipur & Jaisalmer for understanding built form configurations and relations. Also conducted Two days National level design workshop on April 2016 on Design Concern by the themes of 1. Design as Inquiry, 2. Contextual Design, 3. Responsive Design, 4. Elements of space.

Structure of the Studio - The studio program has been structured by the following exercises and interventions:

1. Space Elements: Inquiry about space : elements: experiences by lecture series and literatures. 2. Inquiry of Semi-Open spaces: case study with models: understandings, logics of spatial configurations. 3. Study Tour & Documentation on configurational logics of Amber fort and Havelies at Jaipur. 4. Exploration of Vernacular House at Jaisalmer. *Group work by Sheets presentation 5. Workshop exercise. *Group work by Model presentation 6. 9 square grid exploration of Immediate observable environment design and model generation.

Studio Assessment:(All Group and Individual works) by following measures:

- Thought provoking
- Inquiry and arguments about the context and explorations
- Experimental / Creative aspects
- Critical thinking and insights about the design
- Hands on experiences and learning
- Sheet presentations and analysis (Contribution of every students)
- Out of box thinking and realising architecture

- Inspirational aspects and applications.

The Jury comprised of Ar. Aditya Singa Raju (Architect, Hyderabad), Ar. Gopal Vilas Bajaj (Architect, Hyderabad), Ar. Ashok Bhairi (Architect, Hyderabad) and Ar. K. Chetan (Practicing Architect, Bengaluru) and the Studio faculty. The Jury Members appreciated the work of Students and gave necessary suggestions for their consideration for future.

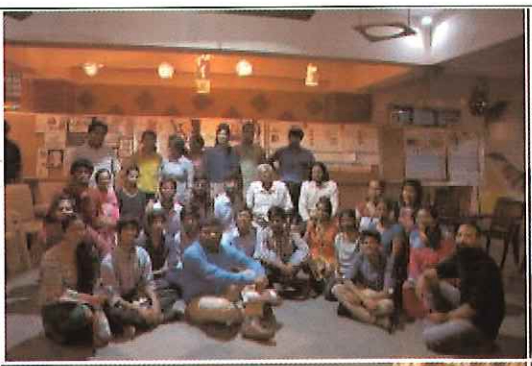

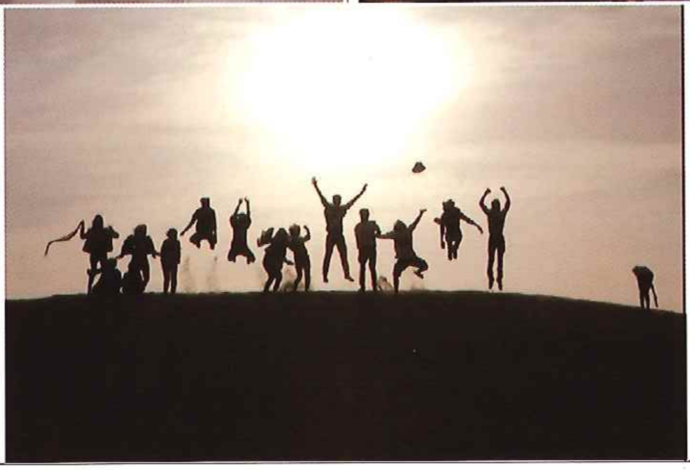

Course & Semester:	B.Arch, II Year, III Semester
Studio title/ Study Area:	
Faculty incharge:	RNS Murthy, G.Saisanath, Jonu John Thomas, Lalith Mitta, G.Vivekananda Swamy, D Hrishikesa Rao.
Studio Brief:	

In line with the given syllabus, The project – I, 'Home away from Home' a residential design proposal was assigned with three different sites with varying site conditions like Hill top, Quarry land, land having water Stream. The idea was to extract various design proposals in different site conditions sticking on to the non – urban setting. The duration allocated for this project was 4 weeks in which a working 3D modelwas included.

The project – II, the study has taken over the area of Vernacular Architecture, Social and physical environment w.r.t a village by name RUMSU, at Himachal pradesh near by the Naggar town. The village study has been taken up during a period of five days during October 2015. The study have been concentrated on various filed like, the local architecture, construction methods popularly known as 'Khath Kuni' using timber and stone, village culture, daily lifestyle, daily activity. In continuation to the study, the entire study about the village has been transformed on to the sheets after coming to vijayawada. the reasons and situation for formation of the village and the water source have been analyzed very critically. Beside to the sheet presentation, the study was also brought into a book format by the time of the end of the semester. Soon after the documentation part, in continuation to the work done, several design proposals have been brought forward in completion of design of a residential built form along with their models.

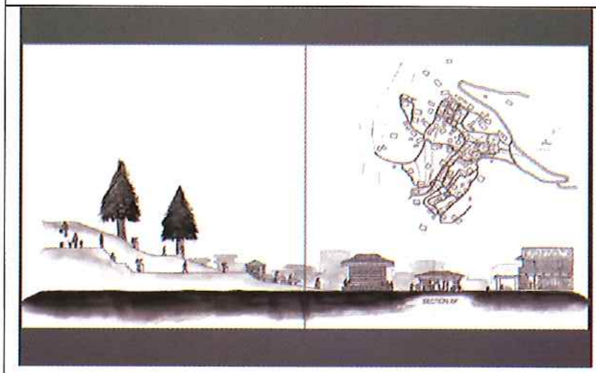

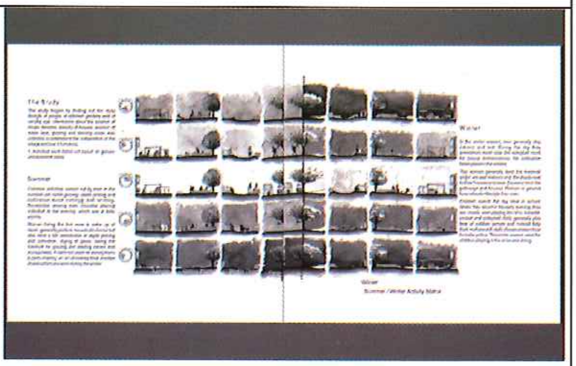

Course & Semester:	B. Arch, II Year IV Semester
Studio title/ Study Area:	Concepts of shared open spaces, clustering, community, aggregation and economy
Faculty in charge:	Jonu John Thomas, Milind A Kamble, B. N. Keerthi Naidu, Lalith Mitta
Studio Brief:	

Minor Problem

Minor project aims at deriving an optimum solution for specific community with emphasis on shared open spaces as well as building incrementally. Importance should also be given to the workspace of the individuals of the community, in order to improve work efficiency and productivity.Students are expected to first identify a community, study their life style and requirements through various sources including case studies, and develop a dwelling unit with work spaces for different family sizes. With a scope for future expansion the dwelling units are to be developed into a cluster with the concept of shared open spaces and re define the dwelling unit based on the cluster. The most optimum solution along with the study has to be presented through plans, elevations, sections and models both at cluster level and dwelling unit level.

Major Problem- Chanderi

Human settlements of any scale, will have homogenous people clustering together based on their beliefs, traditions and occupation. The various dwelling units in a cluster are held together by shared common spaces, which tend to be the most interactive spaces of the cluster. So in reality, the shared common spaces are the binding elements, which hold together different entities in a cluster tangibly and intangibly. Chanderi is a town of historic importance which lies on the edge of Malwa Plateau and Bundelkhand region.Chanderi unfolds the architectural heritage of a vast period ranging from the prehistoric era till present day. Magnificent stone monuments such as havelis, temples, domed mosques, and step wells were constructed to the rich architectural heritage of the town. This includes the intangible heritage in the form of handlooms and handicrafts.

As a part of study, students travelled to the town of Chanderi. A study including the historic back ground, physical features, and socio-economic conditions et al. was done before leaving for study tour so as to get familiarised. On the first day of the tour,

students did a survey of the place and identified six clusters based on occupation, caste, religious/ social spaces, bawdietc on site. The six clusters identified were Basuryana, Kumahrayana, Pasiyapura, Pinoor di gali, Piran Chowk and Sadar Bazar.

The six clusters that were identified were studied at four levels- neighbourhood level, street level, cluster level and dwelling unit level. In each identified settlement students were asked to a measure drawing of cluster and one dwelling unit. Study at different levels has to be understood and analysed and presented through drawings, documentation, analysis and model.

The study mainly aims at understanding the shared open spaces as places of interaction and the role played by them in strengthening the character of the place. In addition it also includes understanding the built form, building technology, materials and their usage, dwelling as response to the economic activity and others.

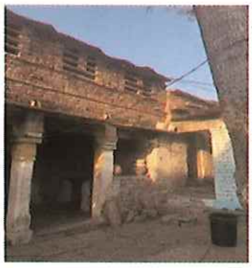

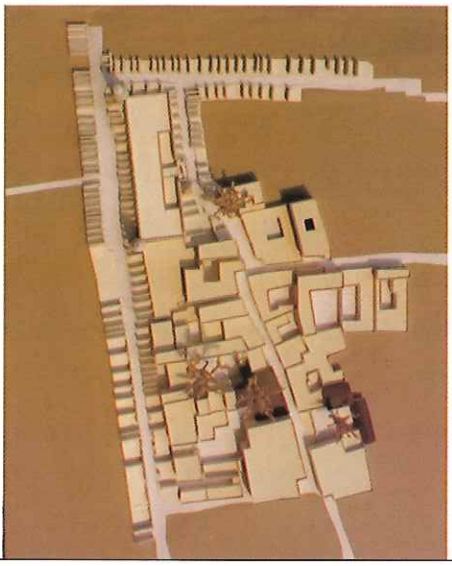

Course & Semester:	B.Arch, III Year, V Semester
Studio title/ Study Area:	Architectural Design Studio, Place-making: Conventions add values to their cities......?
Faculty in-charge:	Anil Kumar Chilakapati, Sai Sanath and Shashidhar Reddy

Studio Brief

This Studio combines analysis and observation of Public buildings and culture with a design project set along the development axis of Pottisriramulu Nellore city. Its goals are to equip students with the skills to see and interpret public realm as they develop processes for designing exchange / convention/ hospitality to hold physical form and the human activity. The Studio also seeks to enable designers to communicate their ideas through graphic and verbal means understandable and compelling to project stakeholders, architects, developers and public agencies who will determine the outcomes of the design process.

The semester consists of the following activities:

1. Research and analysis of project site area, 2. Identifying precedents and design themes, 3. Developing the design project.

The Studio's theme is 'The Cities value through its context and conventions' and the opportunities for forms of convention complex that respond to its conditions. As we move into a rapidly urbanizing future, our cities become endangered with cultural and natural resources being depleted in favour of new incongruous development. Yet these cities also contain potential for alternative economies, "walkable" urbanism, place-making, environmental mitigation and sustainable design.

Studio Organization

The Studio will require individual and teamwork. Pin-ups and reviews will be frequent, as often as weekly, depending on Studio progress. Whenever possible, stakeholders, decision-makers and other practicing architects and planners will be engaged in the Studio's discussion.

Studio Case-studies

To equip proper study and analysis, the students have done extensive case studies at Shilpkala vedika, NAC and Leonia at Hyderabad and also studied International convention at Lavasa.

Studio Phases

The work will be executed in the following broad and overlapping phases:

1. Identification of research needs and design themes combined with analysis of site, 2. Articulation of design goals and preliminary concepts, 3. Design development, 4. Design resolution

The Jury comprised of Ar. Chowdary (Architect, Hyderabad), Ar. Aditya Singaraju (Architect, Hyderabad), Ar. Srinivas (Architect, Hyderabad) and Ar. K. Chetan (Practicing Architect, Bengaluru) and the Studio faculty. The Jury Members appreciated the work of Students and gave necessary suggestions for their consideration for future.

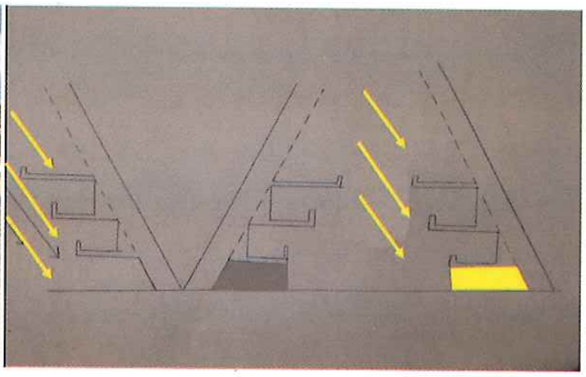

Course & Semester:	B.Arch, III Year, VI Semester
Studio title/ Study Area:	Architectural Design, Kala Kendra - Centre for Performing Arts, Vijayawada / Amaravathi, A.P
Faculty incharge:	S.V Krishna Kumar, Sai Sanath, RNS Murthy, ParisuthaRajan
Studio Brief	

Design problems on the design of closed environment, with emphasis on the articulation of interior spaces, detailing and finishing materials, textures, colour and light, acoustics and air-conditioning. Exterior spaces formed by buildings, Elevations, fenestration and built form as a moderator of urban space, site planning and landscaping. The problems may be set in the context studied in AD 5. Working drawings related to one or more aspects studied above with a view to understanding structure and services related to buildings of 3 to 5 storeys and the implications of specifications on the quality and cost of the final architectural product. This course shall be integrated with the building Construction studio. This may be group efforts in a simulated a real-time situation.

The exercise in the studio is on Kala Kendra - Centre for Performing Arts, with proposed site in Vijayawada or Amaravathi. Selection of site was as per the choice of students. The design studio was approached through literature study, data collection, case study, workshops and special lectures by experts, including experts drawn from Universal Design, suggestively. The expected outcome was to be in the form of appropriate spatial configuration expressed in terms of technical drawings and sketches that reflect contextual and locational characteristics, technological application and approach to aesthetics that evolve as a confluence of form, function and forces.

In view of the above, a study trip was organized to visit Bhopal, Jaipur and Udaipur so as to undertake relevant case studies like Bharat Bhawan, Tribal Museum, Indira Gandhi RashtriyaManavSangrahalaya, Kala Kendra etc.Students understood the aspects related to design of performance spaces like Auditorium, display patterns in Art Gallery etc. from the Case Studies. Accordingly, design on the proposed site was informed by the knowledge gained through case studies and worked on a site specific design.

The Jury comprised of Ar. Sunil Kumar (Practicing Architect, Hyderabad), Ar. Arun

Prasad (Practicing Architect, Coimbatore), Artist Rupa Mahesh (Visiting Faculty and Artist, Tumkur) and Ar. AshutoshLimaye (Country Head – Research, Jones Lang LaSalle, Mumbai)and the Studio faculty. The Jury Members appreciated the work of Students and advised them to further explore display systems in Art Gallery thus reflecting the local art and culture.

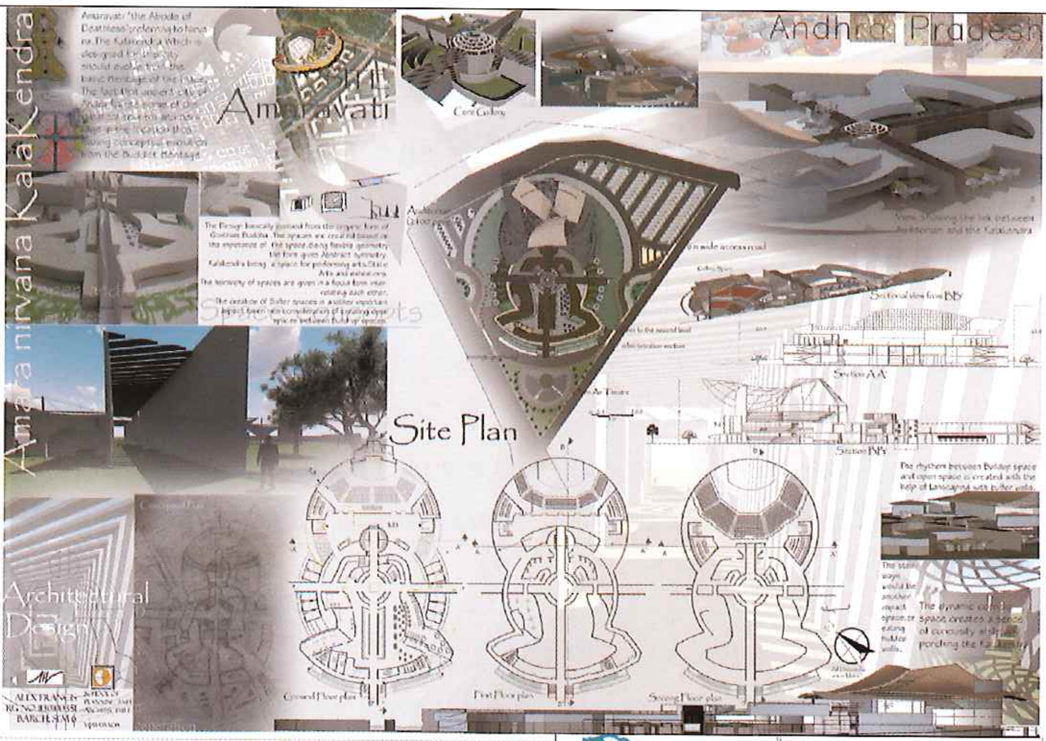

Course & Semester:	B.Arch, IV Year, VII Semester
Studio title/ Study Area:	Architectural Design, Mass Housing
Faculty incharge:	Dr. Tathagata Chatterji, G.Karteek and K.Nagaraju
Studio Brief:	

The objective of the Semester -VII Architectural Design Studio is to familiarise students to the complexities of urban housing scenario in Indian cities. Students are expected to design large scale, high density housing considering socio-economic determinants, building bye laws and zoning norms and technological feasibility. It is expected that techno-economic alternatives shall be studied in detail, along with exercises in simulation and conceptual modelling. Also application of concepts of community participation, phasing, financing and construction planning shall be the objective of the design session. Keeping the above objectives in mind, during the A.Y 2015-16, the Semester VII Architectural Design Studio focused on mass housing in Nellore, a bustling city in Andhra Pradesh. As an important port-cum industrial city, strategically located along Kolkata-Chennai National Highway, it is expected that the city will face increased population pressure over the next decade – which in turn is expected to increase demand for affordable housing.

The design brief provided to the students envisaged a model housing complex developed on a Public Private Partnership (PPP) model between the State Government and a Private Developer, where the Government will provide Land free of cost to the Developer. At the end of the project, the Developer will surrender the EWS+LIG units to the Government and can sell the rest. The unit sizes and percentage break-up for different categories of dwelling units are: EWS (40-45 sqm) 20%, LIG (70-80 sq.m) 30%, MIG (100-120 sqm), HIG (140-160 sqm) 10%. The design brief specified a density of 625 persons per hectare and identified two potential sites, measuring about 4 acres each in consultation with the Town Planning department of Nellore Municipality.

A study trip to Pune and Navi Mumbai was also organisedto identify and document various socio-economic models of housing typologies. SPAV students interacted with Prof. Prasanna Desai, Director of PVP College of Architecture, Pune and also the students of the IV year B.Arch of the college. Later there was a half-a-day interactive

session with Architect Prakash Deshmukh, IIA Past president at the Magarpatta city planned by him. As part of the studio exercise Maggarpatta city, Pune; Lavasa city-Pune; Income Tax employees group housing designed by Architect Raj Rewal in Navi Mumbai, Belapur incremental housing designed by Architect Charles Correa and CIDCO housing in Kharghar were studied with regard to connectivity, spatial organization of the built form, housing types, zoning, site utilization, landscaping verses the built, hierarchy of open spaces, parking, amenities and services, view corridors, spatial experiences, transformations and socially responsive spaces.

Students worked on groups of four for the design exercise. The faculty encouraged the students to follow an inclusionary approach towards housing and strive for greater socio-economic integration amongst the residents within the complex as well as with its immediate neighborhood. The design schemes prepared by the students were evaluated bythe eminent panel of jury drawn from various parts of India and the Jury later appreciated the overall effort of the students and faculty for the final output.

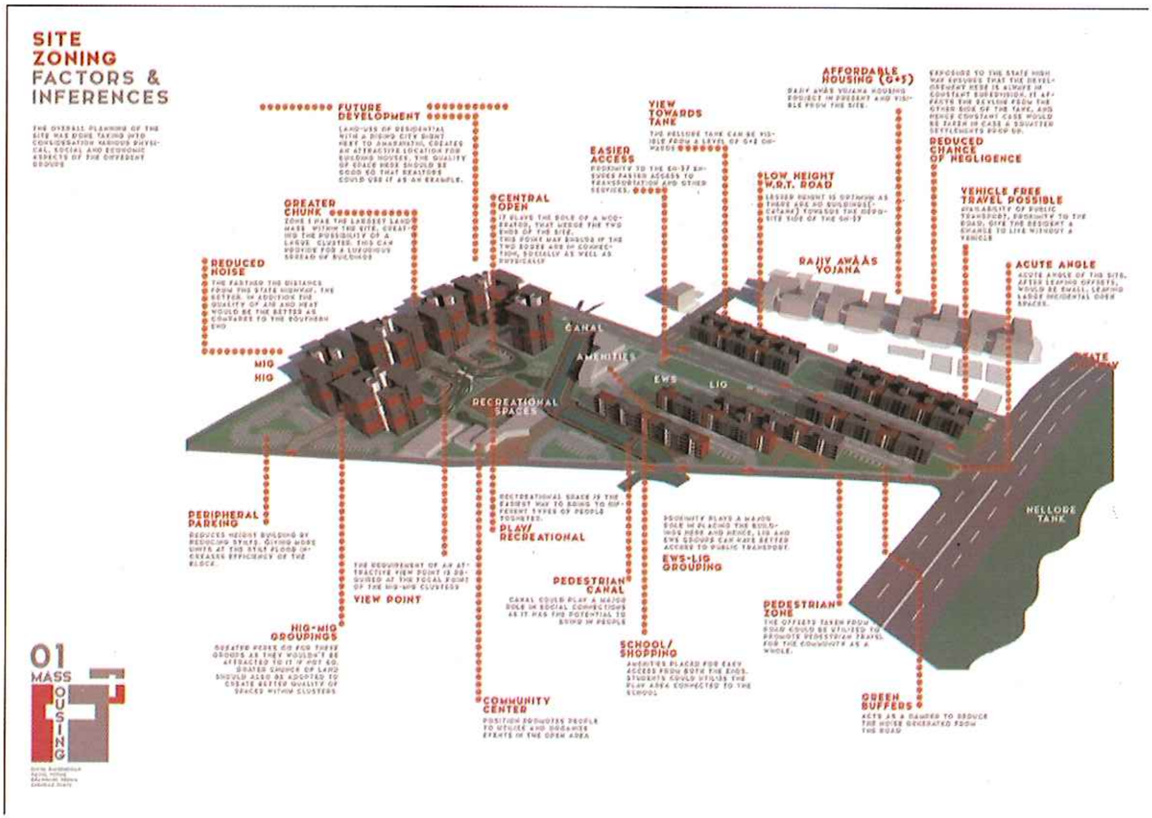

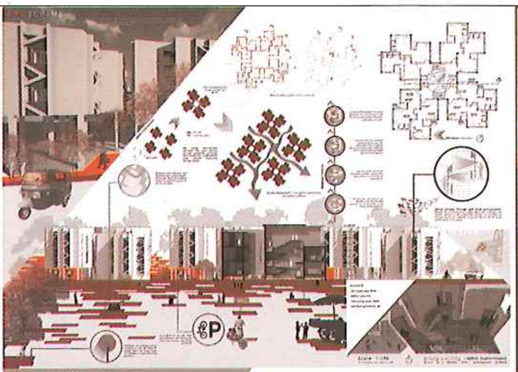
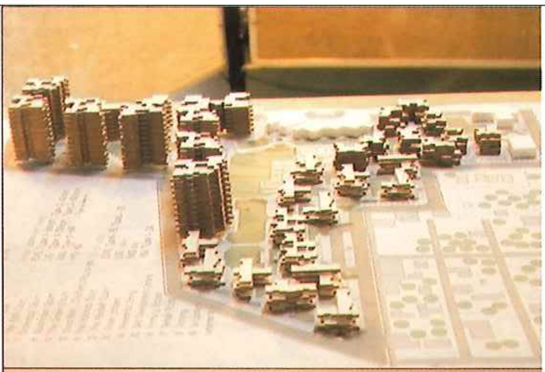
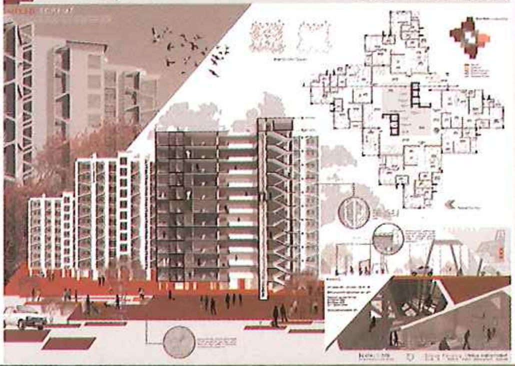
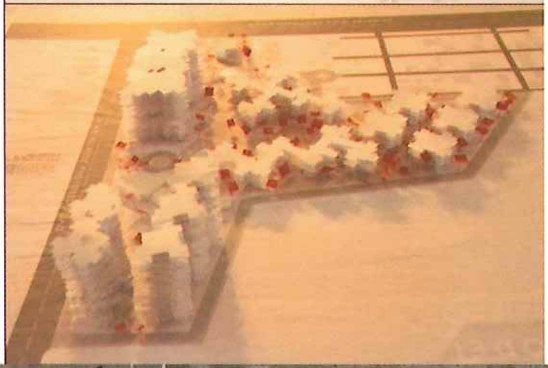

Course & Semester:	B.Arch, IV year, VIII Semester
Studio title/ Study Area:	Practical Training
Faculty incharge:	Murthy RNS
Studio Brief	Covered under section 2.4

Course & Semester:	B.Arch , V year, IX Semester
Studio title/ Study Area:	Urban Design – Nellore city, Andhra Pradesh
Faculty incharge:	S.V. Krishna Kumar, Samiksha S and Milind A Kamble
Studio Brief	

The academic curriculum involves design of a multi-functional complex of buildings in the metropolitan context. Issues related to the growing problems or urban areas in third world countries their future development had to be explored. Emphasis is on the design with relation to the contextual environment, traffic and Planning controls and impact analysis. An understanding of the architectural implications of such development scheme should lead to insights in the formulation of political and administrative policy. Preparation of analytical report of a high order and innovative presentation of final design proposals was also expected.

Nellore, the district headquarter city of Nellore district, Andhra Pradesh, has been chosen as a case city for 2015-16 A.Y. The urban design studio at the undergraduate level is an attempt to inform students about the complexity of cities, identify the determinants that shape them & understand city potential. It is about acquainting students to the discipline of study wherein thoughtful design that stems from understanding the city can create connections between people and places, movement and urban form, nature and the built fabric.

The students and staff visited the case city Nellore and studied the aspects like Planning & Demography, Urban System, Urban Structure, Typology, Urban Form and Ecology & Landscape.In addition to this, visits to Pondicherry, Auroville and Chennai were also conducted to explore diverse urban design interventions and draw parallels, which could be useful in formulating strategies for the case city of Nellore. The study was documented, analysed and all the groups of students were encouraged to propose their Vision for the City and accordingly Structure Plan was prepared in support of each Vision. Buildings / facilities / infrastructure which can complement the existing built fabric of the chosen area were identified. Consequently, each student within a group chose one of the buildings / facilities / infrastructure and submitted an individual Design Proposal. The overall evaluation included the group work as well as individual student's work.

The Jury comprised of Ar. Sanjay Kanvinde (Practicing Architect, New Delhi), Prof. ManojMathur (Professor of Architecture, SPA Delhi), Prof. AkshayPatil (Faculty of Architecture at VNIT, Nagpur) and Ar. P. Venugopal (Practicing Architect, Hyderabad) and the Studio faculty. The Jury Members appreciated the work of Students and gave necessary suggestions for their consideration for future.

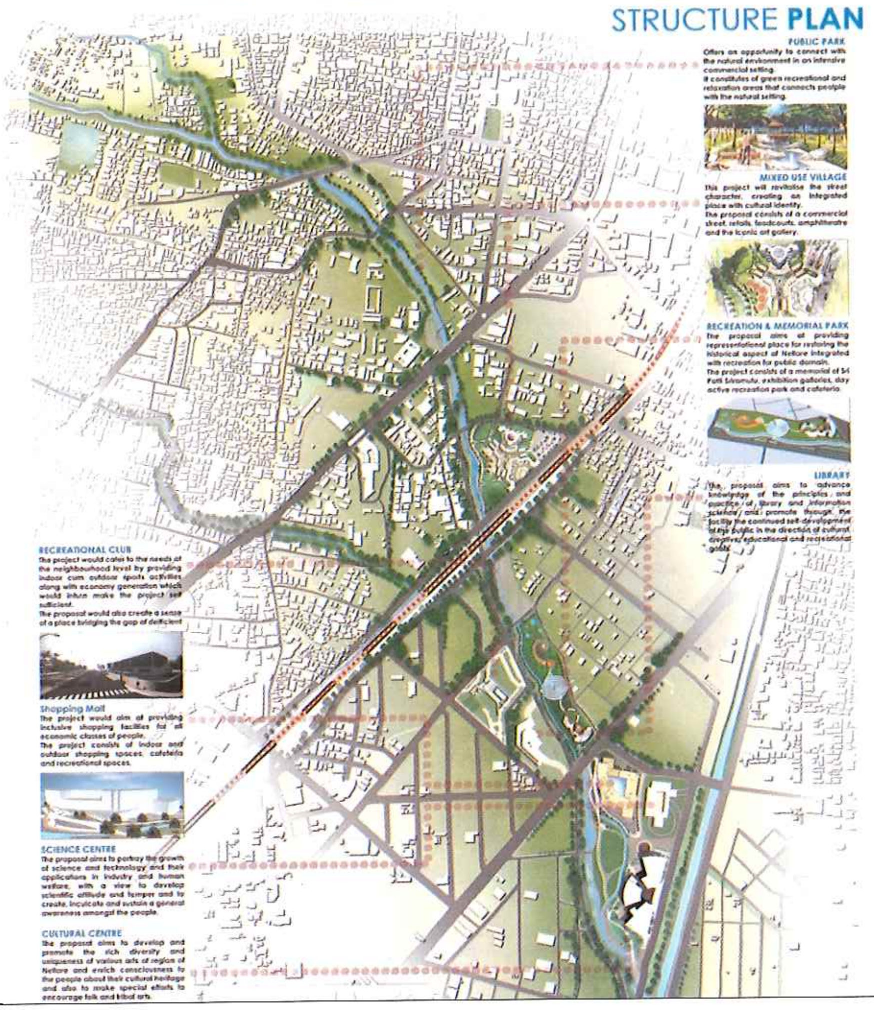

Course & Semester:	B.Arch, V Year, X Semester
Studio title/ Study Area:	Architectural Design Thesis
Faculty incharge:	D.Srinivas and G.Karteek
Studio Brief:	

The Architectural Thesis is the culmination of the development of the student's knowledge, attitudes and skills over the course of studies in architecture. It is an occasion for exercising conscious choices in the field based on the students' personal abilities and inclinations, and for testing out his/her commitment. The student, in consultation with the faculty, is expected to demonstrate through an imaginative approach, his/her expertise in effecting positive changes in our built environment.

The Thesis sessions were conducted from the month of October 2015 starting with finalization of the Thesis Synopsis refining and clarifying the broad typology of Thesis, aims, objectives and scope of work. The Thesis sessions were divided into Guide reviews, Departmental reviews, Panel reviews and Internal Jury. The reviews were divided into six panels where each of the panels consisted internal faculty as well as external experts namely Ar. Shankar Narayan, Ar. P.Venugopal, Ar. G.V.S. Murthy, Ar. Kakulal Sohni, Ar. Lalit Mitta and Ar. Leonard Harper from various specializations.

Prof. Manoj Mathur, Head, Department of Architecture, SPA Delhiwas invited to deliver a special lecture and orient the students for the Thesis session. The special lecture was divided in two sessions namely "Research the thesis" and "Interpreting the research for design clues" followed by an interactive session. Later one more special lecture titled "Breaking through the Clutter"was arranged inviting young Architect Mr. HariKrishna from Hyderabad who has recently won the NDTV Award-2016 under socially relevant design category, IAB Young designers 2016 and also a finalist in Architectural Review Faith awards.The internal Jury consisted six panels including the faculty, external experts and six other eminent jury members namely Mr. Rahul Paul, Landscape Urbanist from Bangalore, Ar. Nidhi Batra, Urban Designer from New Delhi, Ar. Ashok Raj, Principal Architect at Contour Dakshin from Calicut, Ar. V. Balakrishnaa, Professor and Consultant Architect-Planner from Coimbatore, Ar. Divay Gupta, Principal Director, Architectural Heritage from INTACH New Delhi and Ar. Nanda Kumar, Principal Architect, Nandu Associates from Hyderabad. Eminent Jury members reviewed the work of students in the final Jury and appreciated some of the thesis works.

List of B.Arch Thesis Titles

S.No.	Regd.No.	Student	Thesis Title
1	1110100201	Karan Anand	Revitalization of defunct riverfront spaces: Case of IP precinct, New Delhi
2	1110100202	Anupozu Santosh Rahul	Bridge as a pedestrian space - Connecting Ahmedabad east & west
3	1110100203	Lalana Bathina	Center for Marine Experience and Museum
4	1110100205	Amrutha C	Institute of Handloom and Textile Technology Kannur, Kerala
5	1110100206	Shanmukha Priya C	Developing space under flyover
6	1110100206	Shantanu Singh Chauhan	Bodhi Centre for NGOs.
7	1110100208	Chiliveru Kiran Kumar	Business Incubation Centre, Hyderabad
8	1110100209	Shiva Ghosh	Rethinking Highrise Apartments: An approach to Habitat design
9	1110100210	Chhaya Jain	Centre for Street Children, Goa / Vizag
10	1110100211	Basil V Joy	Revival of traditional Dhow Craft at Beypore, Calicut
11	1110100212	Akhil Paul K	JLN Metro Station, Kochi
12	1110100213	Yaseen K K	Adaptive Reuse of Comtrust, Calicut: Rejuvenating the art Heritage
13	1110100214	Kema Pallavi	Indegenous Crafts of Etikopakka
14	1110100215	M Rahul	Multi Purpose Indoor Sports Arena - Indore
15	1110100216	Meghna Menon	The People's Art Museum
16	1110100217	Mohammed Fabis T K	Indoor Sports Complex, Calicut
17	1110100218	Varghese M Cherian	Urban Renewal of Old Ernakulam Railway Terminus
18	1110100219	Bikramjeet Mridha	Architecture of Aquaculture Spaces
19	1110100220	N Ravi Shankar	Redesign of Ravindra Bharati, Hyderabad
20	1110100221	Amlan Jyoti Pegu	Fisher man's village
21	1110100222	Ragala Poojitha	Centre for Village Arts : Amaravati
22	1110100223	Raj Janu chetan	Cultural Hub, Goa
23	1110100224	Narendra Kumar Rao	Revitalization of Urban Haat in Banaras
24	1110100225	Siva Sankar S	Revitalization of Marina in Allepey
25	1110100226	Shathakoti Harish	Eco Tourist Hub
26	1110100227	Fidal Roshi T	Kala Academy for visual & Performing arts, Calicut
27	1110100228	Dondup Tashi	Village Development Centre in Seru -

S.No.	Regd.No.	Student	Thesis Title
			Tsoh
28	1110100229	Thatipally Raja Hari Chandar	Heritage and Cultural Centre, Warangal
29	1110100230	Sreesh Thottiyil	Games Village for 36th National Games.
30	1110100231	V Mitravinda	Museum & Research centre for Traditional textiles of AP and Telangana, Hyderabad
31	1110100233	Akshay A G	Rethinking a quarry, environment, research centre, Wayanad
32	1110100234	Sonu Kumar	A place of innovative Learning Research and Design Centre - Campus Design NID Vijayawada
33	1110100235	Jai Prakash	Urban Housing - Implementation of PPP
34	1110100236	Rashmita Priyadarshini	Orphanage cum old age home & religious sanctuary, Kolkatta
35	1110100238	Lakshmi Anil	Vyttila Mobility Hub Phase - 2, Bus Passenger Terminal with Commercial Centre
36	1110100239	Bhagwat Omkar Prashant	Form Derivation - Cricket Stadium
37	1110100240	Nitul Kumar Das	Heritage Interpretation Centre, Sivasagar, Assam (Strategies for promoting Tourism in the Ahom Capital of Assam)
38	1110100242	Godugu Bharath Prudwi	Revitalizing the Spice Heritage, Mattancherry.
39	1110100242	Kevin Abraham George	School of Architecture and Design.
40	1110100243	Meeta Gosain	Envlope to the lifestyle enhancement - Sanskritik Kala Kendra
41	1110100244	Amit Gupta	Vertical Habitat, A greener highrise at Navi Mumbai, Maharashtra.
42	1110100247	Aashna Jain	Integrated Inter - State Bus Terminus
43	1110100248	Ravi Jain	Domestic Airport, Ajmer
44	1110100249	Abhilash K R	Ayurvedic Village Resort
45	1110100250	Dzuiiliamosiia Kapemai	Morung: An Institute of Learning for The Naga Youth
46	1110100251	Shrey Kaushik	Nauchandi Mela - From under to Optimum Citilization of Resources
47	1110100253	Layudya Anusha	Health Care Centre
48	1110100254	M Sanjay Kumar	Dramatizing Architecture : Venue for International Film Festival, Trivandrum, Kerala

S.No.	Regd.No.	Student	Thesis Title
49	1110100255	Dillu M	Commercial complex along canoly canal, Calicut
50	1110100256	Maddikayala Kranthi Omkar	International Football Stadium
51	1110100257	Meruga Sandeep	Science Museum and Planetarium
52	1110100258	Muhammed Zahid K P	Community Arts Centre, Calicut
53	1110100259	Vishus Narayanan N	Samskarika Kendram, Nilambur
54	1110100260	Kaustubh Pandey	Bus terminal : As a transit Hub & Commercial Space
55	1110100261	Sibanni Pandita	Bioclimatic Tower
56	1110100262	Phuritshabam Somorjit Singh	Imphal Railway Terminus
57	1110100265	Shivank Shankar	Musuem based on India's struggle for Independence.
58	1110100266	Shivanagari Pravallika	Beach Resort
59	1110100267	Jaskirat Singh	UNESCO Centre on World Natural Heritage - Mussoorie
60	1110100268	Laxman Kumar Soren	Auto House : A Museum Cum Expo
61	1110100269	Undaru Varsha	Tourist Centre at Tada Falls
62	1110100270	Goutham Veerabathula	State Assembly Building, Amaravathi
63	1110100271	Ankush Kumar	School of Music, Kanpur.
64	1110100272	Praveen Kumar	Luxury Hotel
65	1110100273	Vashishtha Pulkit	Eco Resort
66	1090100070	Bhavana	Educational Theme park, Vijayawada
67	1090100084	Yantrapati Sai Mrudula	Affordable Housing - Vijayawada
68	1090100100	Mathesh U	Eco - Friendly Resort for Backwaters of Mangalore
69	1090100108	Hemanth Chauhan	The Headquarter of Department of Revenue (Rajaswa Bhawan), an Office Building
70	1090100130	Lokesh Pratap Singh	Recreation Centre for Blind people.
71	1100100138	Chenna Manikanteshwara	Residential Rural School
72	1100100150	Maruthi Ratnakar Sarma Kundurti	High Court for Andhra Pradesh
73	1100100155	Mayengbam Angamba Singh	Redevelopment of Lishan Hiden, a historical moat into an urban space, Manipur

S.No.	Regd.No.	Student	Thesis Title
74	1100100156	Pritam Mohanty	Photography Academy: Defining spaces through light and Vision
75	1100100165	Pradeep Kumar Savita	Awadh - Shilp Gram.
76	1100100166	Manish Paul Simon	Community shelter for homeless
77	1100100168	Ashita Agarwal	Telangana Tourism Village - Warangal
78	1100100184	Amandeep Kumar	Bus Terminus cum Commercial complex in Jammu

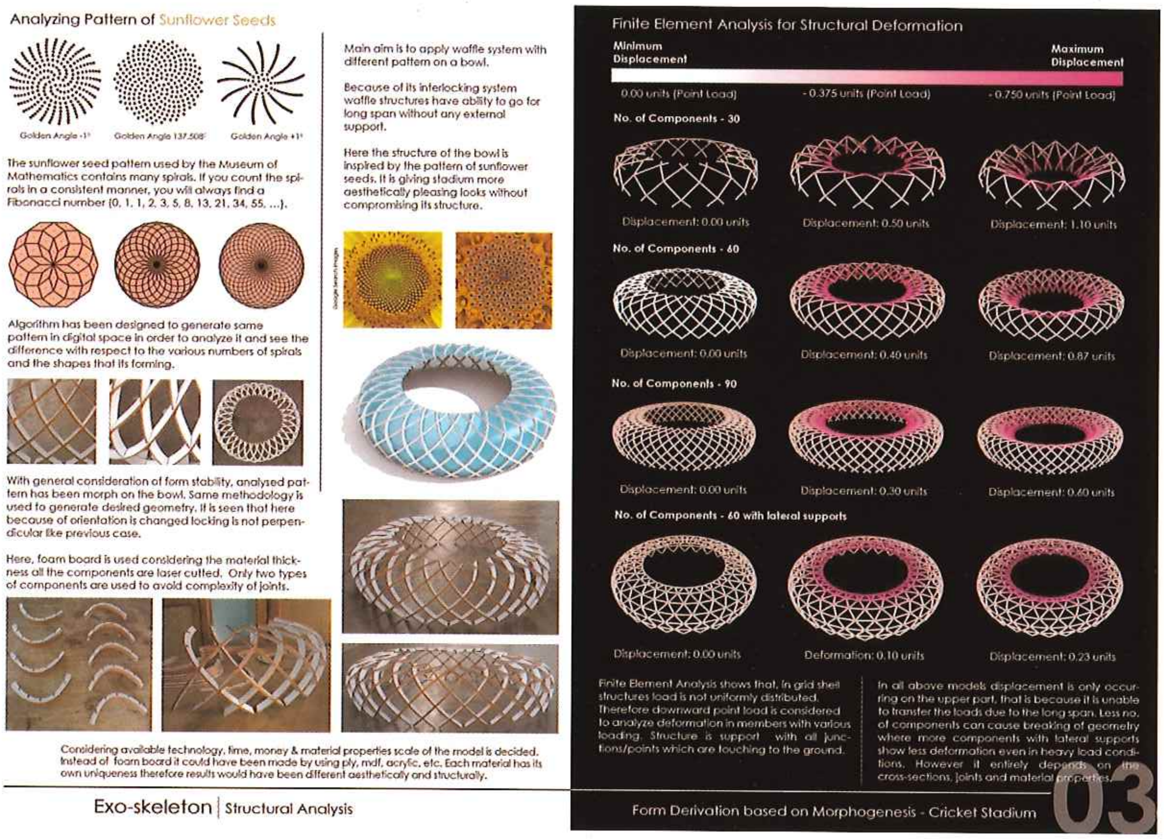

Course & Semester:	M.Arch (Sustainable Architecture) I Year I Sem
Studio title/ Study Area:	Vernacular strategies for sustainable practices, energy efficient and environmental friendly solutions
Faculty in charge:	B. N. Keerthi Naidu, Parisutha Rajan
Studio Brief:	

Minor Project:

An existing swimming pool has been identified and students were assigned a task to develop required amenities around the pool thus developing into a breathing space amidst concentrated settlements in the city of Vijayawada. The idea was to make students realize the importance of site planning to achieve a sustainable design. Also incorporating techniques of landscape and minimal built interference in site students were given an opportunity to experiment with various sustainable building materials and techniques. Few amenities that were included are changing rooms, gym, yoga centre, spa, food court and a small souvenir shop.

Major Problem- History and Culture Museum

History is passed on to the future generations through art, architecture and culture from their ancestors. Southern part of India, especially the Eastern Ghats region of Andhra Pradesh has a fusion of art, architecture and culture which was poured in by many dynasties that ruled this place, religions that flourished in this region and foreign invasions including British, which has manifested in many forms. The region around proposed capital also has a rich cultural heritage and is renowned for various crafts. Some of them include Kalamkari printing from Pedana, handloom weaving in Mangalagiri, toy making from Kondapalli and Etikoppaka, Veena making from Nuzveedu and others.

To promote tourism and preserve history and the crafts of the region, a proposal for historic and cultural museum has been made with the main aim of this proposal to bring awareness among public about the historic and cultural importance of the place.
The objective and intentions of the studio is to promote energy efficient building designs by harnessing natural resources, reducing the energy consumption in the life cycle of building through active and passive methods. Furthermore it is expected to make use of the local materials extensively to reduce the embodied energy of the building.

Study Tour: To understand the various sustainable practices students were taken on a tour to Auroville and Pondicherry to experience different experiments made on site.
On the first day of the visit students visited International Pavilion, Sacred Groves, Visitors Centre, and 2 schools organised by the Auroville community.On the second day students were taken to visit "Golconda House", designed by French Architect Raymond and constructed during 1938-48. This building stands as an example of passive solar architecture and appreciated for the design, technology and materials which were used in its construction. On the third day students visited INTACH Pondicherry to understand the implications of traditional construction materials in today's construction.

Studio Outcome: Studio is aimed at extensively covering and understanding of various concepts and methods to derive a sustainable design with reference to **site planning, envelope design, materials, and design techniques** by incorporating **climate and context** of the place. The required knowledge can be acquired through case studies, literature reviews, construction technologies and others.

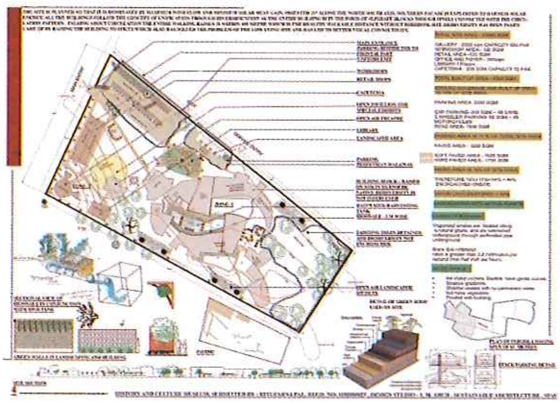

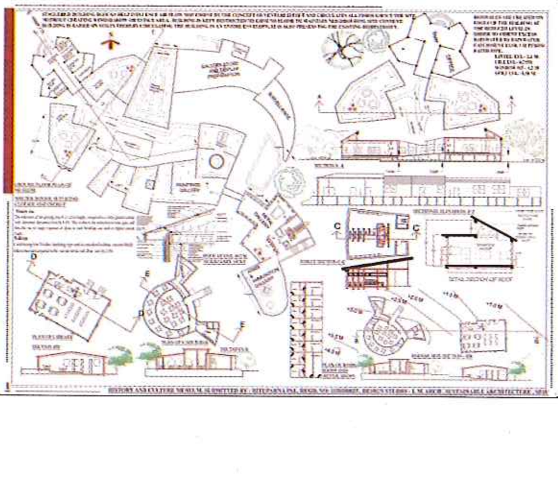

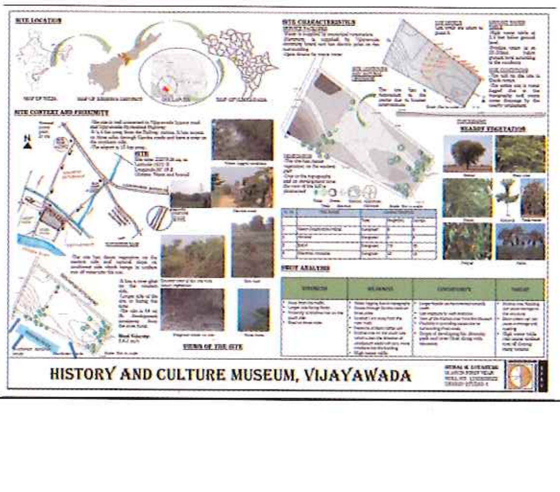

Course & Semester:	**M. Arch, II semester**
Studio title/ Study Area:	**Architectural Design/ Envelop Design**
Faculty in charge:	**Dr.Tathagata Chatterjee, Nagaraju Kaja**
Studio Brief:	

The focus objective of the M. Arch (Sustainable Architecture) 2nd Semester studio exercise is Building Envelop Design, as outer shell of the building plays a key role in reducing energy usage. It was decided to explore the issue of Envelop Design in detail through hospitality related projects. The hospitality industry in India is in the forefront of implementing green and sustainable design practices, which are the necessity of the hour to conserve energy, water and other precious resources. Moreover, green buildings in hospitality sector can also provide healthy and comfortable indoor environments for the occupants including guests.

It was decided to let the students design a 3 to 4 star category business hotel in 2 to 3 acres of land. To expose students to challenges of envelop design in all six climatic zones, it was decided to divide 17 students of the class in such a way, so that each climatic zone would have at least two students. Thus, envelop design requirement, specific to each student was researched by students in groups of twos and threes. After this group exercise, students worked individually towards building design and site planning. Accordingly students selected sites in cities as diverse as: Mumbai, Gangtok, Bangalore, Hyderabad, Kochi, Leh, Jodhpur, Jaisalmer, Shilong and Goa.

To familiarise students about sustainability issues in the hospitality sector, a workshop was organised in Goa under the supervision of renowned architect Dean D' Cruz. Students and the studio faculty attended the workshop in Goa. The scope of the workshop included site visits to various hotels and resorts, which had implemented sustainable building design principles. Architectural design was required to minimize energy usage and operational costs without compromising functionality, accommodation standards, occupant health, safety or comfort. Passive energy conservation measures are to be implemented wherever possible.

Course & Semester:	**M. Arch II Year – III Semester**
Studio title/ Study Area:	**Simulation strategies, Studio & Lab**
Faculty in-charge:	**Dr. Ramesh S, Dr. Faiz Ahmed**
Studio Brief:	

Introduction of simulation strategies related to thermal, visual, embodied energy performance of different components and parameters, energy analysis using simulation software. With a focus on evaluating building performance using building simulation strategies for optimizing energy usage.

Objectives - The objective of this design studio is to explore the applications of building simulation strategies for developing a sustainable architectural solution. The exploration included various simulation strategies which included lighting analysis, thermal analysis, CFD analysis, HVAC & building systems, energy & cost analysis and compliance with LEED/GRIHA rating systems.

Studio Approach - Students are assigned with two projects to explore the simulation strategies at site level and at building level. Focusing on exploring simulation strategies.

Project I: Cottage Design (Villa), for a particular climatic condition. Exploration should focus on how climatic conditions play defining role in design of buildings. Simulations strategies for deriving alternative design proposals on orientation, form, openings etc.

Project II: Retrofitting a commercial project – DV Manor, Vijayawada – The focus of this project is to explore how simulation strategies could be applied in existing built structures. Various aspects in which retrofitting could be applied for making the building sustainably sound.

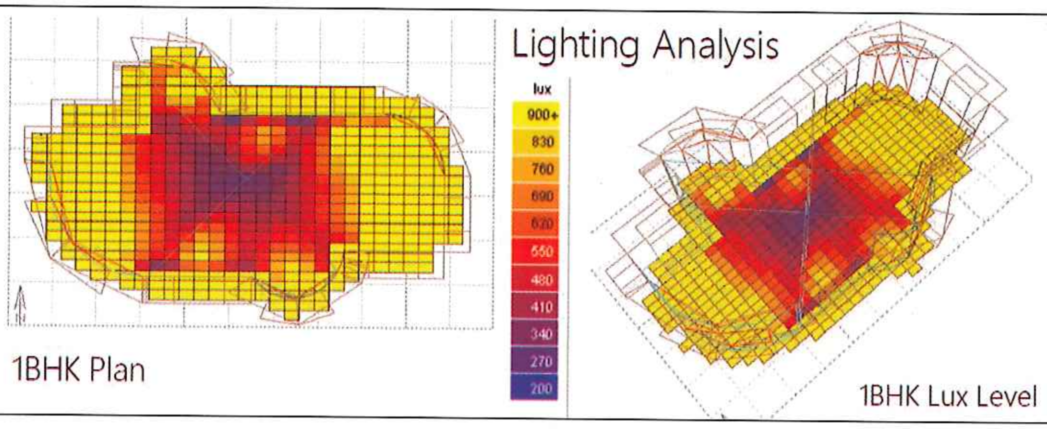

Course & Semester:	M. Arch II Year – IV Semester
Studio title/ Study Area:	M. Arch Thesis
Faculty in-charge:	Dr. Faiz Ahmed – Thesis co-ordinator
Studio Brief:	

The Thesis gives the student an opportunity to apply the discipline and skills of the programme to an individually selected research topic, requiring a measure of original development, providing a vehicle for conducting an in-depth investigation, analysis and critical review of relevant material.

Scope of the Thesis:The thesis should reflect the Philosophy of Sustainable Architecture and the technical knowledge gained from the entire course which may include the simulations. M. Arch Thesis 2015-16 was carried out in five different stages as following:

1. Briefing - Preparatory Level- Stage I: Discussion with Subject Experts/ Brainstorming/ Exploring research papers and projects.
2. Synthesis - Stage II: Literature reviews/ Case Studies (Desktop)/Data Collection/ Case study identification and survey formats/ Site selection
3. Analysis / Solution / Experimentation – Stage III: Case study and site analysis, Concept Development, Preliminary Proposals, Implementation/ Execution – Stage IV: Refined Preliminary Proposals, Design Development, Pre-Final Design with Preliminary Report
4. Communication – Stage V: Mock Review – Final Internal Review, Final External Jury

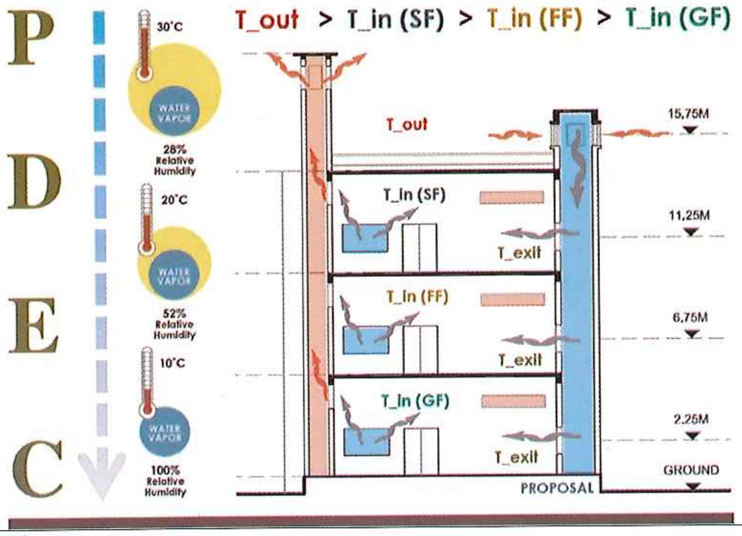

List of M.Arch (Sustainable Architecture) Thesis Titles

S.No.	Regd. No.	Student	ThesisTitle
1	1140500006	M Janani	Integration of Passive Techniques forComfort conditions in Composite Climate(Residential buildings)
2	1140500013	SithaMahalakshmi	Effect of Façade Glazing on the energy consumption in Office Buildingin Hot and Humid Climate
3	1140500014	Sushanth S J	Impact of Built Form on Urban Heat Island
4	1140500001	ChipadePratikshaMa dhukar	Potential of Composite Wall Assemblies to AchieveThermal Efficiency in Hot and Dry Climate
5	1140500011	RupaSubhakar	Comparative study of thermal performance of insulated walls and roofs for composite climate of Hyderabad
6	1140500002	Gayathri Siva Kumar	Assessment of Daylight Efficiency in Deep floorplan Office Buildings
7	1140500004	Jayasree T K	Vegetation integrated to building design and its implications on energy consumption in warm humid climate
8	1140500008	N BalaChathurvedi	Sustainable site planning strategies for the proposedResidential Zone-Amaravati master plan
9	1140500012	ShaliniSundarraj	Design Approach to Low Carbon Housing – Through Material Efficiency
10	1140500003	HaneenPallathodi	Kinetic Envelopes: Application of computationaldesign for optimization of daylighting
11	1140500005	KartikChadalavada	Assessment of Carbon footprint for an Eco sensitiveresort - An approach to sustainability
12	1140500009	PavithraRadhai K V N	Performance Evaluation of External Jaali Screens as Window treatments in Warm &Humid Climate, Tiruchirappalli
13	1140500007	Mangle SwapnilSureshrao	Building Integrated Passive Evaporative Cooling Strategies in Hot and Dry Climate

2.2) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: FACULTY ACTIVITIES

Faculty has been contributing towards the enrichment of the academic programmes through their sustained efforts. The department of architecture has a dynamic mix of eminent faculty having experience in planning, architecture and allied fields of knowledge. Faculty members are constantly involved in academics, research and developmental activities of the School. Apart from attending various national, international conferences and workshops; the faculty is constantly engaged in publishing research and technical papers in various journals. As a part of research / research projects, the faculty members visited several countriesi.e., Australia, Austria, Denmark, Indonesia,Italy, Japan, Netherland, Sweden andUK.

2.2.1) Publications

1. **Chilakapati, Anil Kumar** (2015). Creating awareness of an evidence-based approach to humanistic-transit spaces, International Journal of Humanities and Social Sciences Review– HSSR, ISSN: 2165-6258 04(02) :: 335p–344p. Harvard Medical school, Boston, Massachusetts, USA: HSSR

2. **Daketi, Srinivas** (2015) Cultural approach to architecture, International academic and Research Conference, Vijayawada, India [Conference Paper]

3. **Daketi, Srinivas** (2015) Impact of Occupational Pattern on Built Form, International Multidisciplinary Academic Conference, Jomtien, Pattaya, Thailand. [Conference Paper]

4. **Daketi, Srinivas** (2015), Impact of culture on rural Built environment, International conference on IT, Architecture and Mechanical Engineering, Dubai, UAE. [Conference Paper]

5. **Daketi,Srinivas** (2016) Guidelines for the Formulation of Indian Code of Practice for Construction and Demolition Wastes, ISSN (E): 2321-8843; ISSN(P):2347-4599,Volume-4 Issue-1, January 2016, International journal of Research in Engineering & Technology (IMPACT:IJRET)

6. **Daketi,Srinivas** (2016) Jaalis: A study on aesthetics and functional aspects in built environment,ISSN: 2395-3470, Volume-2 Issue-2, Page No 98-104, February 2016, International Journal of Scientific Engineering and Applied Science (IJSEAS)

7. **Daketi,Srinivas** (2016), Evolution and Transformation of Courtyards Through Space and Time: A Case of Indian Courtyards, ISSN: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,Volume-4, Issue-1, Page No 58-63

8. **Daketi, Srinivas** (2016), Influence of Culture on Tribal Housing in Odisha: A Case of Kisan, Oraon, Gond and Khanda, ISSN: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,Volume-4, Issue-1, Page No 72-80, International Conference on Mathematics, Physics and Allied Sciences 2016, March 03-05
9. **Daketi,Srinivas** (2016), Perforating the Building Envelope with a Breathable Cover of Live Wall Concept, ISSN: 2320-4338, ISBN: 978-93-84124-61-8,Volume-4, Issue-1, Page No 64-71

10. **Daketi,Srinivas** (2016), Water as element in architecture, ISSN(P): 2348-0513, ISSN(E): 2454-471X, Volume-4 Issue-1, Page No 49-60, January 2016, International Journal of Management, Information Technology and Engineering (BEST:IJMITE)

11. **Guturu Karteek,** (2015)," Is FSI Dependent on Land Availability and Densities? A Comparative Review of FSI in Indian Cities", peer reviewed journal 'European Journal of Sustainable Development' June 2015, Volume 4, No. 2, 27-34 ISSN: 2239-5938

12. **Guturu Karteek,** (2015),"Redeveloping the Musi riverfront in Hyderabad",Online JOURNAL City Observer, June 2015

13. **Kaja, Nagaraju** (2016). 'An Approach to analyze the key components of Buildings for reducing the Energy consumption' in Engineering Sciences International Research Journal, ISSN No.2320-4338, Vol 4, Issue 1, 114-121.

14. **Kaja, Nagaraju** (2016). 'Significance of airmovement for Thermal comfort in Educational Buildings, case study of a class room' in International Advanced Research Journal in Science,engineering and Technology (IARJSET),ISSN No.2393-8021, Vol 3, Issue 3, 88-93.

15. **Ranga, Murthy N S,** (2015)'Review on the Maintenance of the Built forms from the Seepage of Water' International Academic and Research Conference, India in support of UNESCO's 70th anniversary, IMRF at Vijayawada, ISBN 978-93-84124-31-1.

16. **Ranga, Murthy N S,** (2015)'Urban Rain Water Harvesting – Pervious Concrete'International Multi Disciplinary Academic Conference Thailand, 2015 in support of UNESCO's 70th anniversary, IMRF at Pattaya, Thailand, ISBN 978-93-84124-48-9.

17. **Ranga, Murthy N S,** (2016) 'Sustainable Urban Water Management- Tropical Climatic Conditions' , World Research Congress, IMRF at Colombo, Srilanka. ISBN 978-93-84124-72-4.

18. **Sridharan N, Chatterji T, Krishna Kumar SV, Srinivas D, Ray R, Ahmed M, Vardhan P, Nag Soumi (2015)**'Documentation of Traditional Housing Typology for the poor, based on Building Material usage in the State of AP, Building Material & Technology Promotion Council. ISBN: 978-93-84124-49-6

2.2.2) Workshops/ Training Programmes attended by the Faculty

1. Dr. S. Ramesh attended 64th National Town and Country Planners Congress held at Naya Raipur, Chattisgarh during 08-10 January 2016

2. Dr. S. Ramesh attended a Workshop on "Council of Architecture Minimum Standards & Online Institution Management System" at Chennai on 28 October 2015

3. Dr. S. Ramesh,attended GRIHA Training program organized by TERI at Habitat Centre, New Delhi from Feb 15-17, 2016and GRIHA Summit during Feb 18-19,2016.

4. Dr.Faiz Ahmed,attended GRIHA Training program organized by TERI at Habitat Centre, New Delhi from Feb 15-17, 2016and GRIHA Summit during Feb 18-19,2016.

5. Jonu John Thomas attended GRIHA Training program organized by TERI at Habitat Centre, New Delhi from Feb 15-17, 2016and GRIHA Summit during Feb 18-19,2016.

6. Keerthi Naiduattended GRIHA Training program organized by TERI at Habitat Centre, New Delhi from Feb 15-17, 2016and GRIHA Summit during Feb 18-19,2016.

7. Nagaraju Kaja attended 'Training Program on Cultural Heritage Protection in Asia Pacific Region organized by UNESCO (ICCU) held at Nara, Japan during Sept 01-Oct 01, 2015.

8. Nagaraju Kaja, attended BInUCom Project workshop at KRVIA, Mumbai during March19-23, 2016

9. Nagaraju Kaja,attended GRIHA Training program organized by TERI at Habitat Centre, New Delhi from Feb 15-17, 2016and GRIHA Summit during Feb 18-19,2016.

10. S.V. Krishna Kumar attended Royal Institution of Chartered Surveyors (RICS) Real Estate Conference 2015 on 'Indian Real Estate: Fit for Future' at Bangalore on 28 May 2015

11. S.V. Krishna Kumar attended a Workshop on "Council of Architecture Minimum Standards & Online Institution Management System" at Chennai on 28 October 2015

12. S.V. Krishna Kumar attended 64th National Town and Country Planners Congress held at Naya Raipur, Chattisgarh during 08-10 January 2016

13. S.V. Krishna Kumar attended 'The Festival of Innovation 2016 - Meeting of Innovation Clubs' held in Rashtrapati Bhawan on March 14, 2016 and presented the selected works of students of Architecture and Planning which had an element of innovation in their curricular works.

14. Srinivas Daketi attended BInUCom Project workshop at KRVIA, Mumbai during March19-23, 2016

2.3) DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: GUEST LECTURES

S.No.	Date	Name of the Guest	Subject	Batch
1	28.09.2015 07.10.2015 04.11.15	Smt. V.V.Hema Lakshmi	Environmental Codes and Energy Ratings	M.Arch I year I sem
2	12.10.2015 13.10.2015	Shri Arthem Naresh	Intelligent Building	M.Arch II year III sem
3	08.10.2015 13.10.2015	Prof.Dr.K.Venkateshwar Rao	Intelligent Building (Topic: Fourier Series)	M.Arch II year III sem
4	30.09.2015	Ar. Chitra Vishwanth Shri Anurag Tamhankar	Climate and Built form and responses	M.Arch I year I sem
5	05.11.2015	Ar. Chitra Vishwanth	Climate and Built form and responses	M.Arch I year I Sem
6	05.11.2015	Shri P. Srinivas Rao	Eco Sensitive Accessories and green products	M.Arch II year III sem
7	19.01.2016 20.01.2016	Prof.R.V.Kolhatkar	Thesis Special Lecture	B.Arch V year X sem
8	01.02.2016	Prof.Dr.Monsingh David Devadas	Thesis panel review	M.Arch II year IV sem
9	13.02.2016	Dr. Manoj Mathur	Research the thesis and Interpreting the research for design clues	B.Arch V year X sem
10	19.02.2016	Prof.Dr.Shovan K. Saha	Thesis external Expert	B.Arch V year X sem
11	10.03.2016 11.03.2016	Ar.Ravi Kumar Reddy	Graphic	B. Arch II year IV sem
12	27.11.2015	Prof. Dr. Manoj Mathur	Thesis Orientation and subject expertise	B.Arch V year X sem
13	29.02.2016	Prof.Dr.Anurag Roy Prof.Dr.Monsingh David Devadas	Thesis panel Review	B.Arch V year X sem

14	04.04.2016	Ar. Prassana Pandian	Multimedia Presentation Techniques Graphics	B.Arch II year IV sem
15	11.04.2016	Shri Ashok Kumar	Building Construction	B.Arch II year
16	11.04.2016	Prof.Dr.Monsingh David Devadas Ar. Krishna Rao Jaisim	M.Arch Thesis Panel Review	M.Arch II year IV sem
17	22.04.2016	Ar.Hari Krishna	Thesis orientation and subject expertise	B.Arch V year X sem
18	22.01.2016	Dr. Rakesh Singh	Thesis panel review	M.Arch II year IV sem

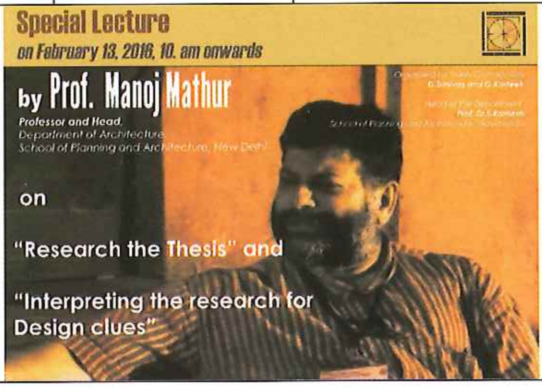

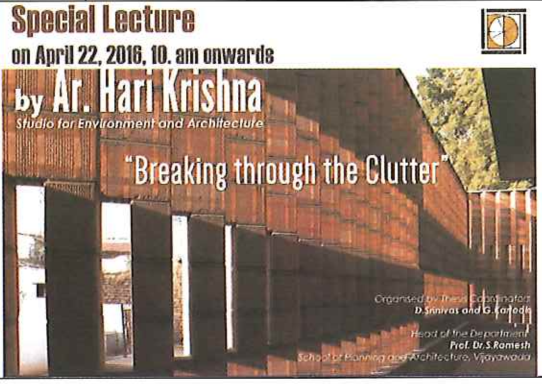

2.4)DEPARTMENT OF ARCHITECTURE: PRACTICAL TRAINING

As part of the academic curriculum, students of Architecture must work on Project Report which is the sole course during the first term of fourth year B.Arch. During the said term, students must undergo Practical Training out of the School in Architectural firms. This is intended to keep the students in touch with academic world while they are out of the School and doing field training in professional offices or construction sites. The students are expected to choose topics which are of special interest to them and prepare a report after research on topics related to the work done during the training period or as assigned by the Co-ordinator. Also, the same may be as much they would form a part of a major research project which the school may be handling at that time.

The fourth batch of B.Arch Students (admitted in 2012) has undergone Practical Training in various offices across the country, under close guidance of Practical Training co-ordinator/s of the Department. Choice of students w.r.t the city and

Architect/firm is one of the key parameters in the whole process of selection of firm or selection by the firm. The entire program was monitored closely to assess the progress of each student and to get feedback from the Architect about the performance of the trainee's work. Details of various architectural firms where students have undergone Practical Training are as below:

S.No	Regd No.	Name of the Student	Address of the firm
1	1120100275	Sai Prasad B	181 Chrystie Street, #2 New York, NY 10002
2	1120100276	Minishree Barkachary	Lachen Rinpoche Building, Development Area, Gangtok, 737101, Sikkim
3	1120100277	Lovenish Bhagat	B-72, Shree Arihant, Plot No.93, Sector-54, Gurgaon-02, Haryana
4	1120100278	Nihal Singh Bist	BNS Road, Survey, Guwahati-781028
5	1120100279	Chittella Ravi Chandran	No. 10, Karpagambal Nagar, Mylapore, Chennai - 600004, Tamil Nadu
6	1120100280	Diksha Das	52, TATANA MANE COMPOUND, 3rd Main, Chamarajpet, Bengaluru- 560018, Karnataka
7	1120100281	Monjit Deuri	Lachen Rinpoche Building, Development Area, Gangtok, 737101, Sikkim
8	1120100282	Umang Dhar	C-14, Tawi Vihar, Sidhra, Jammu, J&K
9	1120100285	Shobana J	5, Third Floor, 13 Second Main Road, Nehru Nagar, Adyar, Chennai-600020
10	1120100287	Eldho Basil Jose	406 B, Mittal Towers, No.6-MG Road, Bengaluru-560001 Karnataka
11	1120100288	Surjith K S	Near Center Guest House, Auroville, Tamil Nadu
12	1120100289	Varun Reddy Kamireddy	334 Futura Tech Park, Phase-II, 4th Floor, Rajiv Gandhi Road, Sholinganallur, Chennai-600119
13	1120100291	Kondaveeti Sri Navya	Nandini, #324, 15th cross, Palace Upper Orchards, Bengaluru- 560080, Karnataka
14	1120100292	Debarghya Kumar	28B, Shakespeare Sarani, Kolkata-700017, India
15	1120100293	Shivangi Kumar	NBCC Place, Pragathi Vihar, Bhishma Pitamah Marg, NewDelhi-110003
16	1120100294	Rohit Mondal	C202&C203 Block 42- Sayer, Barwa Commercial Avenue, Industrial Area Road, Doha-Qatar
17	1120100295	Midhlaj P	B-1, Jawahar Colony, Calicut-673006
19	1120100297	Bandhan Sharma	406 B, Mittal Towers, No.6-MG Road,

S.No	Regd No.	Name of the Student	Address of the firm
			Bengaluru-560001 Karnataka
20	1120100298	Saumya Srivastava	422 2nd Floor, 9th Main, 2nd stage, Banashankari, Bengaluru-560070, Karnataka
21	1120100299	Kannan S	No.8, Ground Floor, Church Road, Near Madhav Rao Circle, Basavamagudi, Bangalore-560004, Karnataka
22	1120100300	Rahul Verma	Third Floor, A-37 Sector, Sector-4, Noida, UP
23	1120100301	Namonarayan Vishwakarma	1/24, Bipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010
24	1120100303	Dilip Kumar	1/24, Bipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226011
25	1120100304	Divya Raveendran	#675/3, First Floor, 20th Cross, M.K.K road, 2nd Block, Rajaji Nagar, Bengaluru
26	1120100305	Gitu Suresh	---
27	1120100306	Ajit R	D-143-B, Kaushlyapath Banipark, Jaipur
28	1120100307	Ravikumar D V	406 B, Mittal Towers, No.6-MG Road, Bengaluru-560001 Karnataka
29	1120100308	Williams	A-1002 Titanium City Center, anand Nagar Road, Satellite, Ahmedabad
30	1110100232	Vivek Verma	A-6, Sector-58, Noida Uttar Pradesh-201301, India
31	1120100309	Priyadharshini B V	No.#7, 6th Cross Hutchins Road, St. Thomas Town, Cooke Town, Bangalore-560084
32	1120100310	Subham Banerjee	37A, Baker Road Kolkata-700027
33	1120100311	Akshay C	No.91, 9th Main, 9th Cross, RMV Extension, Sadashivanagar, Bengaluru
34	1120100313	Challa Sivakumar	First Floor, 704/C, Road No.7, Padmavati Enclave, Bhagat Singh Nagar Phase-I, Near 6th Phase Old Congress Office, Hyderabad-500082
35	1120100314	Nibir Das	AD-110C, Ring Road, Shalimar Bagh, New Delhi-88
36	1120100315	G Sri Seetha Ram	#1, AC-201/1, East of NGEF Layout, Kasturi Nagar, Bangalore-43
37	1120100316	Gunnam Vamsi Krishna	New 12, Lady Madhavan Road, Mahalingapuram, Chennai
38	1120100317	Halavath Laxman	#61, 2nd Floor, 100 ft. Road, Indira Nagar, Bangalore-560038
39	1120100318	Saurabh Jain	A3-205A, Janakpuri, New Delhi-110058

S.No	Regd No.	Name of the Student	Address of the firm
40	1120100320	Susan Shiju Joseph	444, 13th Cross, 5th Main, 2nd Stage, Indiranagar, Bangalore-560038
41	1120100322	Ragavendra Kuppuswamy	64, 6th Main, Defense Colony, Indiranagar, Bangalore-560038
42	1120100323	Aditya Mittal	D-1 Lal Bahadur Nagar, JLN Marg, Near Hotel Clarks Amir Jaipur-302017
43	1120100324	Fahad P	#882, 11th Main, 3rd Cross, HAL 2nd Stage, Indiranagar, Bangalore-560008
44	1120100325	Rakesh Parmar	28B, Shakespeare Sarani, Kolkata-700017, India
45	1120100326	Pulla Yemima Christie	No.58, 1st Floor, 6th Cross, S P Extn., 11th Cross, Malleshwaram, Bangalore-560003
46	1120100327	R Nivedhitha	5th Floor, 3rd Wing, Nelson Towers, 51 Nelson Manickam Road, Chennai-600029.
47	1120100328	Saripalli Sravya Pallavi	#528, Alekhya Radha Sadan Apartments, Opp. Maharana Pratap Function Hall, Amberpet, Hyderabad-500013
48	1120100329	Hafiz Ali Shanavas	Opposite ST ANN's School, 359/E, Convent road, Cherthala, Kerala-688524
48	1120100329	Hafiz Ali Shanavas	473, 16 B Cross, HSR Layout, Bangalore-560102
49	1120100332	Mitin Tayeng	Lachen Rinpoche Building, Development Area, Gangtok, 737101, Sikkim
50	1120100335	Deepthi Varghese	No.91, 9th Main, 9th Cross, RMV Extension, Sadashivanagar, Bengaluru
51	1120100337	Lakshman Chandran	Bhavans Road, Eroor West, Tripunithura, Kochi-682306, Kerala
52	1120100339	Shehbaz Shafi	#65, 1st F1, 4th Main Dornlur II Stage, Bangalore-560071
53	1120100341	Monal Singh	S-33, (MZ) Greater Kailash II, New Delhi-110048
54	1120100342	Amarjyoti	Sco : 2469 70, Sector 22-C, Chandigarh
55	1120100343	Maddala Sri Vyshnavi	AD-13, 5th Street, 10th Main Road, Anna Nagar West, Chennai-600040, Tamil Nadu
56	1120100344	Meenal Singh	31-B, First Floor, Zone-II, M.P. Nagar, Bhopal
57	1120100345	Shashank Verma	716, Indrapraksh Building, 21 Barakhamba Road, Cannaught Place, New Delhi-110001

S.No	Regd No.	Name of the Student	Address of the firm
58	1120100346	Kalyanam Uday Kiran	#5th Floor, Anvi's ECO Grand, Sy. No. 135 & 136, Near Wipro Lake, Nanakramguda, Serilingampalli, Hyderabad, Ranga Reddy (Dist.)-500008
59	1120100347	Tom T Thomas	Luminosity Auroville-605101, Tamil Nadu
60	1110100237	Sandeep Singh	301, Pavani Annexe, Road #2, Banjara Hills, Hyderabad, 500034, Telangana
61	1100100144	Kamlesh Gajbiye	III floor, S.V. Complex, No.179, Eswaran koil street, Puducherry, 605001
62	1090100075	Ilavenil	Zach's enclave, suite A3, New No 45, 2nd Avenue,Annanagar(E), Chennai 600102

2.5) LIST OF PASSED OUT STUDENTS OF ARCHITECTURE IN 2015-16

Master of Architecture (Sustainable Architecture)

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	1140500001	Chipade Pratiksha Madhukar
2	1140500002	Gayathri N S
3	1140500003	Haneen Pallathodi
4	1140500004	Jayasree T K
5	1140500005	Chadalavada Karthik
6	1140500006	Janani M
7	1140500007	Mangle Swapnil Sureshrao
8	1140500008	Bala Chathurvedy N
9	1140500009	Pavithra Radhai K V N
10	1140500011	Rupa Jawal
11	1140500012	Shalini Sundarraj
12	1140500013	P Sitha Mahalakshmi
13	1140500014	Sushanth S J

Bachelor of Architecture

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	1110100201	Karan Anand
2	1110100202	Anupozu Santosh Rahul
3	1110100203	Lalana Bathina

4	1110100205	Amrutha. C
5	1110100206	Shanmukha Priya C
6	1110100207	Shantanu Singh Chauhan
7	1110100208	Chiliveru Kirankumar
8	1110100209	Shiva Ghosh
9	1110100210	Chhaya Jain
10	1110100211	Basil V. Joy
11	1110100212	Akhil Paul K
12	1110100213	Yaseen KK
13	1110100214	Kema Pallavi
14	1110100215	M Rahul
15	1110100216	Meghna Menon
16	1110100217	Mohammed Fabis. T. K
17	1110100218	Varghese M Cherian
18	1110100219	Bikramjeet Mridha
19	1110100221	Amlan Jyoti Pegu
20	1110100222	Ragala Poojitha
21	1110100223	Raj Janu Chetan
22	1110100224	Narendra Kumar Rao
23	1110100225	Siva Sankar S
24	1110100226	Shathakoti Harish
25	1110100227	Fidal Roshi. T
26	1110100228	Dondup Tashi
27	1110100229	Thatipally Raja Hari Chandar
28	1110100230	Sreesh Thottiyil
29	1110100231	V Mitravinda
30	1110100233	Akshay A G
31	1110100234	Sonu Kumar
32	1110100235	Jai Prakash
33	1110100236	Rashmita Priyadarshini
34	1110100238	Lakshmi Anil
35	1110100239	Bhagwat Omkar Prashant
36	1110100240	Nitul Kumar Das
37	1110100241	Kevin Abraham George
38	1110100242	Godugu Bharath Prudwi
39	1110100243	Meeta Gosain
40	1110100244	Amit Gupta

41	1110100247	Aashna Jain
42	1110100248	Ravi Jain
43	1110100249	Abhilash. K.R
44	1110100250	Dziiliamosiia Kapemai
45	1110100251	Shrey Kaushik
46	1110100253	Lavudya Anusha
47	1110100254	M Sanjay Kumar
48	1110100255	Dillu M
49	1110100256	Maddikayala Kranthi Omkar
50	1110100257	Meruga Sandeep
51	1110100258	Muhammed Zahid.K.P
52	1110100259	Vishus Narayanan N
53	1110100260	Kaustubh Pandey
54	1110100261	Shibanni Pandita
55	1110100262	Phuritshabam Somorjit Singh
56	1110100265	Shivank Shankar
57	1110100266	Shivanagari Pravallika
58	1110100267	Jaskirat Singh
59	1110100268	Laxman Kumar Soren
60	1110100269	Undaru Varsha
61	1110100270	Goutham Veerabathula
62	1110100271	Ankush Kumar
63	1110100272	Parveen Kumar
64	1110100273	Pulkit Vashishtha
65	1100100165	Pradip Kumar Savita
66	1100100166	Manish Paul Simon
67	1100100168	Ashita Agarwal
68	1100100184	Amandeep Kumar
69	1090100084	Yantrapati Sai Mrudula
70	1090100100	Mathesh U
71	1090100108	Hemant Chauhan
72	1090100130	Lokesh Pratap Singh

Department of Planning

- Planning and Design Labs/ Studios: Summary
- Faculty Activities
- Guest lectures
- Practical Training
- List of Passed out Students

3.1) PLANNING AND DESIGN LABS: SUMMARY

Course & Semester:	B. Planning I Year – I Semester
Studio title/ Study Area:	Street Mapping, Tenali
Faculty in-charge:	Dr. Natraj Kranthi, Valliappan A.L.
Studio Brief:	

The studio was aimed to provide exposure to the knowledge of basic technical skills, visualization, presentation and representation techniques required to prepare planning related drawings. The key objective of the studio was to introduce and develop proficiency in preparation of drawing and thematic maps manually. This knowledge on graphics was imparted to the students through a studio on street mapping, so as to provide first-hand experience on basic skills. As a part of this exercise, streets of different land uses like residential, commercial, industrial, etc., are identified and preparation of street maps (both in 2D and 3D) was undertaken. The key aspects of the studio focus was on enabling students to learn sketching, photography, drawing, map preparation, model making, 3D views, rendering, relating the drawing to ground, appreciating the street, etc.

For this purpose, different streets of Tenali (second largest town in the Guntur District of Andhra Pradesh (AP) were selected for undertaking the studio exercise. Tenali, a class-I town and a special grade municipality is a part of newly formed Andhra Pradesh Capital Region. It is majorly known for its different streets with unique characteristic features. Four streets of varied characteristic features covering the entire town were surveyed during September 2015. These include Bhavanam vari street (Commercial (Retail Shopping/ General Business), kattevaram street (Residential-Planned), Auto Nagar Commercial (Warehousing/ Repairing), Shivalayam veedhi (Residential-Unplanned). the street characteristics were audio-visually documented. The ground verification was conducted and the changes found during the survey were updated on the map. The field survey was helpful to cross relate the map prepared with that of the features on the ground and subsequent updation of the maps. The field survey was instrumental for the students to gain a first-hand experience of ground verification, map updation and documentation.

Mode of Teaching and Evaluation: One to one discussion; classroom presentation; audiovisual materials; internal quizzes on techniques of drawing; field studies;

simulation models on urban areas. Continuous assessment of portfolios and time problems. The work was assessed by an external panel consisting of Prof. Srinivas Cheruvu, Associate Professor, JNAFA University and Shri Tarun Bhaskar, Town Planning Assistant, DTCP, Andhra Pradesh.

Studio Output - Portfolio: Studio output was in the form of portfolios consisting of practice exercises and project on street mapping. A total of 2o sheets were prepared by the students. These included the sheets on line drawing, orthographic projection, 3D drawings (isometric view, axonometric view, oblique view, perspective view), basemap of the street, infrastructure map, SWOT analysis, etc.

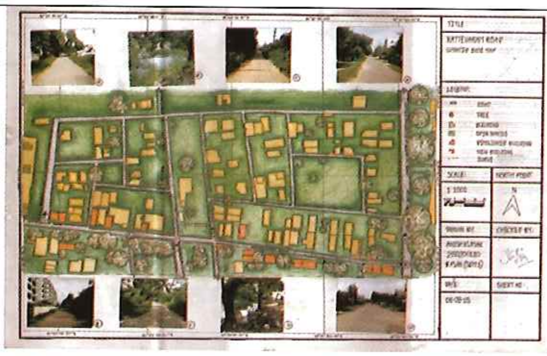

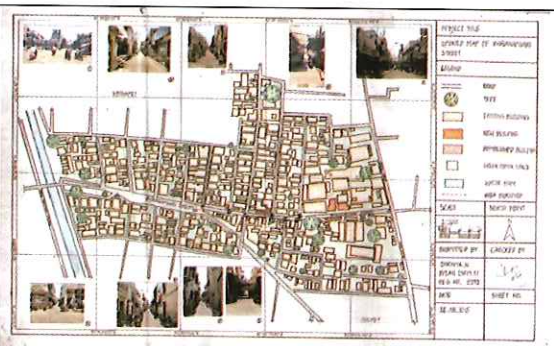

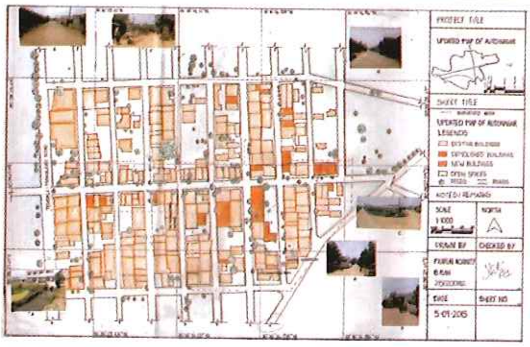

Course & Semester:	**B. Planning I Year – II Semester**
Studio title/ Study Area:	**Planning and Mapping Studio, Singarayakonda**
Faculty in-charge:	**Anju Joon, Valliappan A.L.**
Studio Brief:	

The learning objective of the studio is to develop proficiency in preparation of base maps and thematic maps.

Task1:(Individual Work) : The learning objective of the task is to understanding of Survey of India Map in terms of various land use land cover features, terminologies and its representation techniques: the exercises related to identify various types of slopes, its section, enlargement of a map grid and different types of roads, drainage patterns had been taken up. Buffer analysis undertaken for a grid for the villages present in the grid and buffer were created from centre of village at a distance of 200m, 500m and 700m in order to identify the facilities available in the buffer and ranked them according to the maximum facilities available in the villages.

Task:2 (Group Work): Base Map preparation and Study of a Village

Objective: Base map preparation using GPS latitude and longitude points and study the village in terms of land use, socio-demographic profile, economic profile, housing, social and physical infrastructure, Schemes and identification and prioritization of the Issues.

The Base map prepared with the help of GPS instruments by collection of Lat Long points and compared the map with the Google imagery for understanding the deviation. A Singarayakonda and Surrounding three villages (Kanumalla, Sanampudi and Kalikivya) for a radius of 5km has been chosen for the study. Household survey was undertaken in the villages by utilizing Pradanmantri Gram Awas Yojana questionnaire format and samples size selected based on village population size. Comparative analysis has been taken up for between the various parameters and for identification of the issues.

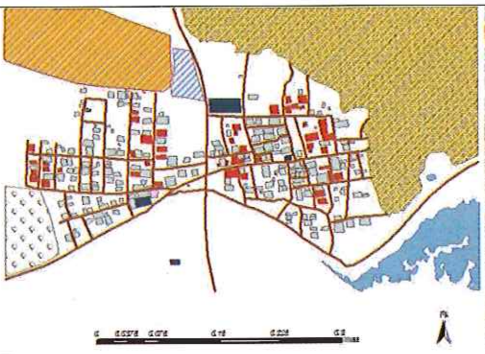

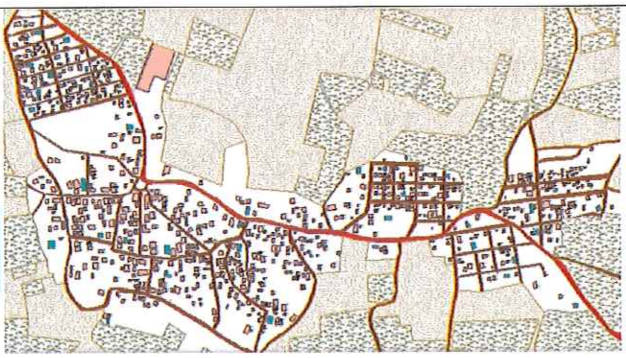

Course & Semester:	B. Planning II Year – III Semester
Studio title/ Study Area:	Site Planning and Built Environment, Vishakhapatnam
Faculty in-charge:	Valliappan A.L., Anju Joon
Studio Brief:	

The objective was to understand the site planning process by documenting, analyzing the issues and problems of various housing typologies. This included the planned residential layouts, independently planning and designing the residential layouts by interpreting the existing building byelaws and regulations. Three exercises/projects were undertaken for understanding the site planning process and components related to the built environment.

Study of a Residence: The objective of the study was to understand the various components of a house by taking up their own residence and study the space users, their functionality, minimum and maximum dimensions of spaces, interrelationship between spaces, constraints and issues in the usages, anthropometry, aesthetics and building byelaws etc. The outcome of the studio was the preparateion of floor plans, elevations, sections, perspective views and a detailed model of the residence.

The casestudies were done on Residential typologies i.e., plotted, group and row housing at Visakhapatnam city and surroundings. The housing projects were selected after consultation with the local town planners and Visakhapatnam Urban Development authority officials. The case studies included projects from public, private, public private partnership and rehabilitation projects. The slum rehabilitation project at Arilova, sun rays project at bhogapuram, haritha project (public private partnership) at Mudhuravada, row housing project at Rushi Konda, MIG and LIG housing at panchavati/akkireddypalem, LIG housing at Kurmannapalem plotted and grouped housing HIG housing at panorama hills.

The objective of the case studies was to understand the various components of housing like socio-economic aspects, planning and design of shelter, land, infrastructure, finance, tenure and maintenance, management of housing, building bye-laws, concept of joint ventures, phasing of housing development and identify the issues and problems of the housing typologies etc. The entire class was divided into groups for conduction and presentation of the case studies.

Site Planning and Designing of Residential layout at Vijayawada: The site planning exercises involved understanding of various disciplines, multiple stakeholders' participation, constraints and potentials. The site planning involved comprehensive understanding of various related domains like sociology, economics, architecture, engineering, geology, environment, technological, transportation and cultural aspects. The students were assigned a design requirement with an identified site for low, medium and high density developments with prescribed housing typologies having mix of plotted grouped, row housing for all the income groupsinline with the existing building bye-laws. The studio outcomeincluded the site analysis, detailed layout of the project, block and building plans and block model.

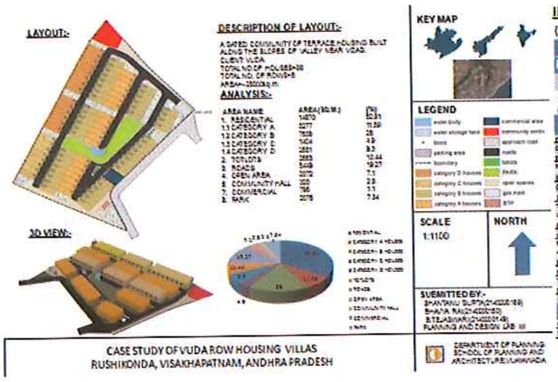

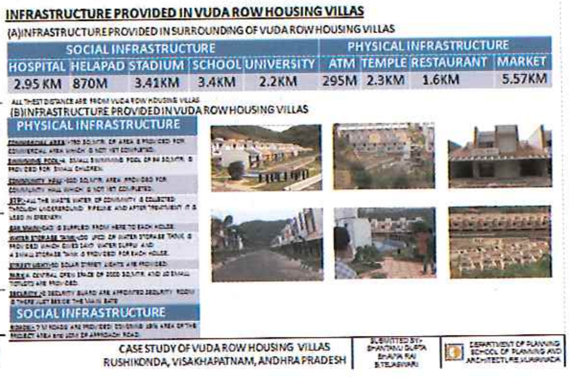

Course & Semester:	B. Planning II Year – IV Semester
Studio title/ Study Area:	Smart Mobility Plan for Kakinada
Faculty in-charge:	Shweta Sharma
Studio Brief:	

Introduction to Kakinada- Kakinada is a city in the Indian state of Andhra Pradesh. It is headquarters and largest city of East Godavari district, Andhra Pradesh situated between Visakhapatnam and Vijayawada. It is the 4th most populous city of the state and one of the largest tier-2 cities of India. The city is spread over an area of 30.51km2 and has a population of 3,12,538 (Census 2011). The sex ratio of the city is 1046 females per 1000 males. Effective literacy is 81.23%; male literacy is 84.88% and female literacy is 77.76%.

Context - Kakinada is among the three smart cities proposed in Andhra Pradesh. The main pillars of a smart city in Kakinada are institutional infrastructure, physical infrastructure and social infrastructure. Within the physical infrastructure, smart mobility is one of the important elements to qualify the city for the status of a smart one. Although the city has a good transportation system with a mesh of roads connecting the city with all the places within the state and rest of the country, yet the city is grappled with the dual problems of congestion and improper traffic management mechanisms. Thus the aim of this studio was to prepare a smart mobility plan which would improve national and local accessibility and promote safe, secure and congestion free transportation in Kakinada. Smart Mobility Plan proposed to manage capacity by better integrating land use and transportation planning. To achieve this purpose for Kakinada, the following key objectives were established:

1. To explore the land use patterns and socio economic conditions of Kakinada.
2. To assess and analyse the traffic flow through various transportation surveys.
3. To identify issues related to the connectivity and congestion in Kakinada.
4. To suggest solutions that would help in improving the present transport system in the city

Scope of Work - The scope of work that has been envisaged for the development of the Smart Mobility Plan includes the following steps:

<u>Task 1:</u> Defining Scope of the Smart Mobility Plan: The first step in preparing the Mobility Plan was to define the scope of the project. Thus it was necessary to clearly indicate the planning area, planning horizon, work plan and vision.

<u>Task 2:</u> Data Collection and Analysis of the Existing Urban Transport Environment: This process further involved eight major tasks:

- Review of the City Profile: Data collection from secondary sources on land area, administrative boundaries, regional linkages, demography and socioeconomic characteristics.
- Delineation of Traffic Analysis Zones: For the purpose of analysis and development of travel demand forecasting model, the study area would be subdivided into smaller areas known as Traffic Analysis Zones (TAZs) or Zones.
- Review of Land Use Pattern and Population Density
- Review of the Existing Transport Systems: A review of existing transport infrastructure and facilities was done for all transport modes. For this, following surveys were conducted:
  - i. Road Network Inventory: Infrastructure for pedestrians, bicycle, cycle rickshaws and buses, road network inventory
  - ii. Public Transport System – City Bus, and also for other mass transit systems, if any
  - iii. Para-Transit System: Fleet usage detail, Route detail, Cost and fare
  - iv. Traffic Conditions on Roads: Traffic Count, delay and queue length
  - v. Traffic Safety: Number of victim involved in traffic fatalities and location

Task 3: Development of Business as Usual (BAU) Scenario: Scenarios were built that reflect different combinations of settlement and development, economic projections and policy decisions.

Task 4: Development of Smart Urban Transport Scenarios: The scenarios assumed an increase in motorised transport. Emphasis was placed on improving technology in terms of efficiency.

Major issues identified after the analysis are as follows - Infrastructure Lacunas, Bottleneck Junctions, Improper land use, Absence of intra city public transport, Improper circulation of freight traffic hindering with vehicular traffic of the city.

Proposals and Recommendations - The class was divided into three groups. Each group has come up with their unique solutions to enhance the mobility of Kakinada. Business-as-Usual scenario was common to all groups.

Course & Semester:	B.Planning, III Year–V Semester
Studio title/ Study Area:	Area Development Plan, Mandampakkam Municipality, Chennai Metropolitan Development Authority
Faculty in-charge:	Prasanth Vardhan
Studio Brief:	

The primary objective of this academic exercise was to understand planning and development process at the lowest planning level, i.e., Area Development Plan (ADP) or Local Area Plan (LAP), with an intention to strategise and plan within the ambit of a given master plan.

In the rational of planning process, ADP is the lowest planning level and generally prepared at much smaller scale that ranges between 1:2,000 and 1:10,000 depending upon the requirements and statutory provisions. This exercise focused on preparing ADP for a chosen city by analyzing and strategizing on aspects of land and building use, local development regulations, standards, building by-laws, local circulation and transportation aspects, building footprints, utilities, local economic base, local environmental conditions, conservation and urban design, and other aspects deemed contextually relevant. The analysis was carried at plot level. This academic exercise is a group work with each group focusing holistically on one case neighbourhood. Two or three neighbourhoods were taken up for analysis simultaneously in the same city.

The study area for this academic exercise is Mandampakkam municipality in Chennai Metropolitan Development Area (CMDA). This municipality was a fringe area of Chennai Municipality and over the last 20 years, it has transformed from a rural settlement to a municipality and undergone major land use changes. This exercise primarily focused on local area planning level for the selected zones/neighborhoods within the municipality under the ambit of proposed master plan. The whole exercise was broadly categorized into four stages, listed below:

Stage 1: Literature Review and Appraisal of the Current Master plan

- ADP procedure and concepts, planning approaches to local area plans and appraisal of master plan

Stage 2: Existing situation Assessment

- Land use distribution and analysis, demography, built-up area, character, extent and delineation, circulation networks and facilities
- Physical and Social Infrastructure, land ownership mapping
- Hierarchy of open and green spaces, identification of public properties and status
- Sensitive areas, development concerns and issues
- Strategic zones for intervention.

Stage 3: Conceptual Framework

- Planning parameters and concepts , urban design framework and projected requirements Proposals and Development Strategy
- Land use plan, proposed circulation system
- Proposal of Physical and Social Infrastructure
- Strategy for new development, redevelopment and improvements
- Proposals for informal activities, Street vending zones, market centers, etc., strategy for maintenance of series.

Stage 4: Development Regulations

- Zoning Regulations and Development Regulations
- Resource Mobilization and Implementation
- Implementation Framework

LAND SUITABLE ANALYSIS FOR MARKET SPACE

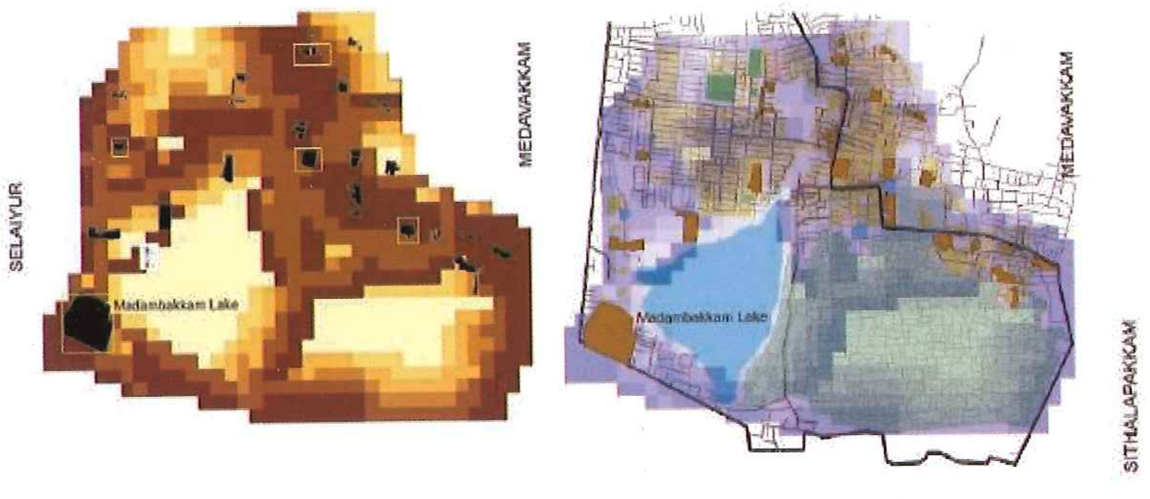

Course & Semester:	B.Planning, III Year–VI Semester
Studio title/ Study Area:	Urban Development Plan, Alleppey City (Alappuzha District, Kerala)
Faculty in-charge:	Dr.Abdul Razak Mohamed
Studio Brief:	

Alappuzha , also known as Alleppey, is the administrative headquarters of Alappuzha District of Kerala state of southern India. Alappuzha is the sixth largest city in Kerala with an urban population of 177,029. Alappuzha is considered to be the oldest planned city in this region and the lighthouse built on the coast of the city is the first of its kind along the Arabian Sea coast . Alappuzha is situated 62 kilometres (39 miles) to the south of Kochi and 155 kilometres (96 mi) north of Trivandrum. A city with picturesque canals, backwaters, beaches, and lagoons, it was described as the one of the places known as the "Venice of the East" by Lord Curzon. Hence, it is known as the "Venetian Capital" of Kerala.

Alappuzha is an important tourist destination in India. The Backwaters of Alappuzha are the most popular tourist attraction in Kerala. A houseboat cruise in these backwaters can be booked. It connects Kumarakom and Cochin to the North and Quilon to the South. Alappuzha is the access point for the annual Nehru Trophy Boat Race, held on the Punnamada Lake, near Alappuzha, on the second Saturday of August every year. This is the most competitive and popular of the boat races in India. The mullackal chirap is also one of the attractions of Allapuzha which is the festive season held for ten days every year in December.

Other attractions in Alappuzha are Alappuzha Beach, offering a views of the Laccadive Sea, Ambalappuzha Sri Krishna Temple ,Arthunkal Basilica, Mannarasala Temple, Chettikulangara Devi Temple, Haripad Subrahmanya Swamy Temple, Thakazhy Shree Dharmashastha Temple, Mullakkal Temple, Edathua Church, Alappuzha CSI Christ Church (oldest Anglican church in Kerala) andChampakulam Valia Palli. Krishnapuram Palace Kalavam kodam temple where Sree Narayana Guru installed Mirror is at about 30 km north of Town also attracts many tourists. The tasty ambalappuzha payasam is a popular dessert.

Coir is the most important commodity manufactured in Alappuzha. The Coir Board was established by the Central Government under the provisions of the Coir Industry Act, 1955. A coir Research Institute is at Kalavoor. In this backdrop, the studied and analysed the City In View of Proposals for 2031.

Course & Semester:	B. Planning IV Year – VII Semester
Studio title/ Study Area:	Regional Planning, Dharwad District (Karnataka)
Faculty in-charge:	Shweta Sharma
Studio Brief:	

Introduction to Dharwad - Dharwad district is situated in the Western sector of the northern half of Karnataka State. The District encompasses an area of 4263 sq. kms lying between the latitudinal parallels of 15002' and 15051' North and longitudes of 73043' and 75035' East. The district is bounded on the North by the District of Belgaum, on the East by the district of Gadag, on the South Haveri and on the West by Uttara Kannada district. All these districts, which surround Dharwad district, belong to Karnataka State itself. The majority of Hindus are found in both urban and rural areas. The population of the district is divided mainly into 3 categories, viz., main workers, marginal workers and non-workers. In the district, dry farming is the backbone of the agricultural economy. Agriculture is even now labour-intensive enterprise. Hence the district has an above average proportion of workers in its population and offers opportunities to seasonal workers. The district falls in Tropical Region, which is largely affected by monsoons. This explains that the district is an agro-based economy, and also that agriculture is the main occupation in the whole of rural area of the district. Therefore other activities of economy, i.e., trade and commerce are completely dependent on agriculture. As monsoon is highly uncertain in nature and as there is no major irrigation project or any hydel power generating station in the district, there is high degree of dry-land farming. The mineral wealth is not quite impressive and forest wealth is equally unattractive. Manufacturing industry, particularly agro-based industry makes a significant contribution to the economy. Hubli and Dharwad are two of the major commercial centres in the State.

Context - Dharwad would be one of the districts influenced by Peninsular Regional Industrial Development Corridor (PRIDe), passing through Tamil Nadu, Karnataka, Andhra Pradesh and Maharashtra. PRIDe is an industrial corridor providing potentially strong transport and industrial connectivity linking these states. First phase of this corridor would be from Chennai to Bangalore, while the second phase would be from Bangalore to Mumbai. New cities and districts would be developed along a 1,000 km (600 mile) corridor between Mumbai and Bangalore, generating investment projects worth up to $25 billion. In Karnataka, the corridor includes a road length of 550km

(23%) and rail length of 330km (41%). According to the proposed plan, the corridor will pass through Chitradurga, Dharwad and Belgaum. The corridor is expected to expedite the development of 150 km on either side. The corridor is expected to be become industrial and energy spine of the state. It would unleash economic potential of the region and ensure world class infrastructure, economic development and employment generation.

Scope of Work - The scope of work that has been envisaged for the development of the Regional Plan includes six broad tasks:

1. Background Studies and an Analysis of Issues and Opportunities
2. Develop a Vision for the Future
3. Develop Alternatives / Scenarios
4. Consult with the Public and Stakeholders
5. Develop the Plan and Land Use Maps

Task 1: Background Analysis and Studies

The Dharwad district does not have a regional government or other organization that has a land use planning mandate aligned to the boundary for this area. While city government departments may have some material relating to the region, as a whole, the region lacks a base level of data, information and studies upon which this project could rely. Comprehensive issues need to be outlined and it needs to be highlighted as to what is required in terms of base information and how the information and analysis will be used in the project. Population projections will be produced for the region and these will be the basis for population and demographics related analysis.

Task 2: Develop a Vision for the Future

There are a number of stakeholders and varying interests that will be considered in the development of the regional plan. Therefore, the development of a vision that tries to achieve a consensus on the overall direction for the plan is considered to be a worthwhile initiative. Vision for the Future would be approved by the Leadership Committee and guide the policy work that is to be conducted in the development of the regional plan. Themes to be fleshed out as part of the Vision could be Livable Region, Quality of Life, Environment, Transportation, Culture and Heritage, Economy, Quality Drinking Water, etc.

Task 3: Develop Alternatives / Scenarios

Scenarios would be built that reflect different combinations of settlement and development, economic projections and policy decisions. These scenarios will be used to illustrate the requirements for infrastructure, land uses, and transportation connections while recognizing impediments to development that results from the background studies and analysis. The scenarios must be presented in a visual format (street exhibits) that is easily readable by the public as to convey the differences in the policy that is chosen.

Task 4: Consultation with the Public and Stakeholders

Throughout the project public and stakeholder consultations would be conducted. Inputs would be solicited and received from all relevant local departments to ensure that local interests are protected. The consultation component of the project would be extremely important to the success of a regional plan. Consultation processes would stretch beyond traditional consultation practices to include innovative outreach media, methods and techniques that will raise interest and the profile of the Regional Plan in the public, in the news media and with stakeholders. The media to be utilized could include flyers, phone-in comments, website, online surveys and engagement of the news media to promote the Regional Plan. Also, the consultative process could include a symposium or series of events that would inform and engage the public on the Regional Plan and the issues.

Task 5: Develop the Regional Plan and Maps

The main objective of this lab is the preparation of a Regional Plan and Land Use Map for Dharwad district. Therefore, the key deliverables from the lab will include a Regional Plan and the accompanying Land Use Maps.

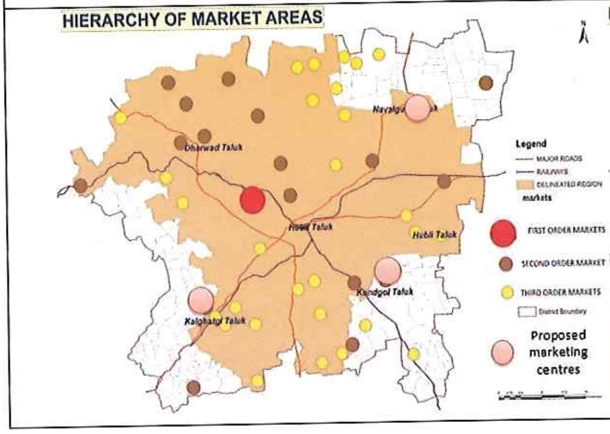

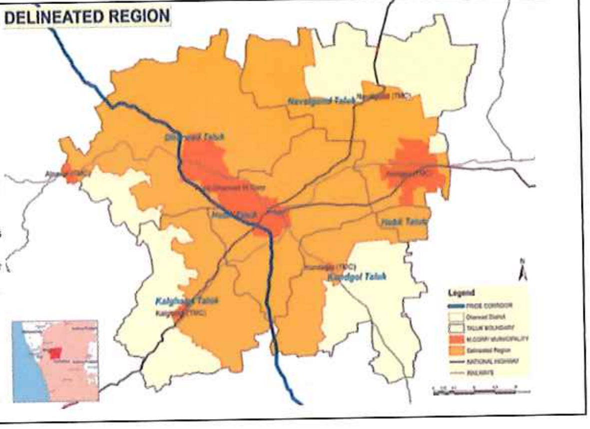

Course & Semester:	B.Planning, IV Year–VIII Semester
Studio title/ Study Area:	Planning Thesis
Faculty in-charge:	Dr.Natraj Kranthi

S.No.	Reg. No.	Student	Thesis Titles
1	2120200091	Pranav Bharadvaj	Integrating Working & Living Space of Street Vendor, Vijayawada
2	2120200092	Bojedla Venkata Phanindra	Urban Growth Modelling in GIS. Study area: Vijayawada
3	2120200093	Boorla Venkataramana	Planning for Urban Green Spaces: A Case Study of Vijayawada
4	2120200094	Cheruku Saketh Reddy	Aspect of Access and Function for a Convival Urban Public Green Spaces (Hyderabad)
5	2120200095	Farhana K	Spatial Transformation within Core Heritage Area: Kuttichira, Calicut
6	2120200096	Dhawal Kataria	Decision Making for delayed Highway Projects: Vijayawada-Machilipatnam NH-9 Project
7	2120200097	Kesanakurthi Sai Kirani	Spatial Development Strategies for Small and Medium Towns: Case Study of Krishna District
8	2120200098	Savitri Kumari	Participatory GIS in Municipal Solid Waste Management: Ranchi
9	2120200099	Vinit Kumar Loharia	Prospect for Transit Oriented Development around proposed Metro Station: Gaziabad
10	2120200100	Sarthak Mohapatra	Impact of Surrounding Development on the Lake: Case Study of Chilika Lagoon
11	2120200102	Shaik Mohammad Fharooq	Conservation of Ameenpur Lake, Hyderabad
12	2120200104	Athulya Satheesh T	Water Tourism: An Exploration of the Role of Inland Water Transport In Tourism Development of Kochi City

13	2120200105	Dev Dass Thakur	Impact of Tourism on Rural Livelihood: Case study of Manali (Himachal Pradesh)
14	2120200106	Patil Rohit Valmik	Street led Approach for Development of Slums
15	2120200108	Venus Verma	Travel Behaviour of Urban Lower Income Group Households towards works
16	2120200109	Madhuri Kalah	Strategies for Developing the Street vendors: Case Study of Cuttack
17	2120200110	Navin Kumar	Strategising Smart Village Concept
18	2120200111	Prithivi Mohan	Impact of Urbanisation on River Environment : A Case Study of River Cooum, Chennai
19	2120200112	Sreekanth Satheesh	Conflict of Drivers of Eco system Change on Wetlands: A case Area of Ashtamudi Lake (Kollam district, Kerala)
20	2120200113	Garima	Travel Behaviour of International Tourists through Time Geography Approach: A Case Study of Agra
21	2120200115	Ede Sowmya	Mobility Pattern and Livelihood of Urban Poor- Hyderabad.
22	2120200116	K. Srilikhita	Potential of Community Based Ecotourism in Araku Valley
23	2120200117	Lingamsetty Radhika Rudrani	Financial Assessment of APSRTC-Vijayawada
24	2120200118	Mohammed Maaz Ali	Accessibility of Public Transport for Slum Dwellers – A Case Study of Vijayawada
25	2110200069	Gera Chaitanya	Critical Assessment of Policy Making and Governance: Case Study of Rajiv Swagruha Mission in Vijayawada

Course & Semester:	M. Planning (Integrated Semester) I Year – I Semester
Studio title/ Study Area:	Area Planning Studio, Nuzivid (Krishna District, AP), Vijayawada and Amaravati (Guntur District, AP)
Faculty in-charge:	Maqbool Ahmed, Anju Joon
Studio Brief:	

Development Plan of Mukkollupadu Village, Nuzvid, Krishna District

The aim of the study was to achieve better quality of life of Mukkollupadu village, the study area objectives were to study the socio-economic profile of the village, to assess the agricultural resources and land utilization pattern, to analyze the infrastructure scenario of the village. The purpose of the study was to learn the basic need of communities after analyzing their problems with sharp-eyed observations and experiences, to compile data in such a way as to identify needs, areas of intervention, and facilitate preparation of a document Village Development Plan used as a reference for actions, to get "Community Participation" and more people actually involved in the subsequent action itself, to identify infrastructural needs of the target area and prioritize them, to explore opportunity of networking / partnerships with Govt. /Local bodies plans and intervention for spearheading overall development of the target area, to analyze the gaps between needs & available resources in terms of government/local bodies, Central /state's erstwhile/existing interventions to avoid wastage of resources because of duplicity.

A study of the entire area of Mukkollupadu village was carried out in order to understand the features and deficiencies of the area and to find out the aspects that have to be conserved and those to be modified in the redevelopment plan of the area. Reconnaissance survey was done first to identify the site. Street mapping was done noting the street characteristics. Various surveys had been carried out to understand the city precisely. It included Road inventory; Household survey; Formal sector survey; Informal sector survey, etc.Analysis have been done on primary data and secondary data collected from these surveys. The facilities have been dealt with in detail as different sectors to find out the major characteristics of each sector. The issues and problems of all have been given importance as improving them is the prior importance in the redevelopment process.

The analysis related to socio-economic Profile, land use, physical infrastructure, social infrastructure, economy, green and blue spaces has been considered and various indicators have been derived to analyze the conditions of the village. Various issues like absence of natural water bodies for irrigation, non implementation of water and land conservation techniques, Open Drains and water logging, people practice open defecation, lack of awareness of government schemes and its implementation, all the internal roads become inaccessible after moderate and heavy rains, there is no frequent access to public transport, lack of awareness of usage of non-conventional sources of energy like biogas plant, solar energy, etc.

The outcome of the study was preparation of village development plan in line with proposed village development guidelines by Government of India to achieve the standard quality of living on par with urban areas.

Site Plan - VAMBAY colony

The site development plan aims at understanding the micro-level planning at a site level through design interventions. The site of 10 hectares is provided to the students which is located on the outskirts of Vijayawada near Vambay Colony. The students are required to plan and design residential layouts group housing and plotted housing taking into considerations various strata of the society, geological, geographical, topographical, physiological conditions of the site. Further, the design will address the market demands requirements in the housing sector. The residential enclaves are developed as "Gated development" having their own facilities and amenities.

The requirements for group housing being minimum 90 sq.m for two bedrooms and 120 sq.m for three bedrooms and plotted housing with 120sq.m for type 1 and 150 sq.m for type II has been considered for the plotted development. This brings in students potential to try and make best use of the space in an optimum way in accordance to varied permissible residential density of 80 du/ha - 50% group housing & 50% plotted housing, 100 du/ha - 60% group housing & 40% plotted housing and 110 du/ha 70% group housing & 30% plotted housing.

The student is expected to do site analysis through perception studies, reports and prepare conceptual plan at initial stage. Further, a housing layout indicating roads, plotted and group housing development and infrastructure facilities has to be

developed through various designs. The block plans at unit level and estimations for infrastructure development is prepared as part of final submission. The outcome of the assignment was each student need to submit a housing block layout.The varied densities are strategized to enable working out various concepts of social-inclusiveness, achieve densities in accordance to byelaws, norms and Government orders of Andhra Pradesh. The infrastructure and services required at site level is also provided for the gated community to maintain inclusive development on par with city development.

Zonal Development Plan for Amaravati

The studio focuses on preparation of zonal development plan at town level. The case area Amaravati has been selected for preparation of zonal development plan. It has been identified as a nodal centre for developing town as a capital city. The studio focuses on understanding the process for preparation of zonal development plan. Amaravati is a Gram Panchayat located in Guntur district in India's south eastern state of Andhra Pradesh. An historic town with great spiritual touristic significance and the town are famous for ancient temples, Buddhist stupa, ancient art, Amaravati School of art and historic houses are yet to be adequately researched, documented, conserved and promoted. Amaravati, being a centre of pilgrimage to both Hindus and Buddhists, attracts many visitors throughout the year. Most of its intangible heritage is in need of urgent safeguarding.

Due to Amaravati's significant cultural and historical heritage, it has been identified as one of the 12 Heritage Cities under the HRIDAY Scheme (Heritage City Development and Augmentation Yojana) by the Ministry of Urban Development (MoUD). It has also been identified as a potential tourist and religious destination under the PRASAD scheme (National Mission on Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive) by the Ministry of Tourism (MoT). The studio started with aliterature study to understand the preparation of Zonal Development Plan, its scope and limitations. Heritage towns and cities which had religious significance, tourist attractions and water bodies such as Varanasi, Badami, and Agra were studied to understand the heritage characteristics and development. Baseline studies were conducted to analyse the potential of heritage towns, issues and constraints in terms of infrastructure

development, economy, tourism, institutional aspects.

With this understanding, we proceeded for a field study to Amravati and Dharanikota villages in Amaravati Mandal to understand and analyse the profile of the zone and the heritage sites. Various surveys were conducted which includes perception studies, household surveys, transport surveys, tourist surveys, stakeholder consultations. Documents in the form of reports were collected to analyse the various aspects of the town. Based on the existing conditions at the study area, formulation of vision, aim and objectives were done. The collected data was analysed in terms of socio-economic and infrastructure conditions. Issues and problems were identified at sectoral level and appropriate strategies through policy interventions were suggested for the development of the heritage town.

The final outcome of the studio was preparation of design proposals, policy suggestions and recommendations for the development of the study area at sectoral level. Action plans has been prepared at eight heritage sites, with infrastructure provisions for the enhancement of tourism development.

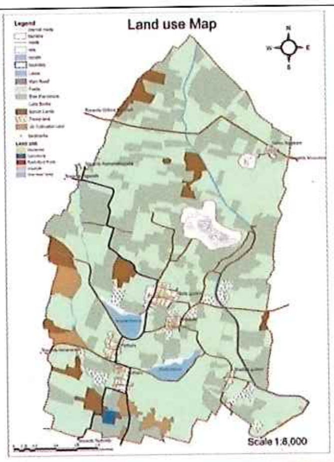

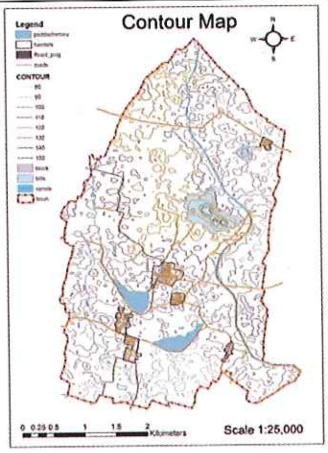

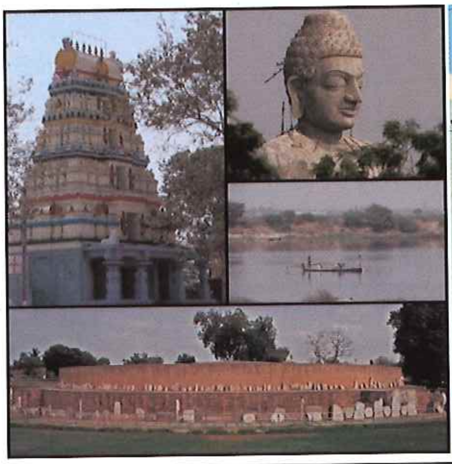

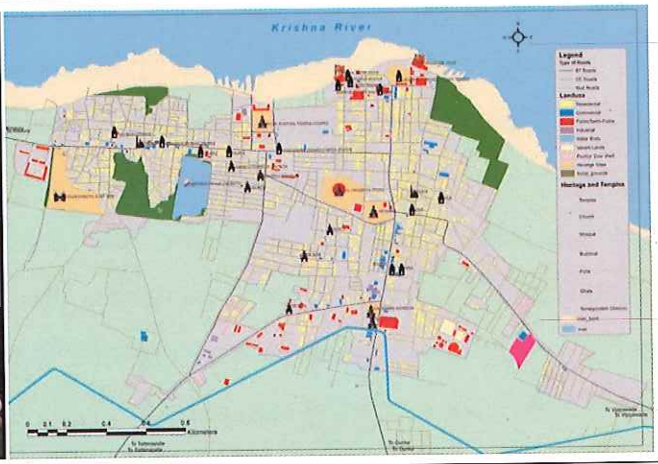

Course & Semester:	M. Planning (Urban and Regional Planning) I Year – II Semester
Studio title/ Study Area:	Gandhinagar Capital Region
Faculty in-charge:	Dr.Abdul Razak Mohamed, Prasanth Vardhan
Studio Brief:	

The basic objective of this academic studio is to equip students with skillsets that help in preparation of Master Plan/Development Plan for the urban areas/regions by comprehending the development issues and potentials. This exercise also helps students to undertake background literature review on plan making process of a master plan/development plan, various land use concepts and approaches to spatial planning for framing vision; aims and objectives for the case area.

Case Area: Gandhinagar, Capital city of Gujarat

The impetus of siting a capital city in newly formed State of Andhra Pradesh and progress achieved by the State Government towards scientific criteria of site suitability, followed by works on preparation of a landuse plan (master plan) for Amravati Capital City, have given students a good chance to understand/learn the overall dynamics of existing urban land management. Especially, for a capital city and the process undergone for plan making. To extend this knowledge base among the students, to experience and evaluate the results of master plan/ development plan, Gandhinagar Capital City is selected as a case area. Gandhinagar is a planned city in India and an administrative capital of Gujarat.

Thefirst master plan of capital city got approved and implemented in 1966 followed by Development Plan in 2004 and an Integrated Master Plan in 2011 & 2014. As the city has undergone three landuse plans with revisions and completed the implementation oflanduse plan, Gandhinagar capital city and surrounding environs sets a platform for students to analyse, evaluate and comprehend development issues related to land use planning, land management and infrastructure services, etc. Besides, Gandhinagar Capital City region was under the ambit of *TheUrban Peripheral Control Act*, to control the intensity of development. Subsequent efforts on withdrawal of this act in 1996 has resulted spatial expansions of peripheral areas in a sporadic manner,

which extends the scope of this exercise to suggest the growth direction of the capital region.

Approach of the academic exercise - The very beginning of this academic exercise has focused on literature & background review on topics, traditional and conventional approaches towards master plan in India; statutory provisions as per the respective UDA Acts; various concepts related to spatial planning and theoretical approaches to plan making process. This is followed by review of master plans ofGandhinagar, Nai Raipur and New Capital City of Andhra Pradesh. Before going to the field visits for data collection and primary survey, generic profiling of the study area and review of earlier master plan in detail has been carried out to highlight some of the development concerns that were to be analysed in detail.

Existing Situation Assessment (ESA) & Strategic Assessment - The Sectoral analysis of Capital City is carried out as per the scope of master plan. The immediate influence area of capital city, which includes GUDA villages and urban areas are also analysed at a broader level to appropriate the spatial development scenarios along with the existing status of infrastructure services. Urban Peripheral Control, Town Planning Schemes and Government Control Over the land supply within capital complex, Zoning strategies and Development Control Regulations are the key aspects dealt in detail at ESA. The Development Plan (2031) of Capital city envisaged on Green, Clean and Solar City and the ESA has also tried to appreciate and position the related spatial planning principles undergone in master plan. Some of the spatial planning techniques, which include demographic projections, age sex composition projections of the existing population, location quotient; service level benchmarks of MOUD, Land Suitability and Land Carrying Capacity, etc. are used at this stage. A summary of all the inferences, concerns have been highlighted and few among them are selected for the detailed work. Based on the overall inferences of ESA and potentials of the study area, Gandhinagar as a 'Compact and Carbon Efficient City' is postulated as the vision of the studio. Each group working on their respective sectors have attempted to formulate strategies supporting the vision. From the Demography, Population

Projections and Distribution within Capital City and in Influence Area is worked out based on existing and proposed economic interventions; Settlement Hierarchy is established at a broader level to distribute future population in the influence area. In conjunction to this Housing Demand and Supply is assessed and appropriated the landuse requirements. Extending the vision of the earlier master plan, To diversify the economy, economy sector has focused on suggesting the relevant economic functions that support the concept and established basic and non-basic jobs that can be achieved. Land management, Densification Strategies, Alternatives to TP Schemes, Mixed Use and Compact Development, Low Carbon, Parking, Age friendly approaches and regulations are few areas that land use; housing & transport sector has worked in detail supporting all overall concept of the academic exercise. Recommendations on SLBs followed by various strategies for infrastructure development within the capital city and in the influence area are worked out with estimating the development costs. Sources of finance for proposed infrastructure developments are also identified. This academic exercise is in accordance with approaches of the earlier plans and extends the spatial planning principles on Clean, Green strategies.

Limitations of the exercise - Four Stage/ Disaggregated transportation modeling, Econometric modeling & Policy revisions are few limitations that the exercise has not been able to include due to time and resource constraints.

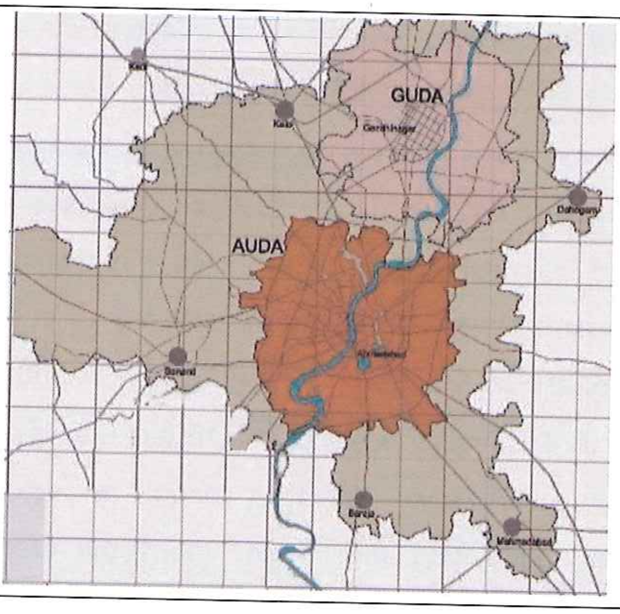

Course & Semester:	M.Planning (Urban and Regional Planning) II Year–III Semester
Studio title/ Study Area:	Regional Planning Studio, Puducherry Union Territory
Faculty in-charge:	Dr.Abdul Razak Mohamed, Sakkeri Ramya
Studio Brief:	

The Studio focus was on the Puducherry Union Territory(UT), surrounded by a few districts of Tamil Nadu which are very closely connected to each other through natural resources (water, ecosystems, coastline), climate, historical links, culture, religion, language, tourism, trade and business, and transportation. This geographically proximate settlements need a view from the regional planning and development.

Puducherry is located on the east coast about 162 kmssouth of Chennai situated on the Coromandel Coast of the Bay of Bengal. The UT of Puducherry comprises of four coastal regions namely Puducherry, Karaikal, Mahe, and Yanam. Puducherry and Karaikal are situated on the East Coasts in Tamil Nadu, Yanam on the East Coast in Andhra Pradesh, and Mahe on the West Coast in Kerala. Puducherry region boundary on the east is the Bay of Bengal and on the other three sides is Cuddalore and Villupuram districts of Tamil Nadu state. This is not a contiguous area but interspersed with some parts of Cuddalore and Villupuram districts of Tamil Nadu state. It presents a picture of scattered development enclosed within Cuddalore and Villupuram districts.

The profile of Puducherry region presents a distinct picture of territorial jurisdiction, perhaps the only one of its kind in the world. The map (Figure No.1) below shows the administrative divisions of study area and its influence zone. The overall process of preparation of regional plan for the Puducherry region between July 13 and November 20, 2015 as per the academic program in five stages. Stage 1: Literature Review: Concepts, Planning Techniques (including delineation techniques), Guidelines, Acts& Case Studies. Stage 2: Delineation of the Study Region: Delineation Technique, Area Profiling. Stage 3: Data Collection & Situation Assessment: Primary and Secondary Data Collection, (consultative meetings, and interactive workshops on data/resource mobilization), Land Use Map Preparation, Existing Situation Assessment of the study region. Stage 4: Proposals and Development Strategies: SWOT Analysis, Formulation of Proposals and Strategies for spatial development and mobilization of financial resources. Stage 5: Preparation of the Regional Plan.

Course & Semester:	M.Planning (Urban and Regional Planning) II Year–IV Semester
Studio title/ Study Area:	Planning Thesis
Faculty in-charge:	Dr.Ayon K Tarafdar

S.No.	Reg. No.	Student	Thesis Titles
1	2140400001	Akanksha Beniwal	Impact of Agricultural Land Acquisition on Rural Livelihood. Case Study of Fatehabad.
2	2140400002	Bommareddy Saikrishna	Transformation of Residential Neighborhoods: A Case of K.P.H.B colony, Hyderabad.
3	2140400004	Golla Harshitha	Influence of Heritage Zones on Commercial Real Estates in Old City-Hyderabad
4	2140400005	Anjana James	Cities for the Elderly. The Case of Thiruvananthapuram.
5	2140400006	Kalpana Jokhio	Planning for Water Supply in Hill Areas of New Seppa, Arunachal Pradesh
6	2140400007	Konala Sai Kiran	A Critical Review of Andhra Pradesh Capital Region Land Pooling Scheme
7	2140400008	Kunduru Manisha Reddy	Implications of Water, Sanitation and Hygiene (WASH) on Educational Performance in Schools in Warangal.
8	2140400009	Makarla Goutham	Accessibility to Metro Station in Varying Adjacent Land Uses - Bangalore Metro
9	2140400010	Michelle M	Spatial Transformation of Industrial Neighborhoods - A Case of Textile Clusters in Coimbatore, Tamil Nadu
10	2140400011	Padala Amuktha Meher	Airport Compatibility Land Use Planning in Tirupati
11	2140400013	Pawan Sahitani	Promoting Active Travel as a Feeder to Metro Rail Transport in Bangalore.
12	2140400014	Shaik Sameer	Development of Tourist Destinations in Warangal
13	2140400015	Sirisha Mente	Evaluation of Pedestrian Accessibility Measures in Neighborhoods for the Elderly - Case Area Patamata, Vijayawada
14	2140400016	Rinosh Cherian Thomas	Evaluation of Municipal Finance in Kerala
15	2140400017	Tikam Singh	Urban Redevelopment: Use Of Land Re-Adjustment Tool Along Metro. Case-Faridabad
16	2140400019	M.S Abhinav Yadav	Impact of MRTS on Adjacent Land Use. Case Study of Delhi MRTS
17	2140400020	Potel Vinay Yadav	Analyzing Modal Shift of Commuters to Proposed BRTS in Amritsar

Course & Semester:	M.Planning (Environmental Planning and Management) I Year–II Semester
Studio title/ Study Area:	Environmental Management Plan – Nellore City
Faculty in-charge:	Maqbool Ahmed, Anju Joon
Studio Brief:	

Nellore is the head quarter of the recently named Sri PottiSriramulu (SPSR) Nellore District, previously known as Nellore District, in the coastal region of Andhra Pradesh. The distance of the city from the coast is 25 km. The city spreads over an area of 149 .20sq.km, with population as per 2011 Census 6,00,869. It is known as the "rice paddy town", which is a reference to the fertile rice paddy fields that are found in and around the city. It experienced 8.5 lakh acres of Paddy cultivation in the year 2015-2016.Nellore is an important market center for cotton and oilseed products. The city supports industries like aqua-culture and rice mills. Considering its location in terms of various rice mills, proximity to the sea, availability of market center for trade and commerce, and availability of fertile agriculture lands, Nellore municipal areawas identifiedfor study. Apart from this, recent floods which occurred in 2015 leading to severe damages are also a reason for identifying this as a major area of study.

The aim of the studio was oriented students towards developing Nellore in a way that copes with the implications of urban environmental services and industrial growth. Background studies were conducted as part of literature review to guide students about the methodology, various approaches to be adopted to understand and analyse study area. The studio is subjected to identification of indicators related to access, adequacy, and efficiency levels pertaining to physical infrastructure (water supply, sanitation and solid waste management), industries, urban green and blue cover and eco-sensitive areas in and around the city. This would help to ensure equitable distribution of basic services in the system in accordance to its quality, quantity, availability, acceptability, maintenance, health and hygiene conditions.The study also addresses the issues related to industries for improving the micro-climatic conditions of the city through promoting industrial clusters and industrial base infrastructure.

Demand need assessments were carried out to identify the service level issues in accordance with the need & requirement. Focus group discussions were recorded in form of consultations from various stakeholders across different sectors towards improving the service levels to maintain eco-fragility of the city. The stakeholders included urban local body officials, parastatal agencies (Agriculture, industries, fire, forests etc.), elected representativesfrom different wards etc. The study also visualises the availability of green and blue spaces in the city through visual and analytical approach. Various analytical tools were used to analyse the impact on land use, industries, infrastructure deficiencies, blue and green spaces.

The comprehensive issues were outlined and highlighted at sectoral level related to urban environmental services, slums, industries, urban and green blue spaces. This enables each sector to strategize the issues and recommend for improvements. Further, development alternatives, proposals and scenarios have been built that reflect different combinations of infrastructure projections and spatial forms. These scenarios can be used to illustrate the requirements for infrastructure, land uses, and green and blue spaces while recognizing impediments to developmentthrough land suitability analysis. The outcome of the studio is better understanding of the concept ofliveability and environment-friendly development. Thiswork leads towards making the city sustainable and minimising disturbances towards environment.

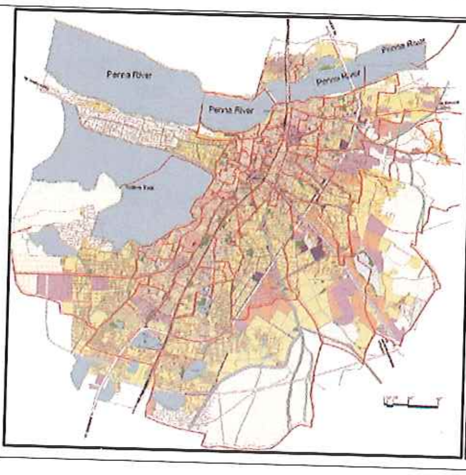

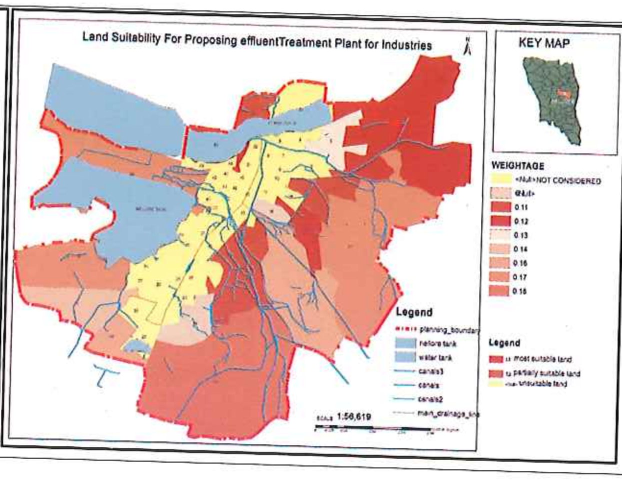

Course & Semester:	M.Planning (Environmental Planning and Management) II Year–III Semester
Studio title/ Study Area:	Regional Environmental Plan, Karaikal District (Puducherry)
Faculty in-charge:	Dr.Ayon K Tarafdar
Studio Brief:	

The third semester M.Planning in Environmental Planning students took up the coastal district of Karaikal, Puducherry (approximately 2.2 lakhs population), which is one of four regions that constitute the Union Territory of Pondicherry in Southern India. The Karaikal region is embedded by Nagappattinam and Tiruvarur district of the Tamil Nadu state and is separated from its headquarters of Pondicherry by 46 km. This is a unique situation in India where a district is geographically separated from its State and lies in another State. The 160 square kilometres district has about 37 villages and two urban areas with Karaikal town as its headquaters. The prominent source of income of the district is agriculture and fishing. Karaikal is a coastal district with a total coastline of 26 km dotted with estuaries, mangrove and wetland areas with some formation of deltas. There are five places in this 26km coastline where different rivers, which are tributaries of Cauvery River, meet the sea. There are 12 big fishing hamlets and around 25,000 fishermen (approx 6,000 families) who are living in these coastal villages dependent on fishing and agriculture. Karaikal also has a number of iron and steel rolling mills, spinning mills, tiles, polythene, rubber and chemical industries. The region has ample fertile land and little urbanisation growth rates. The potential of development is immense and the scope of eco-tourism is ample.

The region stands at an outstanding crossroad of time where development decisions need to be taken for it to evolve in a self sufficient manner, keeping in mind its geographical distance from the state headquarters, it being surrounded by another State all around and its potential as a pristine natural retreat area. In this juncture, evolving planning guidelines / frameworks that can aid decision making related to industrialisation or balanced regional development can be timely and rational.
In this backdrop, the final year students of M.Plan (Environmental Planning) took up to study and analyse the region its terms of its eco-sensitivity, bio-capacity potential and development potential and executed the project in one semester.

Broad Learning Outcomes:

The exercise enhanced the students' comprehension in five predominant areas within

the regional environmental planning framework as below –

a) Assessing relative development setting in a region through detailed settlement hierarchy analysis based on existing development facilities, catchment of influence and potential to be developed and other identified parameters;
b) Assessing regional land cover with an intention to create zones for conservation, for development and for enhancing connectivity. Land cover analysis was be done to understand coastal zone development potentials;
c) Analysis of regional water-shed to evolve better water resource management for regional activities;
d) Evolve growth engines for development (through industrial, tourism, fishery and agricultural sector analysis);
e) Understanding carrying capacity through assessment of the bio-capacity of the region and the possible ecological footprint of the district population as per current consumption trends and suggest ways to reduce gap between the two.

Work Plan:

Keeping 2031 as the target year of the plan, and in order to develop the above comprehension, the students framed an overall concept focussing on "Rural Urban Interface" and four key objectives of – "Balanced Development, Resource Optimisation, Environmental Protection, and Livelihood Generation".

To achieve these objectives, the class was divided into 6 groups/sectors, which focussed into detailed analysis of the following –

1. Land Cover Analysis and Zoning
2. Watershed and Groundwater Resource Management
3. Agriculture and Industries
4. Ecological Footprint and Energy Consumption Patterns
5. Infrastructure Provision and Settlement Hierarchy
6. Tourism

Each group analysed in depth the deficiencies, demand supply gap and prospects within the sector and evolved strategies in line with the overall concept and the objectives, as mentioned earlier.

The Outcome

The zoning of land use land cover of the region was done by looking at more than 10 parameters, namely the terrain, soil type, existing land uses, fertility, ground water potential, surface water presence, drainage capacity and accessibility aspects to evolve distinct suitability zones for urbanisable activities, industrial activities and areas for ecological conservation. The three zones were identified for the region and thereby in each village was analysed in terms of zones for urbanisable activities, industrial activities and areas for ecological conservation - for future development directions.

This analysis was done on spatial grids of 1kmX1km using statistical overlay of weighted scores and maxima mean deviation.

The entire district was analysed in terms of its surface and ground water resource management. There were five natural drainage basins earmarked to characterise the surface water resource and its drainage pattern. These basins were evolved based on watershed analysis of all water streams and its hierarchy. The basins were analysed in terms of drainage capacity and water availability. This was seen in context of the projected water requirement of the region for domestic, agricultural and industrial needs. The study evolved the need to introducing six new canals (totalling approximately 180km) to connect some of the existing rivulets to balance the watershed potential in between the basins. The ground water potential was also studied in terms of annual recharge and present extraction in each basin and a strategy to develop new taluk-based reservoirs that draws water from the rivers and ground water to meet the taluk's future water needs was worked out.

The agriculture, fishery and industrial sectors were studied to evolve pitfalls and prospects in each sector. In agriculture it was observed that about 19 out of 37 villages are performing well in agricultural productivity have over three cropping pattern per year, while the other villages were lacking behind. Agricultural performance was studied using 7 parameters in order to identify strategies of boosting the sector. Suggestions of changing the cropping pattern and irrigation strategies were developed for each village. Locations were identified for development agricultural hubs for storage, marketing and processing based on analysis of workforce and connectivity. Locations for fishing harbours and fish processing units were earmarked all along the 26 km coastline in line with the fishing population distribution and analysis of seasonal fish catch data. Industrial performance of each taluk was analysed and new industrial typology suggested in the existing industrial estates which are lying vacant. Location of red and orange category industries were zoned.

The settlement hierarchy of the district was analysed using eight development and infrastructure based indicators. Each settlement was ranked based on its accessibility, demography, presence of existing utilities, eco-sensitivity, location, and land use characteristics. Settlements were then arranged in hierarchy of their stages of development. Catchment analysis of population served and distance to nearest facilities were studied to find out gaps and areas where are relatively under-developed. New growth centres and service villages were identified with strategies of the nature of investment required, for balanced growth in the region. Strategies were

also evolved for road bye-pass and regional connectivity enhancement.

Tourism sector delved into the detailed analysis of seven key spots in the district and 11 key spots in the surrounding. Each spot was analysed in terms of its performance and attractiveness of tourism function using seven different indicators. Development strategies were evolved for each spot that connected them through two circuits and provided infrastructure. Demand supply gap for hotels in the region was estimated by looking into the tourist peak inflow statistics. Zones for new hotel developments were identified. Coastal belt was analysed in detail to identify the coastal zone development potential and detialed land use plans for one kilometer buffer from coastline was evolved for CRZ implementation.

The rural and urban population's energy consumptions were studied through household survey to arrive at ecological footprint calculations for rural and urban population for different income groups. It was observed that the districts ecological footprint is four times more than its bio-capacity. This helped in framing policy level interventions that can reduce energy consumption patterns of the district.

The findings of the project were shared with local government and experts of Karaikal District Administration at every stage of analysis to bring parity and contextual relevance. The work was displayed in its comprehensive form over 54 A0 sized technical drawing and a report. The work was assessed by academicians from Town Planning Dept., Puducherry Govt, JNTU Hyderabad, Department of Environmental Studies, JNU New Delhi.

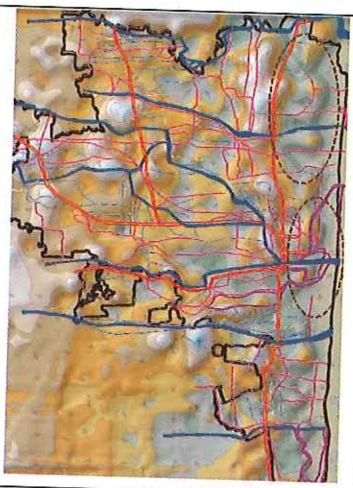

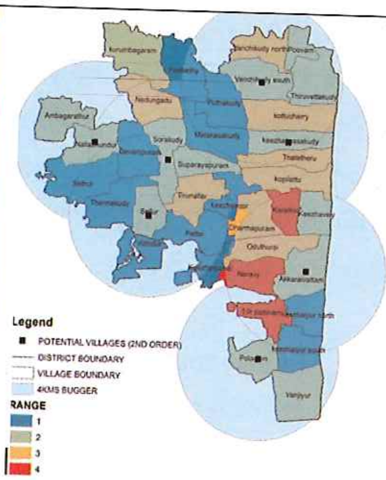

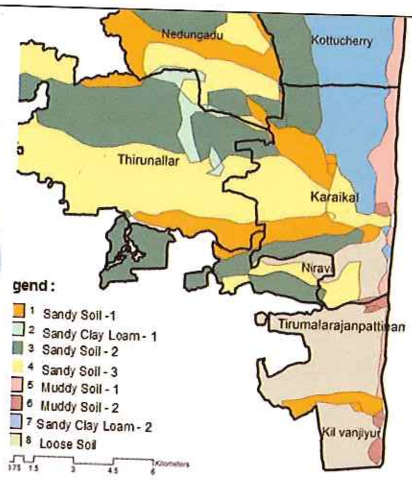

Course & Semester:	M.Planning (Environmental Planning and Management) II Year–IV Semester
Studio title/ Study Area:	Planning Thesis
Faculty in-charge:	Valliappan A.L.

S.No.	Reg. No.	Student	Thesis Topics
1	2140300009	Amanpreet Kaur	Decarbonisation of Urban Transport: Amritsar
2	2140300010	Bachala Poojitha	Strategizing the Change in Energy Consumption for Medium Consumption- A Case Study of Tirupati
3	2140300011	Bramhaiah Gantenapalli	Restoration of Lake Study Area: Kolleru Lake, West Godavari, Andhra Pradesh
4	2140300013	S Ganesh	Planning for Resilience to Climate Change - Case of Panaji & Its surrounding Coastal Settlements
5	2140300014	Indigipally Praveen Kumar	Impact of Thermal Power Plant on its Surrounding Villages-A Case Study of Kothagudem Thermal Power Station (Telangana, India)
6	2140300015	Jallipalli Ganesh Raju	Crop Production and Water Resource Planning in Drought Areas- A Case of Ananthapuram District
7	2140300016	Sujata Majumder	Resilience Against Floods- A Case Study of Chennai
8	2140300017	Monisha Yadav G	Impact of Urbanisation on River Environment: A Case of Adyar River, Chennai
9	2140300018	Rapeti Jagadeesh Prakash	Improving The Efficiency of Water Supply Using Service Level Benchmarks at Ward Level
10	2140300019	S.Akshaya	Unravelling Linkages between Socio-economic and Physical Characteristics of a Residential Area and Energy Consumption-Case of Chennai
11	2140300020	Galavalli Sai Chaitanya	Economics of Waste: A Case Study on Municipal Solid Waste Management-Bhimavaram, Andhra Pradesh

3.2) DEPARTMENT OF PLANNING: FACULTY ACTIVITIES

Faculty has been contributing towards the enrichment of the academic programmes through their sustained efforts. The department of planning has a dynamic mix of eminent faculty having experience in planning, architecture and allied fields of knowledge. Faculty members are constantly involved in academics, research and developmental activities of the School. Apart from attending various national, international conferences and workshops; the faculty is constantly engaged in publishing research and technical papers in various journals. As a part of research / research projects, the faculty members visited several countries.

3.2.1) Publications

1. **Ahmed, Deen Maqbool. & Kranthi, Natraj.** 2016. Theoretical Understanding of Water Poverty. Proceedings of 4th India Water Week-2016, Water for All: Striving Together (4-8 April 2016). Ministry of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation, Government of India, National Water Development Agency. New Delhi.

2. **Kranthi, Natraj & AL, Valliappan.** (April 2016). Need for a Shift in Pedagogy for Teaching Fundamentals of Planning Education. In A. Kumar, D.S. Meshram & K. Gowda, eds. Urban and Regional Planning Education. Singapore: Springer. pp.107-14. http://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-10-0608-1_8

3. **Kranthi, Natraj;** Beniwal, Akanksha; Mariadoss, Michelle; Sahitani, Pawan, (May 2015), Perceived Security of Tenure in Squatter Settlements: A Case Study of Vijayawada, India, International Advanced Research Journal in Science, Engineering and Technology (ISSN-Online-2393-8021) (ISSN-Print-2394-1588), Vol.2, Issue 5, IARJSET, Chennai, India. http://www.iarjset.com/upload/2015/may-15/IARJSET%201.pdf

4. **Sharma, S.** (2015). A hope for socio-economic sustainability in the era of smart cities: Bazaars and city cores in India. Proceedings of the Asian Conference on the Social Sciences and Sustainable, Nov. 1-3, Japan, pp. 150-155.

5. **Sharma, S.** (2015). Street Food: A Solution for Urban Food Security. Life Sciences International Research Journal. 2(2), pp. 107-111.

6. **Sharma, S.** (2016). Hawking Space and National Policy on Urban Street Vendors: A study of NDMC, Delhi. Procedia Technology. 24, pp. 1734-1741.

7. **Sharma, S.** (2015). Temporal and Spatial Boundaries of Working: A Case study of Hawkers in NDMC, Delhi, In. Isaienkova, M. (eds.) Interdisciplinarity: The Palimpsest of Culture. Poland: Interdisciplinary Research Foundation Press, pp. 13-21. [Book Chapter]

8. **Sharma, S.** (2016). Street Food and Urban Food Security. International Journal of Food Safety, Nutrition, Public Health and Technology. 8(1), pp. 1-5.

9. **Sharma, S.** (2015). Travel Behaviour of Street Hawkers: A Case Study of NDMC, Delhi. CUI '15/ III. International Contemporary Urban Issues Conference Proceedings, Nov. 19-21, Turkey, pp. 308-314.

10. **Tarafdar A K** (2016). Unravelling the Smart Conundrum. Journal of NBM&CW. Vol 22 (01). ISSN: 0973-0591.

11. **Valliappan, AL,** Hefferan A, Parivallal A, Exploring accessibility issues of public buildings for mobility impaired. Case study: interstate bus terminal (ISBT), Vijayawada, India. Proceedings of the 52nd ISOCARP (International Society of City and Regional Planners) Congress held at Durban, South Africa, 12-16 September 2016 in the topic Cities we Have vs Cities we Need and track 'planning activism and social Justice', ISOCARP ISBN: 978-94-90354-47-3. Page no.:621-632.

12. **Valliappan, AL.** 2015 Appropriate Pedagogical Approaches For Conduct of Site Planning and Built Environment Studio in Spatial Planning Education Programs at 13th Asian Planning Schools Association Conference held at Universiti Teknologi Malaysia, Johor Bahru, Malaysia on 12 -14 August 2015. [Conference Proceeding]

13. **Valliappan, AL.** 2015Appropriate Pedagogical Approaches For Conduct of Site Planning and Built Environment Studio in Spatial Planning Education Programs" in the International Journal of Built Environment and Sustainability (IJBES), Volume 2, Issue 3, 2015. Page No: 211-218. E-ISSN: 2289-8948 ISSN: 1511-1369

3.2.2) Invited talks/ Workshops/ Training Programmes attended by the faculty:

1. Anju Joon attended the NNRMS training course on 'Remote Sensing & GIS Applications to Urban and Regional Planning' at Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Dehradun held during 02May to 24 June, 2016.
2. Dr Abdul Razak Mohamed Chief Quest speech on Public Spaces for All during the World Habitat Day 2015 organised by Indian Institute of Engineers and Lingaya's Institute of Management and Technology, Vijayawada during 05 October 2015.
3. Dr Abdul Razak Mohamed, Invited as Urban expert during the panel discussion on "Accessible Urban Transport" conducted by CBM India Trust, Bangalore, at the Urban India Mobility Conference organized by the Urban Transport Institute, Ministry of Housing and Urban development, New Delhi between 24-25 November 2015.
4. Dr Abdul Razak Mohamed, Invited key note address on "Urban Challenges and Changing Cities" International Conference on changing cities and challenges to urban planning and design organised by the College of Engineering, Thrissur, Kerala during 11 and 12 November 2015.
5. Dr. Abdul Razak Mohamed attended 64th National Town and Country Planners Congress held at Naya Raipur, Chattisgarh during 08-10 January 2016

6. Dr Abdul Razak Mohamed, Invited Key Note Lecture on "Smart communities and neighbourhoods for sustainable smart cities". International Conference on Sustainable smart cities organized by the Siddartha Engineering College Vijayawada in collaboration with APCRDA during 26-27 Feb 2016.

7. Dr. Abdul Razak Mohamed, Delivered a talk on Importance of managing public spaces by local community during the Inaugural function of the World Habitat Day 2015 as a Guest of Honour to the National Institute of Infrastructure Management and Research, Vijayawada organised by the Institute of Engineers India Andhra Pradesh on 5-10-2015.

8. Dr. Abdul Razak Mohamed, Inaugural Session delivered talk on Heritage conservation and Planning for Tourism Development during SPAV celebrates World Heritage Day by Inaugurating Design & Innovation Centre on 17 April 2015.

9. Dr. Abdul Razak Mohamed, Invited participant of the Smart City workshop organised by the Ministry of Hosuing and Urban Development at Vigyan Bhavan New Delhi during 24-26 May 2015.

10. Dr. Abdul Razak Mohamed, Invited speaker for one day workshop on networking between Town and Country Planning Profession and Education organised by the Institute of Town Planners India New Delhi during 07 May 2015.

11. Dr. Abdul Razak Mohamed, Organised one day workshop on Preparation of Master Plan Using Bhuvan for the officials of the Town Planning dept of Andhra Pradesh State on 30 September 2015

12. Dr. Abdul Razak Mohamed, attended BInUCom Project workshop at KRVIA, Mumbai during 19-23 March 2016

13. Dr. Ayon K Tarafdarattended BInUCom Project workshop at KRVIA, Mumbai during 19-23March 2016

14. Dr. Ayon K Tarafdar attended 64th National Town and Country Planners Congress held at Naya Raipur, Chattisgarh during 08-10 January 2016

15. Prasanth Vardhan attended 64th National Town and Country Planners Congress held at Naya Raipur, Chattisgarh during 08-10 January 2016

16. Dr. Natraj Kranthi attended the 'Round Tables on Smart Cities & Inclusion' (2015), British Deputy High Commission Hyderabad, 5th August 2015, Taj Gateway, Vijayawada.

17. Dr. Natraj Kranthi delivered lecture on Concepts and Applications of GIS: Slum Mapping, One Day Workshop on 'Master Plan Formulation under NUIS Bhuvan' for Andhra Pradesh State, 30September, 2015, SPA Vijayawada.

18. Dr.Natraj Kranthi, Invited member of the panel discussion, One Day Seminar, Housing Regeneration and Strengthening Communities, World Town Planning Day-2015, 18 November, 2015, SPA Vijayawada.

3.3) DEPARTMENT OF PLANNING: GUEST LECTURES

S.No.	Date	Name of the Guest	Subject	Batch
1	31.07.2015	Mr. Ajay Katuri	Importance of disaster management in urban planning	B. Plan IV Year VII Semester
2	21.09.2016	Dr. Poonam Prakash	Planning Theory - I	B. Plan III Year V Semester
3	22.09.2016	Dr. Poonam Prakash	Planning Project – I	B. Plan IV Year VII Semester
4	10.11.2015	Prof. Venkataswara Rao	Introduction to Information Systems	M. Plan (Integrated Semester)
5	09.10.2015	Mr. Sai Rama Raju	Site Plan and Built Environment Lab	B. Plan III Semester
6	09.10.2015	Mr. Sai Rama Raju	Habitat and Environmental Planning	M. Plan I Semester (Integrated)

7	13.10.2015	Mr. Sridhar Dasari	Graphics Studio	B. Plan I Year I Semester
8	28.10.2015	Mr. Karimujja Srinivas	Quantitative Methods	B. Plan I Year I Semester
9	03.11.2015	Dr. Ravanan	Quantitative Methods	B. Plan I Year I Semester
10	03.11.2015	Dr. Ravanan	Quantitative Methods	(M. Plan (Integrated Semester)
11	28.03.2016	Prof. Venkatachalam	Real Estate Planning	B. Plan III Year V Semester
12	16.03.2016	Prof.Shovan K Saha	Theory of Environmental Planning	M. Plan II Semester
13	17.03.2016	Dr.Saraswatiraju Iyer	Elements of Sociology for Planning	B. Plan I Year II Semester
14	21.03.2016	Mr. Vaibhav Garg	Applications of Geo informatics	M. Plan II Semester (MURP & MEPM)
15	04.04.2016	Dr. Prema Raja Gopalan	Elements of Sociology for Planning	B. Plan I Year II Semester
16	05.04.2016	Mr. Arbind Singh	Planning and Management of Informal Sector	B. Plan II Year IV Semester
17	12.04.2016	Prof. Geetam Tiwari	Transportation Planning	B. Plan II Year IV Semester
18	13.04.2016	Mr. Sridhar Vallala	Introduction to Geo-Informatics	B. Plan. I Year II Semester
19	15.04.2016	Mr. Manoharan	Ecological Foot Print Analysis	M. Planning I Year II Semester)
20	11.03.2016 12.03.2016	Mr. Suresh	Urban Planning Studio	M. Planning (MURP) I Year II Semester

3.4) DEPARTMENT OF PLANNING: PRACTICAL TRAINING

The students of planning underwent professional training (compulsory) in different planning organisations across India for a period six weeks between May 2016 and July 2016. The details are as below:

3.4.1) B.Planning (II Year, IV Semester):

S.No.	Regd.No.	Name of Student	Name of the Firm
1	2140200146	Aditya Narayan	Gorakhpur Development Authority, Gorakhpur, Deoria Bypass Road , Gorakhpur
2	2140200147	Afshan Fathima	Star Middle East, Saudi Arabia, Dammam 31547, Saudi Arabia, Zipcode: PO Box 69275
3	2140200148	Ankit Patel	Lucknow development authority, Lucknow, Near INOX Shopping Mall, Vipin Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010
4	2140200149	Banda Tejeswari	APCRDA Vijayawada Lenin center,Governorpeta, Vijayawada, Andhra Pradesh 520002
5	2140200150	Bhavya Rai	Center for Urban and Regional Excellence, New Delhi Hauz Khas Office, 302, 2nd floor, building no.3, Sona Apartments, Kaushalya Park,New Delhi-16
6	2140200151	Chatragadda Keerthana	APCRDA, Vijayawada Lenin center,Governorpeta, Vijayawada, Andhra Pradesh 520002
7	2140200152	Chintagunta Lavanya	Foundation for Democratic Reforms, Hyderabad 806, Srinivasa Towers, Besides ITC Kakatiya Hotel, Opp. CM's camp office, Begumpet, Dwarakapuri, Punjagutta, Hyderabad, Telangana 500082
8	2140200153	Gyanistar Baruah	Town and country planning organisation,Guwahati, opposite ganesh mandir, Dispur-781006 Guwahati
9	2140200155	M.Maniratna Sai Manjusha	Foundation for Democratic Reforms, Hyderabad 806, Srinivasa Towers, Besides ITC Kakatiya Hotel, Opp. CM's camp office, Begumpet, Dwarakapuri, Punjagutta, Hyderabad, Telangana 500082
10	2140200156	Madasu Manaswini	NICE Foundation, Paderu Near Modammamba Temple, Old R&B Quarters, Chintapalli Main Rd, Paderu

11	2140200158	Md.Muzammil Hassan	Karuna Shechen organisation, Gaya Karorwa Road, Behind 80 feet Buddha statue, Bodhgaya, Gaya
12	2140200159	Nallaparaju Saisiri	WWF-India, Hyderabad House No 10-3-739 (204/3RT) Ground Floor,Vijayanagar ColonyHyderabad 500057,Telangana
13	2140200160	Nirupama S	IL&FS Cluster Development Initiative Limited 163, Thiruneermalai Road, Nagalkeni, Chrompet, Chennai 600044
14	2140200162	Prateeksha Sehgal	Municipal corporation Jodhpur, rajasthan
15	2140200163	Priyanshu Raj	National Association of Street Vendors of India (NASVI) 304, Maurya Tower, Block C, Maurya Lok Complex, Patna 800001, Bihar(India)
16	2140200164	Ramavath Naveen	APCRDA Vijayawada Lenin center,Governorpeta, Vijayawada, Andhra Pradesh 520002
17	2140200165	Rituraj Rathore	Government of Rajasthan, Jaipur Department of Local Self GovernmentDirectorate of local Bodies, Jaipur,G-3, Rajmahal Residency Area, Civil Line Phatak, 22 Godown, C- Scheme Jaipur
18	2140200166	Ritwika Dasgupta	municipal council of kishangarh, Rajasthan.
19	2140200167	Rohit	Municipal corporation Jodhpur, Rajasthan
20	2140200168	Sandeep Kumar	municipal council of kishangarh, Rajasthan.
21	2140200169	Shantanu Gupta	Department of Architecture and Regional Planning, IIT Kharagpur IIT Campus, Kharagpur 721302, Bengal
22	2140200170	Uppada Suresh	Department of Local Self Government Directorate of local Bodies, Jaipur, G-3, Rajmahal Residency Area, Civil Line Phatak, 22 Godown, C- Scheme Jaipur
23	2140200171	Varadi Manoj	APCRDA Vijayawada Lenin center,Governorpeta, Vijayawada, Andhra Pradesh 520002
24	2140200172	Vignesh T	Chennai Metropolitan Development Authority, Chennai 3 rd Floor,'Thalamuthu-Natarajan Maaligai',No.1, Gandhi Irwin Road,Egmore,Chennai – 600 008

3.4.2) B.Planning (III Year, VI Semester):

S.No	Regd.No.	Name of Student	Name of the Firm
1	2130200119	Adithya Bandari	Capacity Building Support for Innovative Sanitation solutions, Rajasthan IPE Global Private Ltd, New Delhi
2	2130200120	Avinash Kumar	--
3	2130200121	Donga Sravani	All India Institute of Local Self- Government (AIILSG), Nagpur, Mahanagar Palika Marg, Near Vidhan Bhavan, Civil Lines, Nagpur, Maharashtra 440001
4	2130200122	Anjum Dudekula	LEA Associates South Asia Pvt. Ltd, Hyderabad H.No; 1-4-879/54/A, Street no: 8, Near Vijaya Bank, Lower Tank Bund, Gandhi Nagar, Hyderabad- 500050
5	2130200123	J. Kishore kumar	Chennai Metropolitan Development Authority, Chennai 3 rd Floor,'Thalamuthu-Natarajan Maaligai', No.1, Gandhi Irwin Road,Egmore, Chennai – 600 008.
6	2130200125	Karumoju L N Sridhar Achari	All India Institute of Local Self- Government (AIILSG)Mahanagar Palika Marg, Near Vidhan Bhavan, Civil Lines, Nagpur, Maharashtra 440001
7	2130200127	Macha Bala Eswari	School of Planning and Architecture, VijayawadaSy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
8	2130200128	Medabalimi Jhansi Rani	School of Planning and Architecture, VijayawadaSy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
9	2130200129	Mohd Ammar Ashraf	REPL Private Ltd, Delhi
10	2130200130	Nishtha Saha	Urban Development Department, Government of West Bengal, Df-8, Nagarayan, Bidhanagar, Saltlake Sector-I, Kolkata-700064.
11	2130200131	Pakhale Pranali Dhanraj	Town Planning and Valuation Department, NagpurCivil lines Nagpur – 440001
12	2130200132	Palthya Srinivas Naik	Hyderabad Metropolitan Development Authority, Hyderabad, Block A, District commercial complex, Tarnaka, Hyderabad, Telangana 500007

13	2130200133	Pooja Adapa	APCRDA, VijayawadaLenin Center ,Governor Pet , Vijayawada - 520002 , Andhra Pradesh - INDIA.
14	2130200134	Amulya Pothkanuri	All India Institute of Local Self- Government, NagpurMahanagar Palika Marg, Near Vidhan Bhavan, Civil Lines, Nagpur, Maharashtra 440001
15	2130200135	Shaik Sadiq	LEA Associates South Asia Private Limited, TirupatiLEA Associates South Asia Private Limited Door no. 19-3-1/B9/A1, Second Floor,Postal colony,Renigunta Road, Tirupati-517501, Andhra Pradesh
16	2130200136	Sudarshan Protim Sonowal	LEA Associates South Asia Pvt. Ltd, HyderabadH.No; 1-4-879/54/A, Street no: 8,Near Vijaya Bank, Lower Tank Bund, Gandhi Nagar, Hyderabad- 500050
17	2130200137	Triplicane Gopal Vinaz	All India Institute of Local Self- Government, NagpurMahanagar Palika Marg, Near Vidhan Bhavan, Civil Lines, Nagpur, Maharashtra 440001
18	2130200138	Velugoti Ravi Kumar	School of Planning and Architecture, VijayawadaSy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
19	2130200139	Vikas Kumar	Patna Urban Development Authority, Patna202, Bhola Apartment, 162, Anandpuri,West Boring Canal Road, Patna - 800001
20	2130200140	A. Sai Varsha	NBRO,Srilanka
21	2130200141	Jaswanth Perla	Capital City Development and Management Corporation, HyderabadDr.No 202 White House Block, Begumpet,Hyderabad
22	2130200142	Manthapuri Sadhana	NIUM, Hyderabad, Survey No. 91,Near Outer Ring Road Chowrasta,Gachibowli, Hyderabad,Telangana 500032.
23	2130200143	Parth Sarthi Ramje	Indore Development Authority (IDA), IndoreChief City Planner - IDA office, 7, Race Course Road, Indore, (M.P.)
24	2130200144	Sumit Singh	Centre for Science and environment, New Delhi, 41, Tughlakabad Institutional Area New Delhi-110062, India

25	2130200145	Thokala Leeyana Mouni	NIUM, Hyderabad, Survey No. 91,Near Outer Ring Road Chowrasta,Gachibowli, Hyderabad,Telangana 500032.
26	2120200090	Amit Kumar Bala*	Government of West Bengal, Kolkata Urban Development Department, Government of West Bengal, Df-8, Nagarayan, Bidhanagar, Saltlake Sector-I, Kolkata-700064.

3.4.3) M.Planning (Urban and Regional Planning) (I Year, II Semester):

S.No.	Regd.No.	Name of Student	Name of the Firm
1	2150400021	Albert Joseph Hefferan	Hyderabad Metropolitan Development Authority, Hyderabad Block 'A', District Commercial Complex, Tarnaka, Hyderabad - 500007.
2	2150400022	RampillaTarakaPavanSai	Hyderabad Metropolitan Development Authority, Hyderabad Block 'A', District Commercial Complex,Tarnaka, Hyderabad - 500007.
3	2150400023	Sowmya P S	Jones Lang LaSalle Property Consultants (India) Private Limited, Karnataka, Level 3, Concorde UB City, #24, VittalMallya Road, Bangalore-560 001, Karnataka, India
4	2150400024	Aarthi P	Infrastructure Management and Advisory Services Pvt.Ltd, 7E, Century Plaza, 7th floor,New No; 526(old no:560-562), Anna Salai,Teynampet, Chennai-600018.
5	2150400025	AkhilChhibber	Delhi Development Authority(DDA), VikasMinar, IP Estate, New Delhi, Delhi (state) 110002
6	2150400026	GudlaHema	Urban Management Centre Asia ,Visakhapatnam Marripalem, Visakhapatnam
7	2150400027	Kandula Naga Sravani	Vijayawada Municipal Corporation, Canal Road, Nehru Building, Canal Road, Vijayawada, Andhra Pradesh 520001

8	2150400028	Karri Rajesh	Capital City Development and Management Corporation, Hyderabad, Dr.No 202 White House Block, Begumpet,Hyderabad
9	2150400029	Kovida A B	Kurnool Municipal Corporation, Kurnool Municipal Office Rd, Prakash Nagar, Kurnool, Andhra Pradesh 518004
10	2150400030	Murtaza Abdul Kader Khandwawala	Centre for Environment Education, Ahmedabad 'Urban Programmes' in Centre for Environment Education, Ahmedabad.
11	2150400031	NaveensamPriyan J	Maxcon Town Planning & Development, Majestic tower (2nd floor) H.D.Raja Nagar #101,Eldams Road Teynampet chennai-600 018
12	2150400032	PrashantSarangdhar Gawande	Nagpur Municipal Corporation, Town Planning Department Maha Nagar PalikaMarg, Civil Lines Nagpur,Maharastra
13	2150400033	SaiSahithi CH	School of Planning and Architecture, Vijayawada Sy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
14	2150400034	Supriya Singh	IIDC Limited, 2nd Floor, NiryatBhawan, Rao Tula Ram Marg,New Delhi-110057
15	2150400035	BuddeSandeep	Palwancha, Khammam, Telangana
16	2150400036	Desavathu Naveen Naik	School of Planning and Architecture, Vijayawada Sy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
17	2150400037	MedabalimiPradeep	Jaggayyapet Municipal Corporation Opp. Bus Stand, Muncipal Complex, Jaggayyapet- 521175
18	2150400038	Lakshmi MounicaKanumuri	School of Planning and Architecture, Vijayawada Sy. No. 71/1, NH-5, Nidamanuru, Krishna, Vijayawada, Andhra Pradesh 521104
19	2150400039	Abhishek Kumar Singh	SPARC, Mumbai, lat # 6, 2nd Floor, 808 Boman Lodge, Dr.Ambedkar Road, Dadar East, Mumbai 400 014 Landmark: Next To Bata Showroom, Khodadad Circle, Dadar TT

3.4.4) M.Planning (Environmental Planning and Management) (I Year, II Semester):

S.No.	Regd.No.	Name of Student	Name of Firm
1	2150300022	Amrita	Central Pollution Control Board (CPCB), PariveshBhawan, CBD-cum-Office Complex, East ArjunNagar,New Delhi-110032
2	2150300023	Anupriya Banerjee	National association for street vendors of India (NASVI), New Delhi
3	2150300024	BitumoniChoudhury	Centre for Science and Environment 41, Tughlakabad Institutional Area New Delhi-110062, India
4	2150300025	GudipalliSaiNeelaManasa	Administrative Staff College of India Bella Vista, Raj Bhavan Road, Hyderabad - 500082 , India
5	2150300026	Ravi RanjanSinha	National Institute of Urban Affairs, New Delhi
6	2150300027	Alisha Chowdhury	JABCON Consultants, Raipur C/O Progressive Point, 3rd floor off. no. 318, Near Whole Sale Fruit Market, Dhamtari Road, Raipur (C.G.) 492001
7	2150300028	G.V.V.S.Surya Madhav	Hyderabad Metropolitan Development Authority, Hyderabad, Block 'A', District Commercial Complex, Tarnaka, Hyderabad - 500007.
8	2150300029	Tulika	IL&FS Energy Development Company Limited, Gurgaon, Limited1st Floor, Corporate Office Tower,Ambience Mall Complex, Ambience Island,National Highway - 8Gurgaon - 122001 ,IndiaContact No. : +91 9910356464Email address: s.baskaran@ilfsindia.com
9	2150300030	NookalaLohita	Vijayawada Municipal Corporation, Vijayawada Canal Road, Nehru Building, Canal Road, Vijayawada, Andhra Pradesh 520001
10	2150300031	Garima	DDA, Deputy Director, Planning, DDA, VikasMinar
11	2150300032	VinjamuriSrinivas	Hyderabad Metropolitan Development Authority, Hyderabad, Block 'A', District Commercial Complex, Tarnaka, Hyderabad - 500007.
12	2150300033	Siddik Khan	Central Pollution Control Board (CPCB), New Delhi PariveshBhawan, CBD-cum-Office Complex, East ArjunNagar,New Delhi-110032
13	2150300034	SushmiNimje	Central Pollution Control Board, Bhopal, 3rd floor SahakaharBhawan, North TT Nagar, Bhopal-462003

3.5) LIST OF PASSED OUT STUDENTS OF PLANNING IN 2015-16

Master of Planning (Urban and Regional Planning)

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	2140400001	Akanksha Beniwal
2	2140400002	Bommareddy Saikrishna
3	2140400004	Golla Harshitha
4	2140400005	Anjana James
5	2140400006	Kalpana Jokhio
6	2140400007	Konala Sai Kiran
7	2140400008	Kunduru Manisha Reddy
8	2140400009	Makarla Goutham
9	2140400010	Michelle M
10	2140400011	Padala Amuktha Meher
11	2140400013	Pawan Sahitani
12	2140400014	Shaik Sameer
13	2140400015	Sirisha Mente
14	2140400016	Rinosh Cherian Thomas
15	2140400017	Tikam Singh
16	2140400001	Akanksha Beniwal
17	2140400002	Bommareddy Saikrishna

Master of Planning (Environmental Planning and Management)

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	2140300009	Amanpreet Kaur
2	2140300010	Bachala Poojitha
3	2140300011	Bramhaiah Gantenapalli
4	2140300013	S Ganesh
5	2140300014	Indigipally Praveen Kumar
6	2140300015	Jallipalli Ganesh Raju
7	2140300016	Sujata Majumder
8	2140300017	G Monisha Yadav
9	2140300018	Rapeti Jagadeesh Prakash
10	2140300019	S Akshaya
11	2140300020	Galavalli Sai Chaitanya

Bachelor of Planning

S.No	Reg.No	Name of the Student
1	2120200091	Pranav Bhardwaj
2	2120200092	Bojedla Venkata Phanindra
3	2120200093	Boorla Venkataramana
4	2120200094	Cheruku Saketh Reddy
5	2120200095	Farhana K
6	2120200096	Dhawal Kataria
7	2120200097	Kesanakurthi Sai Kirani
8	2120200098	Savitri Kumari
9	2120200099	Vinit Kumar Loharia
10	2120200100	Sarthak Mohapatra
11	2120200102	Shaik Mohammad Fharooq
12	2120200104	Athulya Satheesh. T
13	2120200105	Dev Dass Thakur
14	2120200106	Patil Rohit Valmik
15	2120200108	Venus Verma
16	2120200109	Madhuri Kalah
17	2120200110	Navin Kumar
18	2120200111	Prithivi Mohan
19	2120200112	Sreekanth Satheesh
20	2120200113	Garima
21	2120200115	Ede Sowmya
22	2120200116	K Srilikhita
23	2120200117	Lingamsetty Radhika Rudrani
24	2120200118	Mohammed Maaz Ali
25	2110200069	Gera Chaitanya

Boards and Committees

- The Board of Governors
- The Academic Council
- Board of Studies (Architecture)
- Board of Studies (Planning)
- The Joint Committee of Departmental Research Committee
- Departmental Research Committee (Architecture)
- Departmental Research Committee (Planning)

4.1) THE BOARD OF GOVERNORS (w.e.f. 26.08.2016)

1. Ar. Brinda Somaya — Chairperson
   Udyog Bhavan, 29, Walchand Hirachand Marg
   Ballard Estate, Mumbai – 400001

2. Smt. Sumita Dawra I.A.S. — Member
   Principal Secretary to GoAP, Dept. of Higher Education,
   Room No. 407, 4th floor, J-Block , A.P Secretariat, Hyderabad, India

3. Dr. D.S. Meshram — Member
   President Emeritus, Institute of Town Planners, India,
   4-A, Ring Road, I.P. Estate,New Delhi – 110 002, India

4. Shri Biswaranjan Nayak — Member
   President, Council of Architecture, India Habitat Centre, Core 6A,
   1st Floor,Lodhi Road, New Delhi-110003 India

5. Prof Rajiv Mishra — Member
   Principal Sir J J College of Architecture,
   Mumbai

6. Dr. MonSingh D. Devadas — Member
   Dean School of Architecture and Planning
   Anna University, Chennai – 600025

7. Expert from Profession of Architectureor Landscape Architecture or Urban Design to be nominated by SPAs Council.

8. Expert from Profession of Urban and Regional Planning to be nominated by SPAs Council.

9. Dr. Ayon K Tarafdar — Member
   Head, Department of Planning
   SPA, Vijayawada

10.	Shri S V Krishna Kumar Head, Department of Architecture SPA, Vijayawada	Member
11.	Shri S P Goyal Joint Secretary, Ministry of Human Resource Development New Delhi	Member
12.	Ms. Darshana M Dabral Joint Secretary & Financial Advisor, Ministry of Human Resource Development,New Delhi	Member
13.	Shri B. Anand Joint Secretary, Works & Swachchh Bharat Mission	Member
14.	Prof. Dr. Ramesh Srikonda Director (incharge) SPA Vijayawada	Member (Ex-officio)
15.	Shri D V Rama Mohana Rao Registrar (Incharge) Secretary to BoG	Secretary

4.2). THE ACADEMIC COUNCIL (2015-16)

1.	Prof. Dr. N. Sridharan Director, School of Planning and Architecture: Vijayawada	Chairman
2.	Shri A G Krishna Menon N-125B, Panchshila Park, New Delhi-110017	Member
3.	Prof. Dr. Manaswini Acharya, Professor, Marketing and Communications International Management Institute, B-10, Qutab Institutional Area, Tara Crescent, New Delhi-110016	Member
4.	Prof. Dr. Solomon Benjamin Professor, Center for Humanities and Social Sciences, Indian Institute of Technology-Madras, GUINDY, Chennai-600036	Member
5.	Prof. Dr. Atiya Habib Kidwai A-59, Sector-26, Noida-201301	Member
6.	Dr. Partha Mukhopadhyay Center for Policy Research, Dharam Marg,, off. Kautilya Marg, Chanakyapuri, New Delhi-110021	Member
7.	Prof. Dr. B Panduranga Rao, FIE Professor and Head, Department of Civil Engineering, Velagapudi Ramakrishna Siddhartha Engineering College, Kanuru, Vijayawada-520007	Member
8.	One Representative from ITPI	Member
9.	One Representative from IIA	Member
10.	Prof. Dr. Neena Thomas Professor, Department of Architecture, College of Engineering, Trivandrum-695016, Kerala	Member
11.	Prof. Dr. S. Ramesh Dean of Studies & Head, Department of Architecture, School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member

12. Prof. Dr. M. Abdul Razak — Member
Head, Department of Planning
School of Planning and Architecture, Vijayawada

13. Dr. Natraj Kranthi — Member
Associate Professor, Department of Planning,
School of Planning and Architecture, Vijayawada

14. Shri G. Karteek — Member
Assistant Professor, Department of Architecture,
School of Planning and Architecture, Vijayawada

15. Shri RNS Murthy — Member
Assistant Professor, Department of Architecture,
School of Planning and Architecture, Vijayawada

16. Shri Valliappan AL — Member
Assistant Professor, Department of Planning,
School of Planning and Architecture, Vijayawada

17. Dr. P. Krishna Mohan — Secretary
Registrar
School of Planning and Architecture, Vijayawada

Note: The tenure of the above committee is over. Fresh committee will be constituted soon.

4.3) THE BUILDING AND WORKS COMMITTEE (w.e.f. 25.08.2016)

1. Shri Mahendra Raj — Chairman
Mahendra Raj Associates, Q-24, Jangpura Extension
New Delhi - 110 024, India

2. Ar. Balbir Verma — Member
BalbirVerma& Associates, K11, Kailash Colony,
New Delhi – 110 048, India

3. Dr. D S Meshram — Member
President, Institute of Town Planners, India,
4-A, Ring Road, I.P. Estate, New Delhi – 110 002, India

4. Dr.Yaj Medury — Member
Chief Operating Officer (Education) & Senior President
Jaypee Institute of Information Technology University,
Noida – 201 307, U.P., India

5. Shri K K Joadder — Member
Chief Planner, Town and Country Planning Organisation
Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi – 110 002, India

6. Shri R Srinivasan — Member
Director (T), Ministry of Human Resource Development
Shastri Bhawan, New Delhi – 110 115, India

7. Prof. Dr. Ramesh Srikonda — Member
Director (Incharge)
School of Planning and Architecture, Vijayawada

8. Shri D V Rama Mohana Rao — Secretary
Registrar (Incharge)
School of Planning and Architecture, Vijayawada

4.4) THE FINANCE COMMITTEE (w.e.f. 26.08.2016)

1. Dr. S.K. Khanna — Chairman
W2C045, Wellington Estate
DLF Phase-V, Gurgoan, Haryana, India

2. Shri S.P. Goyal — Member
Joint Secretary
Ministry of Human Resource Development, New Delhi

3. Prof. Divya Kush — Member
President, Indian Institute of Architects
6/402, East End Apartments, Mayur Vihar, Phase-1, Delhi-110096

4. Ms. Darshana M Dabral — Member
Joint Secretary & Financial Advisor
Ministry of Human Resource Development, New Delhi

5. Prof. Dr. Ramesh Srikonda — Member
Director (Incharge)
School of Planning and Architecture, Vijayawada

6. Shri D V Rama Mohana Rao — Secretary
Registrar (Incharge)
School of Planning and Architecture, Vijayawada

4.5) THE BOARD OF STUDIES (ARCHITECTURE) (2014-16)

1. Prof. Dr. Ramesh Srikonda — Chairman
Professor and Head, Department of Architecture
School of Planning and Architecture: Vijayawada

2. Prof. Dr. Shishir R Raval — Member
Professor and Head, Department of Architecture
The Maharaja Sayajirao University of Baroda

3. Prof. Aneerudha Paul — Member
Director, Kamala Raheja Vidhyanidhi
Institute of Architecture and Environmental Studies, Mumbai

4. Dr. Leon A. Morenas — Member
Associate Professor, Department of Architecture
School of Planning and Architecture, Delhi

5. Shri Dean De Cruz — Member
Mozaic First Design Valley, Goa

6. Dr. Priyaleen Singh — Member
Professor of Architectural Conservation
School of Planning and Architecture, Delhi

7.	Prof. A.G.K. Menon Panchashila Park, New Delhi	Member
8.	Shri Anil Kumar Chilakapati Assistant Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
9.	Shri Ranga Naga Satyanarayana Murthy Assistant Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
10	Shri Karteek G Assistant Professor, Department of Architecture School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member and Convenor

Note: The tenure of the above committee is over. Fresh committee will be constituted soon.

4.6) THE BOARD OF STUDIES (PLANNING) (2014-16)

1.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor and Head, Department of Planning, School of Planning and Architecture, Vijayawada	Chairman
2.	Dr.Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
3.	Dr. Ayon K. Tarafdar Associate Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
4.	Shri Prasanth Vardhan Assistant Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member
5.	Shri Maqbool Ahmed Assistant Professor, Department of Planning School of Planning and Architecture, Vijayawada	Member

6.	Prof. Dr. Krishne Gowda Professor of urban & Regional Planning Institute of Development Studies, University of Mysore	Member
7.	Dr.S.K.Kulushestra AO - 27, Shalimar Bagh,Delhi - 110 088	Member
8.	Dr. Neera Agnimitra Associate Professor, Department of Social Work University of Delhi	Member
9.	Dr. Surinder Aggarwal A 501 Mansara Apartments, Vasundhara Enclave, Delhi	Member
10.	Dr. Ratoola Kundu Assistant Professor, School of Habitat Studies, Tata Institute of Social Science, Mumbai- 400088	Member
11.	Dr.S.P.Bansal 1/5 Shoobd Pratab Ashram, Lashka	Member

Note: The tenure of the above committee is over. Fresh committee will be constituted soon.

4.7) THE JOINT COMMITTEE OF DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (2014-16)

1.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor and Head, Department of Planning, Dean of Studies, SPAV	Chairman
2.	Prof. Dr. Ramesh Srikonda Professor and Head, Department of Architecture, SPAV	Member
3.	Dr. Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning Coordinator of Research Programme, SPAV	Member Secretary

4. Prof. Dr. Krishne Gowda
Director, Mysore Institute of Development Studies — Member
University of Mysore

5. Prof. Dr. Ranjit Mitra — Member
Professor, Department of Urban Design
SPA Delhi

6. Prof. Dr. Binayak Choudhury — Member
Professor,
Department of Planning, SPA Bhopal

7. Prof. Kulbhushan Jain — Member
Rtd. Professor, CEPT Ahmedabad

Note: The tenure of the above committee is over. Fresh committee will be constituted soon.

4.8) DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (ARCHITECTURE) (2016)

1. Prof. Dr. Ramesh Srikonda — Chairman
Professor (Architecture) and Dean of Studies
SPA Vijayawada

2. Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed — Member
Professor (Planning) and Coordinator of Research Programme
SPA Vijayawada

3. Prof. Dr. Shovan K Saha — Member
Dean, Sarada University, Greater Noida

4. Prof. Dr. T. Srinivas — Member
Professor, Department of Architecture
NIT Tiruchirappalli

5. Professor/Associate Professor — Member
(To be nominated)

6. Research Supervisor/Guide — Member

4.9) DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE (PLANNING) (2016)

1.	Dr.Ayon K Tarafdar Associate Professor and Head, Department of Planning, SPAV	Chairman
2.	Prof. Dr. Abdul Razak Mohamed Professor (Planning) and Coordinator of Research Programme SPA Vijayawada	Member
3.	Prof. Dr. Souvanic Roy Professor, Department of Architecture, Town and Regional Planning, IIEST, Shibpur, Bengal	Member
4.	Prof. Dr. Mahavir Professor, SPA Delhi	Member
5.	Dr. Natraj Kranthi Associate Professor, Department of Planning SPA Vijayawada	Member
6.	Research Supervisor/Guide	Member

Annual

Accounts

महानिदेशक लेखापरीक्षा(केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद-500004.
OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

सत्यमेव जयते

No.DGA(C)/CEA/Unit-V/SPAV/SAR.2015-16/142 **Date: 24.10.2016**

सेवा में
सचिव महोदय,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्री भवन,डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: आयोजन तथा वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा, **के वर्ष 2015-16 के** लेखों **पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), for the year 2015-16, Annexure to SAR and one copy of the Annual Accounts of the Institute for the year 2015-16, are forwarded herewith for placing before the Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संल:यथोपरि

Sd/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
Director General of Audit(Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-V/SPAV/SAR.2015-16/ **Date: 24.10.2016**

Copy to the Director, School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), Survey No.71/1, NH-5, Nidamanuru, Vijayawada–521 104, along with one copy of Annual Accounts for the year 2015-16 (English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2015-16 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

24/10/16
उप निदेशक/ केन्द्रीय स्वायत्त निकायों
Deputy Director/CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of School of Planning and Architecture, Vijayawada, for the year ended 31 March 2016

We have audited the attached Balance Sheet of School of Planning and Architecture, Vijayawada (SPAV), as on 31 March 2016 Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date, under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971, read with Section 23(b), of the Memorandum of Association and Rules of the School of Planning and Architecture, Vijayawada. The audit has been entrusted for further period up to 2017-18. These financial statements are the responsibility of the School's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment account dealt with by this report have been drawn up in the format of accounts approved by Government of India, Revised Format of Accounts, prescribed by Ministry of Human Resource Development, applicable for Autonomous Bodies (ABs) and Central Educational Institutions (CEIs) under its Administrative control.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained as required, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Liabilities

A.1.1 Corpus/Capital Fund: ₹ 6.38 cr

A.1.1.1 This includes a sum of ₹ 4.98 crore received by CPWD towards forfeiture of performance guarantee due to termination of contract by M/s. Sri Krishna Shelters Pvt Ltd and passed on to SPAV instead of booking the same in Designated/Earmarked fund. This had resulted in overstatement of Corpus/Capital Fund and understatement of Designated/Earmarked Funds by ₹ 4.98 crore

B. Income and Expenditure Account
B.1 Income: ₹ 13.91 crore
B.1.1. Income from Investments-₹ 29.92 lakh

B.1.1.1 This includes prior period interest on income of ₹ 1.79 lakh which was not shown under Prior period income. This resulted in overstatement of Income from investments and understatement of Prior period income by ₹1.79 lakh.

B.2 Expenditure

B.2.1 Repairs and maintenance- ₹ 18.90 lakh

B.2.1.1(a) This includes sum of ₹ 5,00,000/- pertaining to purchase of computer software, instead it was booked under Repairs and maintenance..

This resulted in overstatement of Expenditure and understatement of Fixed Assets by ₹ 5.00 lakh.

B.2.1.1(b) Non provision of Depreciation on the above Computer Software @ 60% (WDV method) of ₹ 3,00,000/- resulted in understatement of Expenditure and overstatement of Fixed Assets by ₹ 3 lakh.

C. General:

1. As per para 9.1 of the MHRD format, read with AS 12 where sanction for Governments Grants and UGC grants pertaining to the financial year was received before 31 March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor. However Capital grant of ₹ 25,00,000/- pertaining to previous year, received during the current year was accounted as addition to Earmarked fund against the provisions..

2. Due to adjustments as per the MHRD format, Prior period capital grant of ₹ 8,00,00,000/- was deducted from current year's Corpus/Capital fund and added to Earmarked fund. This was not disclosed suitably in the notes on accounts.

3. The Earmarked Funds of ₹ 24,75,15,819/- were not disclosed in Schedule 2C-"Earmarked Funds" of the Annual Accounts.

D. Grants-in-aid:: Out of total Grants-in-aid of ₹ 30.07 crore[1] received during the year (including grants of ₹ 2.74 crore received in March 2016), together with previous year certified balance of ₹ 0.40 crore and other receipts of ₹ 2.62 crore, totaling ₹ 33.09 crore, the Institute utilised a sum of ₹ 31.19 crore[2], leaving a balance of ₹ 1.90 crore, as on 31st March 2016.

---

[1] **(i) Plan- Capital (General, SC & ST) : ₹ 16.46 crore, (ii) Plan-(General, SC & ST) : ₹ 7.69 crore and (iii) Plan – Salaries (General, SC & ST): ₹ 5 .92 crore**

[2] **(i) Revenue expenditure: ₹ 11.28 crore (ii) Expenditure towards acquisition of fixed assets during the year: ₹ 19.91 crore.**

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report , give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of School of Planning and Architecture, Vijayawada, as at 31 March 2016; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Sd/- 5/10/16

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

Director General of Audit(Central)

ANNEXURE

1. Adequacy of Internal Audit System: The assignment of Internal audit was entrusted to an Internal Auditor, who completed the audit for the year 2015-16 . The system of internal audit was found to be in-adequate as prior period income and Fixed Assets were not properly accounted for.

2. Adequacy of Internal Control System: The Internal Control System is inadequate as classification of expenses, Assets and grant was not accounted properly.

3. System of Physical verification of fixed assets: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2015-16.

4. System of Physical verification of inventory: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2015-16.

5. Regularity in payment of statutory dues: Statutory dues were paid regularly.

24/10/16.

उप निदेशक/कें.व्यय.ले.प

DEPUTY DIRECTOR/CEA

FINANCIAL STATEMENTS

2015-16

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA
(Established in 2008 by Ministry of Human Resource Developoment, Govt. of India)
Sy. No. 71/1, NH - 5, Nidamanuru, Vijayawada - 521 104. Andhra Pradesh.
Phone : 0866 - 2469 445, 2469 447, 2469 446 Fax : 0866 - 2469 451

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

BALANCE SHEET AS AT 31-03-2016

(Amount in ₹.)

SOURCES OF FUNDS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Corpus / Capital Fund	1	63,82,68,966	7,79,13,755
Designated / Earmarked / Endowment Funds	2	24,75,15,819	56,90,00,000
Current Liabilities & Provisions	3	5,27,83,072	3,13,75,846
TOTAL		**93,85,67,857**	**67,82,89,601**

APPLICATION OF FUNDS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		2,67,32,431	2,76,17,628
Intangible Assets		8,90,192	19,59,663
Capital Work-In-Progress		49,60,53,833	30,17,17,911
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5		
Long Term			
Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS	6		
CURRENT ASSETS	7	2,84,57,512	4,69,10,324
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	38,64,33,889	30,00,84,075
TOTAL		**93,85,67,857**	**67,82,89,601**

SIGNIGICANT ACCOUNTING POLICIES	23
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO A	24

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31-03-2016

(Amount in ₹.)

PARTICULARS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
INCOME			
Academic Receipts	9	2,08,52,764	1,85,94,549
Grants / Subsidies	10	11,28,16,923	10,38,00,000
Income from investments	11	29,92,207	41,51,138
Interest earned	12	5,98,365	7,53,978
Other Incomes	13	18,34,320	13,32,818
Prior Period Income	14	-	-
TOTAL (A)		**13,90,94,579**	**12,86,32,483**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	3,68,22,340	3,92,78,053
Academic Expenses	16	2,07,50,780	1,22,42,718
Administrative and General Expenses	17	4,86,86,813	4,25,33,412
Transportation Expenses	18	5,83,207	9,26,326
Repairs & maintenance	19	18,89,815	26,95,439
Finance & costs	20	5,956	9,796
Depreciation	4	66,86,790	79,34,532
Other Expenses	21	24,86,567	20,48,182
Prior Period Expenses	22	15,91,445	1,02,493
TOTAL (B)		**11,95,03,713**	**10,77,70,951**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		1,95,90,866	2,08,61,532
Transfer to/from Designated fund			
Building fund			
Other (specify)			
Balance being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund			

SIGNIGICANT ACCOUNTING POLICIES 23

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS 24

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

Audited. 17/10 SAO(CSA-I)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

RECEIPT & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD / YEAR FROM 01-04-2015 TO 31-03-2016

(Amount in `.)

RECEIPTS	Current Year Amount (Rs.)	Current Year Amount (`.)	Previous Year Amount (`.)
I. To Opening Balance :			
a) Cash Balances			
b) Bank balances			
i. In Current Accounts	229,102		183,502
ii. In Deposit Accounts	32,951,627		
iii. In Savings Accounts	13,679,596	46,860,324	4,222,248
II. To Grants Received :			
a) From Government of India			
i. Capital Grant	137,200,000		208,700,000
ii. Revenue Grant	136,100,000	273,300,000	103,800,000
a) From State Government			
i. Capital Grant			
ii. Revenue Grant			
b) From Other Sources (Details)			
i. Capital Grant			
ii. Revenue Grant			
a) BMTPC, MoUD		475,000	
III. Academic Receipts		20,852,764	18,957,939
IV. Receipts against Earmarked/Endowment Funds			
V. Receipts against Sponsored Projects/Schemes			
VI Receipts against sponsored Fellowships and Scholarships			
VII. Income on Investments from			
a) Earmarked / Endowment Funds			
b) Other Investments			
VIII. Interest received on			
a) Bank Deposits	2,514,874		2,472,785
b) Loans and Advances	-		-
c) Savings Bank Accounts	598,365	3,113,239	753,978

PAYMENTS	Current Year Amount (`.)	Current Year Amount (`.)	Previous Year Amount (`.)
I. Expenses			
a) Establishment Expenses	36,822,340		39,270,662
b) Academic Expenses	20,750,780		13,588,337
c) Administrative Expenses	48,686,813		44,592,671
d) Transportation Expenses	583,207		926,326
e) Repair & Maintenance	1,889,815		2,695,439
f) Other Expenses	2,486,567		
g) Prior Period Expenses	1,591,445		102,493
h) Finance Costs	5,956	112,816,923	9,796
II. Payments against Earmarked / Endowment Funds			
III. Payments against Sponsored Projects/Schemes			
IV. Payments against Sponsored Fellowships/Scholarships			
a) BMTPC, Ministry of Urban Development, GoI	253,281		
b) DIC, IIT Mumbai	242,802	496,083	
V. Investments and Deposits made			
a) Out of Earmarked/Endowment funds			
b) Out of own funds (Investments - Others)			
VI. Term Deposits with Scheduled Banks			
VII. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works-in-Progress			
a) Fixed Assets	4,732,122		11,098,944
b) Capital Works-in-Progress	194,335,922	199,068,044	289,303,596
VIII. Other Payments including statutory payments			
a) Statutory Payments			11,112,811
b) Leave Encashment			320,952
c) Pension			680,096

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

RECEIPT & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD / YEAR FROM 01-04-2015 TO 31-03-2016

(Amount in ₹)

	RECEIPTS	Current Year Amount (Rs.)	Current Year Amount (₹)	Previous Year Amount (₹)
IX.	Investments encashed			
X.	Term Deposits with Scheduled Banks encashed		-	230,359,331
XI.	Other Income (Including Prior Period Income)			
	i) Prior Period Income	1,300,208		
	ii) Performance Guarantee Collected from M/s. Sri Krishna Shelters Pvt. Ltd.,	49,826,008		
	iii) Penality charged to Consultant Architect	198,216		
	iv) Deposits from Students			
	a) Library	230,000		730,000
	b) School	230,000		730,000
	c) Hostel	234,000		744,000
	d) Mess	122,500		302,500
	v) Performance Security Collected from Consultant Architect	332,795		
	vi) Other Incomes / Receipts	1,834,320	54,308,047	17,945,191
	vii) Statutory Liabilities			11,070,165
XII.	To Deposits & Advances			
	i) Increase in other liablities / provisions	3,856,427		427,301
	ii) Decrease in Prepaid Exp.	1,667,730	5,524,157	
XIII.	Miscilaneous Receipts including Statuory Receipts			
XIV.	Any Other Receipts			
	a) Advances Adjusted			247,666,613
	b) Fees collected in advance (2015-16)			45,300
	c) Sale of Assets Almirahs & Gas			14,618
	d) Excess payments of previous years recovered			951,567
	e) Fees Receipts from CSAB			80,000
	TOTAL		404,433,531	850,157,037

	PAYMENTS	Current Year Amount (₹)	Current Year Amount (₹)	Previous Year Amount (₹)
IX.	Refund of Grants			
	a) DIC, IIT Mumbai	1,507,198	1,507,198	
X.	Deposits and Advances			240,000,000
XI.	Other Payments			
	i) Advances given			
	a) Staff	693,829		
	b) CPWD	59,229,367	59,923,196	166,215,152
	ii) Deposits		47,362	367,972
	iii) Sponsored Projects		160,436	
	iv) Scholarship		30,647	
	v) Fees Receivable	58,969.00		
	vi) Prior Period expenses	16,400.00		
	vii) payment to creditors	1,959,731.00	2,035,100	
	viii) Academic Fee refunded to withdrawn students			363,390
	ix) Deposits returned to Students			
	a) Hostel			570,000
	b) Library			495,000
	c) Mess			193,000
	d) School			495,000
	x) Other Payments / refunds			13,846,703
XII.	**By Closing Balance :**			
	a) Cash in hand			
	b) Bank balances			
	i. In Current Account	86,943.47		
	ii. In Deposit Account	21,210,000		
	iii. In Savings Account	7,051,598.82	28,348,542	13,908,697
	TOTAL		404,433,531	850,157,037

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

::4::

Audited,
SAO/CGA-I

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31-03-2016

SCHEDULE - 1 : CORPUS / CAPITAL FUND

(Amount in ₹.)

PARTICULARS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balance as at the beginning of the year	7,79,13,755	5,57,07,338
Add : Contributions towards Corpus/Capital Fund		
Add : Grants from UGC, Government of India and State Government to the extent utilized for capital expenditure		
Add : Penality recovered from Consultant Architect	1,98,216	
Add : Assets Purchased out of Earmarked Funds (Previous Years 2008 09 to 2013-14)	5,48,38,274	
Add : Assets Purchased out of Earmarked Funds (Previous Year 2014-15)	5,77,77,181	
Add : Assets Purchased out of Earmarked Funds (Current Year 2015-16)	84,71,853	
Add : Capital expenditure i.e., for construction of buildings for Campus expenses paid to Architect, Site Survey, Fire Dept., GoAP & Pollution	1,24,14,315	
Add : Capital expenditure i.e., for construction of buildings for Campus as per Form - 65 of CPWD as on 31-03-2016	43,32,22,000	
Add : Assets Purchased out of Sponsored Projects, where ownership vests in the institution		
Add : assets Donated / Gifts Received		
Add: Excess provision made during the previous year(s) towards Gratuity	27,32,690	
Add : Others Additions		
(i) Prior Period excess payments recovered/adjusted during the year	13,00,208	9,51,567
(ii) Assets acquired out of CPDA		13,59,592
(iii) Performance Guarantee recovered by the CPWD from M/s. Sri Krishna Shelters Pvt. Ltd., due to termination of contract and credited to SPAV deposit account with CPWD	4,98,26,008	
Less : Previous Year Depreciation for assets purchased out of CPDA		(9,66,274)
Less : Prior Period receipts adjusted during the year	(16,400)	
Less : Prior Period Capital Grants-in-aid	(8,00,00,000)	
Add : Excess of Income over expenditure transferred from the Income & Expenditure Account	1,95,90,866	2,08,61,532
TOTAL	**63,82,68,966**	**7,79,13,755**
Deduct : Deficit transferred from the Income & expenditure Account		
BALANCE AT THE YEAR -END		

REGISTRAR (I/c) **DIRECTOR (I/c)**

SCHEDULE - 2 : DESIGNATED / EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Particulars	Fund wise Breakup				Total	
	Creation of Capital Asset	Building Materials & Technology Promotion Council, Ministry of Urban Development, GoI	Design and Innovation Center (DIC, IIT Mumbai)	Endowment Funds	Current Year	Previous Year
A						
a) Opening balance	56,90,00,000	4,39,152	17,50,000		57,11,89,152	36,03,00,000
b) Additions during the year	16,20,78,571	4,75,000			16,25,53,571	20,87,00,000
c) Income from investments made of the funds					-	
d) Accrued Interest on investments/Advances					-	
e) Interest on Savings a/c.					-	
f) Other additions (Specify nature)					-	
i) Grants sanctioned during 2014-15 & released in April 2015 during 2015-16	25,00,000				25,00,000	
ii) Grants sanctioned during previous years relating to creation of capital Assets	8,00,00,000				8,00,00,000	
TOTAL (A)	81,35,78,571	9,14,152	17,50,000	-	81,62,42,723	56,90,00,000
B						
Utilisation / Expenditure towards objectives of funds					-	
i) Capital Expenditure	13,35,01,623				13,35,01,623	
ii) Revenue Expenditure		2,53,281	2,42,802		4,96,083	
iii) Capitalwork-in-progress	43,32,22,000				43,32,22,000	
iv) Grant returned			15,07,198		15,07,198	
TOTAL (B)	56,67,23,623	2,53,281	17,50,000	-	56,87,26,904	-
Closing balance at the year end (A-B)	24,68,54,948	6,60,871	-	-	24,75,15,819	56,90,00,000

Represented by

Cash and Bank Balances						
Investments						
Interest accrued but not due						
TOTAL	0	0	0	0	0	0

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE 3 - CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

(Amount in ₹)

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Deposits from staff				
2. Deposits from students				
i) Library	28,65,000		26,35,000	
ii) School	28,50,000		26,20,000	
iii) Hostel	30,84,000		28,50,000	
iv) Mess	12,65,000	1,00,64,000	11,42,500	92,47,500
3. Sundry Creditors				
a) For Goods & Services				
b) Others				
- Staff Payments & Benefits	3,865		10,341	
- Academic Expenses	42,200		1,03,521	
- Administrative and General Expenses	6,81,858		12,33,176	
- Others	6,583		13,47,199	
- Fixed Assets	91,130	8,25,636	91,130	27,85,367
4. Deposit - Others (including EMD, Security Deposit)		26,74,585		23,41,790
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC Tax, CPF, GIS, NPS)				
a) Overdue				
b) Others				
6. Other Current Liabilities				
a) Salaries				
b) Receipts against sponsored projects				
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships				
d) Unutilised Grants		2,32,83,077		
e) Grants in advance				
f) Other funds				
g) Other liabilities				
i) Building Materials & Technology Promotion Council			4,39,152	
ii) Alumni Association Fees	3,37,000		-	
iii) NASA Fees	2,43,401		1,69,490	
iv) NOS Plan Fees	3,42,382		3,38,586	
v) SPA Stores Association Fees	2,35,000		2,35,000	
vi) Student Aid Fund	4,75,946		3,67,326	
vii) Student Association Fees	9,87,411		10,39,391	
viii) Fees refundable to Students	2,90,655		2,90,655	
ix) Scholarships			55,696	
x) Timebarred Cheques			1,17,890	
xi) Mess Advance	29,26,941		36,50,861	
xii) Excess Fees paid at CSAB	3,200		3,200	
xiii) Personal Deposit (Excess Fees paid by students)	77,986		31,404	
xiv) Pre-collected (Tution Fees)	19,98,702		45,300	
xv) Design & Innovation Center (DIC)			17,50,000	
xvi) Expenses payable	10,55,150		12,59,115	
		89,73,774		**97,93,066**
TOTAL (A)		**4,58,21,072**		**2,41,67,723**
B. Provisions				
1. For Taxation				
2. Gratuity	12,26,000		39,58,690	
3. Superannuation Pension				
4. Accumulated Leave Encashment	57,36,000		32,49,433	
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (specify)				
TOTAL (B)		**69,62,000**		**72,08,123**
TOTAL (A+B)	-	**5,27,83,072**	-	**3,13,75,846**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 4 : FIXED ASSETS

Sl. No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost / valuation as at beginning of the year	Additions	Deductions	Closing Balance	Dep. Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions / Adjustment	Total Depreciations	31.03.2016	As at the previous year end
1	Land	1			1					1	1
2	Site Development				-						
3	Buildings				-						
4	Roads & Bridges				-						
5	Tubewells & Water Supply				-						
6	Sewerage & Drainage				-						
7	Electrical Installation and equipment	4,135,823	37,060		4,172,883	898,472	326,194		1,224,666	2,948,217	3,237,351
8	Plants & Machinery	966,022	22,150		988,172	130,270	48,522		178,792	809,380	835,752
9	Scientific & Laboratory Equipment	1,793,381	2,411,476		4,204,857	134,503	601,202		735,705	3,469,152	1,658,878
10	Office Equipment	2,838,443	-		2,838,443	1,219,970	242,771		1,462,741	1,375,702	1,618,473
11	Audio Visual Equipment				-				-	-	
12	Computer & Peripherals	11,310,798	1,112,297		12,423,095	9,980,135	1,140,222		11,120,357	1,302,738	1,330,663
13	Furniture, Fixtures & Fittings	20,955,762	633,216		21,588,978	6,350,520	1,518,441		7,868,961	13,720,017	14,605,242
14	Vehicles	155,725			155,725	89,686	9,906		99,592	56,133	66,039
15	Library Books & Scientific Journals	8,838,817	250,751		9,089,568	7,746,273	743,061		8,489,334	600,234	1,092,544
16	Small Value Assets				-				-	-	
	XI. Other fixed assets				-				-	-	
	a) Constructions	2,671,227			2,671,227	649,747	202,148		851,895	1,819,332	2,021,480
	b) Sports	90,038			90,038	36,246	8,069		44,315	45,723	53,792
17	Fixed Assets purchased out of Cumulative Professional Development Allowance				-				-	-	
	i) Computers/peripherals	2,027,433			2,027,433	1,315,851	515,606		1,831,457	195,976	711,582
	ii) Books	203,198	3,995		207,193	138,249			138,249	68,944	64,949
	ii) Equipment	447,910			447,910	127,028			127,028	320,882	320,882
	Total (A)	56,434,578	4,470,945	-	60,905,523	28,816,950	5,356,142	-	34,173,092	26,732,431	27,617,628
18	Capital Work-in-progress (B)	301,717,911	194,335,922		496,053,833	-				496,053,833.00	301,717,911

Sl. No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost / valuation as at beginning of the year	Additions	Deductions	Closing Balance	Dep. Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions / Adjustment	Total Depreciations	31.03.2016	As at the previous year end
19	Computer Software	10,543,731	261,177		10,804,908	8,584,068	1,330,648		9,914,716	890,192	1,959,663
20	E-Journals										
21	Patents										
	Total (C)	10,543,731	261,177	-	10,804,908	8,584,068	1,330,648	-	9,914,716	890,192	1,959,663
	GRAND TOTAL (A+B+C)	368,696,220	199,068,044	-	567,764,264	37,401,018	6,686,790	-	44,087,808	523,676,456	331,295,202

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 5 : INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. In Central Government Securities		
2. In State Government Securities		
3. Other approved Securities		
4. Shares		
5. Debentures and Bonds		
6. Term Deposits with Banks		
7. Others (to be specified)		
Total	0.00	0.00

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 6 : INVESTMENTS - OTHERS

(Amount in ₹)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. In Central Government Securities		
2. In State Government Securities		
3. Other approved Securities		
4. Shares		
5. Debentures and Bonds		
7. Others (to be specified)		
Total	0	0

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 7 : CURRENT ASSETS

(Amount in ₹.)

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Stock:				
a) Stores and Spares				
b) Loose Tools				
c) Publications				
d) Laboratory chemicals, consumbales and glass ware				
e) Building Material				
f) Electrical Material				
g) Stationery				
h) Water supply material				
2. Sundry Debtors:				
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	50,000		50,000	50,000
b) Others Fees receivable	58,969	1,08,969		
3. Cash and Bank Balances				
a) With Scheduled Banks:				
- In Current Accounts (SBI A/c. No. 00000032958139844)	86,943		2,29,102	
- In Term Deposit Accounts:-			3,29,51,627	
(i) TDR No. 35582720061	1,00,00,000			
(ii) TDR No. 35582723437	1,00,00,000			
(iii) TDR No. 33245393666 (Bank Guarantee)	12,10,000			
- In Savings Accounts (SBI A/c. No. [illegible])	70,51,599	2,83,48,543	1,36,79,596	4,68,60,324
b) With non-Scheduled Banks:				
- In Term Deposit Accounts				
- In Savings Accounts				
5. Post Office - Savings Accounts				
TOTAL		2,84,57,512		4,69,10,324

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 8 : LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

(Amount in ₹.)

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)				
a) Salary				
b) Festival				
c) LTC				
d) Medical				
e) Other (to be specified)				
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)				
a) Vehicle loan				
b) Home loan				
c) Others (to be specified)				
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received				
a) On Capital Account	35,60,39,781.00		29,68,10,414	
b) to suppliers				
c) Others	6,97,019.00	35,67,36,800.00	3,190	29,68,13,604
4. Prepaid Expenses				
a) Insurance	3,096.00		7,564	
b) Administrative & General Expenses			19,82,062	
b) Other expenses	3,18,799.84	3,21,895.84		19,89,626
5. Deposits:				
a) Telephone				
b) Lease Rent	12,58,200.00		12,18,200	
c) Electricity	17,370.00		17,370	
d) AICTE, if applicable				
e) MCI, if applicable				
f) Others (to be specified)	52,636.28	13,28,206.28		
i) The KDCO Mutually Aided Cooperative Stores, Vijayawada			38,474	
ii) Gas Cylinder Deposit			6,800	12,80,844
6. Income Accrued:				
a) On Investments from Earmrked/Endowment Funds				
b) On Investments-Others				
c) On Loans and Advances				
d) Others (interest accrued on Fixed Deposits)	4,77,333.00	4,77,333.00		
7. Other - Current assets receivable from UGC/sponsored projects				
a) Debit balances in Sponsored Projects	1,60,436.00			
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships	30,647.00			
c) Grants Receivable -- MoHRD, GoI	2,73,78,571.00			
d) Other receivables from UGC		2,75,69,654.00		
8. Claims Receivable				
TOTAL		38,64,33,889.12		30,00,84,075

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 9 : ACADEMIC RECEIPTS

(Amount in ₹.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
FEE FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	1,10,83,808.00	97,15,730
2. Admission fee		
3. Enrolment fee	2,82,200.00	3,02,000
4. Library Admission fee		
5. Laboratory Fee		
6. Art & Craft fee		
7. Registration fee	2,58,050.00	2,61,500
8. Syllabus fee		
9. Magazine fee	1,62,630.00	1,53,600
10. Academic Support Fee	21,72,400.00	20,55,000
TOTAL (A)	**1,39,59,088.00**	**1,24,87,830**
Examinations		
1. Admission test fee	1,84,045.00	
2. Annual Examination fee	29,400.00	40,350
3. Mark sheet, certificate fee	55,600.00	83,920
4. Entrance examination fee		
TOTAL (B)	**2,69,045.00**	**1,24,270**
Other fees		
1. Identity Card fee	6,250.00	9,100
2. Fine/Miscellaneous fee	44,300.00	72,389
3. Medical fee		
4. Transportation fee	11,99,100.00	9,75,500
5. Hostel fee		
a) Electricity Charges	12,58,350.00	12,04,920
b) Medical Fee	1,96,150.00	2,10,620
c) Room Rent	33,52,850.00	32,39,070
6. Games fee	1,62,630.00	1,54,500
7. Readmission fee	5,000.00	35,000
8. Convocation Fees	3,88,500.00	
TOTAL (C)	**66,13,130.00**	**59,01,099**
Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms		
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc.,		
3. Sale of prospectus including admission forms		81,350
TOTAL (D)	-	**81,350**
Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes	11,501.00	
2. Registration fees (Academic Staff College)		
TOTAL (E)	**11,501.00**	-
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**2,08,52,764.00**	**1,85,94,549**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE 10 - GRANTS / SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

(Amount in ` .)

PARTICULARS	PLAN			TOTAL PLAN	NON PLAN UGC	CURRENT YEAR TOTAL	PREVIOUS YEAR TOTAL
	GOVT. OF INDIA	UGC					
		PLAN	SPECIFIC SCHEMES				
Balance B/F				-		-	
Add : Receipts during the year	13,61,00,000.00			13,61,00,000		13,61,00,000	10,38,00,000
TOTAL	13,61,00,000.00			13,61,00,000		13,61,00,000	10,38,00,000
Less : Refund to UGC	-			-		-	0
Balance	13,61,00,000.00			13,61,00,000		13,61,00,000	10,38,00,000
Less : Utilised for Capital expenditure (A)	-			-		-	0
Balance	13,61,00,000.00			13,61,00,000		13,61,00,000	10,38,00,000
Less : Utilized for Revenue Expenditure (B)	11,28,16,923.04			11,28,16,923		11,28,16,923	0
Balance C/F (C)	2,32,83,076.96			2,32,83,077		2,32,83,077	10,38,00,000

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 11: INCOME FROM INVESTMENTS

(Amount in ` .)

Particulars	Earmarked / Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1. Interest				
a. On Government Securities				
b. Other Bonds/Debentures				
2. Interest on Term Deposits	26,93,466	41,51,138		
3. Income accrued but not due on Term Deposists / Interest bearing	2,98,741			
4. Interest on Savings Bank account				
5. Others (Specify)				
TOTAL	**29,92,207**	**41,51,138**	-	-
Transferred to Earmarked / Endowment Funds				
Balance	**29,92,207**	**41,51,138**	-	-

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDUEL 12 : INTEREST EARNED

(Amount in ` .)

Particulars	Current Year	Previous Year
1. On Savings Accounts with Schedule Banks	5,98,365	7,53,978
2. On Loans		
a. Employees/Staff		
b. Others		
3. On Debtors and Other Receivables		
TOTAL	5,98,365	7,53,978

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 13 : OTHER INCOME

(Amount in `.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A. Income from Land & Building		
1. Hostel Room Rent		
2. License Fee		
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc		
4. Electricity charges recovered		
5. Water charges recovered		
TOTAL (A)	-	
B. Sale of Institute's publications	-	
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/sports carnival		
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/sports carnival		
2. Gross Receipts from fetes		
Less: Direct expenditure incurred on the fetes		
3. Gross Receipts for educational tours		
Less: Direct expenditure incurred on the tours		
4. Others (to be specified and separately disclosed)		
TOTAL (C)	-	
D. Others		
1. Income from consultancy		
2. RTI Fees	80	130
3. Income from Royalty		
4. Sale of application form (recruitment)		1,000
5. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, etc.)	22,000	13,31,688
6. Profit on Sale/disposal of Assets:		
a) Owned assets		
b) Assets received free of cost		
7. Grants / Donations from Institutions, Welfare Bodies and International Organizations		
8. Others (specify)		
a) CCMT - Center Fees	4,46,400	
b) CSAB - Center Fees	11,03,867	
c) DASA - Center Fees	2,28,063	
d) Library Book Festival	30,000	
e) Licence Fees	3,910	
TOTAL (D)	**18,34,320**	**13,32,818**
GRAND TOTAL (A+B+C+D)	**18,34,320**	**13,32,818**

REGISTRAR (I/c) **DIRECTOR (I/c)**

SCHEDULE 14 - PRIOR PERIOD INCOME

(Amount in ` .)

Particulars	Current Year	Previous Year
1. Academic Receipts		
2. Income from Investments		
3. Interest earned		
4. Other Income		
TOTAL	0	0

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 15 : STAFF PAYMENTS & BENEFITS (Establishment Expenses)

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
a) Salaries and Wages						
1) Faculty	1,46,70,182		**1,46,70,182**	1,81,51,610		**1,81,51,610**
2) Non-Faculty	38,88,568		**38,88,568**	31,81,607		**31,81,607**
b) Allowances and Bonus			-			-
1) Faculty	1,05,01,256		**1,05,01,256**	1,05,89,606		**1,05,89,606**
2) Non-Faculty	43,38,172		**43,38,172**	42,38,928		**42,38,928**
c) Contribution to Provident Fund			-			-
1) Faculty	0		-	--		-
2) Non-Faculty	0		-	—		-
d) Contribution to Other Fund (NPS)			-			-
1) Faculty			-	14,39,664		**14,39,664**
2) Non-Faculty			-	5,71,282		**5,71,282**
e) Staff Welfare Expenses			-			-
1) Faculty			-			-
2) Non-Faculty	-		-			-
f) Retirement and Terminal Benefits - NPS			-			-
1) Faculty	14,60,237		**14,60,237**			-
2) Non-Faculty	5,33,165		**5,33,165**			-
g) LTC facility			-			-
1) Faculty	2,40,017		**2,40,017**	1,16,302		**1,16,302**
2) Non-Faculty	12,908		**12,908**	53,456		**53,456**
h) Medical facility			-			-
1) Faculty	3,48,803		**3,48,803**	1,68,482		**1,68,482**
2) Non-Faculty	86,821		**86,821**	1,67,918		**1,67,918**
i) Children Educaiton Allowance			-			-
1) Faculty	3,99,215		**3,99,215**	2,77,500		**2,77,500**
2) Non-Faculty	1,20,147		**1,20,147**	84,183		**84,183**
j) Honorarium			-			-
1) Faculty			-			-
2) Non-Faculty	-		-			-
k) TA/DA Expenses			-			-
1) Faculty			-			-
2) Non-Faculty	-		-			-
l) Others (specify)			-			-
1) Faculty (CPDA)			-			-
2) Non-Faculty	-		-			-
l) Additional Remuneration			-			-
1) Faculty	92,322		**92,322**	1,29,768		**1,29,768**
2) Non-Faculty	-		-			-
M) Leave Encashment			-			-
1) Faculty	20,460		**20,460**	91,437		**91,437**
2) Non-Faculty	1,10,067		**1,10,067**	16,310		**16,310**
TOTAL	**3,68,22,340**	-	**3,68,22,340**	**3,92,78,053**	-	**3,92,78,053**

REGISTRAR (I/c) **DIRECTOR (I/c)**

SCHEDULE - 16 : ACADEMIC EXPENSES

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
a) Laboratory expenses	13,638.00		13,638	1,41,705		1,41,705
b) Field work/Participation in Conferences	9,62,926.50		9,62,927	3,84,142		3,84,142
c)Expenses on Seminars/Worshops	10,34,436.00		10,34,436	13,85,292		13,85,292
d) Payment to Visiting Faculty	40,34,462.00		40,34,462	17,51,050		17,51,050
e) Examination	54,312.00		54,312	14,52,455		14,52,455
f) Student Welfare Expenses	29,61,134.00		29,61,134	41,47,068		41,47,068
g) Admission Expenses	13,73,867.00		13,73,867	7,73,325		7,73,325
h) Convocation Expenses	9,41,329.00		9,41,329			-
i) Publications	1,13,596.00		1,13,596	1,37,515		1,37,515
j) Stipend/means-cum-merit scholarship	33,00,800.00		33,00,800	9,97,350		9,97,350
k)Subscription Expenses	47,60,872.72		47,60,873	7,99,635		7,99,635
l) Others (specify)			-			-
i) Prospectus & Syllabus	6,048.00		6,048			-
ii) Medical Expenses	2,32,113.00		2,32,113			-
iii) CoA Expenses	1,28,627.00		1,28,627	1,00,000		1,00,000
iv) CPDA Expenses	6,26,992.00		6,26,992	1,73,181		1,73,181
v) Games Expenses	1,87,031.00		1,87,031			-
vi) Library Book Festival Expenses	18,596.00		18,596			-
TOTAL	2,07,50,780.22	-	2,07,50,780	1,22,42,718	-	1,22,42,718

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 17 : ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

(Amount in `)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
A. Infrastructure						
a) Electricity and Power	23,33,673		23,33,673	19,91,738		19,91,738
b) Water charges	3,14,612		3,14,612	2,78,544		2,78,544
c) Insurance	29,580		29,580	53,487		53,487
d) Rent, Rates and Taxes (including property ta	2,54,78,361		2,54,78,361	2,24,82,363		2,24,82,363
B. Communication			-			-
e) Postage & Stationery	48,816		48,816	72,160		72,160
f) Telephone, Fax and Internet charges	13,57,083		13,57,083	14,49,702		14,49,702
C. Others			-			-
g) Printing & Stationery	4,69,701		4,69,701	3,75,030		3,75,030
h) Travelling and Conveyance Expenses	12,97,989		12,97,989	4,86,879		4,86,879
i) Hospitality	5,31,415		5,31,415	57,086		57,086
j) Auditors Remuneration	1,33,665		1,33,665	75,000		75,000
k) Professional Charges	19,758		19,758	88,538		88,538
l) Advertisement and Publicity	7,93,774		7,93,774	1,86,007		1,86,007
m) Others (specify)			-			-
i) Meeting Expenses	10,83,149		10,83,149	11,15,483		11,15,483
ii) Contingent Expenses	34,513		34,513	1,69,272		1,69,272
iii) Rajabhsha Expenses	7,400		7,400	14,800		14,800
iv) Outsourcing Staff Salaries	1,47,42,425		1,47,42,425	1,35,98,313		1,35,98,313
v) CRA Charges	5,899		5,899	6,041		6,041
vi) Foundation Day Expenses			-	32,969		32,969
vii) Legal Expenses	5,000		5,000			
TOTAL	4,86,86,813	-	4,86,86,813	4,25,33,412	-	4,25,33,412

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE -18 : TRANSPORTATION EXPENSES

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
1. Vehicles (owned by educational institution)						
a) Running expenses						
b) Repairs & Maintenance						
c) Insurance expenses						
2. Vehicles taken on rent/lease	5,83,207		5,83,207	9,26,326		9,26,326
3. Vehicle (Taxi) hiring expenses						
TOTAL	5,83,207	-	5,83,207	9,26,326	-	9,26,326

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 19 : REPAIRS & MAINTENANCE

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
a) Buildings	4,39,585		4,39,585	13,80,638		13,80,638
b) Furniture & Fixtures	81,155		81,155	1,56,294		1,56,294
c) Plant & Machinery	76,418		76,418	4,28,666		4,28,666
d) Office Equipment	9,48,453		9,48,453	4,64,376		4,64,376
e) Computers	1,59,668		1,59,668			-
f) Laboratory & Scientific equipment		-	-			-
g) Audio Visual Equipment			-			-
h) Cleaning Material & Services	1,61,316		1,61,316	2,40,535		2,40,535
i) Book binding charges	23,220		23,220	24,930		24,930
j) Gardening			-			-
k) Estate Maintenance			-			-
l) Others (specify)			-			-
TOTAL	**18,89,815**	-	**18,89,815**	**26,95,439**	-	**26,95,439**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 20 : FINANCE COSTS

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
a) Bank Charges	5,956.15		5,956.15	9,796.00		9,796.00
b) Others (specify)						
TOTAL	**5,956.15**	**-**	**5,956.15**	**9,796.00**	**-**	**9,796.00**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE - 21 : OTHER EXPENSES

(Amount in ` .)

	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances						-
b) Irrecoveerable Balances Writeen-off						-
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations						-
d) Others (specify)						-
i) Provision for EL Encashment	24,86,567		24,86,567	14,10,230		14,10,230
ii) Provision for Gratuity				5,62,733		5,62,733
iii) Library Books & Almirahs Written-off				75,219		75,219
TOTAL	**24,86,567**	**-**	**24,86,567**	**20,48,182**		**20,48,182**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

SCHEDULE 22 : PRIOR PERIOD EXPENSES

(Amount in `.)

Particulars	CURRENT YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Plan	Non-Plan	Total	Plan	Non-Plan	Total
1. Establishment expenses	1,77,328		1,77,328	6,639		6,639
2. Academic Expenses	1,56,885		1,56,885	50,198		50,198
3. Administative Expenses	12,57,232		12,57,232	13,439		13,439
4. Transporation Expenses			-			-
5. Reparis & Maintenance			-	32,217		32,217
6. Other Expenses			-			-
TOTAL	**15,91,445**	-	**15,91,445**	**1,02,493**	-	**1,02,493**

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

Audited.

SAO/CGA-I

SCHEDULE 23 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. BASIS FOR PREPATION OF ACCOUNTS

The accounts are prepared under the Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the Accrual method of accounting.

2. INVESTMENTS

The School had invested the funds in Fixed Deposits and the School has no Investments. Hence Accounting Standard - 13 not applicable.

3. VALUATION OF INVENTORIES

Expenditure on purchase of chemicals, stationary etc., are accounted as revenue expenses.

4. FIXED ASSETS

a) Fixed assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning.

b) The Fixed Assets purchased by Faculty out of the Cumulative Professional Development Allowance from the inception of the allowance are exhibited as Fixed Assets of the Institution by passing required entries.

c) The School had been allotted 9.66 acres of land in total at Government Polytechnic College, Vijayawada by the Government of Andhra Pradesh. The value of land is taken as Rs.1 in the books as it is allotted at free of cost.

d) E-Journals & Computer Software are grouped under Intangible Assets.

5. DEPRECIATION

Depreciation is provided on WDV – method as per rates specified in the Income Tax Act 1961.

In respect of additions / deductions from fixed assets during the year, depreciation is calculated as per Income Tax Act 1961.

6. GOVERNMENT GRANTS/SUBSIDIES

1. Government Grants are accounted on realization basis. However, where a sanction for release of grants pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.
2. To the extent utilized towards capital expenditure (on accrual basis) government grants are transferred to the Capital fund.
3. Government grants for meeting Revenue Expenditure (on accrual basis) are treated, to the extent utilized, as income of the year in which they are realized.
4. Unutilized grants (including advances paid out of such grants) are carried forward and exhibited as a liability in the Balance Sheet.

7. Revenue Recognition

i) The Following Fee collected from students are treated as Income:

Enrolment Fee, Tution Fee, Games Fee, Students Magazine Fee, Registration Fee, Academic Support Fee, Hostel Electricity Charges, Hostel Medical Fee, Transportation Fee and Hostel Room Rent.

ii) The Following Fees collected from students are shown under Current Liabilities: Students Aid Fund, NASA Fee, NoS Plan Fee, Students Association Fee, Alumni Association Fee.

These amounts are to be spent for the purpose for which they were collected.

iii) Only Tuition Fees was accounted on accrual basis.

8. **FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS :** NIL

9. **RETIREMENT BENEFITS**

Retirement benefits i.e, Death Gratuity and Leave Encashment are provided on the basis of actuarial valuation.

10. LEASE :

Lease rentals are expensed with reference to lease terms.

REGISTRAR (I/c) **DIRECTOR (I/c)**

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE : VIJAYAWADA

SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31-03-15

SCHEDULE 24 – CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. CONTINGENT LIABILITIES

i) Claims against the Entity not acknowledge as debts -----NIL-----(Previous year -------NIL-------)

ii) In respect of : Bank Guarantees given by/on behalf of the Entity – Rs.12,10,000/-(Previous year Rs.12,10,000/-)

a) Letters of Credit opened by bank on behalf of the Entity -----N.A.----- (Previous year : ------N.A-----)

b) Bills discounted with banks -------NA-------- (Previous Year -----------NA--------)

iii) Disputed demands in respect of :

a) Income tax ------NIL------- (Previous year------NIL-------)
b) Sales tax------NIL------- (Previous year ------NIL-------)
c) Municipal Taxes ------NIL-------(Previous year------NIL-------)

iv) In respect of claims from parties for non-executed of orders, but contested by the Entity-----NIL----- (Previous year------NIL-----)

2. CAPITAL COMMITMENTS

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account not provided for (net of advances); -----NIL----- (Previous year-----Nil-----)

3. **LEASE OBLIGATIONS**

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to ------NIL----- (Previous year-------NIL--------)

4. **CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES**

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. **TAXATION**

The Income of Educational Institution which is wholly or substantially financed by Government are exempt from Income Tax as per Section 10 (23C) (iiiab) of IT Act 1961. Hence, the Income of the School is exempted from Income Tax.

6. **FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS**	**Current Year**	**Previous year**
I. Value of imports calculated on C.I.F. Basis :		
- Purchase of finished goods	NIL	NIL
- Raw materials & Components (Including in transit)	NIL	NIL
- Capital Goods	NIL	NIL
- Stores, Spares and Consumables	NIL	NIL
II. Expenditure on foreign currency:		
a) Travel (USD-0, GBP 0)		
b) Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency	NIL	NIL
c) Other expenditure	NIL	NIL
- Commission on Sales	NIL	NIL
- Purchase of Computer Software (Laboratory)	NIL	NIL
- Legal and Professional expenses	NIL	NIL
- Miscellaneous expenses	NIL	NIL

III. Earnings :		
Value of Exports on FOB basis	NIL	NIL
IV. Remuneration to auditors :		
As Auditors		
-Taxation matters (e-TDS returns)	NIL	NIL
- For Management services	NIL	NIL
- For certification (AG Audit)	NIL	NIL
Others	NIL	NIL

7. Corresponding figures for the previous year have regrouped/rearranged, wherever necessary.

8. Final accounts figures are rounded off to nearest rupee.

9. Schedules 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31-03-2016 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

REGISTRAR (I/c)

DIRECTOR (I/c)

Audited.

SAO/CGA-1